

PUBLISHED BY AUTHORITT

नई बिस्ली, शनिवार, मार्च 23, 1985 (चेत्र 2, 1907) 2] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 23, 1985 (CHAITRA 2, 1907)

इस भाग में भिन्म पढ़ि संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संसला के कप में रखा जा सके (Soparate paging is given to this Cart in order that it may be flied as a separate compilation)

नाम [[[--**ज**ण्य 1 [PART HI—SECTION 1]

स्वाबालयों, निवन्त्रक और अहाते बायरी प्रक, संब्र लोक सेवर आयोग, रेन जिभाग और भारत सरकार के संज्ञान और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं softifications issued by the High Coarts, the Comptroller and Arlithm General, the Union Public Service Commission, the latina Covernment Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

५४ई दिल्ली-110011, दिनांक 7 फरवरी 1985

सं **ए 32018/4/83-प्रणा** ० 2- अध्यक्ष, संघ लोक सेवा अध्योग, एतद्द्वारा स्थायी प्रोग्राम महायक एवं कन्सोल आपरेटर श्रीमती रीता तुलसने को 1-1-85 से 15-2-85 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भा पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर ग्रुपर्केक राजपत्रित के पद पर श्री यू० आर० अम्ब्रणन, प्रोग्रामर जो इस समय योजना मंत्रालय में प्रतिनिय्क्ति पर हैं, के स्थान पर नियुक्त करते हैं।

प्रोग्रामर के पद पर उनकी निय्क्ति पूर्णत: तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> विजयभस्ला, अनुभाग अधिकारी (प्रणा०) कृते अध्यक्ष. मंघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो, सी० जी० ग्रो० कम्पलैक्स नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1985

सं 1-17/84 मी ० एफ ० एम ० एल ०/1395---राष्ट्रपति जी. ने डा० मोहम्मद एँजाज अली, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (डाक्मेंट) को वैज्ञानिक एण्ड युनिट, केन्द्रीय अन्वैषण ब्यूरी मद्राम शाखा, मद्रास में तदर्य आधार पर 6 माह के लिए अधिकारी **ग्रेड**⊸Ⅱ को (अपराह्न) वरिष्ठ वैज्ञामिक 6-2-85 से अगले आदेश तक के लिए तब तह निथ्कत करते हैं जब तक कि इस पद को स्थायी रूप से नहीं भर लिया जाता।

> आर० एस० नागपाल प्रशासकीय अधिकारी केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

गृह मंत्रालय

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 22 फरवरी 1985

सं० 11031/84-स्थापना—संघ लोक मेवा आयोग की सिफारिण पर डा० अरुण् कुमार बापुली की सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 650-30-740-द० रो० 810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40 1200 रुप्ये के बेनतमान में तथा अन्दीय स्र्रकार के नियमाधीन अन्य देय भन्नों के साथ दिनांक 14 फरवरी 1985 पूर्वीह्न से तथा अगले आदेशों नक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

ज्ञान चंद सिंधबी, निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 25 फरव**री** 1985

सं० डी० एफ० 33/83-स्थापना-1-- श्री ए० के० बेहरा, पुलिस उप-अधीक्षक, 38 वाहिनी के० रि० पु० बल, कलकत्ता को सेर्वाएं 07-2-1985, (अपराह्न) से सण्लाई विभाग (कामर्स एवं सप्लाई मंत्रालय) को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 28 फरवरी 1985

मं० डी॰आई -18/84—स्थापना ~ 1 —श्री सी० पाल सिंह पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की सेवाएं दिनांक 7-2—1985 (पूर्वाह्म) से पंजाब सरकार को हैंपुटेशन आक्रार पर सौंपी जाती हैं।

अणोक राज महीपति सहायक निर्देशक (स्थापना)

महानिदेणाक्षय, केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1985

सं० ई-32015(3)/18/84-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री एस० के० ताह को 11 फरवरी, 1985 से पुर्वाह्म से 26 मार्च, 1985 तक या इस समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर अस्थाई रूप से ग्रुप मुख्यालय, के० श्री० सु० बल, कलकत्ता में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/150/84-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री सोवरकर नायक को, प्रोन्नित पद पर 31 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म से 24 मार्च 1985 तक या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर श्रीर अस्थाई रूप से के० श्री० मु० बल, युनिट बी० सी० सी० एक० झरिया के महायक कमां डेंट के रूप में नियुक्त करते -हैं।

सं० ई-32915(4)/155/84- कामिक-1-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री एम० एस० पुरी, ने 10 अक्तूबर 1984 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय भी शोगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, मई दिल्ली में कार्यभार संभाल लिया भीर उन्हें प्रथम रिजर्व बटालियन, के० श्री० सु० बल, बड़वाहा में तैनात किमा गया, जहां उन्होंने 19 अक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से प्रथम रिजर्व बटालियन, के० श्री० सु० बल, बड़वाहा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाग लिया।

दिनांक 28 फरवरी 1985

सं० ई-32015(3)/15/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री वी लूईस राज को 16 फरवरी 1985 की पूर्वाह्न से 26-3-85 तक की अवधि के लिए या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, अस्थाई रूप में श्रीर पूर्णत्या तदर्थ आधार पर के० श्री० सु० अल युनिट, एम० पी० एम० हीशंगाबाद में कमां हेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनौक 1 मार्च 1985

सं० ई-16013(2)/11/85-कार्मिक-1-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री गुरबिन्दर सिंह भुल्लर, भा० पु० से० (पंजाब-69) ने 20 फरवरी, 1985 के अपरास्त्र 'से के० ग्री० सु० बल युनिट बी० एस० एस० सी० थुम्बा के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ए०के० सक्सैना सहायक मड़ानिरीक्षक कार्मिक

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 27 फरवरी 1985

सं प्रशासन 11/समूह-2/स०ले०प०अ०/अ०/12/388/766—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म० प्रव्यालियर ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को "नेक्सट बिलो रुल" के अन्तर्गत स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-880 द० रो० 40-1040 में उनके नामों के आगे दर्शाये दिनांक से प्रोकार्मा परोन्नति प्रदान की है:—

फ म	नाम	स्थाई क्रमांक	पद्योन्नति का
सं ०.			दिनांक
			(स०ले०प०
			अधिकारी)

1. श्री के ० सी ० गौतम अनु ० ग्रधि ० 02/470 1-3-84

2. श्रीजी०के०गुप्ताअनु०अघि० 02/2046 29-8-84

(प्राधिकार महा० ले० (ले० प०) प्रथम के आदेश दिनांक 3-2-1985)।

> एम[ं] दीना दयालन उप महालेखाकार (प्रशासन)

मर्वश्रा

कार्यालय महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) महाराष्ट

बम्बई-20, दिनांक 26 नवम्बर 1984

सं प्रशा 1 ले ० प०/सामान्य/सले ० प० प्र०/2(1)/8--महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित अनुभाग प्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखा गई तिथियों से प्रभावा पुन: आदेश जारों होने तक स० ले० प० प्रधिकारों के पद पर (वर्ग समूह "ब") सहपं नियुक्त किया है।

ऋम'	नाम	स० ले ० प ० भ ०	कार्यालय जिममें
सं०		के पद पर नियुक्ति	नियुक्त हुए हैं
		क। तिथि	

एस० एस० वैद्य 20-10-1984 महालेखाकार (पूर्वाह्म) (ले० प० बम्बई 20)
 बी एस० दलवा 22-10-1984 महालेखाकार (पूर्वाह्म) (ले० प० बम्बई-20)
 एप० एन० कीगी 30-10-1984 महालेखाकार (पूर्वाह्म) (ले० प० नागपुर

4. ड:० जी० जीगी 21- 7- 1984 निदेशक ले० प० (पूर्वाह्म) भेन्द्राय बस्वई

5. श्रामिती एम० एम० वैद्य 21- 7-1984 ,, (पूर्वाह्म)

6. कुमारो एल० एस० राव 21−7−1984 (पूर्वाह्न)

7. श्राव्हाकृष्णामृति ी 8–8−1984 ,, (पूर्वाह्म)

8. एन० एस० देशपांडे 21-8-1984 (पूर्वाह्म)

9. व्हो के० भ्रवादार 28-8-1984 ,, (पूर्वाह्म)

10. टो एम० वाघमारे 25-8-1984 महालेखाकार (पूर्वाह्म) (ले० प०) बस्कई-20

ĭ1. जे॰ एम॰ मुन 25-8-1984

दिनाक 14 जनवरी 1985

सं प्रशा - 1 लि प । सामा । स । ले । प । थ । | 2 (1) | 9-- महालेखाकार (ले । प) महाराष्ट्र, वम्बई ने निम्नलिखिस कि मुभाग ग्रिधिशारियों को स । ले । प । (समुह ध) के

रूप में उनके नामों के समक्ष लिखा तार ख से, दूसरा आदेश आते ताक, कार्य करने का आदेश जार किया है।

क्रम नाम स०ले०प• प्र० कार्यालय जहां नियुक्ति सं० के पद पर नियुक्ति का गई है का तिथि

1. श्रा डी० के० खेडकर

25-4-1984 म० ले० (ले०प०) (पूर्वाह्म) (1) नागपूर

2. वाई ० म्रार० रंगारी 27→8-1984 म० ले० (ले०प०) (पूर्वाह्म) (1) बम्बई

> पा० के० रामचन्द्रन वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेखार, दिनांक, 21 फरवरी 1985

सं० का० आ० 27—भारताय लेखा तथा लेखा पराक्षा विभाग (प्रणासनिक अधिकार, लेखा अधिकार, लेखा पराक्षा प्रधिकार, लेखा पराक्षा प्रधिकार। नियमावला 1964का व्यवस्थाओं के अधान महालेखाकार (लेखा पराक्षा) जाने आ वैष्णव चरण महान्ता, सहायक लेखा परीक्षा अधिकार, को कार्यवाह, लेखा पराक्षा अधिकार। के विजनान पर क० 840-40-1000 द० अ०-40-1200 के वैजनमान पर नियुक्त किया है। उनका पदोन्नति विना वराय अधिकार। के दावों को पक्षपात किए तथा उच्च/मर्वोच्च त्यायलय में पड़े हुए मामलों के निर्णय होने तक तदर्थ ख्या में को गया है।

वाई० ग्रार० स्वामा वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखातार (लेखा परीक्षा), राजस्थान जयपुर, दिनांक 27 फरवरी 1985

मं० प्रणासन-1 (लेखा पर)क्षा)/18-10/1020--महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित महायक लेखा पराक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रिधकार। (ग्रुप "वा" राजपित्रत) के पदों पर, जिसका वेतनमान 840-40-1000-द० अ०-40-1200 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों मे श्रागामा श्रादेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

श्रा राजनारायण शर्मा 28-11-1984 श्राराम सरत शर्मा 28-11-1984

> श्रमिताभ मुखोपाध्याय उप महालेखाकार (प्रशासन)

खाद्य और नागरिक पूर्ति मेहालय (नागरिक पूर्ति विभाग)

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय नई दिल्लो तारीख 23 फरवर: 1985

सं० ए० 11013/1/79~स्था०—इस निदेशीलय की 27 सिनस्यर, 1981 का इसा संख्या की अधिसूचना के कम में नागरिक पूर्ति विभाग में स्थानापन्न वरिष्ट हिन्दा मनुवादक श्रो पौ० एस० रावत को वनस्पत्ति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो.40-1200 रुपये के वेतननान में सहायक निदेशक (रा०भा०) के पद पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायाशाधार पर 1-10-1984 (पूर्वाह्न) से 31-12-84 (प्रपराह्न) तक और जारा रखा गया है।

की० एस० चामा मुख्य निदेशका

(वस्त्र विभाग)

बस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20 दिनांक, 14 मार्च 1985

सं. गी. ई आर. /10/85/4. — सूती वस्य (नियंत्रण) आदंश, 1948 के खण्ड 20 में प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में एतंद् द्वारा निदंश देता हूं कि अधिसूचना सं. सी. — ई.आर/10/77 दिनाक 15 अप्रैल, 1977 में अन्तर्विष्ट सभी आदंश 31 मार्च, 1985 के बाद एक साल की अतिरिक्त अविध अर्थात् 1अप्रैल, 1985 से 31 मार्च, 1986 तक कार्यवाही में रहींगे।

टी रामचन्द्र राव औद्योगिक सलाहकार एवं पदीन संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय.

औद्योगिक विज्ञाम विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी, 1985

मं 12(73)/61-प्रशा (राज) खण्ड-III राष्ट्रपति, उत्पादन केन्द्र, एट्ट्रमपुर में निदेशक, ग्रेड-II (यांद्रिकी) श्रा के वरेन्द्र नाथ को उसी कार्यालय में 9 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से, श्रगले आदेण होने तक, निदेशक ग्रेड-I (यांद्रिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 12 (132)/61-प्रशा० (राज०) खन्ड-4--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांचा में निदेशका श्री डब्स्यू० स० सा० हैवार्ड को, सेवा निवृति को श्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 जनवरा 1985 से सरकारा सेवा से सेवा निवृत होने को अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018(228)/75-प्रणा० (राज०) खन्ड-3 राष्ट्रपति, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ला के कार्यालय के उपनिदेशक (प्रचार) श्रा जे० सा० जैन को इसी कार्यालय में 25 जनवरा, 1985 के पूर्वाह्न से, ध्रगले आदेश होने तृक, निदेशक, ग्रेड-2 (प्रचार) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए- 19019 (342) / 78-प्रणासन (राज०) खन्छ-2-राष्ट्रपति, नधु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के अधं न शाखा, लघु उद्याग सेवा संस्थान, राजकोट में महायक निदेशक, कांच ग्रेड-1 (मित्तका) श्राजि० सा० पांडे को लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में 31-12-1984 से, अंगले आदेश होने तक, उप निदेणक (कांच / मित्तका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए 12018/4/83-प्रशा (जी०):--राष्ट्रपति, संविधान के प्रानुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एकोक्कृत प्रशिक्षण केन्द्र, नीलोखेड़ी (समूह "क' पद) नियम 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित' नियम बनाते हैं श्रयात् :---

- (1) इन नियमों का मिक्षप्त नाम एकोक्कत प्रशिक्षण केन्द्र नोलोखेड़ी (समूह "क" पद) भर्ती (संशो-धन) नियम 1984 है।
 - √(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. एकोकृत प्रशिक्षण केन्द्र नीलोखेडो (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1981 की अनुसूची में —
 - (1) प्रधानाचार्य के पद के सामने, स्तम्भ 12 में विद्यमान प्रविद्धि के म्थान पुर निम्नलिखित रखा जाएगा प्रथित्:—
 - (I) प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति
 - (i) ग्रध्यक्ष/सदस्य संघ लोक सेवा श्रध्यक्ष भायोग
 - (ii) संयुक्त विकास भायुक्त सदस्य
 - ¡(iii) निदेशक (प्रशासन) सदस्य
 - (iv) श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जन-जाति का उपसचिय को पंक्ति का एक श्रधिकार। सदस्य
 - (२) रपुष्टि के संबंध में जिचार करने के लिए) विभागीय प्रोकृति समिति :
 - (1) संयुक्त विकास प्रायुक्त ग्रध्यक्ष
 - (ii) निदेशक (प्रशासन) सदस्य
 - (iii) श्रनुसूचित जाति/ग्रनुसूचित जन- सदस्य जाति का उपमचियुकी पंक्ति का एक श्रधिकारी
 - (11) उप प्रधानाचार्य, ग्रामीण उद्योग विशेषज्ञ, ग्रीहोगिक प्रवन्ध विशेषज्ञ, यांत्रिक इंजानियर ग्रीर रसायन इंजीनियर के पदों के सामने, स्तम्भ-12 में विद्यमान प्रविद्यों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा ग्राभीत्:—

"(पुष्टि के सम्बन्ध में विचार करने के लिए) विभागीय प्रोन्नति समिति :

(I) संयुक्त विकास ग्रायुक्त

प्रध्यक्ष

(11) निदेशक (प्रशासन)

सदस्य

() भ्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जनजाति सदस्य का उप-सचिव की पंकित का एक श्रक्षिकारी

टिप्पणी: एकीकृत प्रशिक्षण केन्द्र, तीलोखेड़ी (समूह क पद) अपर्ती नियम, 1981.का निम्नलिखित प्रशिक्षचना द्वारा संशोधन किया गया था:---

(क) साठ काठ निठ 619 तारीख 3 ग्रगस्त, 1983 (देखिए श्रीधोगिक विकास विभाग की ग्रधिसूचना)

> सी० सी० **राय,** उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान श्रीर कोयला मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान न्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी, 1985

सं र्िं :19012(191)/83-स्था एः - विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री पी एम मोहुरले, तद्य श्रीधार पर खानज श्रीधकारी (श्रामुबना) को भारतीय खान क्यूरो में दिनांक 15 फरवरः 1985 के अपराह्न से नियमित रूप से खानज श्रीधकारी (श्रामुबना) के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा महायक प्रशासन श्रधिकारी, कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

बेहरादून, दिनांक 26 फरवरी, 1985

सं सी-6179/718-11:—श्री एनं प्रारं प्रयंगर स्थानापन्न कार्यालय प्रधीक्षक (विरुट्ड वेतनमान), सं प्रवं पां उ० केन्द्र की दिनांक 7-1-85 (प्रपराह्म) से स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी (सां कि सेवा प्रुप "बी") के पद पर प्राक-प्रदर्शी मार्नाचन्न उत्पादन सयन्त्र, हैयराबाद में 840-40-1200-द. रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित प्राधार पर श्री एमं सी प्रानन्द स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी के स्थानान्तरण के कारण नियुक्त किया जाता है

गिरीश चन्द्र ग्रग्नवाल भेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

श्राकाशकाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी, 1985

सं० 18/1/85-एसं०-4:--श्री बी० एस० बागा, सहायक ग्रिभियांतिक मुख्य इंजीनियर (पूर्व) के कार्यालय से 31-3-85 (ग्रेपराह्न) को सेवानिवृक्ष हुए हैं।

> जे० डी० भाटिया उपनिवेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, विनांक फरवरी, 1985

सं 3/48/61-एस० दी०:---निर्वत्तन की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० ए० टोपोवाला, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी भ्राकाशवाणी, वस्वई 3'1 जनवरी 1985 (भ्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं

> मोहन फांसिस प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० 4/32/84-एस०2:—महानिवेशक, आकाशवाणी एतप्दारा श्री मरुना मोहन सरमाह की 15-2-84 से आगले प्रादेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द रो०-40-1200 रुपये के वेतनमनान में आकाशवाणी दिवरगढ़ में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादन के पद पर नियुक्त करते है

हरीशचन्द्र जयाल प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

विशापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1 दिनांक 27 फरवरो 1985

सं ० ए०-12011/18/84-प्र० (प्र०):--विज्ञापन , प्रौर दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित प्रदर्शनी सहामकों को उनके नामों के सामने दिखाए गए स्थानों पर निम्न तारीखों से तदर्थ माधार पर ग्रस्थाई रूप से इस निवेशालय में क्षेत्रीय प्रवर्शनी - ग्राधकारी नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम	स्थान जहां से	स्थान जहां पर	दिनांक
2. শ্বী	एम०एम० पिल्ले भोलानाथ के०वी दामोदरन	नई दिल्ली	,	21-2-85 13-2-85 16-2-85
			जी० प्रानिदेशक (पी० भट्टी (प्रशासन)

कृषि श्रोर ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि श्रोर सहकारिता विभाग श्रथं एवं सांख्यिकी निदेशालय

कृते विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1985

सं० 7-1/79-स्था०।-ग्र० सा०--ग्राधिक एव सांख्यिकीय सलाहकार, निर्यामत वरिष्ठ विषणन ग्राधिसूचना निरोक्षक, श्रो ए० के० विश्वास, की विषणन ग्रासूचना ग्राधिकारों के पद की तक्ष्य नियुक्ति को 18-9-84 से ग्रागली 6 माम को भ्रवधि तक, भ्रयवा ग्रागले ग्रादेशों तक, इनमें से जो भो पहले हो, बढ़ाते हैं।

एम पी० मल्होता मुख्य प्रशासनिक **भवि**कारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विग्रुत परियोजना

बुलन्दगहर, दिनांक 2 मार्च 1985

सं कर न ० पर वि ० पर भर्ती / 11 (6) / 85 - एस ० / 2848 - प्रिध्सूचना सं ० न ० पर वि ० पर / प्रशा / II (1) / 84 - एस ० / 5777 दिनांक 27 - 8 - 1984 के द्वारा श्रिधसूचित, श्री गी विन्द सिंह की, तदर्थ श्राधार पर लेखाधिकारों - II के पद पर की गई नियुक्ति सितम्बर, 11, 1984 के श्रपराह्न से समाप्त की जाती है।

भ्रार० के० बालो मुख्य प्रशासन भ्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाय-500762, विनांक 25 फरवरी 1985

सं । ना । ई । स । ना । प्र । 8/3237/46 -- श्रिधवार्षिता को प्रायुप्राप्त कर चुकने पर नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के वैज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियंता (एस । डी ।) श्रा को छिमेहल्ल नंजुनदृश्यया राम बन्द्र दिनांः 31-12-1984 के मध्याह्न से सरकारी की सेवा से निवृत्त हो गए।

जी ० जी ० कुलकाणी, प्रयन्धक, कार्मिक व प्रकासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ला, दिनांक 16 फरवरों 1985

सं० ए० 32013/9/84-ई० ए०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० कृष्णामूर्ति, उपनिदेशक, बम्बई को तत्काल और अन्य श्रादेश होने तक क्षेत्राय नियन्त्रक विमान क्षेत्र, बम्बई क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है। इस कार्यालय का दिनांक 10 जनगरा, 1985 का अधिसूचना सं० ए० 32013/9/83-ई० ए० को रह समझा जाए।

जी० बी० लाल, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नहीं धिल्ला, दिनांक 25 फरवरी 1985

सं० ए० 38014/1/84-ई० एस० --- नियंतक केन्द्रं य रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ला के कार्यालय के आ टेक चन्द्र वर्मा, भंडार श्रधिकारा, तदर्थ (समूह "ख" पद) ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनां र 31-1-85 श्रपराह्म से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> वि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमान

नुई दिल्ला, दिनांक 26 फरवरी 1985

मं० ए० 32014/7/84-ई० स(०:--महानिर्देशक नागर विमानन ने श्री एन० एन० मिलक, तक्ष्माकी सहायक को दिनांक 29-12-1984 (प्विह्नि) से और अन्य आदेश होने तक सहायक तकनाक। अधिकार। के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

> वी० जय**चन्द्र**न, गहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985

मं 1/129/85-स्था०---बम्बई शाखा के उप परियात प्रबंधक, श्रो एम० ई० खात तिवर्तन ग्रायु के हो जाने पर 31 जनवरो, 1985 के भ्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए।

> र० का० ठक्कर, उपनिदेशक (प्रमा०) कृते महानिवेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ला-66, दिनांक 26 फरवरी 1985

मं० ए०-19012/932/81-म्या०-5-- विभागीय परीति समिति (समृह-ख) की सिफारिशों पर, श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल
ायोग, श्री ए० के० कोले/पर्यवेक्षय को केन्द्रिय जल श्रायोग में
'तिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेष्ठ में 6500-740-35-810-द० रो०-35-880 · 40-1000-द०
ो०-40-1200 के वेतनमान में 4-2-1985 पूर्वाह्र से
एस्य श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त श्रधिकारः केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्षत पहायक निदेशक के ग्रेड में उपरोक्त तार ख़ से दो वर्ष कः श्रवधि ३ लिए परिवोक्षा पर रहेंगे ।

> एस० महादेव भ्रय्यर, श्रवर सचिव (समन्वय)

केर्न्द्राय लोश निर्माण विभाग कार्यालय निर्माण महानिदेशक

नई फिल्ला, 'दिनांक 1 मार्च 1985

सं 32/3/8 4-ई० मा०-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य का श्रायु 58 वर्ष पूरा होने के बाद सरकारी सेवा के निवृत्त हो गये हैं। उनका सेवा निवृत्ति की तारीख उनके नाम के सामने दी गई हैं:--

ऋम	प्रधिकारी का नाम	सेवा निवृत्ति	पदनाम तथा श्राखिरी
सं०		को सिथि	तैनाती का स्थान
	 ार्वश्री		
1. 转	ी० के ० जैन	28-2-85	कार्यपालक ष्टंजीनियर
		(भ्रषराह्न)	(सिविल) लोक
			निर्माण विभाग, मं ड ल
			1 (दि० प्रमा०), नई
			दिस्लः ।
2. স	ि श्रार० ग्रोवर	वहो~-	कार्यपालक इंजीनियर
			(सिविल) लोक
			निमणि विभाग, मंडल
			6, (दि० प्रणा०),
			नई दिल्लः।
3. ৰ	ा ० भ्रार ० मल्होत्रा	बह(कार्यपालक इंजीनियर
			(सिवल) एल० एफ०
			श्रनुभाग (नई दिस्ती।
			अंचल), कें। लो० नि०
			विभाग, निर्माण भवन,
			नई दिल्ला।
4. मे	ıo के o बलाना	ब <i>ह</i> ्,	वार्यपालक इंजीनियर
			(सिविल) लो० नि०
			विभाग, मंडल नं० 5
			(दिल्ली प्रशासन)
,			नर्ष दिल्ली ।

दिनांक 2 मार्च 1985

सं ० 30/36/83-ई० सा०-1--इस कार्यालय का दिनांका 15/18-1-85 का इसा संख्या का श्रीधमुचन का श्रीणक सुधार करते हुए कम मं० 3 में श्रा मुधन्द जोणा के नामने दर्णाया गई ताराख की 9-7-84 के स्थान पर इपया 1-6-84 पहें।

न्**क्ष्रा** गर्ग, प्रणासन उपनिदेशक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ला, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

मं० 752-ई/44-II/इ/ए--उत्तर रेलवे के सिविल इन्जोनियरिंग विभाग के निम्नलिखित श्रधिकारियों को इस रेलवे के उसा विभाग में प्रत्येक के सामने दर्शाया गई तार्राख से दर्जी IJ में श्रनन्तिम रूप से स्थाया किया जाता है:--

% ० सं०	नाम	बिस ्	तिर्थाः से कियेगये	स्थायी
1	2			3
	ओ० पी० नारंग		31-8-	-1984
	एम० पा० खुराना			11
3. ৠ	~			n
4. প্র				11
5. श्री				,,
6. স ৌ				"
	वाई० डी० राव			n n
8. শ্রী	~			"
9, শ্র্য	•	τ		
	॰ प्रा र० के० जैन			17
11. স্ব	वी० एन० ग्रस्थाना			"
12. শ্র্যা	रतन लाल			"
13. শ্বী	हरगुण राम			"
14. श्रो	ए० कें एम० गडौर			n
1,5. প্রা	र्वा० श्रार० साहने।			1)
16. খা	एस् ० ले ० भण्डार्।			19
17. শ্বা	जै० स्नार० गुप्ता			n
	बा० बो० भ्रयवाल			"
19. প্রা	ৰা০ ৰা০ লাল			11
20. श्रा	जी० के० ग्रग्रवाल			"
21. श्रा	श्रार० के० दुबे			n
22. अ क	यू० वा० रस्तोगी			tt
23. श्रो	कुलदोप सिंह			11
	एस० के० श्रीवास्तव			11
25. श्री	बलरामजी वर्मा			" "
26. শ্রী	धार० एस० सरोज			11

بعد المراجع والمراجعة	·
1 2	3
27 श्री गोपाल चन्द	31-8-1984
2.8. श्री के० जे० कृष्ण	33
29 श्री धार० के० गुप्ता	***
30 श्री एचं० के० वैद्य	11
31. श्री ए० एस० तं ब र	"
32 श्री एन० एस० नागी	"
33 श्री ग्रार० ग्रार० मौर्य	11
34 श्री क्या राम सिंह	"
35 श्री योगेन्द्र कुमार	11
36 श्री फूल सिंह	**
37 श्री बी० एम० गुप्ता	11
38 श्री श्रार <i>०</i> यू० एल० श्रीवास्तव	77
39 श्री बी० एल० मल्होत्रा	"
40 श्री श्री० एन० सच्चर	n
41. श्री भ्रार० एस माथुर	11
42 श्री एम० एम० मिस्तल	"
43 श्री प्रार० बी० सिंह	"
44 श्री एम० एन० बधवार	11
4.5 श्री सीं० पी० एन० सिंह	11
46 श्री बी० एस० ग्रग्नवास	73
47 श्रो म्रो० पी० पन्चाल '	"
	

झारं० पी० सिंह महाप्रामधक

विधि और कम्मनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्मनी लां बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रीर अंकलेश्यर कोमशयल एन्ड फाइनांनशियल प्राहवेट लिमिटेड

भ्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

के विषय में

सं० 560/1417 /सी० पी०-कम्पनी ग्रीधनियम, 1956 को धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रनुसरण में एसद्वारा यह सूचना वो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर अंकलेश्वर कोमिश्यल एन्ड फाइनांनशियल प्राइवेट लिमिटेड का नाम उसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित ग्रीर वो जाएगी।

कम्पनो भ्रधिनियम, 1956 भौर गृहलक्ष्मी रंग उच्चोग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

सं० 560/1642/सो० पी०--कम्पनी श्रधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के शन्सरण में एसदूबारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के भ्रवनान पर गृह लक्ष्मी रंग उद्योग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विधारत कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर गुजरात फामिकम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

सं० 560/1657/सो० पी० — कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि, इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर गुजरान फामिकेम प्राईवेट लिमिटेंग्र का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रीर रन्ना बोक्स मैन्युफैक्चरिंग कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ग्रहमदाबाद दिनांक 27 फरवरी 1985

सं० 560/2676/सी०पी०—कम्पनी द्याधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रन्ना बाक्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशा ना किया जायगा तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर पंज्ञाल एन्ड मिस्त्री इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा० लि० के विषय में

भ्रहमंदाबाद, दिनाक 27 फरवरी 1985

सं० 560/5146/सा० पो०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दो जातो है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पंचाल एन्ड इंजीनियरिंग मिस्त्री वर्ष्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो राजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रांधानियम, 1956 ग्रीर श्रोदेव इनवेस्टमेंट श्राईवेट लिमिटेड के विषय में ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरो 1985

सं० 560/5431/सी० पी०—कम्पनी आधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसदृहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के भवसान पर श्रीदेव इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गएगी।

बी० वाई० राणे प्रमंडल पंजीयक गुजरात राज्य, प्रहमदागद

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त,

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० ग्रा० ग्रा०/5 का० क्षे०/84-85/3262—ग्रायकर ग्राधिनियम; 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उप धारा (1) श्रीर (2) के श्रन्तंगत प्रदत्त शांक्तयों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली यह निर्देश देते हैं कि निम्नलिखिल ग्रनुसूची के कालम 2 में बताए गए श्रायकर श्रधिकारियों को इसी सूची के कालम 3 में बताए गए ग्रायकर श्रधिकारियों को इसी सूची के कालम 3 में बताए गए ग्रायकर श्रधिकारियों द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों में उनके साथ कार्यक्षेत्र में (ज्यूरिस्डिक्शन) होगा ।

धारा 124 (2) के भ्रधीन यह विशेष तौर पर निर्दिष्ट किया जाता है कि कालम 4 में न्वताए गए कार्य कालम 2 में उल्लिखित भ्रायकर भ्राधिकारियों के कार्य-क्षेत्र में भ्रायेंगे ।

यह प्रधिसूचना तुरन्त लागू होगी।

भनुसूची

1	2	3	4
पाह	· -		सर्किल 4 (3) के वर्ण 3) "एम" वाले मामलों में कर निर्धारण सम्बन्धी सभी कार्य
5 (1	त्री दिनेश वर्मा ि भ्रधि जिला (1)		सम्बन्धा समा काय सर्किल 4 (3) के वर्ण (3) "आर०" और "एस" के मामलों में कर निर्धारण सम्बन्धी सभी कार्य।

वाई ० पी ० सूद श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली – 5 ______

भारत बरकार

कार्यासम्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिका)

घर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-74/84-85- भ्रत: मुझे, जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रु. से अधिक है

. और जिसकी सं० थर्ड बी है तथा जो मीरपुर में स्थित है (और इसने उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अम्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किती जाव की बाबत, बक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वादित्व में कमी करने वा उक्क व्यन में बृष्टिया के ब्रिट्ट; और/या
- (ल) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग का अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, णिम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री सतीशचन्द्र श्रीवास्तव,
 128¹2¹13,
 यशोदा नगर,
 कानपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गिरजा देवी श्रवस्थी, श्री श्रार० एन० श्रवस्थी, श्री श्ररून कुमार श्रवस्थी, मकान नं० 111 बी पार्ट-2 मीरपुर, हरडींग रोड कैण्ट, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थान को सम्बन्ध मों कोड़ों भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थावत व्वास अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पच्चित्रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही [1]

anasta

सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 700 वर्ग गज जो कानपुर में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

मोहर:

प्रकृत बाहुर्नु, हो, पून्, क्या, पराप्त

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत चहुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित याकार मूच्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 122/436 है तथा जो शास्त्री नगर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8 जून, 1984

को प्वाँकत सम्पत्ति के उन्नित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया मृत्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिन्निय के वृथीन कर दोने के बन्तरक वे ब्रियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे बिए; ब्रीडि/वा
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी भूत या अन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए;

बतः वृत्त , अवत नीपनियत की पाए 269-न के समुवरण में () मीं ,) उनत नीपविषय की भारा 269-च की उपधारा (1) वे संधीन⊮ निकासिता स्पनितर्गे स्थाब् म≔ (1) श्रीमती रमेश रानी इर्फ स्वर्ण रानी पुती श्री राम सिंह पत्नी श्री मूलचन्द, निवासी 394/1 शास्त्रीनगर, नया पता: 118/398 कौशलपुरी, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल बस्द श्री शाहजादे लाल विनायक पुर, जिला कानपुर, हा० निवास 122/426, शास्त्री नगर, कानपुर।

(श्रन्तरिती)

कार्य वह सूचना जारी करके पूजाँक्य संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माद्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्यक्तियुं ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

वगृत्यी

मकान नं० 122/436, शास्त्री नगर, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधियारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाह् (.टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सूडकान

कार्यातय, सहायक नायकड भागुक्त (निर्देशिक)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के 142/84-85---ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-एः से अधिक है

और जिसकी सं० 92/11 है शथा जो पेच बौग, कानपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिगकारी के कार्यालय, कानपुर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके ज्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सं पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की वावता, उक्त विभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उन्नसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जें सुविधा के निष्;

जतः जव, उक्त जिभितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जयात्:— (1) श्रीमती श्रजीजुन निसा बेगम पत्नी श्री हुसैन खां, श्री मुहम्मद हुसैन, (वौ वल्द श्री युसूफ श्रली खां), 192, शाहाबाद, बरेली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल हमीय व श्री मोहम्मद शमीम श्रादि पुत्र श्री हमीद उल्ला, निवासी 92/11 पेच बाग, कानपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाकीप ध----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्थित्यों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इस स्थान के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्व्यक्तित्व :---इसमें प्रमुक्त इस्की बाँड पर्यो का, को उक्त बाँबिमियम के नण्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस नण्याय में दिया ग्या है।

वनुसूची

मकान नं० 92/11, पेचबाग, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

वारीच : 25-1-1985

मोहर 🛚

प्रकप बाइ . टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-143/84-85-ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2-ए, 193 है तथा जो म्राजाद नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांनय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण म्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 26 जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य में काम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वासत, उथत अधिनियम के अर्थान कार दार के जलरक के वायित्व में कमी कर्न या उससे बचन में स्मिन्त के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, ना अन्य कर अधिनियम, ना अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा स्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सह स्टाप्त मा स्वार कर ही किया गया औ निष्।

श्रातः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269 घ दते उपपारा (1) के अधीन , निम्निलिसिस व्यक्तियों , अर्थातः :---

(1) श्री सन्तोष कुमार, रिक्मणी देवी, श्री विजय कुमार म्रादि निवार 47/7-ए, मनक्षाम बिगया, कानपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमत. सिवत सेठ पत्नी श्रीमोहन दास सेठ, निवास 113/209, स्वरूप, नगर कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

कः, यह भूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मित्सि के अर्जन के लिए या महत्र करता हा।

- उस कल्लाक अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----
- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जाति वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त हम के से के से किसी ज्यांकित द्वारा;
- एक उट भृतना के राजपण मो प्रकाशन की तारीख है , कि विभावर उत्तर स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध कि कि कि व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास , उप्तार पक्ति।

स्पर्काकरण प्राप्त प्रवत शन्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

बन संची

एक मकान जिसका नं० 2-ए/193, श्राजाद नगर कानपुर में स्थित है ।

जै० पी० हिखोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारंख : 25-1-1985

सहिए ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज कानपुर
कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-144/84-85--- प्रतः मुझे, जे० पी हिलोरी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं० 107/102 है तथा जो गांधी नगर, कानपुर मे स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूचः मे और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारः के कार्यालय, कानपुर मे राजि-स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरितयाँ) के बीच एमें अन्तरण के निए तय नाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित आस्थाबक स्प है के बिद्य नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए, और/या

भवा अथा, उन्नत आभानियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्नत अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाबू लाल वल्द स्व० श्री मंगल उर्फ मंगल प्रसाद, निवासी 106¹102, गान्धा नगर, कानपुर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री मादित्य प्रकाण निगम बल्द श्री म्राम्बिका प्रसाद निगम, निवासी 108/11, दुर्गावेबी रोड, गाँधी नगर कानपुर।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाण्डिया शहर करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाब्दीकरणः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 106/102 है जो कि गोधी नगर] कानपुर में स्थित है ।

> जे० पी० हिलोरी] सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप नार्ह्य टी., एन. एव्.,======

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्बांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-125/84-85—स्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-कः से अधिक है

और जिसकी सं श्राराजी नं 77, 79, 146 338, 335, 339, आदि है तथा जो दिल्ली सुजानपुर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) लौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "----

- (क) ब्रुप्तरण से हुई फिसी नाम की बाबत, अक्ट बर्गिनिवृत से जुधीन कर दोने से अन्तरक से दादित्य में कमी करने वा दक्ष्ये अपने में बृतिभा से तिष्; ब्रोड़/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) श्री श्रल्लादीन व मौला बनण पुत्र श्री शकरु य मदार व सलारी यत्द पण्जू, निवासी गण गदियाना मजरा, दिल्लो-सुजानपुर, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

(1) मैं॰ मंगला सहकारी श्रावास समिति, द्वारा: सचिव राजेन्द्र सिंह वल्द श्री यमुना प्रसाद, निवासी जुगई पुर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ वद सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, को भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीगे।

स्थळीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त वीधीनयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवस

ब्रम्स् ची

त्राराजो जो कि बांके दिल्ली—सुजानपुर, ृ्रीकानपुर में स्थित है ।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई टी.एन.एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन एचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

द्यर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं के-149/84-85--- प्रप: मुझे, जे ० पी ० हिलोरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इस्ती इसके पर्देशत् (उक्त अधिनियम) कहा गरा है), सी गरा कि 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास बार्य के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अस्तिन होगर हो हा 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 324 है तथा जो काका देव नगर, कालपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रम्भूची में ऑल पूर्व का में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इप्रकृत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह जिल्लाम तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नागण मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल या पृत्वह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पान भूषा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) नन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिराल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आहा जाहिए था, कियाने में सुविधा के नितार

जतः अब, उक्त अधिनियम की थारा २६० त हो। उत्तर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्राद्धि हुमाय् पुर, गोरप्पपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ननकी देवी बेटी श्री पगल चतुरी, पंचमपुरवा—मजराबेग, विल्होर, कानपुर ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त प्रधारित के वार्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पुर स्कार का लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी किया बाद से समान होती हो, के भीतर पूर्विक प्रकार में कियी व्यक्ति द्वारा;
- (३) रूप भाषता के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीं से ने प्रकाशन की तारीं से ने प्रकाशन की तारीं हत्यकुष कि प्रकाश कर्यां के पास रूप के प्रकाश की प्रक

क्लान् के स्वार के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा ज्या है।

CHUIS !

प्लाट नं० 324, एच ब्लाक, काकादेव, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

माहर 🖫

प्ररूप नाहाँ, टी. एम. एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 25 जनवरी 1985

निदेश मं० कै-150/84-85--अतः मुझे, जै० पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 117/361 है तथा जो काका देव , कानपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान नारोख 15 जून, 1985

की प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया न्या है:--

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिन्यम के जभीन कर दोने के जस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

नतः भव, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के विभूतरण में, में. उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 3---506GT/84

(1) श्रो गिरजा कुमार अग्रवाल. पुत्र स्व० श्रो लक्ष्मण स्वरूप, निवामा 127/432, एम ब्लाफ, जुहो, कानपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्रोमती सूरज मती पत्नी श्रोपी० आर० मन्सी, निवासी 117 एल 361, काकादेव, कानपुर।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की ताराध म 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर) अ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

मकान नं ० 117 एल 361, काकादेव, कानपुर।

जे० पा० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी गहापक आयार आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर 🛭

प्रकार नाही हु हो हु एन हु एक हु ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत चरकार

कार्बातव्, सहायक आयकर जानुक्त (निर्दाक्तक) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

मिदेश सं के-154/84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिस्सोरी

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परज़ात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षां प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० 104ए/364ए है तथा जो रामबाग, कानपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गद्दें हैं और मुफ्तें यह व्यिवास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी नाम की बावता, अक्त जीभीनयभ के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सविधा के निए; जीर/या
 - (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए?

भतः अव, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित क्यमितयों अधात् ु— (1) श्री बृज किशोर बाजपेयो वल्द श्री लक्ष्मी नारायण वाजपेयो, निवासो 21, जगन्नाथ गंज, उन्नाव।

(अन्तरक)

(2) श्रो नरेन्द्र कुमार मिश्रा पुत श्री विष्णु दत्त मिश्रा, निवासो 194 ए 300, रामबाग, कानपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मिक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचीध, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसु अध्याय में विका-गया है।

नगत्त्री

एक मकान जिसका नं० 104ए - 364ए ; है जो कि राम बाग, कानपूर में स्थित है

> जें० पो० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

मोहर :

प्रक्ष. बाइ. टी. एन. एस्.; - - - - -

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-157/84-85—अत. मुझे, जे० पो० हिलोर्।

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको मं० 108 ए है तथा जो कैन्टोमंट, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, ताराख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल में, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अतिरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है ---

- (क) बन्त्रुण से हुई किसी शाय की बाबत, नक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ब्रीट/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सविधा के लिए.

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त गिधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) डे बभीन, निस्निलिकित व्यक्तियों, न्यांब् क— (1) श्रीमती गिरजा देवी पत्नी श्री राम नाथ गुप्ता व श्री हरीनाथ गुप्ता पुत श्री सोहन लाल गुप्ता, निवासी 76/93, कुली बाजार, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रो इकराम आलम व श्रो अब्दुल मन्नान आदि, पुत्रगण श्रो कल्लू, निवासा 226, मोरपुर छावनी, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबतयों में से कि की स्थाबत धुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए आ सकतें।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभापित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्ल्यो

एक प्लाट जिनका न० 108ए है जो कि कैन्डो ह कानपुर में स्थिन है।

> जे० प.० हिन्हरः सक्षम प्राधिकारी मैहासक स्रासकर स्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, का हुर

तार[्]ख : 25-1-19**8**5

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं एस 85159/84---अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- का सं अधिक है

श्रीप जिसका सं 0 106/120 है नथा जो गांधा नगर में स्थित है (श्रीप इमने उपादक अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार, के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान, नाराख 28 जन, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुन्दी किसी आय की वायत, उन्कर अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में बुविधा के लिए; और/या
- (द) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

जतः भय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निनिष्ति व्यक्तिसमों, अर्थातः— (1) श्रीमतो चन्द्रावती पत्नो श्री राम लाल पुत्नी स्व० श्री माधोराम, निवासो 106.120, गांधो नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री धना राम श्री हपराम श्री निरंजन पुत्रगण श्री धासीराम । नियासी 104/236, गोगामऊ, कानपूर।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पत्नों का., को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्यौ

मकान दो मंजिला 106/120, गांधो नगर, कानपुर।

जें० पो० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-1-1985

मोहर 🤃

प्ररूप आह्^र. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के० 174/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० 84/22 का 1/6 भाग है तथा जो फजल गंज, कानपुर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्स मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। फ अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों अर्थात क्र—- (1) मैं ॰ ग्लास एण्ड मिनीयेचर बल्ब, ग्वालियर इण्डस्ट्रीज कानपुर एण्ड मैं ॰ ग्वालियर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लि॰, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) मै० के० सी० कपूर एण्ड सन्स,
 प्राइवेट लिमिटेड,
 113/36, स्वरूप नगर,
 कानपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्तुवर्ग

एक प्रापर्टी नं० 84/22 का 1/6 भाग हैजो कि फजल गंज, कानपुर में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 25-1-1985

मोहर '

प्ररूप बाइ .टी.एभ,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 176/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 124/बी/239 है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के नीच एसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त जिथ-निवम के वधीन कर दोने के अंतरक के द्यावित्व जे कमी करने ना उससे मुखने में सुविधा के सिद्ध; नौड/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, विन्हें नारतीय आयक र विधिनवृत्र, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम्, वा धन-कर अधिनियम्, वा धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्

कतः अब, उन्क्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्यिं, अर्थात् !!— (1) श्री गुरमुख दास पुत्र श्री कुन्दु मल, निवासी 124/बी/239, गोविन्द नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला अग्रवाल पत्नी श्री हरी दयाल, निवासी 124/बी/239, गोविन्द नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य अपिकृत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ[#], वहीं वर्ष होगा, जो उस कृध्याय में विवा मेंबा ड^{*}।

जग्तुची

124/बी/239, गोबिन्द नगर, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर **जापुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-1-1985

मोहर :

प्ररूप नार्षः टी. एन. एस्.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कारकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जमवरी 1985

निदेश सं० के० 179/84-85-अतः मझे, जे० पी० हिलोरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 122/506 है तथा जो शास्त्री नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 जून, 1984

को पूर्वोक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कह कै दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है द्व-

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-नियम की बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य झास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः वृतः, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-म् के बनुसरम को, मी, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-म् की उपभारा (1) को बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—- (1) श्री घ्याम लाल पुत्न श्री जय किशन दास, निवासी 110/18, 80 फीट रोड, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दीवान दास पुत्र श्री मगन मल, श्री पुरुषोत्तम कुमार पुत्र श्री थातू मल आदि, निवासी 122/504, शास्त्री नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यम्स्य

एक मकान नं० 122/504 है जो कि शास्त्री नगर, कानपुरमें स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आइ".टी. एन. एस. -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीकाण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर०-62/आर०-1211/37 ईई०/1211/ 84-85--अत: मुझे, आर० भारहाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० ए-1 है तथा जो सेंट इनेज, पणजी, गोवा में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण के हुई किसी बाय की वायत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रो हिमा के लिए;

अतः अव, उक्त आर्थिनियम की भारा 269-ग के अवक्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री हरीणचन्द्र एस० बोकर, लक्ष्मी लाडजिंग बोडिंग, पणर्जा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानन विकाजी नायक, प्रसाद विल्डिंग, शांता इनेज, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोह भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाधित ही, वहीं जर्भ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

प्रन्सूचो

(वस्तावेज सं० 1064/84, ता० 1-6-84)। प्लाट सं० ए-1 आन 1 फ्लोर आफ प्रभाव को०-आप-रेटिव सोसाइटी निमिटेड, सेंट इनेज, पणजी, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक धःयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाह टी.एन.एस. -----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

बारत बर्जा

कार्यालय सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

नियेण सं० सी० आर०-62/आर०/1220/37 ईई०/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भाष 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उज्जित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुसे अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० ए-3 है तथा जो नं० 80, जे० सी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 6 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ज्यानाम अतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ज्यामान प्रतिफल का पन्द्रह्र अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रातफस, निम्नसिवित उच्चेस्यों से उच्च अन्तरण सिवित में बास्तिक क्य से किंगत नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर धंवे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; अपि/वा
- (ध) एसं किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिमों कां, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :— 4—506 GI/84 (1) मैं जोना फाइनेस श्रीर इनवेस्टमेंट्स कारपोरेशन, 3/16, अग्रवाल नगर, डाज अम्बेडकर रोड, मांटुगा, बम्बई-19।

(अन्तरक)

(2) मैं ० जी० एम० बी० धायर सेंटर, 10/ई, जें० सी० रोड़, बेंगलूर— 2।

(अन्तरिती)

को सह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण: ----हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विमा गया है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 997/84, ता० 6-6-84)।

शाप नं० ए-3, ग्राउन्ड फ्लोर, मानिवा टावर बिस्डिंग, नं० 80, जे० सी० रोड, बेगलुप-2 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारोख : 7~2-1985

मोहर:ू

प्रकष आहें _ट]. एन _एस 🚉 -----

बावकः विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से ज्धीन सुवना

क्षांत प्रकार

क्रम्यांक्य, सङ्ख्यक नायकर नायुक्त (क्रिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/6-84/278--अतः मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-उ. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 26/3, 26/4 है तथा जो नजफगढ़ रोड, मई दिल्ली में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) नम्तरण ते हुई किसी नाव की बाबत, बक्त अभिनियम के अभीन कर योने के मन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुनिधा के [सए; बीए/वा
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे किए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् ६--- (1) मैं ० नेमानल के मिकल्स इण्डस्ट्रीज लि०, 26, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० मोंगिया, श्री एस० के० मोंगिया, श्री गुलशन मोंगिया, श्री विवेक मोंगिया, श्रीमती कुसुम मोंगिया, श्रीमती पुष्पा मोंगिया, श्रीमती पुष्पा मोंगिया, तिवासी 11-26, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस्त में किए या सकेंचे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चमा है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 26/4, श्रीर 26/3, नजफगढ़ रोड,नई दिल्ली, तादादी 466.72 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई फिल्ली

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाहै. टी. एत. एस्. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के नुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/6-84/282—अत: मुझे, आर० पी० राजेश

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-1/17 है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वा मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रें, करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रति-फल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा ता किया जाना जाना जाहिए वा, किया में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अभूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मेवा देवी पत्नी श्री राम निवास, निवासी ए० एम०-70, शालीमार नाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुरण देवी विधवा पत्नी श्री बंसी लाल जैन, निवासी बी-1/17, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितृ की अर्जनृ के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिल-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास म किए जा सकी ।

स्पत्कीकरण : प्रमुक्त प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 17, ब्नाक न० बी-1, राणा प्राप्त वाग, दिल्ली, तादादा 139 वर्ग गज ढाई मजिला बिल्डिंग, विद्युप श्रीर पानी करेक्णन के साथ ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिक्तारी सहायक आयकर आयुक्त(निरोक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

बायफर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 2, नई दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश म० आई० ए० मो० /एसयू०/2/एस० आर०-1/ 6-84/284--अत. मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्डित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू म अधिक हैं

स्रौर जिसका म० 112-ए है तथा जो स्रोल्ड गुप्ता कालोती, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमम उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कर्षालय, दिल्ली में राजिस्ट्राक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अतरक (अतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलोक्त उद्दश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी अाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कमला देवी, निवासी 245-ए, डेराबाल नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल कैला, निवासी 112-ए, श्रोल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ भौधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगस्त्र ची

मकान न० 112-ए, स्रोल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्मेरेज−2, नई दिर्ल्स।

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण स० आई० ए० सी०/एमयू०/2/एस० आर०-1/6-84/287---आतः मुझे, आर० पी० राजेण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु में अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० बी-4ए/30 है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा अससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'से किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं निए॥

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित स्पिक्तमां, संभात :—

- (1) 1. श्री राकेश बिहारी दास,
 - 2. श्री विश्वनाथ दास,
 - 3. श्री नोनी गोपाल दास, श्रौर
 - श्री चित्रजन दास सुपुत्रगण श्री काली चरण दास, सभी निवासी-500, तिमार पुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० श्री स्वास्तिक सिलीकेट मिल्स,
18, यू० बी० जवाहर नगर,
दिल्ली द्वारा भागीदार,
श्रीमती प्रेम लता गुप्ता पत्नी
श्री ज० पी० गुप्ता,
निवासी 45/6 बी,
मास रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्वक्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

यगत्रकी

प्रापर्टी नं० बी-4ए/30, नादादी 218.98 वर्गगज, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, नई दिल्ली

नारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च ् ठील एनं ह एक्ष्म प्राप्त प्राप्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 फरवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2926 है तथा जो सैयद श्रहमद रोड, दिरियागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी बाव की बावता, उत्कर्त जीभनियज के अभीन कर देने के जन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में भूविभा के लिए; और या/
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरितौ ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री राकेश कुमार शर्मा सुपुत श्री एल० गोपाल दास, वह स्वयं तथा श्रटारनी : श्री चुनी लाल सुपुत श्री गोपाल दास, निवासी 2926, सरसैयद श्रहमद रोड, दरियागंज, दिल्ली— 6।

(भ्रन्तरक)

- (1) 1. श्री भोला राम सुपुत्र श्री ग्रत्तर चन्द,
 - 2. श्रीमती रीना मनीचा पत्नी श्री भहेन्दर कुमार मनीचा, निवासी-3588, सरसैयद श्रहमदरोड, दरियागंज, दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिध - कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्कांकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

मकान नं० 2926, सीर सैयद ग्रहमद रोड, दरियागंज, दिल्ली-6, तादादी 75 वर्गगज ।

> म्रार० पी० राजे**ण** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज∽2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रकृत वार्<u>षं द्वी पृष</u>्धं **एव**ु------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

य्वर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, घिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 6-84/301---ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 75, ब्लाक ई है तथा जो मान सरोधर गार्डेन, बसई-वारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जून, 1984

को प्वांकित सम्पत्ति के उधित बाबार मृस्य से कम के क्रथमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने वा उसने वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय वा किसी थन या बस्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन, मिम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रचरज लाल सुपुत्र स्व० श्री गोमाई दीना नाथ, निवासी क्यू० पी०-69, मौर्या इनक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती इन्दु डावर पत्नी श्री राजिन्वर कुमार डावर, निवासी ई--32, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

की बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस ब्यान के राज्यन के प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यक्तोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीट पदों का, को जक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उन्न अध्याय में दिवा वृत्ता हैं ॥

नग्त्यी

प्लाट नं० 75, ब्लाक ई, तादादी 200 वर्ग गज, मान-सरोवर गार्डेन, ग्राम बसई—दारापुर, विल्ली राज्य, दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकार बार्ड, टी. एन. एत. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस० ग्रार०-1/ 6-84/304--- ग्रतः मुझे, ग्राप्र पी० राजेश जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र_र. से अक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2809/1967 है तथा जो मलका गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में प्रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम ते इन्हें किती बाव की बावत, उपल निधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक की वाबित्व में कमी करने वा अवश्वे वचने में बृचिधा के मिए: और/बा
- (च) ए'सी किसी जाय वाकिसी धन या अन्य ज्ञास्तियाँ को, जिन्हा भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त विधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया ना सान्तिया जाना आहिए ना, खिथाने में सुविधा ने निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त आंधनियम की धारा 269-ख की उपभारा (1) को अधीन, रिफ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री किशोरी सुपुत्र स्व० श्रीमेदू, निवासी 2809/1967, मलका गंज. विल्ली-7।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र प्रसाद सुपुत्र श्री किशोरी, निवासी 2809/1967, मलका गंज, दिल्ली-7।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी अम्बन्ध :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्य बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी -पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

श्यक्तीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अभिनियम, के अभ्याम 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

भकान मं॰ 2809/1967 मलकागंज, दिल्ली-7, तादादी 50 वर्ग गज, डबल स्टोरी मकान ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) न्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

सारीख: 12-2-1985

मोहर:

মকৰ কাছ_{িত} ভাঁ_ত মুৰ_ত মুক্ত_ত ৪ ৮ - একল

वारकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) की वधीन सुचना

माउव चडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई **वि**ल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1985

निषेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 6-84/306--- मृत: मृत्ते, आर०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के-1/38 है तथा जो माछल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के तिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए अरि/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए,

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित क्रिक्तियों मर्भात् ६—— 5—506GI/84 (1) श्रीमती जानन देवी पत्नी स्व० श्री ज्ञानचन्द, निवास। 7/34, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता सन्तोष शर्मा परनी श्री डी० एन० शर्मा, निवासो–57, सराय पीपल थाला, दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिए;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थल्डीकरण — इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अया हैं।।

मनुसूची

प्लाट नं ० के $\sim 1/38$, तादारी 272 वर्गगज, माछल टाउन, दिल्ली ।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर आयुक्त (निर्राक्षण) भ्राजेन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीखा : 12→2-1985

मोहर 🏻

प्ररूप आर्थ.टी एन.एम ------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ला
नई दिल्ला; दिनाव, 12 फरवर, 1985
निदेश सं० श्राई ए० सा० /एष्ट्यू०/2/एप० श्रार०-1/6-84/308--श्रा मुझे, ग्रार०र 1० राजेण
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हें कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसक, सं० 5, पाकेट एम' है तथा जो सरस्वत नगर ग्राम मधोरा कला, दिल्ल, में स्थित है (और इन्से उपावड़ अनुसूच, में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्र वर्ता अधिवार के कार्यालन, दिल्ल, मेर्जिस्ट्र, तरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के एष्यमान प्रतिफल के लिए अर्लारन की गई है भर मफ यह विश्वार करने का कारण है कि एथापूर्वीक्त समास्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, एथे क्ष्यमान प्रतिपत्र पापद्रह पतिष्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अर्लिशिटिशे) के बीच एस अन्तरण ए किए ल्य भाषा प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्षत अंतरण लिखित में अम्बादित स्व पर प्रदेश रहा निया र है

- िक) अंतरण में शुद्ध किसी आय की यावत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कभी कारने या उससे बचने में सविधा के निए; और√या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता या ना किया आहा बाहिए था जिल्ला ये स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त न्यक्तियों, वर्षात अ

(1) श्र. बाल प्रण गुणा सुपृत स्व० श्रा प्रमृत ताण गुण्ता, जित्राम, 12/14, गांकि नगर, जिल्ला।

(भ्रान्तरक)

(2) श्रा काल राम श्राहूजा और श्रा अगोरि कृमार श्राहूजा, सुपुंत्रगण स्व० श्रा मलाराम श्राहूजा, निवासा 8/164, रमंश नगर, नई दिल्ले ।

(भ्रन्तरित्।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति क्षे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसभें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाटन० 5, पाकेट एम् एरिया 150 वर्ग गज, जो सत्यवत, नगर, कालीन। के नाम से जाना जाना है : ग्राम संधारा कला, दिल्ला।

> श्चार० प⊦० राजेण ाक्षम प्राधिक'ारी सहायक श्रायक'र श्रायुक्त (निराक्षण) प्रजैन रेंज-2, नई दिल्ल,-110002

तार,ख 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई विल्ला, दिनांच 12 फरवर, 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मं०/एक्यू०/2/ ए.५० श्रार०-1/ 6-84/309,--अन मुझे, आर०पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रक. से अधिक **ह**ै

और जिसका स० 65,25 है तथा जो रोहाक रोड, दिल्ल, में स्थित है (और इ.से उपाबद्ध अपूप्त, में जीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्हाउनि प्रधि पर के प्रायक्तिक दिल्ली में अधिस-द्राकरण प्रधितियम, 1908 (1908 । 16) के अधीक नारंख जून, 1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार ्मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखत मं वास्तविक रूप से कथित नही किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन । निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

 श्रानिक्ष लाल, निवास(--65/25, राहत्तः रोड, दिल्ला, । (ग्रन्तरक्)

(2) श्रामता सुगाला देवा, निवासः 32/5 औंशार नगरः, बः' स्नः नगर, दिल्ला ।

(ऋन्यस्तिः)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रापर्टी नं० 65/25, रोहनक रोड, दिल्न , नादाद, 272 26 वर्गगज ।

> **प्रार**० पी० राजेश सक्षम प्राधिनार महायक प्रायकर आयुक्त (निर,क्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ले.

नारीख 12-2-1985

मोहर :

रक्त बाह् .टी.एन.एन.------

नायकर लिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) के बधीन सूचना

नार्थ दरकान

कार्यावयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्तन) श्रर्जन रेंज - 2, नई दिल्लाः

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी ० |एक्पू०|2|एस० श्रार० 1|6-84|312 श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/-रा. से अधिक **है**।

और जिसकी सं० 13-ए, है तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्न। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ती प्राधकारों के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के निष्ट तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की वाबत न उसते विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निस्ट वरि∕वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं मा, माँ, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) अधीनः, निम्नलिसितं स्पृक्तियाँ मृद्यात् म—

(1) श्री हरी शचन्त्र चोपड़ा सुपुत श्री गुरुवित्ता मल, निवासी 13-ए, रमेण नगर, नद्दिल्लि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल श्रप्रवाल सुपुत श्री देनी महाय, श्रप्रवाल, निवासी-13-ए, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के जिल्ल

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी सर्विध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्व ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विषक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कां करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होना जो उस नध्याय में दिया नया हैं।

बग संच

क्वार्टर न० 13-ए, ताक्षार्वः 100 वर्ग गज, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

> मार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🏻

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

जायकर अधि िन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवर: 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एनयू०/3/एस० म्रार०-II/ 6-84/2214--मृत मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई- 25/ए है तथा जो गुरु नानक पुरा जेल रोड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा बौं लिए;
- प्रेंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य लारिसयों को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा किया आ

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्राहरविन्द्र पाल सिंह पुत श्र करम सिंह, सा- 12/डा, एम० श्राई० जी० पलैट, मायापुरो, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) पण्डित राम लाल पुत पण्डित मथुरा दास, श्री चानन देवी परनी पण्डित राम० लाल, सा० हो० /18-वा, एल० ग्राई० जो० फ्लैट्स, हर, नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उका सर्पात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस, अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्रापर्टी नं**०** ई-25/ए, खसरा नं० खा० 472/454, गुरू नान-अपुरा जेल रोड, न्**डू** दिल्ली। तादाको 76.66 वर्ग गज ।

> जो० **ए**स० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर म्रायुक्त (निरीक्षण) - म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 30-1-1985 **मोहर** ध शक्य बाह्र².टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

TEST RESTRI

कार्यांसयः, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली मर्ड दिल्ली, दिनांक 30 जनवर, 1985

निदेश मं० भ्राई० ए० सा०/एक्यू०/3/एस० श्रार०- 11/ 6- 84/2213- - श्रतः मझे, जं.० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन महाभ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000 र र . में अधिक है

और जिसक, मं० 48 है तथा जो तार्थ एक्स्यू, रोष्ट, पंजाबं, बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और उमसे उपाबद अनुसूर्या में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं). रिजस्ट्र, वर्ती प्रधिवार, के वार्यालय, अर्जन रेंज- 3, नई दिल्ला, में आश्वकर अधिनियम, 1961 के अधिन, तार, खजून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्नसिचित उद्देष्यों से उन्त अन्तरण मिचित में बास्तिक है से से तस्ति अपना स्था है:—

- (क) नलाइच वे हुए फिटी बीच की शबत, उक्त विधियन के सभीन कार दोने के बलाइक ने द्मीबरच में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (ख) एसी किसीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का (1) या जन्म अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिद्धी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सिक्या काना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के खिए;

खतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों,, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राण्याम बिहारी राजदा, श्री कैलाण राजदा और श्री प्राणनाथ राजादा पुत श्री कोष्ठा बाल, निवास, 4697/21-ई, दरियागंज, दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० गायत्रं, चरीटेबल ट्रस्ट, मोच35,7, लारेंस रोड, जनई दिल्लं, मार्फत श्रो अंजनं, कमार।

(भ्रन्तरिर्तः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्परित के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस स्वित्यों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

्लाट नं० 48 ईनि क्लाम स्रो०, नार्थ एवन्यू, पंजाबी बाग, क्षेत्र गांव मादापुर, दिल्ला। तादादी: 563.89 वर्ग गज!

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज- 3, नई दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव. -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्दाक्त)

ध्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० श्रार०-II/ 6-84/2429-- श्रतः मुझे जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्व 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 25/6 है तथा जो तिहाड नं० 2, श्रशोक नगर, नई दिल्ली, मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मेश्रौरपूर्ण रूप सेवर्णित है) भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जन 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रत प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के यीत्र एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद किसों भाग की बावत उत्तर वॉफ्रीपश्त के अभीत कर दोने के अन्तरक की कदित्य में कमी करने या उससे वचने में बृदिधा के तिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का प्रन-कर अधिनियम, का प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती ताखी पत्नी श्री हरि चन्द इत्यादि न० 25/6,, तिहाड 2, श्रशोक मगर नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) विनोद कुमार पुत्र श्री लक्ष्मण दास 870-नजफगढ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील ले 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्ञों करा ध्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य ध्यक्ति वृवारा क्षाहस्ताक्षरी के वास 'लिखिन में विश्वास प्रकाश के वास

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

प्रनुसूची

प्रो॰ नं॰ 25/6, तिहाड नं॰ 2, प्रशोक नगर, नई दिल्ली । तादादी 100 वर्ग गज।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--3, दिल्लो/नई दिल्ली

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) ⊯े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातु "——

*तारीखाः 30–1−1985

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वन (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयु०/3एस० मार०/11/2280 6/84--ग्रतः मुझे जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गुरु को , की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजीर मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जून 1984

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य में कि ते स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपन्ति का तिश्वास मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण है लिए हा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उदा अस्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया ही --

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत., उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा की लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिटी द्वारा प्रक्रप नकी विच्या गरा भा या किया जाना चाहिए था रिकान में सुविधा के लिए;

(1) मैं श्रमंके इम्पोर्टस स्रौर एक्सपोर्टस, 8-देशवन्धु गुप्ता रोड, मार्कीट करोल वाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2⁶) वीना राय पत्नी श्री योगन्द्र राय, एन०-28 शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

स्वसं

प्लाट नं० 13, ब्लाक नं० जे०-10 राजोरी गार्डन क्षेंत्रगांव तातार पुर दिल्ली। तादादी 272 वर्गगज।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आायुक्त (निरीक्षण) ृंग्रर्जन रेंज-3, दिल्लो/नई दिल्लो

पतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध का उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

द्विनांक: 30-1-1985

प्ररूप बाइ टी. एन, एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एम आर०-2/6-84/ 2365--श्रत मुझे जी० एस० गोपाल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए-5, है तथा जो न्यू मुल्तान नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारील जून 1984

को पूर्वोक्त मम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक में बामित्य में कमी करने या उसने अपने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्सियों करो, जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भवा, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग के अपूसरण भौ, भौ जस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन जिस्तियिकत अधिताभौ, अर्थात् ॥—— 6—506GI/84 (1) श्री बलदेव कृष्ण दुधा, श्री प्रकाश चन्द्र, पुत्र श्री बुलकी राम दुधा और श्रीमती मोहनी देवी, पत्नी श्री बुलकी राम ए-5, न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र श्री सेवा राम ग्रीर श्रीमती लीला देवी, पत्नी श्री राम चन्द्र, मोहल्ला गांधी नगर, भिवानी (हरियाणा)

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृष्ठोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

श्रनुसूची

प्रो० नं० ए-5 न्यू मुलतान नगर, गांव ज्वाला हेरी श्रीर मादीपुर, दिल्ली। तादादी 200 वर्गगज

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महाकय ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,दिल्ला निर्दादिल्ली

दिनांक : 30-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, घिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०ए० सी०/एक्यु०/3/एस० ग्रार०-3/6-84/ 2201--श्रत: मूझे जी० एस० गोपाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, विसका उचित बाजार मन्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम , नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज~3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

की पूर्वीक्ष्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीय कर दोन के अन्तरक के राजित्व में कनी करने या उग्रसे क्याने में स्विधा के सिए; बॉर/बा
- (ण) एसी किसी आय जा किसी भन या अन्य जास्तियी को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 192? (1972 का 11) या उपक्त अधिनियम, प्र भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खियाने यें स्विध्या में बिहर;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा कि अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्री नारायण सिंह, पुत्र श्री भाई राम निवासी-ग्राम ग्रमालन पुर केवड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रमरजीत सिंह, सुपुत्न श्री कन्हैया, निवासी-ग्राम काटण पुरी, जिला-गुडगांवा, (हण्याणा)

(भ्रत्तरिती)

को यह सृष्या पारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्तें।

स्यष्टीकरण'----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया है।

अनुसूची

1/4 भाग तादादी 9 बिघ श्रीर 7 बिग्ये हैं जिसमें कुल भूमि 37 बिघा श्रीर 7 विग्ये खमरा नं० 17 /19मेन (2-5), 22 (4-16) 23 (6-6), 18/1 (4-1-6), 2 (4-16), 3 (4-16), 9(4-16), 10/(4-9) श्रीर 10/2(0-7) ग्राम श्रमालत पुर दिल्ली ।

जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 30-1-1985

महिर:

प्रकृप काइ , टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जनरोंज 3 नई दिल्लं

नई दिल्लं । दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू / ३/एस श्रार-3/6-84/2202:-श्रतः मुझे, जीं० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम ग्रमालत पुर, दिल्ल में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रनुसूर्च, में जो पूर्णरूप से वांणत है), रजिस्ट्रेक्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तार्राख जून 1984

को पूर्वों स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की पावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 /१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के शुधीन, निम्नाभिषित व्यक्तिसयों, अधित् :--- श्री नारायण सिंह सुपुत श्री भाई राम, निवासी ग्राम श्रसालत, पुर, दिल्ला।

ज (भ्रन्तरक)

 श्रा शेर सिंह सुपुत्र श्री कन्ह्या लाल, निवास ग्राम काटर पुरा, जिलागुडगाव, हरियाणा।

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सपरित के अर्जन के सबध मा काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्त् परि

1/4 भाग तादादी 9 बिघे और 7 बिघ्वे है जिसमें कुल भूमि का 37 बिघें और 7 बिघ्वे है, खसरा नं० 17/19 मेन 1/2 1

जी० ए० गोपाल संक्षम ग्रीवकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन र्रेज-3 दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

नोहर 🛭

हरू बाह् ह हो एक्, एक्,----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 जनवरी, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 3/एस-म्रार-3/6-84/2203:-मृत मृझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या किष भ्रिम है तथा जो ग्राम श्रसालतपुर विल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध श्रनुसूचे, में पूर्व रूप से विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जून, 1984।

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मन्तरूण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से किथत नहीं किया गुया है :——

- (क), अंतरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त विभिनियम के संधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी कड़ने या उससे बचने में तृतिशा के हिन्द; वांडि/बा
- (ण) एसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य बास्तिबों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में जुनिधा के लिए;

भतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नारायण सिंह मुपुत श्री भाई राम, निवासी ग्राम ग्रसालत पुर, केवल, दिल्ली।

(श्रन्तरक

 श्री रामेहर सिह सुपृत्न श्री कन्हया नात, ग्राम-काटर पुरी, जिला गुडगाव, हरियाणा।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्जन क सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मा प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन का अशान या नामदां व्यक्तियां पर सूचना की बामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद या समाधा होती हो। के भीतर प्राक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकायन की तारीक सें 45 जिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएवड्थ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, बो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही पर्थ होगा जो उस प्रव्याय में दिया प्रवाह ।

अनुसूचा

1/4 भाग, तादादी 9 बिघे 7 बिग्नं, जिसमे कुल भूमि 37 बिघे और 7 बिघ्ने हैं। खसरा नं० 17/1 मैंन 2-5, 22(4-16), 23(6-6) 18/1(4-16), 2(4-16), 3(4-16), 9(4-16), 10/1(4-9) और 10/2(0-7) ग्राम श्रसाल पुर केन्द्रत 4 दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम भ्र**धिकारी,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज 3 दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काभासय, १११६क आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली दिल्ली, दिनांक 30 जनहरी 1985 संब खाईव एव मीव/एनपृ/3/एस-आर-3/6-84/ 2204:--अत मुझे, जीव एसव गोपाल,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रमालत केवल, दिल्ली में स्थित है (और ६समे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हे रिजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी ने कार्यालय दिल्ली में भारतजय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जुन, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्धास करन का कारण है कि युवान मेना मम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से जीयक ही और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस जतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ िकसा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के लघान कर दमं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अदेशभीत, निस्तिचित व्यक्तियाँ अर्थात् ः— श्री नारायण सिंह, सृपुत्र श्री भाई राम, नित्रासी ग्राम ग्रसालत पुर केवड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री धरम पाल सुपुत्र श्री कन्हया लाल, निवासी ग्राम काटर पुरी, जिला गुड़गांव, ह(रयाणा।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूनना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंग।

स्मब्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्यौ

1/4 भाग, तादादी 9 बिबे 7 बिग्ने है जिसमें कुल भूमि 37 बिघा और 7 बिग्ने है। खसरा न० 17/19 मैन (2-5), 22(4-16), 23(4-16), 23(6-6), (18/1(4-16) 3(4-16), 9(4-16), 10/1(4-9), और 10/2(0-7), ग्राम अमालत पुर केवड 4, दिल्ली। जी० एस० गोपाल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

भोहरु 🗯

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आस्य कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

सं ॰ श्राई ॰ ए॰ सी ॰ /एस्यू / 3/एस-श्रार-3/6-84/2399: श्रत मुझे, जी ॰ एस ॰ गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षत प्रतिकारी को यह विश्वान को ने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 03/19/2, है.तथा जो गांव पालम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुसूची में और पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ब्ली गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्ता ति सम्पत्ति का जावत बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितों) के धीच एमें जैतरण के लिए तब पाया मया प्राराफन, निम्नलिकित उद्गरिय से उक्त जंतरण निवित्त में बास्तीयन रूप से कीयत नहीं किया गया है:--

- (क) मेरारण सं इर्ड किसी याग की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर वॉने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्क वजने में सुविधा को लिए; ऑड/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था कियाने में स्विधा के लिए,

जतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री मदन मोहन सुरी
पुत्र श्री गोबिन्द राम सुरी,
निवासी 459 जीनत बारी, कश्मीरी गेट,
दिल्ली

(ग्रन्तरक)

श्री संलब ईन्टरनैशनल गांधी मैदान,
पटना बिहार, ट्रस्टी श्री बिन्देश्वर पाठक
पुत्र श्री रामा कान्त,
निवासी गांव रामपुर बागल
पी० एस० देसारी,
डिसंट्री० बाईशाली, (बिहार) (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 1.5 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमां पर ज्यान की तामील से 30 दिन को अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें/ पास निवित में किया वा तकी ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगत्रची

खसरा नं० 83/19/2, गांव पालम. नई दिल्ली, तादादी 1-बीगा और साङ्गे छः बीसा।

> जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, दिल्ली

ता**रीख**: 30-1-1985

मोहर≝

प्ररूप बाह् .टी .एन .एस . -----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

गारत संडकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 जनवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी संख्या 83/19/2 है तथा जो गाव-पालम नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप से वांगत है), राजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजम्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1984।

- भ का पृजीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के द्रायमान / प्रतिफल के लिए अतीरत की गई हैं। और मुक्ते यह विक्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—
 - (क) अन्धरण सं हुइं किसी आव की काबता, उकता विधिनियम के बभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने मे सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्मियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए।

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ।। हो अधीम, जिस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री मदन मोहन सूरी
 पुत्र श्री गोविन्द राम सुरी,
 निवासी 459, जिनतवारी, कण्मीरी गेट,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 सलब इन्टरनेशनल, गाधी मैदान, पटना बिहार, ट्रस्टी श्री विन्देश्वर पाठक पुत्र श्री रामा कान्त, निवासी गाव रामपुर, ब्रागल, पी० एस० देसारी, डिस्ट्री० वाईशाली (विहार)

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कार्ज भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीक्ष है 45 दिन की अवधि या पत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील स 30 दिन की अवधि, पां भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, वे भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर पान्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति। में किए जा सकर।

स्पष्टीकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सर विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका न्या हैं।

अनुसुनी

खसरा नं० $83^{l}19^{l}2$, गाव पालम, नई दिल्ली, तादादी 1-बीगा और साटे छ बीसा,

जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 30-1-1985.

प्रस्त आहाँ हरें. एवं एकं.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

वारस सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-। , नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देज स० ग्राई० ए० भी०/एक्यू/3/एस-ग्रार-3/6-84/4/ 2401.-ग्रतः म्झे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी संख्या 83/19/2 है तथा जो गांव पालम नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकित संगरित का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एमे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिशो) के बीच गोसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्त विस्तिसिक उद्देश्य में तकत अन्तरण निश्चित में सास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरम धं हुई किसी बाय काँ बायस , उक्त बाधिनियंत्र की बंधीन कर दोने के बन्तरक की बायित्य में कमी करने या उत्तरे बंधने में सुविधा की लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में पर्योजनार्थ अन्तिरित्ते ब्राग प्रकट नहीं किया में भा मा मा मा मा किया के स्वार प्रकट नहीं किया में स्विक्षा के स्विप

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनकरण भें, पें उक्त पिनियम भी भाग 269-ग की अपधारा (1) की अधीन: निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ओम प्रकाण पुत्र श्री गोबिन्ट राम मूरी, निवासी ए ए.प०-18, णालीमार बाग विस्ती।

(ग्रन्तरक)

2 सलब इन्टरनेशनन गांधी मैदान, पटना बिहार, ट्रस्टो श्री बिन्देश्वर गाठक पुत श्री रामा कान्त पाठक, निवासी गांव रामपुर बागल, पी० एस० देसारी, डिस्टी वाइशाली (बिहार)।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथीं क्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

उच्छ सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील मं 30 दिन की कर्षांच, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के अजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य अभिनत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वक्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदीं का, भी तक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा नं० 83/19/2 गाव पालम, नई दिल्ली तादादी 1 बीगा और साढे छ बीमा,

> त्रे० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-3, दिल्ली

तारी**ख**: 30-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुधना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकः आयक्त (निर**ीक्षण)**

स्रर्जन रेज-3, दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक, 30 जनवरी 1985

निर्देश म० ग्राई० ए० पार्श्वय 3¹⁰ा ग्रार-3/6/84/ 2402 -- प्रत मझे जी० एम० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सक परमात् 'क्त अधिनियम' हा लगा मूँ। का थार 209-म के अधीन गक्षम जी त्वलग का तह उत्तर नरन रा आरण है कि स्थावर संपरित जिसका रिश्त बाधार मृत्य 25,000/ कः संबक्षिकहैं

और जिसकी सख्या 83/19/2 है तथा जो गाव पालम नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्मुची मे पूर्ण रूप से थाणत है), राजस्ट्राकर्ना प्राधकारी क कायोजय, नई दिल्ली रजिस्द्रीकरण श्रिशिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख जुन, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह रिक्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स विधिक ही और अन्तरक (शन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाः) के बीच एस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निर्निलायन उदद देस में उक्त अन्तरण रिजी अन को बास्तरिबंध क्या नी जिथिस नोंदे रि । एवं 🖍 ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त विधि-नियम की अधीन कर दोन के अतर्थ के दरीयात व कमी करन या उत्ते ब्राप्त वास्त्र में गोरा इं भागा क्षीर /ए:
- (बा) क्रेडी किसी माथ या किसी भन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या वन कर विभिनिकान, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अरु । दवारा एकट ।ही किया गर था या किया जाना चाहिए था, व्यिपान में भरिका के निए:

बत बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1,

के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों अर्थात --

1 श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री गोजिन्द राम सूरी, निवासी -- ए ०म 18 जाली मार बाग,

(भ्रन्तरक)

2 सलब इन्टरनेशना गाधी मैदान, पटना बिहार, ट्रस्टी थी बिन्देश्वर पाठक पुत्र श्री रामा कान्त मुरी निवासी गाय रामपूर वागत बी० एस० देसारी , डिस्ट्री पाईगाली (विहार) ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पूर्वाक्स सम्पत्ति क अर्जन के क्षिए कार्यवतहर्या करता हो।

रक्षत अस्परित का सर्वत में मुस्त्रत्य में कोहां भी बाक्षेप .---

- क इस स्चातक राक्षण्य व प्रकाशन की सारीब में 45 दिन की अवीध या तत्यम्बरधी व्यक्तियों पर स्चना की हामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविका श्यक्तियों मां में किसी व्यक्ति दुवारा,
- ′अप) इपुण्यल्याक ल्ड**पत्र माण्काशन की सारीस सं** दर के की श्री उस्त स्थानर समित में जिला बब्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के में नाम में ने का कावान

क्रमार ८ धुन्नतः शब्दां सीप पद्मं का ार्व उत्तर **व्यक्क€कि**रणाः मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया THE THE

अनुसूची

खुगरा न० 83/19/2 गाव पालम, नई दिल्ली तादादी बीगा और साढे छ चीपा।

> 💤 ० एस० भोपाल पक्षम प्राधिकारी महायक आयार ≄न (निरीक्षण) रन रेज-3, दिल्ली

तारीख 30-1-1985मोहर

7~ 506GI/84

प्रकम भाषां सी . एम . एसं -----

बाबकर विधितियम: 1961 (1961 रा ४३) धर्म भार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-3, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985 निर्देश सं० श्राई०ए० सी०/एक्य/ ३/एस श्रार-3/6-84/2403 <mark>श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल</mark>.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इस**में **इसके पर**भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया र्ी, ंपी धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यान करने का कारण है कि रभावर सम्पत्ति, जिसका सीवत बाधार मुला 25,7000 /- रा. संअधिक हैं।

और जिसकी संख्या 83/19/2 है तथा जो गांव पालम, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनमुची में पूर्ण रूप से वांणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्दीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्दही और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि अभाग्योंक्त संपत्ति का उचिन बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण की लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-चिक मत से क्रिश्त नहीं किया गया है:---

- ंक) अन्तरक से <mark>हुई किसी आय की शावतः,</mark> अक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के **वायित्य में कभी करने या** जमने बचने में सविधा कं लिए, और/या
- (ख) एसी किसी अाम या किसी धन ग अन्य शास्तियः। का, जिन्हों भागीय अपर-गर अधिक्रियन (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः, उक्त विभिनित्रमः, कौ भारः १६०-ग कै जनसुरकः में सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री बिरज भूपण सुरी पूज श्री गोजिन्द राम स्री, निवासी 459, जीनत वारी, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली।

(श्रन्तर्क)

2. सलब इन्टरनेशनल गाधी मैदान, पटना बिहार, ३स्टी चेयरमैन श्री बिन्देश्वरी पाठक, पुत्र श्री रामाकान्त, निवासी गांव रामपूर बागल, पी० एस० देसारी, डिस्ट्री वाईशाली (ब्रिहार)।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

जबल मंपरित को अर्जन को मुजंभ में कार्फ भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 4.5 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तासील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त दवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरः के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इमर्भे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया 🕊 ।

ख्रमरा नं ० $83^{1}19/2$, गांव पालम, नई दिल्ली, नावादी । बीगा और साटे छ: बीसा।

> जी ० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) प्रजिन रेज-3, दिल्ली

नारीख: 30**-**3-1985

प्रकम नाह. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधान सुक्षक

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिर्शक्त)

अगयकर लीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाद 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का अरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण कैंप से वांणत है), राजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय, दिल्ली में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाणू में क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल ये, एमें दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी नाथ की नावण उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व भें कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (वा) एसी किसी नाव वा किसी वन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

क्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक म , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिविद्या न्यक्तियों, अर्थात् क्र— श्री बृज भूषण सुरी सुपुत्र श्री गोविन्द राम सुरी, निवासी 459 जीनत बारी, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

सुलभ इन्टरनेशनल, गांधी मैदान, पटना (बिहार)
 द्वारा चेयरमैन श्री बिन्देश्वर पाठक
 सुपुत्र श्री रामा कांत पाठक
 निवासी ग्राम रामपुर, बधेल,
 पी० एस० देसारी
 जिला बँगाली, बिहार।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के रिलयू कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप 🎞--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के आंतर तकत स्थाबर सपरित मों हित-भद्भ किसी अन्य स्थित हुआरा अधीहस्साक्षरी के गास लिखित में किए था करोंगे।

स्पष्ट्रोकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-जियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्द्र ची

1/8 भाग, तादावीं 1 बिघे और 6-1/2 बिश्वे, खसरा 83/19/2, ग्राम पालम, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅंज 3, दिल्ली

तारीख: 30-1-85

मोहर 🛭

असम् आहे. टी एन्. एस्.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वका

बारक सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस ग्रार→3/6-84/2405 ग्रत : मुझे, जी० एस० गोपाल,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव पालम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के प्रधीन, तारीख जुन, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य स कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तद्रण संहुई किसी जाग की बावक उपक अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तर्क के समित्य में कमी करने या उसने वचने में स्विभा के जिए; सौर/या
- (च) एसी किसी नाम ना किसी भन ना बन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था ने किया जाना चाहिए था, जिपाने में त्रीवधा में किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री गोबिन्द राम सुरी,
 पुन्न श्री गणेशम दास सुरी,
 निवासी 459 जीनत बारी, कश्मीरी गेट,
 विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. सुलभ इन्टरनेशनल, गांधी मैदान, पटना (बिहार) बारा चेयरमैन श्री बिन्देश्वर पाठक पुत्न श्री रामा कान्त पाठक, निवासी ग्राम रामपुर बधेल, पी० एस० देसारी-4 जिला वैशाली, बिहार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुः।

बनत सभ्यत्ति क मर्जन के सम्बन्ध में कांद्रे भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना क राजपत्र में भकाशन को तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्थष्टीकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभूसूची

1/8 भाग तादादी 1 त्रिषे प्रार 6-1/2 विश्वे, खसरा नं 83/19/2, ग्राम पालम नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 30--1-1985

माहर:

. सक्यु, बार्ड, टी. एन्. एस., ०-००≠

आयकः मधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस ग्रार-3/6-84/ 2206-म्प्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेड़ा कलां दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण, रूप से बाणत है), राजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन, 1984

को प्रांकत संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रांकित सस्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक एप से किथत नहीं पाया गया है:---

- (क) जतरण संहुद्दं किसी अध्यको बाबत, उक्त रोधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दोसिक्ट में कामी कारने या उसस सचन में सुदिधा के निष्ट, अदिर्धा
- (क) एसी कियी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927. (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रया था था किया जाना शाहिए का कियान को स्विभा ने सिए;

अतः अब उक्त अधिनियमें की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**खित व्यक्तियों, अर्थात**ः— श्री जसवन्त सिंह,
जय देव सिंह,
बलराज सिंह,
और इन्दरजीत सिंह,
सुपुत्र श्री धरम सिंह;
निवासी ग्राम खेड़ा कलां,
दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती डिम्पल ग्ररोड़ा पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, निवासी एफ० 591, कीति नगर, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करक प्यांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त मम्यांस क प्रजीत के सबाब मां कार्ड भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन का अविध या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किनी व्यक्ति वृद्धाना.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकाँगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

कृषि भूमि तादावी 10 बिथे, खसरा नं॰ $42^{1}23$ (5-4) और $47^{1}3(4-16)$ ग्राम खेड़ा कलां, विल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

मोहर 🖫

ब**रूप भाई**. टी. **ए**न. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० ग्रार—3/6—94/ 2207—प्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी पंत्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेड़ा कलां, विल्ली 4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1984

कां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान शितफल से, एसे दृश्यमान शितफल का पन्त्रह प्रतिभूत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया शितफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उधत बन्तरण शिवित में मुस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरूण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के त्रभीन कार दोने के बन्तरक औ दावित्य में कानी कारने वा उससे यथने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रभावनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री जसवन्त सिंह,
जयदेव सिंह,
बलराज सिंह और
इन्दरजीत सिंह,
सुपुत्र श्री धरम सिंह
निवासी ग्राम खेड़ा कलां,
दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार सुपुत श्री चमन लाल, निवासी एफ 91, कीति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक प्रवासन सर्पारल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता भू"।

उक्त संपत्ति को अर्थन के संबंध को कोड़ी भी जाक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूवना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिए बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में धरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूद्धाः

कृषि भूमि, तावादी, 7 विघे और 18 विश्वे, खसरा नं $\pm 2/22(4-12)$, $\pm 42/2/2(3-6)$, ग्राम खेडा कलां, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 30-1-1985

प्रकृप जाई. टी. एम एस.-----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-भा (1) की अभीत मुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/एस०आर०-6/9-84/ 2208—अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उम्म अधिनियम कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेडाकलां, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिफल क लिए जन्तिरित की गई है और मुझं यह विद्वास । करने का कारण हो लिए यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती को जीन एए लिए है लिए एए पापा गत। प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से उक्त अन्तरण शिक्ति मा वास्तिथक रूप से कियत नहीं किया वहा है है----

- (क) अन्तरण स हुई किन्ती जाय की बाबत, एअन अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के सिए, कीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1022 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, हिस्सने मा कृषिक के सिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च को अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) द अधीन, निस्नानांस्त व्यक्तित्यों श्रामण :— श्री जसवन्त मिह, जयदेव सिंह, बलराज, इन्दरजीत सिंह, मुपुत श्री धरम मिह, निवासी ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रः चम्मन तान सुपुत्र श्रः गगा राम, निवासा एफ-91, कार्ती नगर, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्तीत, तस्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उसत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोड़ों भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक अप 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध याद मा मगात हाती हो, के भीतर पूर्वीक स्वर्ण कार्या है से स्वर्ण क्ष्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसबब्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किश गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, तादादी, 8 बीचे, खसरा नं० 47/4(4-16), 8 मेन (3-4), ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 30-1-1945

प्रकृष प्राप्त्रं. टी. एव. एव. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/एम०आर०-3/6-84/ 2209--अत: मुझे, जी० एम० गोपाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेड़ा कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वालार सल्य से अम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हाँ और मूझे यह विश्वास करने का कारण हाँ कि सभापूनोंकत सम्पत्ति का उचित साचार मूख्य, तनके दश्यमान प्रतिफल से एमे क्रम्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिचत से अधिक हाँ और बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तस पासा गया प्रति-फल निश्नीभीकत उद्वोक्य से क्यल अंतरण कि कि बा बास्तिक्थ रूप से कथित नहीं किया गया ही है——

- (क) कृत्यरण सं हुई किसी बाय की बायत बनत मिन नियम के त्रधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए बीर/या
- (ब) एंबी डिप्सी बाध वा किसी थन वा बस्य जास्तिये।
 की, फिल्हें भारतीय जायकर किश्तियम, 1922
 (1922 का 11) सा उक्त कृषितियम, वा धन-कर जीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के इसोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया बाजा चाहिए था, कियाने में सुविधा है निए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 26?-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उग्धारा (1) के अधीन, निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जसवन्त सिंह, जयदेव सिंह, बलराज सिंह, इन्दर जीत सिंह सुपुत्र श्री धरम पिंह, निवासी ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली। (अन्तरक)
 - 2. श्रोमती विनिता सचदेव पत्नी श्री विनोद कुमार, निवासी एफ-91, कीर्ती नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्माना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिस् कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त संपत्ति के प्रर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि सा तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी अयिक्त व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्तारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि<u>त्र</u> है, वहीं अर्थ क्षांगा जो उस अध्याय हों दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 6 बीघे थ्रौर 8 बिश्वे, खसरा नं० 47/8 मेन, (1-12), थ्रौर 47/9 (4-16), ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली।

जी० एम० गोपाल सक्षम प्राधिनारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रोंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 30-1-1985

मोहर 🚁

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. *****==

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्ष्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985 निर्नेश स० आई० ए० सं ०/एक्यू०/3-एर०आर०-3/9-84/ 6-84/731--अतः मुझे जी० एस० गोपाल,

हारकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि रूथ्याक्कि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिनकी स० कृषि भूमि है तथा जो ब्लाक की', पहाड़ गज नई दिल्ला में स्थित है (स्रोर इनमें उनाबद्ध अनुपूच में स्रोर जो पूर्ण का से विगा है) रिनस्ट्रा हर्ता अधिकारा के कार्यानय दिल्ला में रिस्ट्र करण अधिक्षियम, 1908 (1908 का 19) के अर्धान दिनांक जून, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्तिः के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित द्वाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया का प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सूनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्तपक्षधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- \$---\$06€1/84

1. श्रं मती निर्मल देवी, निरात 2195, थरात बन्ना दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रोमननाल, निमानानमार सिंह स्ट्रीट, पहाड़ गंज, नई, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

2-1/2, भाग, पो० नं० 1866, बनाक न० बी, वजीर तिह, स्ट्रीट, पहाड़ गज, नई दिल्ली।

ंजी० एप० गोगाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

विनोंक ' 30-1-1985

प्रकप बाई. टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासव, बहायक बायकर बायकर (निराधाण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ल ,दांक 30 जनवर्र , 1985 निदेग स्० आई० ए० स ०/ए३रू/3/ए १०आर-3/6-84/ 732—अत: मुझे जं० ए २० गंगाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम पाधिकारी का . यह निकास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकं सं ० ृषि भूमि है तथा जो 22, पहाड़ गंच, नई दिल्ल. में ल्या है (म्रार इत्सेउपानद्ध नुष्च में भ्रार जः पूर्ण रूप में विजले हैं) राजस्ट्र ति । धि । र क बार्या य दिल्ल में रिक्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक जून, 1984

को प्यक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिक प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिक प्रतिशत ने वीस ग्राम प्रतिशत के लिए त्या ग्राम प्रतिशत निम्निल्खत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त कांधानियम के बधीन कार दोने की अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अपने भी सुशिका के लिए; और/या
- (क) एनी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के बनुसरध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपधारा '' के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाह्य:—च श्रानतः उषा रातः, निवासः 2165, फारतं खाता, दिल्ली ।

(अहतरह)

(अन्तरिती)

श्री रोगन लाल,
 निवास। 1854, वर्जीर तिह स्ट्रीट, पहाड़ गंज,
 दिल्ला।

को यह मुचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहरण करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वा की तामील स 30 दिन का अविध, के भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतक उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हिन्बद्ध किसी जन्म केंग्रेक द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त मधिनियम के अध्याय २०-के में पिरणायत हाँ, वहीं अर्थ होगा. ओ उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/3, भाग, प्रो० नं० ब्लाक नं० बी, प्राप्त नं० 22, पहाड़ गाज, नई।दल्ला ।

जी० एप० गोपाल सक्षत प्रात्धकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज 3, तद्दादल्लो

दिनांक 30-1-1985 मोहर :

प्रस्य बाह् . टी . इन . एस . ------

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रधान सुचना

भारत तरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली:, दिनांक 30 जमवरी, 1985

निवेश सं० आई० ए० से०/ए यू / 3-एउ० आए०-3 6-84/773---अउ- मुझे, जा० एउ० गांताल आफक्तर पार्थानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथान 'उम्ल पिथिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित जाजार मूल्य 25,000/- व॰ से अधिक है

मीर जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 22, पहाडगंज, नई दिल्ला में थिसा है (ब्राल इसा उपाबद अनुसूच में ब्रार पूर्ण का न बर्गा है) राजिल्हा जी आधारा के कामितम दिल्ला में राजिल्हा हरण जाबी बन्द 1908 (1908 का 16) के अधार गरेख जूर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रितिफल के लिए अतिरित की गृह है और मृझ यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकत सपित का उचित वाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु
प्रात्तान स प्राप्तक अंगर अन्तरक (अन्तरका) सार अन्तरिता
(ग्रम्नारितिणो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ना नम्मानाखन उद्देश्य य उत्तर अन्तरण लिखित से बास्तिक क
का स किश्यत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधांके लिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी बांग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारताय प्रायकर धाधानयम, 1923 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना बाहुए वा, खिपान में ्रिक्टा है लिए;

इति अब, उक्त अभिनियम की भारा 260-ग के झममरण वै में उक्त विभिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाँत् ध—— (1) शाता वना रानां, निन्नानां, 2165, कारत खन्ता ्दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोगन लान, भिन्नाच्यक्तका, निर्माह सिंह स्ट्रीट, पहाइनंज, निर्मादल्ला।

(अन्त्ररिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सवधा व्याकतया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थावत्यों में संक्रिसी स्थाविस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीने।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो जकत कार्थानयम, क अध्याय 20-क म यथा परिभाषत हु^त वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में किस स्वाह¹।,

अनुस्ची

1/3, भाग प्रो० नं० ब्लाह नं० 70वी प्लाट नं० 22, पहादुगंज, नई दिल्ला व

> जी० एप० गोपान सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ला

दिनांक 30-11-985 मोहर ः।

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कारमीश्रम. सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एकपु०/3/एस-आर०-3
8-84/738--अतः मुझे, जी० ए२० गोगल
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी पी, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य
25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौल जिला मर्रल, नई दिल्ला में स्थित (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुपूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) रिजिस्ट्रां ति अधिकारी के कार्यानय दिल्ला में रिजिस्ट्रां हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अध माताराख जून 1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिफल का पृत्यह प्रतिफार्श से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उदद य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अपन्तरण संहुई फिसी आध्य की अध्यत, उक्त अपिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक औं द्यायित्व में कामी करने या उससे अधन में सुविधा को लिए आर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अम्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यिंगित दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बतः ब्रबः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भौ, भौ, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरेन्द्र कुमार, सुरुत श्रा मुना लाल, निवासी-19, मस्जिद मोठ, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष शर्मा, पत्ना श्रा विकम दत्त शर्मी, निवास।-46, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(अन्सिसी)

को बह स्थान भारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्याक्तयों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्पट्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त इक्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो अध्याय में दिया गया है।

ग्र**नपु**ची

कृषि भूमि, तादादी 9 विषे, आर० किला नं० 18/2 (2-16), 19 (1-8), 23 (4-16) ग्रान महरौला, जिला महराला, नई दिल्ला ।

जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्न, निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

धनांक 30-1-1985 गिहर ध प्ररूप नाइ. टी. एच. एस. -----

बाय्कार वीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनात 30 जनवरी, 1985

निदेश पं० आई० १० पो०/ए₹१०/3/ए२० आर--3/6-84/ 739--अत. मुझे, जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे

कायकर आधानरम 1961 (1961 की 43) (जिस हम्म इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क क अधीन मक्षण प्राधिकार' का, यह 'ख़ड़बार्थ करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी स० कृषिभूमि है तथा जो ग्राम महरीली, जिला म राला में स्थित है (ब्रार इनसे उनाबद्ध अनुनुब। में ब्रीर पूर्ण रूप से बींगा है) रिजस्ट्रा ति अधिकारा क कार्मा ज्या दिल्ला मे रिजस्ट्रा रण अधिः नयम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख जून 1984

की प्वांक्त सम्पात्त क उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रितिप्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृन्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषा से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितिरां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्न लिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दाणित्व में कभी कााने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य औरितयों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, माँ उक्त बाधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, सर्वात् क्र— (1) श्री नरेन्द्र कुमार,

· सुपुत्र श्रा मुना लाल, *

निजास -र्जा-19, माम्जद मोठ,
नई विल्ला।

(अन्तरक्र)

(2) श्री विकम दत्त शर्मा, सुपुत्र श्रा मुना लाल शर्मा, निवासा-46, उदय पार्क, नई दिल्ला।

(अम्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि। सत मा कए जा सकता।

स्मक्टोकरण : +-इसमें पश्चन करों और पर्दो का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में विश्राचित ही, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में टिग्न गया है।

त्रपुची

कृषि भूमि, प्रौर तादादी 7 बिघे आर3 बिघ्वे, मुस्तेन, म॰ 2, किला नं॰ 17 (5-8), 18/2 (1-15), प्राम महराला, जिला महराला, नई दिल्ला।

> जी० एस० गोपान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त, (निराक्षण) अर्जन रॉज-3, नई विस्सी

तारीख: 30-1-1985

मोहर 🗊

प्ररूप आइं.टी एन.एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्लो

नई दिस्ली, दिनांक 30 जनवरो, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3-एस०आए०-3 9-84/740---अत: मुझे, जा० एन० गापाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु म बोधक है

ग्रीर जिसकी स० जृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, जिला तर्द दिन्त्वा में स्थित है (ग्रार दासे उपावन अनुभूचा में ग्रार पूर्ण रूप से विजित है) राजस्ट्राहर्ता आधारार। के कार्यापय दिल्ला में राजस्ट्राहरण आधानयम 1908 (1908 का 19) के अधान ताराख जून 1984

का प्रायत सम्पत्ति क जोचत बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गृह है और मृझ यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वांचत सपरित का जिल्ला बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल के पद्देष्ट प्रतिशत स आधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तारातया) के बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्घश्य स उक्त बन्तरण लिखित में शास्त-बिक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाथ की बाबस, उक्स आंधानयम को अधीन कर दाने को अन्तरक से दायित्व में कमी कारन या उससे अधन में सुविधा कालए, आर्-/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हू भारतीय आय-कर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुविधा के निष्

नतः अन, उन्त मीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वधीत् 4-- (1) श्री नरेन्द्र कुमार, सुद्भन श्राः मुना लाल , निवास:-जा-19, मास्जद मोठ, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक शर्मा, सुपुत श्रा विक्रम दत्त शर्मा, निवास-46, उदय पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कायनाहिया करता हा।

जनत सपत्ति के वर्जन के सबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्याक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्रविक्त स्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर सपरित मा हितबस्थ किसी अन्य -योक्त दवाल अधाहरणाक्षणी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उन्स आधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूर

कृषि भूमि , तादादी 8 बिघे ग्रीर 8 बिघ्वे, मुस्तेल, नं० 2, किना नं० 18/1 (3-1), 16/2 (4-3), 24/1 (1-4) ग्राम महराला, तहसाल महराली नई दिल्ला ।

जी० एस० गीनाल सक्षम प्राधिक री सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेज-3, नई दिल्लो

तारीख: 30-1~1985

मोहर 🖫

प्रकम बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहैराक अराजकर आराजकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एउपू०/3-एउ० आर०-3/6-84/741--अतः मुझे, जीः० एस० गोपाल बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), 'की धारा 260-व के अधीन मध्यम प्राधिकारी को ग्राप्त निक्कान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/- रुट से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो साम मन्दौली, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इनसे उनाबद्ध अनुमूच में स्रोर पूर्ण रूप से विनिन्त है) रिनस्ट्रान्तों अधि नरा के कार्यात्य, दिल्ली में रिनस्ट्राक्रण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अर्धन तारंख जूने 1984

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रांतफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह त्रिक्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोनिकत उदयप्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिष्टिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बनारक से हुई कियी बाव की बाबत, उपत अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्गनत्व में कमी करने ना उपने स्वतं में बृद्धिश के लिए; और्∕या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया बागा वाहिए था, खिपाने वें सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निक्निकित क्यिक्तयों, कथित :---

(1) श्रां नरेन्द्र निह, सुपुत्र श्रां मुन: लाल, निजान:-जा-19, मास्जद मोठ, नई दिल्ला।

(अन्तर्ह)

(2) श्री दीपक शर्मा, सुपुत्र श्रा विकस दत्त शर्मा, निजानां → 46, उदय पार्क, नई ।दल्ला।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्नत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त म्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में इतबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधानसम क अध्याय 20-क म परिभाषत हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

वन्तुनी

कृषि भूमि, तादावीं—5 निषे, श्रौर 18 विश्वे, मुस्तेल नं० 2, हिना नं० 25 (4-12), मुस्तेन न० 3, हिला नं० 21 (6) ग्राम महराता, तहसाल महराला, नई विल्ला।

> जी०एन० गोगाल सक्षत प्रात्धे तारी सहायक आयक्तर आपुक्त (शिरक्षण) अर्जन रैंग-3, नक्ट्रीटेल्जी

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 🛎

प्रक्ष बाई टी एन एस . ------

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क अधान सुचना

भारत सरकार

न्ध्रयांस्य, महायक आयकार नायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

निदेण सं० आई० ए० सं:०/एत्यः०/3/एत० आर०-3/ 9-84/742--अतः मुझे, जं:०एत० गःथाल

बायकार ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/-रा स अधिक है

मीर जिनकी सं० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ला में स्था है (श्रोर हापे उनाबद्ध अनुपूच में ग्रीर पूर्ण रूप से बीगा है) राजम्द्र ज्वी अन्धि जरा क कार्यात्रय दिल्ला मे रिजस्ट्रे: "रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख जुन 1984

को पृथानत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसक इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अर्तारितया) के बीच एम अतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त बाधनियम के बधान कर दन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, और/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अंत्रिकीक, निम्निक्षिकत व्यक्तिस्तो, अधीतः—— (1) भी नरेन्द्र जिह, सुरु श्री मृता लाल, निश्व न्त्री-15, मस्जिद मोठ, नद्दी विस्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष शर्मा, पत्ना श्रा निका दत सर्वा, निशासा-46 उदय पार्क, नई दिल्ला।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कामनाहमा करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाधीप :~-

- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि यी तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रद्ध किसी अन्य स्पक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इस्पों प्रयक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि, तारवी 6 बिधे ग्रीट 19 बिधे, मुनेस्ल मं० 15कि रौरं १० १/३ (2-14), 12 (4-5), प्राम नहरानी तहसील महरीली, नई दिल्ली।

> जः० एप० गोगान सञ्जम प्राविकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

तारीख: 30-1-1985

प्रसम आही, ही, एन, एस्, ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमा

भारत सरकार

कार्यां सहायक जायकर जायक (निरीक्त) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०/3/9-84/743-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् स्वत निभिन्यम कहा नया है), की धारा 269-स के नभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 24.000/- रा. से नभिक हैं

स्रौर जिसकी व० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या लय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रित्तिल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, असके खरमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रिपिफल का पन्द्रह प्रिश्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निचित उद्वेष्यों से उच्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(तत) अन्तरण से सूर्य फिली साम की बावेद, स्वसं अभिनियार के अभीत कार तीम के प्रकारक के दासिस में कभी कारने या उसले नेपाले के प्रतिप्रा वे सिए; बीर/बा

तामी किटी कृष्य या किसी भन या अस्य वास्तिकों को फिल्हों भारतीय अध-कर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, कृष्य अधिनियम, कृष्य अधिनियम, कृष्य अधिनियम, कृष्य अधिनियम, कृष्य अस्ति अस्तियम, 1957 (1957 का 27) से अस्तियम अस्तियम अस्तियों बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में विभिन्न कृष्यिम:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः —— 9—506 GI/84

(1) श्री नरेन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री मुनी लाल, निवासी-जी-19, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली।

______,___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___, -___

(अन्सरक)

(2) श्री बिक्रम दत्त शर्मा, सुपुत श्री मुनी लाल शर्मा, निवासी—46, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सुचना आरी करके प्रविक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

बक्त सम्परित के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीय:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 जिन्न की अवस्थि वा तत्त्वस्थाओं व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की सर्वाधा, को भी बनाध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तिकों में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद विकास में किए आ सकों से।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसन्तर

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे श्रौर 17 बिग्ने, मुस्तेल नं० 1, किला नं० 15 (3-12), 16/1 (3-17), मुस्तेल नं० 2, किला नं० 11 (0-5), 1/2(0-3), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

जीं० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, नई दिल्ली

दिनांक : 30-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/ 6-84/750--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख णून 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान अन्तरित प्रतिफल के लिए की गह विद्यास करने का कारण सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल से., ए'से ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदोश्य से उक्त अंतरण लिक्षित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं गया ਲ**ੇ** :−−

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिक व्यक्तियों. अर्थात क्

(1) श्री दुली नाथू दीपन, सुपुत्र श्री नानक, श्री नारायण मिह सुपुत्र श्री हरचन्द, निवासी, ग्राम महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री सुखबीर मिह ग्रौर श्री फुल सिंह सुपुत्र श्री मागे राम, निवासी ग्राम महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरिर्ता)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्यी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे ग्रौर 13 बिग्बे, मुस्तेली नं० 80, किला नं० 6 (4-13), ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

जीं एस गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 30-1-1985

प्रक्ष बाह्र . टी. एन. एस. ४ - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश मं० आई० ए० मो०एक्यु० ३ एम० आर०--3/ 6-84/751--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौलों नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ला में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने वा उससे बचने में तृतिथा के सिए; भौड़/बा
- (अ) एत फिटा अस या किसी धन या अन्य आस्तयः का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियां के सुविधा के लिए;

अत्त अवा, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में म⁴, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, शुर्लात् ः— (1) श्री दुली , नाथू दोपन सुपुत्रं श्रो नानक, श्रो नारायण विंह सुपुत्र श्री हरचन्व, निवासो महरौली, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखबीर सिंह ग्रौर फुल सिंह, सुपुत्र श्रो मांगे राम, निवासी, ग्राम महरौलो, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोंगे।

म्बर्क्डीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में शिया गया है।

जन्स्की

1/2, भाग कृषि भूमि, मुस्तेली, नं० 80 किला नं० 16~(4-14), 25/1~(3-10) ग्राम महरौलो, तहसील महरौलो, नई दिल्ली ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 🤃

प्रकृत बाह्र टी. एत्. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

माइक सर्वार

कार्यां तथ, सहायक भायक र मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०ए० सी०एक्यु०3/एस० आर०-3/6-84/752—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की बार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप सेवणित है) राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय विल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जूम 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) भौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, सकत बिश्तियम के जुशीन कर बेने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना पाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ϵ —

(1) श्रो दुलो, नाथु, दीपन, सुपुत्र श्रो नानक, श्रो नारायण सिंह सुपुत्र श्रो हरचन्द, निवासी ग्राम महरौलो, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रो सुखबोर सिंह ग्रौर फूल सिंह, सुपुत्र श्रो मांगे राम, निवासी, ग्राम महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

करत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाकोइ :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की नवीं मा त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवीं नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगै।

स्थळीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, भो उच्छा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियह गया है।

न्युस्पी

1/2, भाग क्रुंषि भूमि, मुस्तेली नं० 80 किला नं० 16 (4-14), 25/1 (3-10) ग्राम महरौंलो, नई दिल्ली ।

जीं एस गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रैंज-3, नई दिल्लो

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष **वार्ष** . टी . एव . एस . ------------

बायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

बाउद सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनाक 30 जनवरी 1985

निर्देश स० आई० ए० सो० एक्यू०/3 एस० आर०-3/6-84/753--अत मुझे, जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण भ कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख जून 1984

को पूर्वोक्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके ररयमान प्रतिफल से ऐसे ररयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की भावता, उक्त अभिनियम के अभीन, कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कभी कारने या उन्नसे अपने में सुविधा को मिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आसा साहिए था, स्थिना में स्विधा औं लिए;

जतः शवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मूसरण में', में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ धधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, ब्यांत् ६—

- (1) श्री दुली, नाथु, दीपन, सुपुत्र श्री नानक, श्री नारायण सिंह, सुपुत्र श्री हरचन्द, निवासी, ग्राम महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सुखबीर सिंह ग्रीर फुल सिंह, सुपुत्र श्री मांगे राम, निवासी, ग्राम महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

र्ह्मष भूमि तादावी 4 बिघे श्रौर 13 बिघ्वे, मुस्तेली नं० 80, किला नं० 15, ग्राम महरौला, तहसोल महरौली, नर्ह विल्ला।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, नई दिल्ली

दिनाक 30-1-1985 मोहर: प्रकष् बाह्य, टी. एन । एस ::-----

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

भारत सहस्राड

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-3, नई ॄदिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो० एक्यु०/3 ए० आ०-111/ 6-84/722-अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एच 15/19 है तथा जो मालबीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 3, नई दिल्ला, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से के म के बह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विह्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर बाने के बन्तरक के बायित्व में कभी कड़ने या उससे बचने में सुनिभा के तिए बार्-श्रा
- (क) एसी किसी बाय था किसी भन या बत्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रोमती विमला रानी, 16146, राजेन्द्र नगर, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रो संतोष भारद्वाज एच० 15/79, मालवीय नगर, नई डिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बादी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्वविध या तत्सम्बन्धी स्थमितयों पर स्चान की तानीख से 30 दिन की अवधि, का भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी ध्यक्ति द्वारा;
- (व) इस ब्रुचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच त 45 दिन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एच-15/19 मालवीय नगर, नई दिल्ली।

जो० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसुयों, अर्थात् ः——

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 🤢

प्रकृष बाड . टी. एन. एस. -----

जायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के बधीन स्थमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्लो

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देण सं० आई० ए० मो० एक्यु०/3/ए० आ०-3/6-84/ 703-अतः मझे जी० एम० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने कः कारण है कि स्थाध्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- र_{ें}. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2350 है, तथा जो बीडन पूरा, करोल बाग, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढअनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के प्रधीन 30 जुन 1984

को वृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करनो का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मण्य, उसके रूपमान प्रतिफल स, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त गरि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; स्टेर/या
- (भा) एंसी किसी अध्य रा किसी धन या अन्य अगस्तियो को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था, या किया जाना चाहिए था क्रियाने में यविधा के लिए,

 अभिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय जिम्मिलियत व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री ईश्वर चवास श्रीर हकाम चन्द पूत्र श्रो प्रभानन्द, 2350, नई वाला, करोल ब!ग, नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

2. मैं० जे० पाँ० एसोशिएट. 3085-63, देश बन्ध् गुप्ता, मार्ग, पहाइ, गंज, नई (दिल्लो ।

(अन्तरिसो)

क्षेत्र यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति को अपर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवृधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हां शो हो, के भौतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्परित में डित-बबुध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे ।

स्पथ्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वम्सूची

प्रो॰ नं॰ 2350, खसरा नं॰ 404/1, गलो नं॰ 14भीर 15, नई वाला बिडनपुरा करोल बाग, नई दिल्लो। नादादो 127 स० या०

> जां० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो महायक अधिकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रज 3, नई दिल्ली

दिनांक 30-1-1985 मोहर:

प्रस्थ बार्च . टी. १एन . एस .---

भारत अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाम्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी \circ । एक्यू \circ । 3, ए० आ०-3। 6-84। 766—अतः मुक्ते जी० एम० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 28/14 है, नथा जो पुराना राजेन्द्र नगर, नई विल्ली, में स्थित है (भ्रोर इससे उपाइद्ध अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 30 जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अर्पण लिखिल म वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाबित्य में क्यी करने वा उत्तर्ध क्यने में सुविधा औं निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी श्राय मा किसी भन या अन्य मास्तियों की चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री रोशन लाल सचदेवा, पुत्र श्री वेदवा मल सचदेवा, सी/16/95, गली नं० 4, जोमी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (1) श्री एस० श्रोसवीर सिंह,
 (2) एस० चरन जीत सिंह, पृत्र एस० करतार सिंह,
 - (3) श्रीमती भूपेन्द्र कौर पत्नी श्री एस० श्रोसंबी सिह, 28/14, पूराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वनुसूची

सरकारी बुल्ट, प्रौ० नं० 28/14, सिंगल स्टोरी, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

तादादी, 85.9 एस० या०

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनांक: 30-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. .-----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ए० आ०-3/6-84/762—अतः मुक्षे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं क्सी-27 है, तथा जो ग्रीन पार्क, ईक्स०, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 30 जून, 1984

आते पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया द्या प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण मिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- .(क्.) अन्तरण से हुई किसी आय की वायतः, उक्त विधिनयम के जवीय कर को के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सविधा को लिए: और/भा
 - (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के सिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीविक्त व्यक्तियों, वर्षात क्रिकें 10—506 GI/84

 श्री सविता दास, सी-27, गीन पार्क, ईश्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री नीलू जैन,
 पी-7, ग्रीन पार्क, ईक्स०
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगहिस्ताक्षर के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृहा ही।

अनुसूची

वूसरी मंजिल, सी-27, ग्रीन पार्क, ईक्स∘, नई दिल्ली। तादावी 312 सु॰ या॰; 606.5 सु॰ फुट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनांक: 30-1-1985

मोहर 🗈

अक्ष बाइ . टी. एन. एस. -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

स्थानिय, सहायक आयकर जायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई विस्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/ए० आ०-3/6-84, 702--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

अयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६६० के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 4ए/37 है सथा पूराना राजेन्द्र नगर, नहें दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेन्ज 3, नहें दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन दिनांक 30-6-1984

का पूर्वीकत सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रितिमल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करण का कारण है कि स्थाप्येक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार बृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (प्रतिक्तें) और अंतरिती अन्तर रीत्रयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमानिखित उष्टब्देय से उपन अंतरण लिखित में

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी आय की कावत, उक्त गीधनियण के अधीन कार धोने के अन्तरण के पारित्य में कसी करणे या अससे उच्चने में मुविधा संस्मित्र संपर/शा
- त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अंतिनिती प्रश्रा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था, ख्रियाने के परिकार के निका

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- आत्मा देवी पुत्नी श्री कुयब चन्ब, 4ए/37, पुराना, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह, पुत्र श्री मिलक सिंह, श्रीर श्रीमती भगवन्ती पत्नी श्री मिलक सिंह सारे 22/26, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तरहील ये की दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

मनसची ।

प्रो॰ नं॰ 4ए/37, पुराना राजेन्द्र नगर, नई विल्ली । तादादी 89.5 सु॰ या॰ ।

> जी० एस० गोपाल े सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनांक 1 30-1-1985 मोहर: प्रस्प आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, नर्ष विरुली

मई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ए० आ०-3,6-84/763—अतः, भुझे, जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धार। 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रत. सं आधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 511 है, तथा जो मन्टोला पहाड़ गंज, नई
विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन
रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन दिनांक 30 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ्यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रहें प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित्ते में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंपिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बार्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें जारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः अय, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री लखी राम ,
 511, मनटोला , पहाड़ गंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

राज रानी,
 1162, गली नायक मैन बाजार,
 पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्स सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति दुवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिउबक्ष के किसी बन्य व्यक्ति व्यार्ग अवाहस्ताक्षर। के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, प्रो० नं० 511, मनटोला, पहाड़ गंज, न**ई दिल्**ली ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, न**ई** दिल्ली

दिनांक : 30-1-1985

मोहर 👵

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ला दिनाक 30 जनवरी 1985

निदेश स० म्राई० ए० स०/एक्यू०/3/ए०म्रा०-3/6-84/ 757- - म्रतः मुझे, जा० एस० गोपाल

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पन्धात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सपित्त, जिसका उचित बाबार मृश्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका स०, 5-1 है, तथा जो ग्रान पाक एक्सटेशन, नई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपायद श्रनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिरद्राक्षती श्रिधकारा के कार्यालय श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारताय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधान दिनाक जून, 1984

को पूर्विकित अस्पत्ति के उत्तित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तिरित क गई है और मुझे यह विषयास करने का काण्ण है कि यथापूर्विक्त समपत्ति का उजित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सी., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भीत्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तिरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निक्तिनिक्ति जुन्तिस्य से जुन्त अन्तरण सिविब में अस्तिरिक्ष रूप से कि थिए नहीं किया गया हैं—

- (क) बन्तरण ते हुई निज़्ती बाद की बादत, उत्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सूविभन के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए;

अतः जब उनल जिभिनियम की भारा 269-ग की अनुकरण भें, भें, उशत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) मुंं अधील विमनिलिसित व्यक्तियों, सर्थात् माना मै० ईिंग्स परक्ष प्रो० (प्रा०) लिमिटेड,
 बी-177, ग्रेटर कैलाश-1,
 कई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

मैं० गीता क्ता प्रोसिंग सेन्टर,
 15-बी, गौतम नगर, दिल्ली।

(भन्तरिती)

ना यह सूचना जारी करके पृशाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहिया करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जवित्र या तत्सम्बन्धी स्वित्रयों दर सूचना की तामीन से 30 दिन को अविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर प्रवित्र स्वित्रयों में से निमनी व्यक्तित द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

धनुसूची

दूसरी मंजिल, प्रो॰ र्नं • 5-1, ग्रान पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ला ।

> जी॰ एस॰ गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, तई दिस्सी

धिनांक : 30-1-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लं: नई दिल्लो, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सं:० एक्यू०/3/ए०श्रा०/3/6-84/713--श्रतः मुक्ते, जं.० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,0000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० है नया जा ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकार, वे वार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लों में भारताय ग्रायक्षर श्रिधित्यम 1961 के ग्रिधीन दिनांक 30 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के ब्लूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जेतरिती (अंतरितिया) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत , उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक सं बाबितक में कभी करने या उसस बचने में ब्रुविभा के लिए; जांद्र/या
- (क) एसी किसी आद या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् का

 श्री नंद किसोर श्रार/ओ० 58,4422, रेगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(प्रस्तर्क)

श्रीमती शकुन्तला रानी,
 गांव, 56/4422,
 रेगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता ह**ू**।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्स्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मप्तरं

22, 23 पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक **धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज 3, न**ई** दिल्ली

दिनांक: 30-1-1985

मोहर 🛭

प्रकल काई, दी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3. नई दिल्ही

नई पिल्लं।, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०, 3, ए०भ्रा०, 3/6-84/761--श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में (स्था है (ओर इनसे उनाबद्ध श्रनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रावार्ती श्रीधनार के कार्यालय, श्रजीन रोज 3, नई दिल्ला, में भारताय श्रायकर श्रीधनियम के श्रध्न दिनांक 30 जन, 1984

कां पोका गर्नात के उचित त्राजार मृत्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखत में शास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधित, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ह

श्रा दोना नाय,
 1/108, पुराना राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ला ।

(ग्रन्तरकः)

श्री धेवेन्द्र कृमार श्ररोडा,
 15/84, पुराना राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संप्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पुष निश्चित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त / अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी० बो० पो० नं० 1/108, पुराना राजेन्द्र नगर, नई विल्ली ।

> र्जा० एस०] गोपाल प्रश्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 3, नई दिस्ली

दिनांक: 30-1-1985

प्ररूप आईं.टी, एन , एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सो०/एश्यू०/III/एस०आर०-4/6-84 1256---श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० है, तथा जो गान्दर्स, इलाका, शाह्यरा, दिल्ला-51 में स्थित हैं (और इससे उपावत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्षती अधिकार के वायरिय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ला, में भारताय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन दिनांक जन, 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जुक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधन्म (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रा सुवेश मलहोता
गांव, बा 6/5ए, ऋष्ण नगर,
दिल्ला ।

(भ्रन्तरकः)

(1) श्रं धर्म पाल
 श्रा कौशस्या, देवी,
 गांव, बा 6/4, कृष्णा नगर,
 दिल्ला-51

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाम्भेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन अी अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्रचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नम्स्यो

गांव गोन्डली, इलाका, शाहाबरा, दिल्ली-51

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) भ्राजन रोज-3, नद्दी घल्ला-110002

दिनांक ६ 30-1-1985

बरूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश स॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/3/एस॰आर॰-2/6-84/ 2250—अतः मुझे जी॰ एस॰ गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 11/62 है, तथा जो तिहाइ नं० 1, (सुभाष नगर), नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री चन्दर पाल, सुपुत्र श्री राम चन्द, द्वारा, जी० ए० श्रीमती राम दिती लेसी, निवासी, 11/62, (2/326), तिहाड़ न० 1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती हरभन कौर, निवासी राव नं० 11/62, (2/326), तिहाड़ न० 1, (सुभाष नगर), नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास / लिखित में किसे जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो॰ रा॰ न॰ 11/9·2,तिहाड़ नं॰ 1, (सुभाष नगर), मुई बिल्ली सादादी-100 वर्ग गज।

जो॰ एस॰ गोपाल, सिक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

धिनांक: 30-1-1985

प्ररूप आह. टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई विल्ली

मई विरुली, दिनांक 30 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आर०/2/6-84/ 2274—अत मुझे जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 23 ए/8 ए है, तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक जुन, 1984

्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के खब्यमान प्रतिफद्द के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, सकत सीधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायिका में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म^त, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित् क्र— 11—506 GI/84

- श्री एस० मोहिन्दर सिंह, निवासी 23 ए/8ए, निलक नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- सुरिन्दश सिह बिन्द्रा, निवासी 23/97ए, तिलक नगर, नई दिल्ली।

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस रुपना के राजण्य में प्रकाश्य की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 23 ए/8ए, तिलक नगर, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

वितांक 30-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई 3/37ईई/10611/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, जो 2री मंजिल, "सी" विग, निर्माणाधीन इमारत, घ्रोस्ड गजानन निषास के पीछे, कदमवाडी, वाकोला, विहलेज, रोड, साताऋूज (पूर्व), बम्बई 55 में स्थित हैं (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में घौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) घौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी अभ या अन्य आस्तियों दर्ज, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में भ्विषा वी विद्य;

वतः वव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, वर्धात् :---- मैसर्स राव एंड एसोशिएट्स।

(अन्तरक)

2. कुमारी लुड्डीना फर्नान्डीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 खिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 23 जो 2री मंजिल, "सी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, श्रोल्ड गजानन निवास के पीछे, कदमवाडी, वाकोला, विहलेज, रोड, सांताकूज, (पूर्व), बम्बई 55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-4/37ईई/10611/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

प्रकप बाह्र .टी.एव.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 18 फरवरी 1985

निवेश सं० आई-3/37ईई/10246/83-84---अत: मुझे, ए० प्रसाद

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/12, जो ाली मंजिल, "नालवा" इमारत नं० 2, मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/अक्ष
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा खे आए;

अतः अब उक्त विधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् :--- 1. मैसर्स क्वीन्स पार्क ।

(अन्तरक)

2. आर० सी० तोलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त क्षम्दों और पदों का, को उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं०ए/12,जो 1 ली मंजिल, "नालंदा" इमारत, नं०2, मार्वे रोड, मालांड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-3/37ईई/10249/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-6-1984 के। रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांकः 18-2-1985

प्रक्य. बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3,बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10508/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/-रः. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्नेष्ट नं० बी-21, जो 2री मंजिल, "नालंदा' बिल्डिंग नं० 1, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इमसे उपावद्ध अनुसूर्वी में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

भी प्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवसमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः सव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए क वनुसर्क में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निस्त्रसिखित स्यक्तियों, वर्षात् 🕡 1. मैसर्स क्वीन्स पार्क ।

(अस्तरक)

2. डा॰ डी॰ एस॰ बाब् भीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रंथ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरणः ---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बर्ज्ज

फ्लैंट नं० बी-21, जो दूसरी मंजिल, नालंका नार्वे रोड मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-3/37ईई/10508/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बन्बई

दिनांक 18-2-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1985 निदेश सं० अई-4,37ईई/10520/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट निर्माणाधीन, जो 3री मंजिल, गुरु-भिक्त, जी० बी० स्कीम रोड़ नं० 1, मुलूंड, (पूर्व), अम्बई-81 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपधार्य (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह्र—

- (1) गुरूभक्ति को० आप० हार्डीसग सोसायटी शि०। (अन्तरक)
- (2) श्री राजेश माधव भट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु विश्व होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्रुपी

फ्लैट निर्माणाधीन, जो 3री मंजिल, पुरुभक्ति जी० वी० स्किम रोड नं० 1, मृ्लूंड (पूर्य) बम्बई—81 में स्थित हैं।

अनुसूचि जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10520/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्ज**म रेंज-3, **बस्मई**

विनांक : 18-2-1985

प्रकर् बार्षं . टो . एव . एक .------

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थाना

शाउत चहुनारु

कार्यां स्थान, सहायक आयकर भायकत (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 19 फरवरी 1985 निदेश सं० अई-3/37ईई/10180/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं माला नं 4, सिधपुरा को आप इंडिस्ट्रियल इस्टेट, एस बी रोड़ गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल ते, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स्क् प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी जाव की वावत, उत्तर वीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में स्विभा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अ जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति ह— (1) राजेन्द्र कुमार गुप्ता एन्ड अदर्स

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीराम इंजीनियरिंग वर्क्स । (अन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त बम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाशोप:~~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृजुकी

माला नं० 4, जो सिम्नपुरा को० आप० इंडस्ट्रियल इस्टेट, लिमिटेड एस० वी० रोड, गोरे गांव, (पश्चिम), धम्बई -62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10180/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर भायुक्**त (निरी**क्षण) वर्जन रॅज-**3, **धस्ब**ई

दिनांक : 19-2-198**5**

मोहरः,

प्रारुप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिक) अर्जन रेंज-3, धम्बई बम्बई दिनांक 19 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10179/83-84-अतः मृझ ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 5, सिघपुरा को० आप० इन्ड-स्ट्रियल इस्टेट, लिमिटेड, एस० वी० रोड़ गौरेगांव (पश्चिम) अम्बई—400062 स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1—6—1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के देने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण तिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के किए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) स्मिंक मूप (इंडिया) प्रा० लि०।

(अन्ताक)

(2) श्री निमेश सी॰ मेहता, श्री तुषार सी॰ मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वर्मली

गाला नं० 5, सिघपुरा को० आप० इन्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, एस० वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई -62 अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10179/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 19-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1985 निवेश सं० अई-3/37ईई/10268/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड पलोर इमारत "श्रीजी" दर्शन, प्लाट बेंअरिंग सी० टी एस० नं० 100, सर्वे नं० 96 एव० नं० 3 आफ मालाड एस० वी० रीड कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख ने अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शौकतअली मोहस्मद नबीं।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानधास ध्रसेनदास जवेरी भौर, श्री राजेश भगवानदास जवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-तब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त सिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र क

दुकान नं० 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत, "श्रीजी दर्शन", प्लाट नं० बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 100, सर्वे नं० 96 एस० नं० 3, आफ मालाड एस० वी० रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-67 ; स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10268/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-४, श्रम्बई

दिनांक: 18-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ.ट.एन.एस.-----

जापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 फरवरो, 1985 निदेश सं० भई-3/37ईई/10567/83-84--- मतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 1, जो 1ली मंजिल, सीवएसव नंव नं 0 88./88/1, 88/2, 3, फादिया रोड़ कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कपारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के **ग्र**िधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तार्र ख 25-6-1984

्रको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गायार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके परयमान प्रतिफल से एसे परयमान प्रतिफल का पन्त्रहंप्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरभ सिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की दावत*, स*क्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के क्षायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अगस्तियाँ क्रो, जिन्हो भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित स्पियतमाँ, सर्धात :---12-506 GI/84

(1) मैसर्स श्रीनाथ इंटरप्रासिस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कातीलाल एम० रुघाने, और श्रीमती ज्योति के० रुधानं। ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दध क़िसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया Eª i

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल सीं० एस० नं० 88, 88/1 88/2, 88/3, फादिया रोड़, क्रांदिवली (प), बम्बई में स्थित है

भनुसुचा जैसा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/10567/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई हारा दिनांक 26-6-19के 4 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रसाद Πo सक्षम प्राधिकारी महायवः श्रायकार आयुक्त (निर्दक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक 19 - 2 - 1985

बोहर 🖫

प्रकप वाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

फार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्जीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 फरवरं। 1985 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/10154/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धारक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० भांडोत। जगह, एक्सप्रेस हाईवे के पास, एच० एच० दुवे रोड, रावजगाडा, दिहसर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपाबड प्रमुस्च में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका वारारनामा प्रायवर प्राधि निरम 1961 का धारा 269 ं, ख के प्रधीन बम्बई स्थित रक्षिम प्राधि का धारा 269 ं, ख के प्रधीन बम्बई स्थित रक्षिम प्राधि को चार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1−6−1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मेल्य से काम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्रमान से क्रमान से कास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है क्रमान से क्रमान से

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाधर, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जारितकाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के जिए;

जतः जज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) करमसः पुनसः भौगर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रामता हसुमता सार० गांगर।

(मन्तरितः)

को यह स्थना बारी करके प्रशेक्त सम्पृति के शर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूषीन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रशास की

भाडोती जगह एक्सप्रेस हाईवे के पास, एच० एच० दुवे रोड़, रावलपाडा दहिसर (पूर्व), बम्बई-698 ।

भ्रनुसूचो जैसा कि ऋम सं० भ्रई-3/37ईई/10154/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनोक 19-2--19**85** मो**हर** ∷ प्रकप बाई .टी .एन .एस . -=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) व्यक्ति धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाकः 19 फरवरो 1985 निदेश सं भई-4/37ईई/10155/83-84--- झतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जितक। स० भाडोता जगह एक्सप्रेस हाईवे के पास, एस० एन० दुबे रोड़ रावलपाडा, दिहसर (पूर्व) बम्बई 68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रिभिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अर्धन बम्बई स्थित सक्षम आधिकार। के वार्यालय मे रिजस्ट्र, है तार्च 1-6-1984, को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिक्रज के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिक्रल से एसे द्रियमान प्रतिक्रल का प्रवास करने का कर्यमान प्रतिक्रल से प्रतिक्रल से विश्वास करने का क्रियमान प्रतिक्रल से एसे द्रियमान प्रतिक्रल का प्रतिक्रल से विश्वास करने का क्रियमान प्रतिक्रल से विश्वास करने का विश्वास से विश्वास करने का विश्वास करने के से विश्वास करने का विश्वास करने के विश्वास करने का क्रियमान प्रतिक्रल से विश्वास करने का विश्वास करने का क्रियमान का विश्वास करने का विश्वास करने का क्रियमान का विश्वास करने का विश्वस करने

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर्द दोने के अन्तरण क दावित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; वांडिं/स
- (क) ऐसी किसी बाद या किसी धन या बन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता बाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) कूं अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अ्थांत ह—- (1) करमसा पुनसी गांगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती केसरवेन नेमजी गांगर।

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाडोती जगह, एक्सप्रेस हाईवे के पास, एस० एथ० दुवे, रोड रावलपाडा, द्वाहसर, (पूर्व) अम्बई -68। अनुसूच: जैसा कि ऋम सं० ग्रई -4/37ई है/10155/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक ' 19-2-1985

थुकपु, **बाद**ै, टी, एन्, एस**ु ----**-

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनारः 11 फरवरः 1985

निदेश में ० ग्रई- 3/37-जें(/83-84/2495-- ग्रन' मुझे, ए० वहरी:

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार 25,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सर एसर नंर 43 एचर नंर 2, सीरटार एसर एन जन्न 379, एम ० न ० 79 एच ० न ० 5, विलेज भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से. वर्णित है) रिजड़ीस्कर्ता अधिकारः के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्र,दारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान नारीख 16-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिरित का उाचत बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कभी कर्निया उससे वचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः। अब, उक्त अधिनियम वर्त भारा 269-ग कै अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्ति कों, अर्थात् :---

(1) मणिकलाल रामा भोईर और प्रन्य।

(ग्रन्तरवः)

(2) मेसर्भ स्टिल प्रोग्रेसिब प्रा० लि०। (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त*े* अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया णया है।

प्रमुख्या

श्रनुसूची जैसा कि त्रिलेख सं० एस०--7/81 और जो बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 की उन रजिस्ट्रार, रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहरः े सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-2-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का'43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक ।। फरवरी, 1985

निर्देश स॰ अई-3-37र्नो/2506/83-84--अत. मुझे ए॰ लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीत और इमारत , प्लाट नं० 79 सर्वे नं० 19' आफ वायवन इस्टेट, मालाड, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-1984

-को प्रवीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, 1927 भानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में खे सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निम्नुलिसिक व्यक्तियों, संशति ६(1) श्रीमती सुलोचना , वाइफ आफ महादेव राणे ग्रीर अन्य

(अम्तरक)

(2) श्री बाजीराव बालाजी बोराडे ग्रौर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें पयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी जर्थ होगा, जो ऋस अध्याय में दिया नया हैं।

नगसर्वी

अनुसूची जैंसा कि विलेख सं० एस० 1259/79 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार , बम्बई द्वारा दिनाक 13-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** मक्ष**म प्राधिकारी** सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रैंज−3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 😙

प्रकथ बाह्- दी., एन., एव... -----

भायकर मिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई विनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3-37जो/2498/83-84-अत: मुझे ए० लहरी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से बिधिक है

श्रौर जिसकी सं० आल देट पिस अन्ड पार्सल आफ लेन्ड श्रष्ट विलेज, किरोल, भटवाडी, घाटकीवर, बैअरिंग सर्वे नं० 28, एच० नं० 3 (श्रंण) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्रारुती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रति प्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबकि, उचन विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन ।----

- (1) शांताराम गणपत पाटील श्रौर अन्य । (अन्तरक)
- (2) अमरजीत लाहीर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया . प्रवाहीं।

नन्स्वी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1523/83 ग्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1984 को रजिस्टर्झ किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर 🛭

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यात्त्व, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3,बम्बर्डा

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं॰ अई-3/37र्जा/2502/83-84-अतः मुझे, ए॰ लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है। की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० लेन्ड के साथ स्ट्रक्च ग्रंड विलेग, मालाड, तालुका बोरिवली बी० एस० डी० सी० टी एस० न० 266 (सर्वे नं० 452/9) आफ मालाड , बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधियायम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)

- (1) श्री मंकू भाई बुधाजी केणी ग्रीर अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री अन्वर हुकुमदार चौधरी । (अन्वरिती)

को यह सूचना चारी कर्ने पूर्वीनच सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियों करता हु।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंने

स्पन्नीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्युची

अमृसूची जैसा कि विलेख सं० डाकेट सं० 2171/83 और जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 16-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सझम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक - 11-2-1985 मोहरु 🏿 प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.------

जायकर जीधीनथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को जधीन सुचना

प्रारत सरकार

कार्यात्रय, बड्डायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बद्द

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37जी/2507/83-84-अत. मुझे ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जमीन विलेज, कुर्ला में बेमरिंग एम० नं० 171, (मंग), भौर 172 (मग), सी० टी० एस० न० 92 (मग), भौर 922 (मंग) बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौरपूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, असके क्ष्ममान प्रतिकास से, एंचे क्ष्ममान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निसित उद्देश्य से उच्त मन्तरण बिकित में बाक्य-विक कम से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण वे हुर्द किसी जान की बान्त, उपत विधिनयत के बधीन कर वाने के ज्ञानरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में त्रिक्श के सिए; जांद्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बया था या किया आता बाहिए जा कियाने में स्विधा के टिल्पाने में स्विधा के टिल्पाने में

नतः नन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित न्यक्तियों, नर्थात् ह----

- (1) ए॰ एच॰ वाडिया चेरिटी ट्रस्ट । (अन्तरक)
- (2) कुर्ला को हण निवास को० आप० हाउसिंग सोतायटी लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप हु-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्याबित सों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ष) इस सृषनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइं विकास में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1761/83 मौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 12-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लिहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर ः

प्रकथ जाइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-व (1) के अधी**न स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज−3 बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं ० श्रर्श-3/37जी/2513/83-84-श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रापर्टी बैंअरिंग एस वनं 300 एच वनं 2/4, सी. टी॰ एस वनं 190 कुर्ला पार्ट 4 श्राफ कुर्ला, बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सूविधा के किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जे० भार० सावंत ।

(भ्रन्तरक)

(2) एस० एस० चव्हाण और भ्रन्य ।

(भन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिया गया है।

ममुची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1458/1981, और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

प्ररूप बाही. टी. एन. एस. - - -

क्षायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सुचना

मारत सरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० म्रई-3/37जी-2489/83-84--- मुझे ए० लहिरी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० लेंड बेग्नरिंग सं० नं० 36 एच० नं० 9 (अंश) सी० टी० एम० नं० 297 मोहिल विलेज, कुर्ला, बम्बई—72 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 1-6-1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निकित वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरूप से हुई कियी शाय की शाया उक्का विभिन्निया को अधीन कर दोने की अन्तरका की वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भने का अस्य वास्तियों लग्ने, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फ प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, ख्रियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित काक्तियों. अर्थात :--- (1) जैनाबाई मोहरमग्रली।

(अन्तरक)

(2) हसन ए० कलाडिया और मन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त धव्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित , है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दियान वया है।

जन्स्ची

मनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1437/82 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० वहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप थाइ . टी. एन. एस., वनवननम्मनम्बन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-जी०/2497/83-84-श्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 60/1 और एघ० नं० 4 सी० टी० एस० न० 337, 337(1), विलेज मुलूड, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण श्रशिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-84

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आहु अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तब पाया गया प्रति-कृत निम्निविद्य दृष्टिस से दलत अन्तरम् विद्या, में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण से हुएं किसी बाव की वावत , सक्त बीधीनवम के बधीन कर दोने के वृन्दरक की वायित्व में कमी कहने या उससे बूजने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (श) एंसी किसी आय वा किसी भन वा कम्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस् अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती गोपीबाई एन० श्रीभचंदानी और श्रन्य । (अन्तरक)
- 2. श्री संध्यादास बालकराम कौशल।

(अन्तरिती)

को सूह सूजुना थारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के लिहा कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्धी

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1750/82 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनाक 28-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

प्ररूप बाई, दी. एत. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-ने (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं ० श्रई-1/37— ${\rm ft}/1833/84$ -85—श्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० साउथ पोर्शन श्राफ दि यूनिट नं० 504, जो, जाली भवन नं० 1 न्यू मरीन लान्स बम्बई-20 है तथा जो बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका

करारनामा भ्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिफल का पद्ग प्रतिफल से अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक्षे हुइ किसी नागु की बायत उक्तु, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वाँ वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भार० डी० हट्टगडी

(मन्तरक)

2. मैसर्स नावल्टी जनरल स्टोर्स बाय इट्स पार्टनर्स— 1. लक्ष्मीचंद वि० गोगरी,

2. रविंद्र चिन्भाई शहा,

और 3. नेमीदास एम० गाला।

(मन्तरितः)

3. ग्रन्तरितियी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भा यह सूजना जारी करके पुर्वोक्ट सम्पर्ति के वर्जन के दिवर कार्यवाहिया करता हूं।

सबस सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर :--

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रगूक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही बर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया भगा है।

वनसंची

साउथ पोर्णन घाफ दि यूनिट नं० 504 जो, जाली भवन नं० 1, न्यू मरीन लाईन्स बम्बई-20 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-1/37-ई/डिस्डयू-88 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-2-1985 मोहर: प्ररूप आर्ड. टी. एन . एस 🚉 ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-६ (1) क अधीन सुचना

भारत सरकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्रई-I/37-ईई¹1962¹83-84--म्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं ० इंडस्ट्रियल युनिट सं० 317, जो 3री मंजिल, सन इंडस्ट्रियल इस्टेट ओग्रर परेल बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) और जिसका कराज्नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के क्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तर्गि नी गई हैं जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विफला, निम्निकिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बावत उक्त जिम-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए आ, जियाने में सुविधा के सिए;

शतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री जमनादास ए० सोनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स धना एक्सपोर्टस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बदुध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसरों प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है; नया है।

अपूर्वा

इंडस्ट्रियल युनिट नं० 317, जो, 3री मंजिल, सन इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-I/37-ईई/2517/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1 बम्बर्ड ।

तारीख: 12-2-1985.

मोहर 🛭

त्रक्त आर्ड . ट्री. एन . एस . ~~~~

नापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सहस्राप्

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज—ा. बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं ० श्रई-/137-ईई/2077/84-85--श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

गायकर गिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो प्लाट नं० 86, सुख सदन को— श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सायन (प) बम्बई—22 है तथा जो बम्बई—22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रश्लीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाजिस बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तिसमें', अर्थात् ्—

(1) श्रीमती मचंनगड़ा पूनाचा घकावा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कांता एफ० गोएल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाइस निकास में किये वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुबा है।

अनुसूची

पलैट नं० 21, जो प्लाट नं० 86, सुख सदन को-म्राप० हार्जिसम सोसाईटी लि० सायन (प०) बम्बई-22 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्राई-1/37-ईई/2520/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायंक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीत रेंज—I अम्बई ।

तारीख : 12-2-1985

मोहरू 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- बम्बई

बम्बई, विनांक 5 फरवरी, 1985

निर्देश सं० म्रई-।/37-ईई/2200/83-84--म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

और जिसकी मं० युनिट नं० 243, जो, 2री मंजिल, ए/1 हमारत, शाहा प्रण्ड नहार इंडस्ट्रियल स्टेट, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिशत उद्वेषेय से उक्त अन्तरण लिशित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ज़णधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स ओरीएन्ट श्रार्ट प्रिटर्स (ध्रूपार्टनर श्री विनय कुमार कथूरिया) ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्री साधना प्रिटर्स (खूपार्टनर श्री गंगाधर नरसिंगसा मेंबजी)।

(मन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) मैसर्स शाहा अण्ड नहार आसोसिएट्स (बिल्डर्स) । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सुचना चारी करके पृवाँकत सम्मित्त के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी क्च्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और नदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

यूनिट सं० 243, जो, 2री मंजिल ए/1 इमारत शहा प्रण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट हैं सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई—13 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि स० म्रई- /37-ईई/2660/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रेर्जन रेंज-I बम्बर्ध

तारीख: 5-2-1985

प्रकृष् बार्ड . टी . एन् . एस . -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, वस्त्रई

बम्बई विनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० शर्६-1/37-ईई/2809/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 8, जो, नरोथम निवास, ग्राउंड पलोग्नर, 263, वेस्ट सायन रोड़, सायन (प०), बम्बई--22 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में

और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर मार्घानयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-6-1984 को पूर्वों क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्ल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) बौर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण धे धूर किसी जाव की वायस, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्पिक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री शांतीलाल मानशी नागदा।

(भन्तरक)

(2) श्री जयप्रकाश धार० गहा, श्री प्रकाश ग्रार० गहा, श्री ग्रक्मा जे० गहा और, श्री हर्षा पी० गहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आशोष :--

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की तारीब बें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त - थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अथोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्वा ग्या हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 8, जो, नरोथम निवास, ग्राउंड ग्लोमर, 263, वेस्ट सायन रोड सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्रई-1/37-ईई/डिम्बड-61/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—र्रं, **बम्बई ।**

तारीख: 8-2-1985

प्रक्प बाइं.टी.एन.एस.-----

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

भारत रहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज I, अम्बद्द

बम्बई-I, दिनांक 11 फरवर, 1985

निर्देश सं॰ मई-1/37- ईई/2839/84-85-मत: मुझे, ए० लहिरः

शायकर शिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,00,000/-रा. से अधिक है

और जिन्न, संव दुरान नंव 1, जो, प्राऊंड फ्लोग्नर, डिस्ट्रक्ट बैनेओननेन्ट को-ग्रापव सोनाईटो लिव, वार्नर प्राफ बेलासिस रोड, मौनाना प्राजाद रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुपूत्रों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्राप्तर ग्राधिनियम, 1961 के, घारा 269 के ख के ग्रवान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, सार ख 10-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा मया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग से उस्त अन्तरण विवित्त में वास्तरिक अप से कमित नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में श्रीवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी वन वा बन्ध बास्तिवीं का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना वाहियेथा. छिपाने में मृतिथा के सिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधिक स्पित्तयों स्थार्ट हि— 14—506 GI/84 (1) लो बंडवाला बेनेफि शियरो दुस्ट ।

(ग्रन्तरनः)

(2) श्रामता राजदा अनुबरभाई गार, ।

(भ्रन्तरिन्)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

क्षे यह स्वना चारी करके प्वाँक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर बन्पतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधार:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की वनिष या तत्वां वण्यी व्यक्तियों नर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पक्ष्मीक रचः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उसत अधिनियम को संभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया प्रा हैं ॥

नग्युची

दुकान नं० 1, जो, ग्राउंड पलोग्नर, डिस्ट्रक्ट बेनेओलेन्ट का-ग्राप० सो पाईटो लि०, वार्नर ग्राफ वेलासिस रोड, मौलाना ग्राजाद रोड़, बम्बई-8 में स्थित है।

मनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० मई—I/37—ईई/डिम्डभू—93/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाव 10 जून, 1994 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिर, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकार श्रायुक्त (निराक्षण), ग्रर्जन रॉज-री, बस्बई ।

तारीख: 11-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृप आई. टी. एव. एस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-1, **ब**म्बई

अम्बर्ध, विनांक 5 फरवरो, 1985

निर्वेश सं० धर्६-I/37-ईई/2870/83-84-- श्रतः मुसे,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिनको सं० पत्तैष्ट नं० 305, जो, 3रं। मंजिल, विग एफ०, ''बिना विना भ्रमार्टमेंट्स'', भ्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवर। (प०), कम्बई—15 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भनुसूबी में ओर पूर्ण रूप से विगित हैं), और जिन्ना करारनामा भ्राय हर भ्रोधिनयन, 1961 कः धारा 269 क ख के श्रधान बम्बई स्वित तक्षम नात्वे । गरों के कार्या नय में रजिस्ट्र, हैं, तार,ख 4—6—1984 की

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्टिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरण वे हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः जब उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत है—

- (1) श्रा गोर्धनदास शिवचंद्रराय गरोडिया । (भ्रस्तरक)
- (2) श्रीमता राज्याया सिद्धाः ।

(मन्तरिता)

- (3) श्री महेश पोपटलाल ठमकर । (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) श्री महेश पोपटलाल ठमकर। (वह ग्यन्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षर। जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को वह स्थना बारी करके प्योक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सरपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **च से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, (लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हाँ।

मन्सूची

क्लैट नं० 305, जो, 3री मंजिल, विग—एफ०, ''बिसा बिसा अपार्टमेंद्स्'', आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० भई-1/37-ईई/2542/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारो, सहायक सायकर म्रायुक्त (निरोक्षण), मर्जन रेंज-I, सम्बद्ध

ताराख : 5-2-1985.

मोहर 🕸

प्ररूप नार्षं हो एन .यस .-----

बायकर ब्रिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

प्रारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकार बायकत (निर्देशिक) भाजन रेंज-I, सम्बद्ध

धम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985 निदश सं॰ मई-1/37-ईई/2887/83-84--मत मुझे, ए॰ लंडिर:

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसका सं० गाला नं० 120, जो, 1लं, मंजिल, इमारत ए2, शहा प्रण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13.
है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बरारनामा आयवर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तार, ख 4-6-84

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल आ पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण दिव्हिद में वस्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अधिनए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, वर्धात् ६(1) श्रां धनराज मिल्य प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मकुंतला जगवीम महा और श्रीमता क्षीचन तारामल जैन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवर्गह्या करता हुं।

उनत सम्पन्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

गाला नं० 120, जो, 1ला मंजिल, इमारत ए-2, गहा अण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोक्सर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/2549/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- I, बम्बई ।

तारीख 5-2-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्शिक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवर: 1985

निर्देश सं० प्रार्श- 1/37-ईई/2890/के 4-85'--ग्रतः मुझे, ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं०

603, जो, निलकंठ ध्रार्टमेंटम्, 6वा मंजिल, श्रा सेाउड स्टूडिओ, गोकुलदान पास्ता रोड़, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपाबड धनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका वारारनामा ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अपिश्विमम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियाँ, अर्थात् ध⊶ (1) श्रामता नसं, मबान कल्याबाझ ।

(भ्रन्तरक)

(2) ष्टा॰ यमेण तुकाराम गांधा और श्राह्म तुकाराम गांधा।

(श्रन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

पर्लैट नं० 603, जो, तालकंठ अपार्टमेंट्स, 6वं। मंजिल, श्री साउड स्टूडिओ, गोकुलदास पेस्ता रोड, दादर, वम्बई--14 में स्थित हैं।

अनुसूच। जैना कि कर सर अई- 1/37 ईई/2614- 84/85 और जो मक्षम प्राधिकार, बन्बई द्वारा दिनाव 8- 6- 1984 को रजिस्टई दिया गया है।

> ए० लहिरो, मक्षम प्राधिकारा,∎

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, बम्बई

णारं,ख 6--2--1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज-I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवर:, 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/2892/84-85 ---फ्रतः मुझे, ए० लहिर ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका संव पलैट नंव 1, जो, ग्राइड पलोर, 'फियर फिरड'' को-ग्रापव हाउनिंग सोसाईट, लिव, 112-जेव, टाटा रोड, चर्चनेट, गैरेज नव 5 के साथ, धम्बई- 20 है तथा जो बम्बई- 20 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसाम दारारनामा श्राप्तर श्राधिनियम, 1961 के धारा 269 शा, खाने श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी ने वार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 8-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) আনু सोত एকত সুক্ষুক্ৰালা ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्राः राधे क्याम सराफ (एच० यू० एफ०)। (श्रन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसनी

पनैट नं० 1, जो, ग्राउंड पलीर, फेब्रर फिल्ड को—भ्राप० हाउसिंग सोसाईटा लि०, 112-जे० टाटा रोड़, चर्चगेट, और गैरेज नं० 5 के साथ, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूत्रा जैना कि का० सं० श्रई-ा/37ईई/2616/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्तम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्नामुक्त (निराक्षण), स्रर्जन रेज-1, सम्बई ।

तार्≀ख - 15—2—1985. मो**हर** ध प्रकम बाई , टी , एइ , एइ , -----

बायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

पारत जडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 15 फरवरः 1985 निदश सं० भई-1/37-ईई/2902/84-85 ---मतः मुझे, ए० लहिरोः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संग्राफिस नंग् 202, जो, पंचरत, ब्रापेरा हाउस, बम्बई- 4 है तथा जो बम्बई- 4 में स्थित है (और इससे उपाबद ब्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयार प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 8--6--1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दक्यमान प्रतिफल से एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने ज स्विभा के लिए;

नतः, जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, मौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीर मिन्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्राटा० एस० ए० मिनर हमझा।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स नितिन डायमेडर ।

(भन्तरितः)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्यारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्परक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगसर्ची

म्नाफीस नं० 202-ए, जो, पंचरत्न इमारत, भ्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

> ए० नहिरी, सक्षम प्राधिकारा, सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निर्राक्षण), स्राजैन रोज-I, कम्बई।

तारीख: 15-2-1985

मोहर:

प्ररूपः बार्चः टी. एव. एव.: •----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत स्रकाड

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज $ightarrow {
m I}$, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 6 फरवर्। 1985

निर्वेश सं॰ भई 1--/37--ईई/2904/84--85 --- मत: मुझे, ए॰ लहिर्ह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० युनिट नं० 137, जो, 1स मंजिल, शहा भ्रण्ड नहार इंड स्ट्रंयल इस्टेट एक्न1", धनराज मिल कंपाउंड, लोभर परेल, बम्बई 13 है तथा जो बम्बई 13 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूच में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा भायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 26 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया अया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के किए; जौर∕या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन ण अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

शतः सव, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त सिधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के प्रभीन, निम्नसिणित व्यक्तियों, सर्भीत ह—-

(1) श्रीमता प्रकाश पं । बाफना ।

(भ्रस्तरक)

(2) मैं सर्ग फैम त अल्यूमिनियम अनोडिसिंग । , (सोल प्रोपरायटर --मुनारक हवाब बाबू) । (अन्तरिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्ति;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त्रव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिकाधिक है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

युनिटनं ० 137,जो, 1लि मं जिल,''शहा भण्डनहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1", धनराज मिल कंपाउंड, लोधार परेल, सम्बर्द-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई--1/37श्रईई/2621/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिराः, सक्षम प्राधिकारः, सहायकः ग्रायकःर ग्रायुक्त (निरःक्षण), श्रर्जन रोज--I, बस्बई ।

तारीख: 6-2-1985

मोहर :

प्रक्रं वाइं.टी.एन. एत्. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज, बम्बई-1 बम्बई, दिनांक फरवरी, 1985

निवेश सं ० प्राई - 1/37-ईई/2926/84-85 -- मत: मुझे, ए • लहिरो,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उन से अधिक है

भीर जिसको सं पलैट नं 501, जो, 5वं मंजिल, विग-एफ विना भिना भपार्टमेंटस्, भ्राचार्य दोंदे मार्ग, सिभरं, (प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुस्को में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भिनियम, 1961 का धारा 269 के ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्द्र, है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वायता, सक्त वृधिनियम की अभीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने वचने में सृष्धिम के लिए; वर्ष्ट/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिक्शा के निए;

बतः बब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित स्थिक्तकों. बर्थात :--- (1) श्रा गोर्धनवाम णिवचंदराय गरोडिया ।

(भ्रान्तरकः)

(2) श्रामता शत्याणा गोपाल शेट्टा ।

(भ्रन्तरितः)

(2) श्रा सदाशिव गांपाल शेट्टा ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभीग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री सदाशिव गोपाल शेट्टी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्थन के सिध् कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थानत हुवारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् / लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या ही।

प्रमुखी

पनैट नं० 501, जो, 5वं। मंजिल, विग-एफ०, विना बिना स्नार्टमेंटस्, स्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरः (प०), बम्बई-15 में स्थित है) ।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई- 1/37-४ई/2610/84-85 और जा अपन प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 8-6-1984 के। रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्० लहिरः, सक्षम प्राधिकारः, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरक्षण), अर्जन रोज- I, बम्बई ।

तारीख: 8-2-1985

मोहरः

प्ररूप सार्धः टी. एन., एस. - - - ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निर्देश सं० श्रई-I/37—ईई/2927/84—85.——श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्मवा 'उक्क अभिनियम' कहा गण ही, की धारा 269-म है अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का लाग्ण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, विग-एफ० विना बिना ग्रांगार्टमेंट्स, ग्रांचार्य दोद मार्ग, जिंदी (४०) धम्बई 15 है तथा जो बम्बई—15 में स्थित हैं (ग्रोंग इसमें उपावद प्रमुस्वी में ग्रोंग पूर्ण क्य में वर्णित हैं), ग्रींग जिसका करारतामा ग्रायकण ग्रंधिनियम, 1961 की धाण 269 के, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में ग्रींम्ट्री है, तारीख 8-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान कितकल के लिए अन्तां रत की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि बधायवाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिहात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीलिंगत उद्यवंच्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गर्मितियाँ पर में क्रीधित उद्यवंच्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गर्मितयाँ पर में क्रीधित उद्यवंच्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गर्मितयाँ पर में क्रीधित उद्यवंच्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गर्मितयाँ पर में क्रीधित नहीं विया गया है

- (भ) अन्तरण म हाइ किसी आम की बाबत, उक्त प्रीयिन्यम के अधीन कर यानिको अन्तरक अर्थ वाणित्व मां कसी करने का जसस प्रकास स्विधा र एका और, गा
- भा एस किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया । या किया नाम स्थानियम के लिए;

(1) श्री गोर्धनदास शिवचंदराय गरोडिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी गोपाल शेट्टी।

(श्रन्तरिती)

(3) श्री किशोर बी० छिछिया।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(2) श्री किशोर बी० छिछिया।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिस्ति में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिकियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

फ्लैट नं० 502, जो 5वी मंजिल, विग-एफ०, विना विना श्रपार्टमेंट्स, श्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 मे स्थित वै।

अनुसूत्री जैसािक क० सं० म्रई-1/37—ईई/2611/84—85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8—6—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख: 8-2-1985.

मोहर

अक्य बाई. टी. एम. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सूचना

भारत चंडुकाड

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, वस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1985

निर्देश सं० श्रई—I/37—ईई/2928/84--85:—-श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपतित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 117-ए०, जो, हिरा पन्ना शापिग सेंटर, कार्नर श्राफ हाजी श्रली, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द करने विष्वास का यह कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः—

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उन्ध्य अधिनियम के अभीत कर को के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचनं में सविधा के लिए, अमेहर/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अन्, उन्स अधिनियमः की धारा 269-म के अनुसरण नें, मैं., उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारत (1) के अभीन, मुम्मिलिखित व्यक्तिमाँ अधार्त हः— (1) श्री एस० पी० बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती असंती विश्वनाय पाल ग्रीर श्री विश्वनाथ हिरालाल पाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा कार्य भी आक्षप 😁

- (क) इस स्थान के स्थापन को प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी वदिष बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृथेंकर व्यक्तियाँ में से किसी न्योकत देगरा:
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीन ते 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितमब्ध किसी जन्म स्थानित ब्लाय, अधोहस्ताक्षरी के पार जिसित में किए का सकेंगे।

स्मच्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, ६ उन्हर्भ बाधिनियम के बध्याय 20-क मां परिभाषित हो, बही अर्थ होएं का उस अध्याय में । देव बना ही।

वनुसूची

दुकान नं० 117-ए०, जो हीरा पन्ना शापिंग सेंटर, कार्नर आफ हाजी श्रली, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-26 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/2612/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🛭

प्रकप बार्च. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज~I, बम्बई

बर्मेंबई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/2932/84-85:-- अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा .96-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्वारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं ० गाला नं ० 211, जो 2री मंजिल, रीगल इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोलंजी हिल रोड़ या टिनी एडवर्ड रोड़, परेल सिवरी डिवि-जन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थिति है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है

दिनांक 8-6-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार गस्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीभीन्यम के बभीन कर दीने के अंतरक के ग्रियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी अप या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत लिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ बतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

कतः सदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, नवीत् ह— (1) मैसर्स भ्रप्सरा मेटल्लिक इंडस्ट्रियल ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती बंदना जगदीश कोहली।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में विग्रे जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विका पत्रा है।

वन्त्र्यो

गाला नं० 211, जो, 2री मंजिल, रीगल इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोलंजी हिल रोड या टिनी एडवर्ड रोड, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई/2637/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी, 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/2934/84-85:---ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, प्लाट नं० 163, हरी स्रोम निवास को-स्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करिथत नहीं किया गया है:—

- क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ज़ी सभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री जयदेव तिभुवनदास जरीवाला, एच० यू० एफ०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महावीर फेरो ग्रलाइज प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशतू की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के जिजपत्र में प्रकाशन की ताराख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित से किए जा सकोंगे।

स्वध्दोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को प्रध्याय 20-क में परिशाधित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वनुसूची

फ्लैटनं० 3,जो,प्लाटनं० 163,हरी ग्रोम निवास को-ग्राप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई-/2639/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I, बम्बई।

तारीख : 15-2-1985

मोहर 🚜

प्ररूप शाइर टी. एन. एस. ---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीव मुचना

भारत हराजार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिना : 11 फरकरे: 1985 निर्देश सं० श्राई- 37-ईई/2935/848. - अन: मुझं ए० लहिर.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसक, संख्या घर तं । 12/वी/3, जी न्यू नायन की-श्राप हार्जितम सोनायटा, एस० श्राई०६० एन० पालेज के सामने, नायन (प), वस्वई-22 है तथा जो बस्वई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूच, मे और पूर्ण एप से विणित है), और जिस्ता करारनामा श्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269 वा, ख के श्रावा वस्वई स्थित नक्ष्म श्रामिनार के वार्यालय म रिल्स्ट्रा है, दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास अरने का कारण हो कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्थाप पर्यक्ष प्रमान परिचार हो, गोरे दृश्यमार प्रतिकल का स्थाप पर अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (पन्तिर्गितार) वे बीव एरेमें अस्तरण के लिए लग पाल गमा प्रतिकल निम्निलित उद्योच्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तविक

सी 👓 ही निष्या गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी भाय की बाबत, उक्त आंधिताम का प्रश्लीन कर दाने के पंतरक की वायित्व मी कमी करने या उससे अपने में सृविधा र शिक्त प्रीकरण
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या गा गर प्रीयिनगम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में युक्तिश के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रां हिम्मतलाल के० शाहा

(भ्रन्तरक)

 श्रा सुरेण ए० णाहा और श्रामता कल्पना एस० शाहा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्मत्ति में हितयब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास । सिंगत में किए जा सर्कोंगे।

स्मध्यीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदां का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

जग्सूची

घर न० 1 2/बः/ 3, जो, न्यू यायन को-भ्राप० हाउमिंग सोसायटो एम० भ्राय०इ०एम० कालेज के नामने, सायन (प), बम्बई- 22 में स्थित है। श्रनुसूचं - जैसायि अ० सं० श्रई- 1/37- ईई/डिम्ब्स् 101/84- 85 और जो, नक्षम प्राधिकारं, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 11-2-1985

मोहर:

श्रुक्य बाह् , ही. एम्, एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारस बरकार

कायां लय, तहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज:1, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 फरवरी 1985 निर्देश मं० आई--1/37--ईई/2937/84--85- - श्चतः मृझ, ए० लहिर;

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिगियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका मख्या पलट नं० सा- 403, जो 4था मंजिल, न्यू पूर्णिमा अपार्टमेट्स को-आप० हाउसिंग सोसायटा लि०, 23, डा० गोपालराव देशमुख मार्ग, बम्बई- 26 है तथा जो बम्बई- 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रधियम, 1961 का धारा 269 का ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्दा है। दिनाज 12-6-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्सरित की गई है कि मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सेन् एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) औड अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसल अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कृषित नहीं कि बा गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय का बाबस, अवस अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उत्तसे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के विदः

अतः। सव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के वनुसरण की, में उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 डा० श्रीमती लोला राममूर्ति वाइफ श्राफ श्री कुष्पाचा राममूर्थी।

(भ्रन्तरक)

 श्रा राजेन्द्र जंा० ग्राप्रवाल अंार श्रा औमप्रकाश ज(ग्राप्रवाल ।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यशाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अपोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क भा परिभाषित हूं, वहीं अर्थ होगा ज्ये उस अध्याय में दिया प्या हूँ।

भनुसूची

फ्लैट न० सा- 403, जो, 4था मीजिल, न्यू पूर्णिमा प्रवार्टमट्स, को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 23, डा० गोपालराव देशमुख मार्ग, बम्बई 26 में स्थित हैं।

जैसा कि के० सं० ग्रई- 1/37- ईई/2801/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकार), बम्बई द्वारा दिनांक 12- 6- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

ए० लहिरी ृसक्षम प्राधिका के महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण), भ्रजन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक 11-2-1985

मोहर:

प्रकप् कार्चाः, टी. एन. एक्. ०००० क

अवायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई- 1/37-ईई/2938/84- 85- - अस: मुझे, ए० लहिर .

भायकर म्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था दुकान नं ० 4, जो, बाईन कोर्ट, खालिया टैंब, बम्बई- 400036 में स्थित है तथा जो बम्बई- 36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूच। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसला परारनामा आयवार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्रां पार्र, के कार्यात्र प्रमृति है दिन के 8-(-1984

को पूर्वोक्त समंपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से का ध्रा पर नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त हारों । कसी वाय की बावत, उपस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) ग्रेसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिल्फ्नें अर्थान : 1. श्री ए० मी० नरीन्हा

(ग्रन्तरक)

2. श्री काक्भाई बाबभाई सनियार

(भ्रन्तरित्।)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्राहिया करणा हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त जिथ्मित्रम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

मन्त्रची

दुकान नं० 4, जो वार्डन कोर्ट, गवालिया टैन्क, बम्बई-36 में स्थित है, अनुसूची जैमा कि क्र०सं० प्रई-1/37-ईई/2802/84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984 को प्रजिट्ड किया गया है।

ए० लहिरं। मक्षत्र प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजैन रंज 1, बस्बई

तारंख 8-2-1985 मोहर:

प्रकृप बाइ . टी . एव . एख . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की १७००-६ (१) क स्थीर सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱिक्षण) अर्थन रेज, बस्बई

प्रविधि, (इनास्त 15 फर्बरी 1982 ।नरेज स० अई- 1/37- ईई/2940/84-85- - स्रतः म्झ, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ओर जिन्छ। सस्या कमरा नं० 501-सा०, जरे, 6बी पणिल, जिराजन इमारा, 99, परान दुष्ट्व, बम्बई-2 मे स्थित हैं (ओर इसि उम्बद्ध प्रन्युच, में और पूर्ण स्थाने विणान

है),और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधान बम्बर्ड में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. ऐ रजिस्ट्री है दिनांक 8-6-84

ह्ये पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान **ਕਿ**ए अन्तरित की गह⁵ प्रतिफल के विश्वास करने क्रा कारण है यह यथापर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रशिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उदब्रेश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) सन्तरण सं हुई किसी जाम की बामत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बामिरण में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा काम, क्षिप्र
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, में धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या बा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुन्तिभा की निक्:

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— लाविनः कषुण काँटन्प लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2. मनश मिमात इन्फोरमेशन सविसेन प्राइवेट लिभ्टिड ।

(ग्रन्निरित)

3 अन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 सेटल के अप्रका इंडिया ।

(अन्तरक)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मी सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपरित के बर्चन के सबस में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए का सक्ति।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

नमरा नं 501-मो०, जो, 5वी मंजिल निरजन इमारत, 99, मरान ड्राइव, बम्बई-2 म स्थित है।

जैस দি সত संত সহি—1/37-ईई/2804/84—85 और जो सक्षम प्राधिक वा, भध्वई हारा दिनाह 8-6-1984 को रजिस्टई विया गया है।

> ए० लहिरी, गुरुम प्राधिनारी सहायवा धायान धायुक्त (निराधण) धर्जन रोंजनी, बस्बर्ध

दिन क 15- 2- 1985

मोष्ठर :

प्रकप आई. टी. एन. एस , -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यातय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई 1/37-ईई/2953/84-85---- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसकें परचात् 'उक्त निर्मित्तवम' महा गया हों), की भारा 269-स के नधीन तथाम प्राधिकारी की यह निरमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 39, जो चौधी मंजिल, इस्टर्न चेंबर्म, 128-ए, नंदलाल जानी रोड़, पूना स्ट्रिट दाणा बंदर, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 2961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। और दिनांक 10 जुन 1984

को पूर्णेक्स संवरित के उचित बाबार अन्य से कम के रस्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की नई हैं और मुख्ये यह विकास करने की कारण है कि स्थापूर्वोक्त कम्पीत्त का उचित बाधार मूख्य, उसके व्यवमान प्रतिकल के कृषि व्यवमान प्रतिकत के पत्थह प्रतिक्षत से अधिक है और अंधरक (अंबरका) और अंतरिती (अंतिहितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कचा, निम्निविचित उद्योक्त से उच्च अंतरण किर्मित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी निज्ञी भाग मा किसी भन मा बन्य बास्तियाँ की, जिन्ही भारतीय बायकार वीधनियम 1922. (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, मा धन-कर वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रुबोबनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना बना था वा किया बाना बाहिए था, कियाने वें स्विधा के सिए;

- (1) श्रार० के० डिडवान,या ट्रस्ट । (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स एस० आर० के० इन्टरप्राईजेस । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्वव्दिकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जीविभिन्न के अध्याय 20-क में वरिमाधित हैं, वहीं नुर्ध होना को उन्ह सध्याय में दिया नवा है।

अन<u>ुसू</u>ची

कमरा नं० 39, जो चौथी मंजिल, इस्टर्म चेंबर, 128-ए, नंदलाल जानी रोड़, पूना स्ट्रिट, दाना बंदर ब्रम्बई-9 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैंगाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/2563/84-85 और जो, सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 10 जून 1984 को रजिस्टई जिया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांकः : 7-2-1985

जोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) े अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/2954/84-85--म्रातः मुझे, ए० लहिरीः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 406, जो, "नव रत्तन" इमारत नं 1, चौथी मंजिल, 69 पी० डिमेलो रोड, अम्अई-9 है तथा जो अम्अई-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और ज़िसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनोक 10 जून 1984 को पूर्वीत सस्मिरित के जैचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीकत संम्पित का उचित अपार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकत में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसरे बचने में सृतिधा अर्जे लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या फिसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्रं। शब्बीर हुसेंन मोहमदभाई लिम दं, वाला । (श्रन्तरक)
- (2) श्रां नरेण दानानाथ कोच्चर । (श्रन्तरिस्)
- (3) श्रन्तरक) (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप ---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (खं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस नं० 406, भो, ''नव रशन" इमारत नं० 1, चौथी मंझिल, 69,पी० खिमेली रोड़, बम्बई 9 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० धर्ध- 1/37-ईई/2564/84-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम श्रश्चिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्व**ई**

दिनांक 7-2-1985 पोंहार ; प्ररूप आह^{*}. टी .पुन . पुस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं॰ श्रई-1/37-ईई/2956/84-85--ग्रत: मुझे, ए॰ लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या माला नं० 125, जो, 1ला मंजिल, ए-2 इमारत, णहा एन्ड नहार इडस्ट्रियल एस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा चीयकर प्रधिनियम, 1961 के धारा 269 के खे के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनाक 10-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसं रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हा और अंतरित (अंतरित यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थान:—-

धनराज मिल्स प्राइवेट लि॰

(भ्रन्तरक)

2. बोझा फेमिर्सा दूस्ट

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं ः 125, जी 1ली मंजिल, ए- 2 इमारत, शहा एन्ड नहार रंडस्ट्रियल एस्टेट-ए लोघर परेल, बम्बई-13 मे स्थित है।

जैसा कि कि सं कि क्रई-1/37-ईई/2566/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी' सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 82-1985

महिर 🖫

-प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश संख्या श्रई- 1/37-ईई/2964/84-85--श्रतः मुझे, ए० लहिरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका संख्या माला न० बी/6, जो, 1ला मंजिल, मिनरवा इडस्ट्रियल एस्टेट, बंदर रोड, दिग्वंजय सामेट कपना के सामने, सिवरा (पूर्व), बम्बई-15 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूचा में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनाक 10 6-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान गर्कही प्रतिफल को लिए अन्तिरत की और विश्वास करने यह कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्भय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही कियागया**ह**ै:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स जहांगोर नेट वर्ष्स

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स गुजरात फुड्स (इंडिया)

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्र अध्याय 20 क में परिभाषित / है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

ननुसूची

माला नं वी/6, जो 1ली मंजिल, मिनरवा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बंबर रोड, दिग्विजय सामेंट कम्पनी के सामने, सिवरी (पूर्व), बम्बई-15 में स्थित है।

जैसा कि क० मं० ग्राई-1/37-ईई/2572/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 10:6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-बम्बर्फ

तारीख . 11-2-1985 मोहरं . प्रकृष बाहु ; टी. एन. एस.------

आवकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचमा

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई विनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/2965/84-85-- श्रत: मुझे ए० लहिरी,

मायक ए मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 12 जो, 4 चौथी मंजिल भारत चेंबर्स, प्लाट नं० 52-सी, एल्फीजस्टन इंस्टेट, बरोड़ स्ट्रिट बम्बई-9. है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रक्षितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 10 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार भूक्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से विधिक हैं और एसे अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योध्य से उक्त बन्तरण निधित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त विधिनस्य के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उत्तरे स्थाने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वाना प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिब था, कियाने में सुविधा की विद्युः

वतः जब, उक्त जीभनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण गं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के जधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स हंसराज प्रागंजी एण्ड सन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सेंट्रल ट्रान्सपोर्ट ग्रागंनाईजेशन

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके 'पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य स्थावित द्वारा 'अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकीं।

स्वर्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

arrest.

युनिट नं० 12 , जो चौथी मंजिल, भारत चेंबर्स प्लाट नं० 52 –सी, एल्फीजस्टन इस्टेट बरोड़ स्ट्रिट बम्बई 9 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-1/37ईई-2573/8485 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 10 जून 1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 बम्बई

दिनोक :- 6-2-1985 मोहर ॥ प्ररूप आहाँ. टी. एस. एस.-----

आधफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्स (निरीक्षण) मर्जन रेंजा बम्बई

बम्बई दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/2966/84-85-श्रतः मुझे ए० लीहरी,

आयकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 19 जो, तीसरी मंजिल, पिटर मार्सेल, खायनल प्लाट नं० 941 ए, टी० पी० एस०, बाम्बे सिटी 4 माहीम प्रभादेवी मंदिर के सामने न्यू प्रभादेवी रोड़ बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-45 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 10 जुन 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**ह**ै विश्वास करने का कारण यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके सम्यमान प्रति-फल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिचात से अधिक 🕫 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्पोश्य से उक्स लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर, दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्र्रिन्धा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या का कर अधिनियम, या का कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधृति :—

- (1) श्री म्रल्बर्ट फान्सीस जॉन डिसोझा । (मन्तरक)
- (2) श्रीमती चंद्रकला तुकाराम पाटील । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किएँ जा सकोंगे।

स्पच्छीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स ची

फ्लैंट नं० 19, जो तीसरी मंजिल, पिटर मासेंल, इमारत फायनल प्लोट नं० 941 ए० टी० पी० एस बाम्बे सिटी 4 माहीम, प्रभादेवी मंदीर के सामनेन्यू प्रभादेवी रोड़, बम्बई 25 में स्थित हैं।

प्रमुक्ती जैसाकी कि० सं० प्रश्च-1/37—ईई/2574/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 जून 1985 को रजिस्टर्ड किचा गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1 बम्बई

दिसांक :-- 6-2-1985 मोहर ध प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

शाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 13 फरवरी 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/2986/84-85- श्रतः मुझे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आगण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं०302, जो तीसरी मंजिल गामदेवी दिपक को आपरेटिव हाउहिंग सोसायटी लि०, 44 काणिबाई नवरां मार्ग, गामवेबी, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर झिंधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

বিলাক 11 **जू**न 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रति-फल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उसते अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी जाग की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसने बचने में मिनिभा के किन; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया चा का किया जाना चाहिए था., जिपान में सुविधा खे स्तिए.

बतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स आर० बी० पटेल एण्ड कम्पनी । (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स एम० डी० पटेल एण्ड कम्पनी (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक के पार्टनर्स और परिवार के सदस्य । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के बिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृश्वित्वज्ञ, के वृश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा को उन्न वश्याय में दिया गवा हैं।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 303 जो तीसरी मं०मंजिल, गावदेवी दिपक को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 44, काशिबाई नवरगं मार्गं, गावदेवी बम्बई-7 में स्थित है

श्रनुसूची जैसाकी फ्र॰सं॰ ग्रई-1/37-ईई/2995/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11 जून 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक 13-2-1985

मोहर : ्र

प्रकृष वार्च . टाँ . एव . एव . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत सहस्रार

कार्यालय, सहामक भागकार नायुक्त (निरीक्ण)
प्रजीन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/2989/84-85- **प**तः मुझे ए० लहिरी,

नायकर गिर्धित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधित्यमं' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं इडिस्ट्रियल युनिट नं 222, जो दूसरी मंजिल, "शहा एण्ड नहार इइंस्ट्रियल इस्टेट (ए-2), धन राज मिल कम्पाजाइं, लोग्नर पलरे, बम्बई-13 तथा जो बम्बई-13 में स्थित है और इसेसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप वणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है । दिनांक 15 जुन 1984

की प्रॉक्स संपत्ति के उचित नानार मृज्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा किया गया ही मुझे यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाचार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा कवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित, भें बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण ने हुई किसी आम की नावत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरफ वे वायस्य में कमी स्टरने या उपने समने में सुविधा के लिए, बॉर/वा
- (क) एसी किसी जाय या धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, वा धन-कर जॉधिनयम, वा धन-कर जॉधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिया स्विमा के जिए;

बतः जवः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बमूसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अधीन, जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) मैसर्स प्रजा मेटल लेबल मन्युफैक्चरोंग कम्पनी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री म्रानंद बी० पष्टी, एच० यु० एफ० और श्री भ्रमोक के सह

(ग्रन्तरिती

को यह क्षता बारी कारके दुनों का सम्मरित के वर्षन के निए कार्यगाहिकों करता हूं।

वक्त बन्दरित के वर्षन के बन्दर्भ में सोई प्री वायोद्:---

- (क) इस स्वामा के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी वविभ नात में सनस्य होती हो, जे बीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त्र
- (श) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्मास्य में हितववृष किसी वृष्य व्यक्ति द्वारा वृशोहस्ताक्षरी के वाष सिहित में किस का सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रवृक्त सन्तों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होंगा को उस अध्याय में विया क्या है।

वर्त्त्वी

इंटस्ट्रियल युनिट नं० 222 जो दूसरी मंजिल, "शह एण्ड नहर इंडस्ट्रियल इस्टेट (ए-2 धनरीज मिल लोग्नर परेल, बम्बई-०3 में स्थित है।

जैसकी कं० स० ग्रई--०/37-ईई/2862/84-85 ओर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 जून 1984 को रजिस्डेंट किया गया है ।

> ए० ,र्लाहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्वर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बस्बई

द्विमांकु :-- 2 8---1985 मोहर ६ प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.-----

र्शेयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, बम्बई बम्बई दिनोंक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं श्राई-1/37ईई/3004/84-85--- अत: मुझे ए० महिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य ?5,000 /-रइ. में अ**्क ह**ै

और जिमकी मं० फ्राफिस नं० 27, जो 3री मंजिल, ताइदेव एम्रर कंडोशन मार्केट, तान्डदेव बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 15 जन 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तिय की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमण प्रतिफल से, मिसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उत्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण **बॅ, बॅ, उक्त लिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा** (1) 🛸 अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः 🛶 17 - 506 GI /84

(1) कमलेश के० देसाई ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स इलेक्ट्रनिक इंजिनिग्रर्स ।

(ग्रन्सरिर्ता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, अर्थे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

ग्राफिस नं 27 ताडवेव एग्रर- कंडिशन्ड मार्केट , ताइदेव बम्बई-34 में स्थित है । प्रनुसूची जैसाकी ऋ० ग्राई-1/37-ईई/2703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्धवारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1 बम्बई

विनोक :- 12-2-1985 मोहर 🖫

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्मर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई दिनोक 6 फरवरी 1985

निदेश मं॰ ग्रई-1/37-ईई/3012/84-85--- ग्रतः मुझे ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

बौर जिसकी पं० फ्लैंट नं० 98, जो 17वी मंजिल इमार त नवदर्या महल, 80 ,नेपियन सी रोड़, बम्बई—6 में स्थित है तथा जो बम्बई—6 में स्थित है (और इससे उपाबदा धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है औ जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रितियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 15 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान वित्रक के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर सिटी में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्निजितित उद्विश्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उक्से व्यने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण - भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स गहा श्रास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० एस० श्रीखंड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री० सी० एस० गहा । (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिश्वित में निक्र जा सकते।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्यों और पर्यों का, जो उन्तें अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नग्तुकी

पर्संट नं० 98 जो, 17वीं मंजिल इमारत नव दर्शा महल, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है,। ग्रनुसूची नैसाकी क० सं० ग्रई-1/37-ईई/2711 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजंन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :-- 6-2-1985 मोहर ध प्रकार आहें. टॉ.ट एन _ट एस्_{... अपन्यत}

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुवना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० मई-1/37-ईई/3017/84-85--मतः ए० लहिरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1302 , जो ओर फ्लोग्नर ''जोगानी अपार्टेंमेंटस'' 29 बी, हुरसी रोड़, बम्बई—6 हैं तथा जो बम्बई—6 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 15 जुन 1984 को

को प्रवेंक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बेब्ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया भया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त बन्तरण किचित में बास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स जोगानी टायर्स । (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स रकुजशका एक्सपोर्टस प्राईवेट लि॰ । (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या मकी ।

स्पव्यक्तिस्णः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और क्वां का, को उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 1302 जो लोझर फ्लोर जोगानी भ्रापार्टमेंटस 292ंबी ड्रंगरसी रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं। भ्रतुस्थी जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/2699 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15 जून 1984 को रिजस्टर्ड किया गया हैं।

> (ए० लहिरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :-- 15 -- 2-- 1985 मो**ह**र ब प्रकृष् बाइं. थी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर वामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, विनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं ॰ अई-1/3017 (ए)/84-85-- श्रत. मृझ ए॰ नहिरो,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 1302 जो, 13 वीं ऊपर फ्लोअर ''जोगानी भ्रार्टमेंट,, 29 बी, डुंगरशी रोड, बम्बई-6, है तथा जो बम्बई 6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा भ्रायकर भ्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 15 जून 1984

को पूर्वेक्त संपीत के उच्नि बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट अधि किया एक आ या किया जाना बाहिए धा, छिपान में स्थिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के जनीन, निम्निलिलिन व्यक्तियों, अधितः --- (1) मसर्स जोगानी टायसं ।

(म्रन्तरक)

(2) मैससं रकुष्का एक्सपोर्टस प्राइवेट लि॰। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके प्वींबत सम्परित के वर्णन के लिए कार्यजाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में काहि भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिन्बब्ध फिसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पना है।

अनुसूचो

पलैट नं० 1302 जो, 13वे ग्रप्पर पलोर, जोगानी ग्रपार्टमेंटस, 29 बी, डुंगरणी रोड, वम्बई-6 मे स्थित है ग्रनुसूची जैमाकी ऋ० स० ग्रई-1/37 ईई/2700/84-85 और जो सक्षम प्राधिकाी बम्बई द्वारा दिनांक 15 जुन 1984 को रजिस्टई किया गया है।

(ए० लहिरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 बस्बई

दिनांक :- 15-2-1985

मोश्वर :

प्ररूप बार्ड. टी., एन. एस. -----

नायकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नामृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 वम्बई

वम्बई दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश एम० अई-1/37-ईई/3020/84-85--म्रतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य - 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० डी-27 जो, कामर्स सेटर लाडादेव रोड़, बम्बई-34, है तथा जो बम्बई -34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 15 जून 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान श्रितफल क लिए अतिरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा श्रितफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से क्यित नहीं किया यया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (म) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए:

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निविद्य अधिनतर्यों, वर्षांत क्रमण (1) श्रीमती उमा खन्ना ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैं सर्स भारत फिटझू वेनूर (प्रो० लि०। (मन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती?

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं बी० -27 जो, कामर्स सेटर ताडादेव रोड़, वम्बई-34 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० है। 1/37-ईई, 272/584-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 15 जून 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 1 बम्बई

दिनांक - 6-2-1985 मोहर । प्ररूप बाह् .टी.एन.एस. ------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)
ग्रजैन रेंज 1 बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० मई-1/37-ईई/3028/84-85-- मतः मुझे ए० लहिरी , आयकर अधिनियम, 1961 (1961^{*}का 43) (जिसे **इसमें** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार भूक्य 25.000/- फ. से अधिक **है** और जिसकी सं० दुकान नं० 22 जोग्रांडड फ्लोग्नर, नून गापिंग सेंटर, 225/227, ताडवेव रोड़, लल्लभाई भ्रामचन्द कपाउंड, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है। दिनांक 19 जून 8 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त मंतरण सिक्टि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण **वे हुई जिली बाद की बावत क्वतः** वीधीनयन के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी क<u>र</u>ने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आसित्यों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----मोहर :

- (1) मैसर्स मलका कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स गुडलक इटन्रप्रायजेस । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

ववृत्त्वी

दुकान नं ० 22 जो, ग्राउंड क्लोग्रर, दून गाँपिंग सेंटर 225/227 लाउदेव रोड़, लल्लूभाई ग्रमिचन्द कम्पानी, बम्बई बम्बई-7 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/2758/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

विनांक : 8-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहें, टी, एन. एस.,=-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेन रेंज-1 बम्बई वम्बई, दिनोक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/3029/84-85-- ग्रतः मुझे ए० लहिरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट तं० 10 1, जो पहली मंजिल, मार्शेल अपार्टमेंटस, कार्नेर आक पान गली एण्ड अगस्त कांनी मार्ग, बम्बई —36 है तथा जो बम्बई—36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजिस्ट्री हैं । दिनांक 19 जून 1984 को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया यवा है :---

- (क) बन्तर्रम् से ह्यू किसी भाव की वाबत, उज्जात अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने यें सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों भी जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—

- कुमारी ई० एस० पोचा उर्फ श्रीमती ई० ए० वाडिया (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किमोर ग्रार० गहा और श्रीमती रेखा के० महा।

(ब्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ानुस्ची

फ्लैंट नं 101 जा पहली मंजिल, मार्शलग्रपार्टमेंट, कार्नर ग्राफ पान गल्ली ग्रगस्त कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है ।

त्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० मई-1/ईई/2759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 19 जून 1984 को रजिस्टड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, अम्बई

दिनोक : 11-2-1985

मोहर :

प्रका बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, विनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/3035/84-85---- ग्रतः मुक्ते ए० ल/हरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 7 औ, ग्राउड फ्लोर, इमारत नं० 11, लिमग्टन रोड नवजीवन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोपाईटी लि०, (जंक्शन ग्राफ फाकनड रोड), वम्बई-8 है नथा जो वम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिक्षित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है। दिनांक 19 जून 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्विक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है कि

- (का) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कतः सब, उक्त सभिनियम की भारा 269-म के सन्सरक कों, में, उक्त सभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निक्तिशिवत व्यक्तियों, सभीत हुन्न

- (1) श्री गांतीलाल् जमनादास ठक्कर । (भ्रन्तरक)
- (2) मैससं बम्बे टेम्पो हाउस (म्रन्तरिती)
- (3) प्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे समपत्ति है

(4) अन्तरिति (श्रह व्यक्ति जिसके बारे में अदाहस्तक्षरी जानता है कि यह समपत्ति में हित्तबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूरें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि भी कत्य करिक्त ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

न्यव्दिकरण: ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया र गया है।

नग्रुज

दुकान न० 7, जो ग्राउड फ्लोग्रर, इमारत न० 11, लिमग्टन रोड़ स्किम श्राद्ध नवजीवन को श्राजरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, लिमग्टन रोड (जंक्शन ग्राफ फाकलंड रोड़ बम्बई-8 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसांकि कि मं श्रई-1/37-ईई/2766/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 जुन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1985

मोहर 🤌

प्रक्ष भार्यः, दी. एन. एस. - - -

लायकर सिंधनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-म (1) के अधीन स्वामा

माउत् रहका

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं॰ ऋदि-1/37ईई/3047/84-85--- अतः मुझे, ए.० लहरी,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या माना नं 126, जो, 1 ली मंजिल, ए०-2, इमारत, शाहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, लोश्रर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची हू श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित वम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उयित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर्ट्/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण जे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 18—506 GI/84 । धनराज मिल्स प्राइवेट, लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2 मैसर्स अन्टीया इलैन्द्रं(कल प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के णम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

जनसंख्ये

माला तं 126, जो, 1ली मंजिल, "ए-2,, इमारत, शहा एण्ड तहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-1/37ईई/2779/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्ज रेंज-1 बम्ब**ई**

तारीख: 6-2-1985

योहर 🖫

प्रकल कार्याः द्वीता पुरान्त पुरान्त्र व्यापन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

सहरू चंडकाड

कार्यांक्य, सहायक आयकर बायुक्त (निर्धिक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी, 1985

निवेश सं॰ मई-1/37ईई/3048/84-85--म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 442 जो, 4यी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए०-1, सिताराम जाधवमार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से अक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आगत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान के निए:

कतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बधीन, निम्निविकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री शहा एण्ड नहार ग्रासोसियटेस।

(भ्रन्तरक)

2 क्वीक ग्राफिक्स ।

(मन्तरिती)

को यह शृषना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्षन के निय कार्यवाहिया शृरू करता हुं।

बक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकाग।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त ग्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

यूनिट न० 442, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए०-1, सिताराम जाधव मार्ग, सोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/2780/84~ 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बस्बर्ध

तारीख: 5-2-1985

मोहर ह

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य. 43) की भूकरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985

स॰ **ग्रई-1/37ईई/3049/84-85--ग्रतः मृ**क्षे, ए.० लहिरी,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 349 जो 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए०-1, धनराज मिलस कम्पाउण्ड, सिताराम जाधव मार्ग, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्राह्न प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयळ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, टा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, 1ुनम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ाः—— 1. शहा एण्ड नहार ब्रासोसियेटस।

(ग्रन्सरक)

2. रायल एक्सपोर्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 349, जो, 3री मंजिल, शहा धौर नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए०-1 इमारत, धनराज मिल्स कम्पाउण्ड, सिताराम जाधव मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/2781/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

नारीख: 5-2-1985

मोहर 🏻

प्रक्ष् बार्ड . टी . एन् . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनाक 5 फरवरी 1985 निदेश स० ग्रई-1/37ईई/3050/84-85--न्नन मुझे, ए०. लिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं. 443, जो 4थी नंजिल , णाहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, सोग्रर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इसमें उनावढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप समें ग्रीर पूर्ण रूप समें ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका कारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19-6-1984।

को पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस जबने में सृविधा के सिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविका के िए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभिति ६--- 1. णाहा एण्ड नहार भासोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. रिप्रोग्राफिक्स ।

(ग्रन्ति रर्तः)

को सह-सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति के अजन का संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (फ) इन सूचना ते राजपत्र में प्रकाशन की तारीक मे ४१ दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना कं तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर प्रम्पत्त में हितबद्ध किसी भ्रम्य भ्यक्ति द्वारा, भ्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थाती हरण 1-- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पढ़ा का, जा उनता अ छ-नियम से अध्याय 20-क में परिचालिए है वहीं सर्व होया, जो उस सध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

यूनिट नं० 443, जो, 4थी मंजिल, शाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए०-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/2782/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 19-6-194 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 6-2-1985

मोहर 🛭

प्रकप भार . टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई,दिनांक 6 फरवरी, 1985

निदेश मं० ग्राई-1/37ईई/305/184-85—ग्रतः मुझे. ए० सहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,600/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 352, जो 3री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडम्ट्रीयल, इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्याउन्ड, सीनाराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण का से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-6-1984

को पूर्विक्त सपित्त को उचित बाजार मृत्य से कम के दशमान । प्रितिफल को सिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे बन्तरण को लिए तम पामा गया प्रतिक कत निम्नसिक्ति उद्देष्य में उक्त जन्तरण सिवित में थास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भें सुविधा के निष्;

कतः बदः खदः नीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरच के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, भारमिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थास् ः--- 1. शहा एण्ड नहार एसोशिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पिनाकीन पटेल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वे और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवाही।

and a

यूनिट नं० 352, जो 3 री मंजिल, शहा एण्ड नहार डंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्माउन्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के श्रई-1/37ईई/2783/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा, दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बाई

ंदिनाक 6-2-1985 **मोहर**्स

प्रस्य बाह्ये टी. एक. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7फरवरी, 1985

निदेश सं० श्राई-1/37ईई/3052/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर लोधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 312, जो 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कासे वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-6-1984

को पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृथोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किली बाव की बाब्द, उक्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धव वा बन्य जास्तिवाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यंक्तियों, अर्थात 🗠--- शहा एण्ड नह्यार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री भरत पी० केवलानी

(अन्तरिती)

को यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

'V;

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं.॥

भनुसूची

यूनिट नं० 312 जो 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल, इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं भई-1/37ईई/2784/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 7-2-1985

भाष्ट्र ८

प्रकृप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 84, जो 1 ली मंजिल, पंकज मैन्सन, "बी" इमारत, 8, डा० एनी बेसंट रोड, बरली, बम्बई-18 में न्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान कि तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त ब्रॉधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व्हें सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों. मीं, उन्हा अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री टी॰ एन॰ शिवरामकुष्णन ।

(अन्तरक)

2. श्रीमधी बविता देवी, मंगीलाल जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संग्यित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

पजैट नं० 84, जो 1सी मंजिल, पंकज, मैन्शन, "बी" इमारत, 8 डा० एनी बेसंट रोड, वरली, बम्बई-18में स्थित है। अनुसूवी जैसाकि का० सं० अई०-1/37ईई/2997/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टई कियागया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🕄

प्रकर्ष बार्ष . ही . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी, 1985 निवेश सं० अई-1/37ईई/3064/84-85---प्रनः मुने, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिपकी सं० यूनिट नं० 18, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, इमारत किएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं० 12, एस० नं० 72, ग्राफ एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रशोन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किशी आय या किसी ६ म या अन्य बास्तियों करें, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उधत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती हरबीर कौर।

(ग्रन्तरक)

2 मुकुद हरी शंकर पंडया, हरेश एम० पंडया, और रोहीत एम० पंडया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संयक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अमुस्ची

यूनिट नं 18, जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर, इमारत ऋएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं 12, एस० नं 72, ग्राफ एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/2906/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्ट ई किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी । सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

विनोक: 8-2-1985

मोहर :

प्रक्रम बाहाँ, टी. एन एस. ----

भागकर निभिनियम. 1961 (1961 का 43) की शाया 269-न (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37ईई/3067/83-84—-ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० माला न० 127, जो 1ली मजिल, ए-2, इमारत, णहा एण्ड नहार इडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 269 कब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिरदी है दिनाक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमात श्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निसित उत्दर्भ से उक्त अन्तरण निश्वत मों वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में मरिक्श के लिए और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन / निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः --- धनराज मित्स प्रायंत्रेट निमिटेट ।

(भ्रत्नरवः)

3 मैसर्स श्रदीया दर्नौक्ट्री स्ल्या, प्रायवेट लिमिटेड । (श्रन्तिरतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त हाती हो, के भीतर पृबेक्ति स्पिक्तियों में से विस्ती व्यक्ति इवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण करू-इसमें प्रयानत शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ शामा, जा उस अध्याय में दिया भया है।

बनसंची

माला न० 12. जो 1लीं मजिल, ए-2 इमारत, शहा एण्ड नहार इडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37ईई/2908/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनाक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी अहायक आराप्ट आयुक्त (किरक्षण) श्रापंत रेज-1 वस्बई

दिनांक : 5-2-1985

मोहरः

19---506 G1/84

प्रकृत नार्षं हो । पुन पुर क्रान्यन

भागकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भाउत चडेकार

कार्यांशव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं शई-1/37ईई/3072/84-85—अतः मुझे, ए॰ लहिरी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण् है कि स्थानर संपर्ति निसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5-की जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर जंक्शन श्राफ श्रनंत गण पत पवार लेन ग्रीर चिचपोकली क्रॉस रोड भायखला बम्बई-27 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से व्णागत हैं) ग्रीर जिमका करानामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 25-6-1984

को पूर्वो कर सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिका के लिए बन्ति रित की गई है, बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाबार स्था, उसके समान प्रतिकत से ऐसे सम्मान प्रतिकत का पंसह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (बन्तिरित्तियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकान, निम्निमिवित उच्चे स्था से उच्न बन्तरण मिविस में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बच्चरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध-पियब के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; बीर/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

1. श्री भ्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रमशन कंपनी

(भ्रन्तरक)

 श्रशोक बलत्रंत राय कोठारी श्रीरप्रदीप तुलसीदास कोठारी

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरणः—स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

कार की

दुकान नं० 5-बी जो ग्राउन्ड फ्लोग्रर जंक्शन श्रॉफ भ्रनंत गणपत पवार लेन ग्रौर चिचपोकली कॉस रोड भायखला बम्बई-27 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/2917/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्राधुक्त (निरंक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह---

दिनांक: 5-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप मार्च हो हो, एक् एस्त व व व व्यक्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत सहस्या

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ह० 1/37ईई/3085/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 45 जो 1ली मंजिल ताडदेव एश्चरकंडी शन्ड मार्केट बम्बई-34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 25-6-1984

- को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं हैं—
 - (क) अन्तरण से हुई फिसी आव का बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्ते या उससं अचने में सविधा के लिए और/या
 - (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए, था छिपाने में सृविधा के लिए।

्1. श्रीमती निर्मला प्रताप राणा।

(भन्तरक)

 श्रीमती लिला नागेश राणे श्रीर श्री नागेश रघुनाथ राणे के साथ।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरक ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुफ करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ, पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वही व्यर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रभी

कमरा नं० 45 जो 1ली मजिल ताडदेव एग्रर कडीणन्ड मार्कोट ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

स्रनुसूबी जैहा कि अ० सं० स्वर्ध-1/37ईई/2924/84-85 स्रोर जो गक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाक 25-1-2984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई

अत: अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की नारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् क्रि—

दिनांक: 11-2-1985

मोहर

प्रस्थ बाइ. टी. एन्. एसं. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाएँ 269-थं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई० 1/37ईई/3111/84-85—ग्रन मुझे, ए० लिहरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी स० फ्लैंट न० बी-48, जो इमारत, "वाल्लाई व्ह्यू" 14, ताइदेव रोड, बग्बई-34 में स्थित है (फ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आँर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 23-6-1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथा गया है ——

- (क) जम्मरण से हुइ किसी बाय की वायत, उजत जिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उद्यक्त वचने में सुविधा खे लिए; और/या
- (व) एसी किसी आग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) था जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वावा किया जाना वाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्री हरमुख लाल ए० जोगी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतीलाल नागजीभाई पुजारा,

(ग्रन्तरिती)

3 ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमसर्ची

फ्लैट न० बी-48, जो इमारत, "वल्लार्ड व्हयू" 14, ताद्यदेव, रोड, वम्बई-34में स्थित है

अनुसूची जैंगा कि फ्र॰ म॰ श्रई-1/37ईई/2875/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एव.एस. -----

भायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ছ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० प्रई-1/37ईई/31/3/84-85----ग्रन: मुझे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,00/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० गैरेज न० 2. जो ग्राउन्ड फ्लोर, श्राकाण दिए, 175, डुगरणी रोड, मालाबार हिल, बस्वई-6 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधित्यम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनाक 25-6-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपचत बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरका) और अंसरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए और/या
- (क्क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधित :--- 1. डा० सुरेश कुमार भाई चन्द, दोशी।

(भ्रन्तरक)

2 डा० किरण वाडीलाल पारेख।

(श्रन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत कान्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्भूची

गैरेज, नं० 2. जो प्राउन्ड फ्लोग्रर, श्राकाण दिप, 175, डुगरशी रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि कि सिंह 1/37 है 2876/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्ब है द्वारा दिनांक 25-6-1984 के रिजस्ट ई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्रकरात आहीत की त एन त एस त ------

बायकर विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-व (1) के बधीन सुचना

प्रारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकार जायुक्त (निरुक्षिण)

स्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-1/37ईई/3145/84-85—श्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कृ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रॉफिस प्रिमायसेस, यूनिट नं० 808, जो 8 वीं मंजिल, इमारत 'एम्बेसी सेन्टर'' नरीमन पाँइंट बम्बई-21 में है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के डिवत बाबार मून्य से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संग्रित का उचित बाजार मून्य उसके स्थानन प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (बन्तरित्यां) के बीच एसे बन्तरण के निए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उन्स अन्तरण निवित में बास्तिक स्प से कृषित नहीं किया गया है द—

- (क) बन्तुरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√वा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा वे निए;

बतः बदः उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के बन्हरण में, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्योंक्तयों, जर्भावः ४----

- मै॰ प्रणांत टैन्क्स एण्ड फैक्किटर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. इफिसिएन्सी इक्युपर्मेंट प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं [1]

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, ब्धाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

ग्रन् सूची

श्राफिस प्रिमायसेस यूनिट नं० 808 जो 8 वीं। मंजिल, इमारत "एम्बैसी सेन्टर", प्लाट नं० 207, ब्लाक नं० 3, बैक्बे रेक्लेमेंशन, नरिमन प्याइंट, त्रम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/2953/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहं, टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1985

निवेश सं० श्रई-1/37ईई/3147/84-85--श्रसः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो चावला हाउस वूडहाउस को-भ्रॉप० हाउसिंग सोमायटी लि०, वूडहाउम रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर] श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिरदी है दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों,, जर्थात् ा— कुमारी लक्ष्मी के० मूरजानी।

(ग्रन्तरक)

- 2 मैंसर्स बल्ल इन्टरप्राईज एण्ड इंजीनियर्से प्रायवेट लि० (अन्तरती)
- 3. धन्तरका

(वह व्यक्ति जिसने अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह----

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 4, जो चावला हाउस, वूड हाउस को-म्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 60, वूड हाउस रोड, कुलाबा, बम्बई-5में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अर्० सं० श्रई-1/37ईई/2626/84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा, दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनोक * 7-2-1985 मोहर 🕹

प्रकप काइं.टी.एम.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकाड

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश मं० श्राई-1/37ईई/3153/84-85—-म्रतः मुझे ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसं ६समें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो "ग्रजली" फेंच किज, अपिरा हाउस, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण कुल से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनांक 28-6-1984

को पृथि कित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन क्रप देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः मत्र, उक्त निधृनियम की धारा 269-ग के बनुसरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- राजा बिल्डर्स एण्ड इन्वेस्टमेटस्, प्रायवेट लि०। (अन्तरक)
- श्रीमनी कमलाबेन, बाबू लाल णहा । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रेक्ति सम्मत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्य से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सर्वाध, को भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत स्थाब्तयों में से किसी स्थावित द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की शारीय सं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के श्रव सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अवस्पी

पलैट नं० 303, जो "श्रंजली", फ्रेंच क्रिज, श्रांपेरा, हाउस, बम्बई में स्थित है। स्रनुभूची जैसा कि कि सं० श्राई-1/ 37ईई/2873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 28-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज-1, बस्वई

दिनांक 7-2-1985 **मोहर**ः प्रकप बाह^रा द्री. एन_ा एस₋₋========

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० अई-1/37ईई₁3168₁84-85—अत. मुझे ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 54/55, जो 7 वी मंजिल, माउंट युनिक, 62, ऐंडर रोड, अम्बई-26 और गैरेज न० 51, सी० एस० नं० 674, ऑफ मलबार खंबाला डिवीजन में स्थित है (भीर इससे उपाधद अनुसूची म श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनांक 30-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रेतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी क्षाय का जाबत, उस्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व मा कमी करों या उससे बचने में सृविभा के लिए; बौद्य/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिए था छिपाने हो सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

20-506 GI/84

1. श्री रविन्द्र एस० चोकसी ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरीन्दर नाथ सेहगल,

- (2) श्री परिवनचन्द सेहगल, (एच० यू० एफ०) श्रीर
- (3) श्रीमती बीना रानी, सेहगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जजन के लि कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिसेखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्या

फ्लैट नं० 54,55, जो 7 वीं मंजिल, माउंट यनिक,62; पेडर रोड, बम्बई-26 भीर गैरेज, नं० 51, सी० एस० नं० 674, ऑफ मलबार खंबाला, डियीजन में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि \sim सं 7 , अई- 1 , 1 , 3 7ई 5 , 2 , 2 , 3 7 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा, दिनांक 3 0-6-1984 को रजिस्टड किया गया है।

ूंए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक . 12-2-1985

मोहर :

प्रसन् बाह् .टी. एव. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

HISO REGIN

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्धई, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश स० अई-1/37ईई $_{1}3181/84-85$ —अतः मुझे, ए० लिहरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25 000/- रास्त्र संअधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो मिलिटिया अपार्ट मेन्टम् 84, मथार, पाखडी रोड, माझगांव, है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 30-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गड़ है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, न्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स श्रेयस बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

श्री दिनेश लक्ष्मीदास गोष्ट्रील ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों की, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दुकान नं० 1, जो मिलिटीया अपार्टभेन्टस्, 84, माधार पाखडी रोड, मांझगांव, बम्बई-10में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फल संल अई-1/37ईई/2954/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा विनांक 30-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 8-2-1985

मोहर .

प्रकप बाह्, टी. एन्. एव. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहाय्क जायकर् जायुक्त् (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, बम्बई बम्बई,विनांक 13 फरवरी, 1985

निर्वेण सं० अर्६० 1/37र्द्ध/534/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिले इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, ऋषिकेश को-आप० हाउसिंग सोनायटी लि०, प्लाट बेअरिंग सी० एस० नं० 992, आफ बरली, डिबीजन, प्लाट 63 आफ स्किम, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्शयमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अब्धिम से धूर्ड किसी आयुकी वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी कारने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करो, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्र अधीय, निम्मिशिवत व्यक्तियों, अधीतः — कुमारी अलू, डी० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश जैन, श्री सुरेश जैन, श्रीर मास्टर संदीप जैन।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के नियर कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, श्रम्हिकिश को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट बेर्आरंग सी० एस०नं० 992 आफ वरली, डिबीजन, प्लाट 63 आफ स्किम, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/2222/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 13-2-1985 मोहर :

प्रकप बाद्दै दी प्रम एस :----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, धम्बर्ष धम्बर्इ, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/1830/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 801, जो 8 वीं मंजिल, नवीन शियागा, प्रिमायसेस, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वादासाहेब फालके रोड, दादर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित स्मिद्ध है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यह विश्वास करने का कारण है कि यह विश्वास करने का कारण है कि यह विश्वास करने का जिल्ला का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक्ष कीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ष उत्तरिय से उक्त अन्तरण निषक्ष में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उच्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

बतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग्य के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभास (1) ो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित् :—

- दि स्टिल रोलिंग मिल्स आफ बंगाल, लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. श्री कांतीलाल लक्ष्मी चन्द शहा (गांगर) ग्रौर श्रीमती कलावती कांतीलाल शहा (गांगर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्त्री

फ्लैंट नं० 801, जो 8 वीं मंजिल, नवीन आणा प्रिमायसेस को-आप० हार्जीसंग सोसायटी दादा साहेब फालके रोड, दादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़० सं० अई-1/37ईई/ 2516/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1 , बम्बई

विनाम 13-2-1985 माँहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं॰ अई-1/37ईई/2029/84-85---अतः मुझे, ए॰ लहिर्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं बुकान ग्रांचन्ड फ्लोअर, पर, वेस्ट साईड आफ बिल्डिंग, "लिंडेन हाउस" लिंडेन, कास्मापालिटन प्रिमायसेस को-आप हाउसिंग सीक्षायटा लिं०, महाकवा भूषन मार्ग, आपोली बंदर, बम्बई-39 में स्थित है भ्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूचे। में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान । प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अंतरित कीगई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्विकत पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल, के प्रकृह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— 1. सू सिएन लिन ।

(अन्तरक)

- 2 जमाल कारपेंट इंडस्ट्रिज के पार्टनर्स:
 - (1) श्रोमतो हजिरा बेगम,
 - (2) श्रामती अटोका बानू
 - (3) श्रोमती शफिका बानू,
 - (4) श्री मुस्ताक अहमद ग्रौर
 - (5) श्री इस्टीयाक अहमद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

षुकान्] ग्राउन्ड पलोअर ∮ में, जो वेस्ट साईड आफ बिल्डिंग, "लिंडेन, हाउम', लिंडेन, कास्मापालिटन प्रिमायसेस, को-आप०, सोसायटो, लि०, महाकवि भुषन, मार्ग, आपोलो, बंदर, बस्बई-39 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा कि फि० सं० अई-1/37ईई/2300/8 4-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारो वम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षअ) अर्जन रेंज-1, बम्ब**र्**

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी एन एत . ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकार नायुक्त (निरोक्कण)

अर्जन रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 **फर**वरी, 1985 निर्देश सं० अई०-1/37ईई/2883/83-84—अतः मुझे, ए० सहिरो,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 अध्यक्ष के स्थाधर संपरित,

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो 3 रो, मंजिल, एवरस्रोन हमारत, 2 रो दाव्ध शेठ, ऋस लेन, बाबूलनाथ, चौपाटो, बम्बई-7 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 4-6-1984

को पूर्वोबत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमक दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्नीलिखत उच्चव्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) असरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने बाउससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अस, उक्त विभिनियमं की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, ाम्निसिसित व्यक्तियों, सर्थात् ः—— 1. श्रो रजनोकांत वि० माधवानी ।

(अन्तरक)

 श्री मौलीन के० मेहता श्रीर श्रोमती शिल्पा एम० मेहता,

(अन्सरितो)

3. श्रा श्रौर श्रोसती आर० वि० माधवानी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, थो उक्त 🍂 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा

अनुसूचो

फ्लैट नं० 8, जो, 3 रो मंजिल, एवरग्रीन इमारत, 2 रो दादो, मेठ कास लेन, बाब्लनाय, चौनाटी, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/2548/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सजम प्राधिकारो सहायक आयकर अायुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज-1, **बम्बई**

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🕄

प्रस्य नाइं.टी.एन.एस. ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरोंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरो, 1985

निर्देश सं० अई०-1/37ईई/2993/8 4-8 5---अतः मुझे. ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उन्वत अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार जन्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 53, जो ब्लाक नं० 48-ई, 14 वो [मंजिल, विनस को-आप० हाउसिंग मोसायटा लि०, वरली, सी फेस, बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

को पूर्वा कत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिक स्था से किया पता हैं:---

- (कां) जन्तरण संहुई किसी जाव की क्षावत, उन्सं अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कनी करने या उसने दचने में सुविधा स्टेलिए; सौर/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

बतः बच. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ क्री उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- 1. श्रोमती कमल गुल जैस्सानी पत्नी डा० गुल सो० जैस्सानी (अन्तरक)
- 1. (1) श्रो बन्सो घर सजनानी श्रौर
 - (2) श्रामता पुष्पा बन्सीधर सजनानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता ह**ै**।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी ज्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग ओ उस अध्याय में किं गया है।

फ्लैट नं० 53, जो ब्लाक नं० 48-ई, 14 वीं मंजिल, विनस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वरली सो फेस, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि सं० अई-1/37ईई/2866/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 13-2-1985

माहर ह.

प्ररूप बाईं - टी, एन. एस.-----

आधकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/3003/84-85-—अतः मुझो, ए० लहिरो,

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित गाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पुकान नं० 39, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, हीरापन्ना शापिंग सेंटर, हाजो अली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित बाजार मूल्य तसके दश्यमान प्रितिफल से ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिफल स्थ से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्रियम् या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

1. मैसर्स एस० पी० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एस० ई० झवेरा ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त क्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यार के में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, होरा पन्ना शार्पिग सटर, हाजोअली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई 1/37ईई/2702/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, **बम्बई**

बतः बब, जबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात ****

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्वेश सं० आई-137ईई/3013/84-85---अतः मुझे ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बेसमेंट नं० 5, जो "महावीर अपार्टमेन्ट, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के वार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के वार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के वार्यालय में है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरितीं (अन्तरितियों)) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उपस् जिथितयम के अभीन कर दोने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा से सिए; जोर्/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य नारित्यों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

1. मैसर्स वर्धन बिस्डर्स ।

(अन्तरक)

मैसर्स किरण कारपेरिशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त खर्कों और पर्दों का, जो उक्छ किंधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

बेसमेंट, नं० 5, जो "महाबीर अपार्टमेंन्टॅं, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई, 2712, 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1985

मोहर ∄

प्रका बाई, दी. एन. एस.-----

बारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुबना

नारत सरकार

कार्यासक, सङ्घ्यक नायकर नायक्त (विरोधिक) अर्जन रेंज-1, बम्बर्

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-1/37ईई/3036/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, जो रमेश नियास, ग्राउन्ड फ्लोअर 51, मुलाभ है देसाई रोड, (वार्डन रोड), बम्बई-26 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनिय, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-6-84

कः पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से क्रम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्) और जन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम वाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उद्योध्य से उक्त अंतरण कि बित में वास्तरिक रूप से किया गया है है—

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उस्त अधिनियस के संधीन कर योगे के जन्तरक को साबित्य में अभी अपने वा उससे वचने में सुविधा के शिर्ह वांड/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अंग्रितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्

अतः अत्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्मिनिक्कत व्यक्तियों, अर्थात्:—- श्री विनोद चन्द्र जी० व्यास ग्रीर श्रीमती धरमिण्ठा वि० व्यास ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा उन्हरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण : - इसमें प्रयुक्त कम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्स्ची

फ्लेट नं० 7, जो प्राउम्ड क्लोबर, रमेश निवास इमारत, बाफ वार्डन रोड, 51 भुलाभाई, देसाई रोड, बम्बई-26 मैं स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1,37ईई,2767,84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

विनोक: 13-2-1985

मोहर :

प्रकल नाइ. टी. एम. एव. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1, धम्ब**ई**

धम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई० 1/37ईई/3074/84-85—अतः मुझे ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट मं० बी-2, बेसमेंट पलोअर, 15 सोलापुर, स्ट्रीट, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बम्बई-9 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूणं रूप से विणित हैं ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंबरण से हुई किसी बाब की बावत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को चिन्ह भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए।

नतः अस, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स हरजीत सिंह एजण्ड कादर्स ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स एन० जी० भानूशाली एण्ड केंपनी। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्रं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

वगस्त्रवी

यूनिट नं बी-2, जो बेसमेंट, फ्लोअर, 15, शोलापुर स्ट्रीट, एस्फीन्स्टन, इस्टेट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1,37ईई/2998/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिजकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 *धम्ब*र्फ

ंदिनांक 13-2-1985 मो**हर** य

प्रकल कार्य 🗷 टी : १९ 🗵 एक ,------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, धम्बई धम्बई, दिमांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3011/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित् बाजार मून्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं॰ पलैट नं॰ 30, जो 5 वीं मंजिल, सागरकुंज, श्रीर गैरेज, 78, नेपियन सी रोख, अम्बर्ध-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-6-1984

भी पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है जार मूओ यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन

- (क) अंतरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूर्यिधा के तिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी वन या बन्य जास्तियों को, विन्हीं भारतीय बायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अविनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) के अधीन, निम्नुजिधित व्यक्तिवाँ आर्थात् क्र— श्री अगदीश प्रसाद बी० गुप्ता श्रीर मिलेश कुमार अगदीश प्रसाद गुप्ता,

(अन्तरक)

2. श्री अमरीत लाल सुन्दर दास मल्होसा,

(बन्सरिती)

3. श्रीमती राज आनन्द ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त् सुम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वासोप 🚁

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाचीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उसल विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

अनुसूची

प्लैट नं० 30, जो 5 वी मंजिल, भौर गैरेज, सागरकुज, 78, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं बाई-1/37ईई/2710/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक: 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकल् बार्च, डी. एन्. एत् ,-:::----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/5084/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से आ'धक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो गिरधर निवास, 15-17, शहीद भगत सिंह रोड, कुलाबा, धम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रें कर्ती अधिवारी के कार्यालय धम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-6-1984

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्ष्यभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) बन्तर्ग सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक की बायत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बाँड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बेत: बब, बक्त बीधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविध स्थितियमें, अर्थात् में ज्यारा

1. श्री पारसनाथ राम नरेश शुक्ला ।

(अन्तरक)

2. श्री शामजी गोवर

(अन्तरिती)

3. श्री शामजी गोवर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के वर्णन के किंग कार्यप्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के मर्जन के सम्मन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के शावपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र्ग 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वव्यूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बौंम 1717/80 भौर जा उप-रजिस्ट्रार, धम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984को रजिस्टर्ड किया गया है। ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्फ

दिनांक: 6-2-1985

मोहरः

प्ररूप बाहाँ . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अम्बर्धः बम्बर्धः, दिनांकः 14फरवरो 1985

निर्देश स० अई०-1/37ईई/5085/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर नं० 5, जो कामाठीपुरा, 4 थी स्ट्रीट, जमीन ग्रीर इमारत, सी० एस० नं०, 863, भायखला, न्यू सर्वे नं० 6039, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिकल के लिए मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से सिधक है और मन्तरक (भन्तरका) और भन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उवसे ब्यूने में सृष्धा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिकित व्यक्तियाँ, अधित हु---

- 1 (1) श्री मंगनलाल मावजी,
 - (2) श्री देवबाई मगनलाल मौर
 - (3) श्री भीकाचन्द मगन लाल।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री राजेन्द्र बाबू राव खिलका भौर
 - (2) गंगूबाई, गंगाराम गुंट्का

(अन्तरिती)

3. श्री गंगूबाई गंगाराम गुंटूक । (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तिया पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकत्ये।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया व्याहाँ।

वम्स्वी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 694/84 ग्रीर जी उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सिंहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, बस्बई

विनांक: 14-2-1985

मोहर:

प्रकृप बाइ . टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985 निर्देश सं० आई० 1,37जी/5080 84-85—अतः मुझे, ए० सहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर भम्पिता, जिसका उचित बाजार मूख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 654, नारायण ध्रुव कास लेन, मांडवीं बिवीजन, बम्बई है, जो अम्बई में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के फार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम ्रीं 908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक स, निम्निणिय उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिणित में बास्ते । का स्था से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त श्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्ट, बॉर/बा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविभा के निए;

सर: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अवृसरण तें, ैं उक्त अधिनियम की धारा 269-**च की उपधारा (1)** हे अर∤न, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती सलमा इनायत लोखंडवाला ।

(अन्तरक)

- 2 श्रीमती ताराबाई अञ्दुल्ला भाई टोपीवाला । (अन्तरिती)
- 3. भा दूता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. अदर्स को-आनर्स।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के फिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के पम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की सबीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

म्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2058,71 मौर जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा, दिनांक 2-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बाई

विनोक 15-2-1985 मोहर ध

प्रकृष कार्यं हो पुन् पुस् हुन------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985 निदेश सं० आई०-1/37ईई/2963,84-85-अतः मुझे ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि म्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 8-मी, बी० पी० टी० प्लाट आर० ए० किदवाई रोड, शिवरी, बम्बई-400 015 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आरकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दनोक 10-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और किया गया है मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्निविच उद्देश्य से स्वत जन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी आव कर्म वावता, उत्तः अभिनियम को अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या सससे अचनं में सृविभा के लिए; और/मा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव उक्त कीभनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अभीत् :---

1. मैंसर्स लेखनम ।

(अन्तरक)

2 मिसेस, शोभना, एस० पुसालकर, मिस्टर अनुल एस० पुसालकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है .!

नग्सूची

8-बी, बी॰ पी॰ टी॰ प्लाट आर॰ ए॰ किदवाई रोड, सिवरी, सम्बर्ध-400 015 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई, 37ईई/2571/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 16-6-1984 को रिजस्ट के किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, *सम्ब*र्फ

विनोक । 15-2-1985 मोहर ७

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश म० आई०-4/37 ईई०/1064/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयंकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 006 /- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 9, जो पहली मंजिल, विंग बिल्डिंग नं० 14, झालावाड जैन को० आपरेटिंव हार्डीस्ग सोसाइटो लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बस्वई— 400 101 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है तारोख 26 जून रि1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल वर्ते लिए अन्तरित की गर्ड विश्वास करने कारण कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके डरय-मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित उप्देष्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियागयाहै:---

- (क) अन्तरण संहुर किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा औं स्मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 22-506 GI/84

(1) मैं० सरल इन्टरप्राइभेज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रानितान कृमार भगवान जा भाई मणकरिया श्रीर वर्षानितान कृमार मणकरिया।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**एं भी नाक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहरूनाक्षरी के पाम निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया स्या हैं।

भन्स्ची

फ्लैंट नं० 9, पहला मजित बिंग बिल्डिंग नं० 14, झालावाड जैन को० आपरेटिंब हाउमिंग सोमाइटा लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवना (पूर्व), वस्त्रई-400 101 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि कम गं० बाई०-4/37 ईई०/1064/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई इ.रा दिनाक 26 जून, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाद्र . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन गुचना

(1) मै० सरल इन्टरप्राइसेज ।

(अन्सरक)

(2) श्री झालचन्द गांतिलाल गाह।

(अन्सरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, महागक आयकर आग्नित (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ध अम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण मं० आई०-4/37 ईई०/10644/84-85—अतः मृक्षे, नक्ष्मण दाम

आगकन अधितिसम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जनन मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिवारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000'- में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैटनं० 15, तथा जो चौथो मंजिल, ए-विंग, विलिंडग नं० 23, झालाबाड जैन को० आपरेटिव हाउभिंग सोमाइटी लिमिटेड, अणोब चक्रवर्ती रोड, कादिवल। (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र। है ताराख 26 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवन बाजार जूल्य से जम के दृश्य गान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह निक्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबस, उपत जिमियम के अधीन कर दोने के जंसरण के शायित्व म कमी करन या उससे बचने में मृतिधा के जिल् और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वर्ष 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-को अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा रा किंग प्राना स्तीहर भा विद्यान के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरभ मं, मं, उथत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीतः :--

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष्ट् - कार्यवाहिम(करता हुं।

उक्त सम्पन्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजभव में अजावन की तारील में 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो , के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किमी म्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

प्ष्टाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्कीं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्य

फ्लैट नं० 15, चौथो मंडिल, ए-विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउमिंग सोसाइटो लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थिन हैं।

अनुसूची जैसा कि कि म सं० आई०-4/38 ईईई०/10644/ 84-85 और जो सक्षम प्रश्विकारों, बम्बई इं।रा दिनाक 26 जून, 1984 को र्राजस्टडं किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नार ख : 12-2-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाइँटी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10657/84-85—अनः मुक्षे, लक्ष्मण दास,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पिन, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो पहली मजिल, विंग बिल्डिंग नं० 14, झालावाड जैन को० आपरेटिय हाउमिंग मोसाइट। लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवलो (पूर्व), बम्बई— 400 101 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), श्रीर जिसका करार नामा आयकर अधि— नियम, 1961 का धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रों है ताराख 26 जून,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से वृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नों चित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिवक स्म से कथित नहीं दिवा गया है दिन्स

- (क) अम्बरण न हुन्द्र किसी आग की बाबस, उपह अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, विकास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विगा के निए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 169-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) श्री अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- (1) मैं ० सरल इन्टरश्राइ जेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रो हरेश भाई कातिसाल व्होरा।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुभना के राजधन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा ।
- (स) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिलन मा किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा पदा हैं।

भग्या

प्लैट न० 8, जो पहला मिजल, विंग बिल्डिंग नं० 14, झालावाड जैन को० आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

जनुसूचों जैसा कि कम स० जाई०-4/37 ईई०/10657/ 84-85 और जो सक्षम प्रतिकारों, बम्बई ढारा दिनाक 26 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारा सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

ना 1व : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष काहरें, टी. एन्., एक. - -- -

कायकर लॉभीनयम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अभीन स्कना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10649/84-85--अत:

मुझे, लक्ष्मण दास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 17, जो तीसरी मंजिल, विंग , विल्डिंग नं० 14. झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटा लिमिटेड, अगोक चक्रवर्ती रोड, क्रांदिवलो (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1962 को धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारीख 26 जून, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे सम्मान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितिया) अं बीध एसे अन्तरण से लिए तय पाया ग्या प्रतिकत , निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तर्भ संदुर्श कियी गाय की बावत उत्तर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; आह/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चृष्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, जियाने में सृतिधा के किए;

शतः सथ, उक्त श्रीधीनयम की धारा 269-न की समृतरम गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मै० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्मितेश चम्पक लाल शाह ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त ज्रथ्यों रेश के बर्चन के निध् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हित-बह्भ किसी बन्य व्यक्ति क्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकती।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिम्हानियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिया गया है।

नम्स्ची

फ्लैट नं 17, जो तासरो मृजिल, विंग, बिल्डिंग नं 14, झालावाड जैन को आपरेटिव हार्डींसग मोसाइटी लिमिटिड, असोक चन्नवर्ती रोड, कांदबला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूचे। जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/10649/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 26 जून, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा : 12-2-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरो 1985

निदेण सं० आई०--4¹37 ईई०/10645/84~85---अत:, मुझे, सक्ष्मण दास

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/र रुपये में अधिक हैं

स्रीर जिसको सं० पलैट नं० 1 जो दूसरी मंजिल, विंग बिल्डिंग नं० 1 , जालावाड जैन को० आपरेटिय हमउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, अगोक चक्रवर्गी रोड कादिवर्गा (पूर्व), बम्बई— 400 101 में स्थित है (स्रोंग इससे उपाबद्ध अनुसूचों में स्रोंग पूर्ण रूप से बणित है), स्रोंग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को प्रारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्र। है टारीख 26 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के मीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइं िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मा सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्ता अर्जारनी द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा ने निए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं असरल इन्टरप्राइजेंस ।

(अन्तरक)

(2) राजेश पनाचम शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के जार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमणें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं 13, जो दूसरी मंजिल, विंग बिल्डिंग नं 14, झालावाड जैन को आपरेटिंव हाउसिंग सोनाइटो लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि अग म० आई०-4/37 ईई०/10645/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 26 जून, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ष

तारी**ख** : 12-2-19**85**

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सःरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरो 1985

निदेश मं० अर्ह०-4/37 ईई०/10672/84-85--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लैट नं० 2, जो ग्राउण्ड फ्लोर मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, सालावाड जैन को० आपरेटिव हार्डीसँग सोसाइटो लिमिटेड, त्रशोक चक्रवर्ती रोष्ट, कांदिवलो (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कायलिय में रजिस्ट्रा है तारीख 26 जन, 1984

को प्वोंक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफन के लिए अंतरित की गई हैं और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का फन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रामतो दिपाका ग्रीर श्रीदीपक चिमन लाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---ध्समे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीतिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैटनं० 2, जो ग्राउण्ड क्लौर, ए विंग बिल्डिंग नं० 21 झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूत्रों जैसा कि कम सं अहि -4 37 ईई । 10672 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रक्य बाहै. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~4, बस्बई बस्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37 ईई/10691/84-85--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। वी धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राविकार। तो, यह विश्वार तरन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसक। स० फ्लैट नं० 12, दूसरी मिजल, विंग, बिल्डिंग नं० 14, श्रालावाड जैन को०-आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटो सिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई—400101 म स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 को धारा 269 क,ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारोख 27 जून, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्री फल से, एस रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरतिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसिस उद्दोग स उसत अ पर लिखित में बास विक रूप में किया गया है ---

- (स) अल्लान संहाई '्सी शाब की जावत तथत आधि निमम को अधीन अर दोने की अम्सारक की दासित्य में कस्मी करने मा उसमें अचले में सुविधा 'े लिये बार या/
- (स) एरेंसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन-कार आधिनियम, या धन-कार आधीर है। १५८ ११६० की कुर १८०० विकास स्थापनार्थ याचारों देशारा होने किया गया भा का किया जाना नाहिए। था, हिस्साने में तरिया के लिए;

जत अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिक स्यक्तियों, अधित् ः— (1) मैं ० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रामहाद्यमार कुच्छित एहि।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कामशाहिया शुरू करना ह् ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप --

- (क) इस म्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींग।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्दों का, थो जन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

प्लैंट न० 12 दूसरी मजिल, त्रिंग, बिल्डिंग न० 14, झालाबाड जैन की०-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि कम स० अई-4/37 ईई/10691/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 27 जून, 1984 द्वारा र्राजस्टर्ट थिया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तार.ख 12-2-1985 मोहर ६ प्रकप आहं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269- ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्थर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेण स॰ अई |-4|37 ईई | 10675 | 84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दाम

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 16, तीसरी मिजल, ए बिग, बिस्डिंग नं० 21 झालाबाड जैन को० आपरेटिल हाउसिंग सोसाइटा लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कादिबली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र(है, ताराख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया पतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्यभिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम ते कभीन कर दोते के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए.

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) मैं । सरल इन्टरप्रः इजेग।

(अन्तरक)

(2) श्रा रमेण चन्द्र अमृतनाल बगाडिया श्रीर श्रा राजेण अमृतलाल बगाडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचा। की तासील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण द---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त क्रिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं 90

अनुसुची

पर्नेट न० 16, तासरो मजिल ए विंग, बिल्डिंग न० 21, जालावाज जैन को० आपर्रेट्व हाउभिंग सोमाइटा लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवल। (पूर्व), वस्त्रई—400101 में स्थित है।

अनुसूचा जैमा कि क्रम म० अई | -4 | 37 ईई ० 10675 | 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारादिनाक 27 जून. 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नार ख 12 - 2**-** 1985

माहरू.

प्रकृप काइ'. दी. एवं. एवं. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक भायकार नायुक्त (निरक्षिण)
प्रजीत रेज-4, बम्बई
वम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10686/34-85--- प्रतः म्झे, लक्ष्ण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 11, जो दूसरी मंजिल, विग विहिंडम न० 14, जालायाड जेन को० आपरेटिव हार सिंग सोनाइटी लिमिटेड, अभोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के ृकायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/बा
- (स) एमी किसी लाग या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एप-नार रुपिनियम, 1957 (1957 का 27) व ज्यानार्थ पान्यीपती दवारा प्रकट नहीं किया एक धारा पिता जाना वानिए था, फिपाने में स्थित के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के सभीन निम्निसित क्षितियों, अर्थात :--- 23---506 GI/84

(1) मैं० सरल इन्टरप्रांइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नितीन कुमार कानगी भाई णहा श्रीर श्रीमती कलावती एन० शाह ।

(ग्रन्तरिती)

को सह क्षमा नाही करने वृत्रामित सम्मृतित के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मे :---

- (क) इस प्रमा के राष्प्रत के प्रकासन की तारीय वे 45 दिन की बनीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की बनीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-सब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया ग्रा

प्रनुसूची

प्लैट नं० 11, जो दूसरी मंजिल, विंग, बिल्डिंग नं० 14, जालावाड जैन को० आपरेटिश हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

ग्रतुभूनो जैया कि क मसं० म्नई ०-4/37 ईई०/10686/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 ज्न, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र-4, बम्बई

नारीख: 12-2-1985

मांहर :

त्रक्य जाहाँ. टी. एव. एव. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं॰ अई-4/37ईई/10987/84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क मे अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैंट नं० 7, 1की मंजिल, ए थिंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन कोआपरेटिव हाउमिंग, सोसाईटी लिमिटेड, अयोक चक्रवर्सी रोड, कांदिवसी (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में मीर पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 थ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकृत से बिथक है बीर बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-कृत निश्नतिवित्त उद्विषय से उच्छ बंतरण निश्चित में वास्तिविक कृप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरच से हुई किसी आय की बायत सक्त सिक् नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए बीड/वा
- (व) श्रेकी निक्की नाम वा जिल्ली धन वा नाम जास्तियों को, विन्हें भारतीय नामकर निधितियन, 1922 (1922 को 11) या उक्त मधितियन, वा धनकर मधितियन, वा धनकर मधितियन, वा धनकर मधितियन, वा धनकर मधितियन, 1957 (1957 को 27) में प्रयोजनार्थ नत्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यया जा या किया नामा चाहिए जा, जियाने में सुविधा में विक्:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म 1. मैसर्स सरल इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री जयेश पोपटलाख गांधी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथीक्त संपरित के वर्जन के लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबस्थ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

फ्लैं: नं० 7, 1ली मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, झानागड जैन को आपरेटिव्ह हार्जीसंग सोताईटी लिमिटेड अगोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-40001 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क सं० अई-4/47ईई/10987/84-85 ौर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा विनोक 27-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन र ज 4, सम्बद्

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🕍

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस . ------

भायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंग- 4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 फरवर: 1985

निदेण स० आई०-4/37 ईई०/10683/84-85-- अत मझे, लक्ष्मणदास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🖒 , की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लैट नं० 14 है तथा जो तसर्, मंजिल, ए विंग, बिस्डिंग नं० 21, जालावाड जैन को० भ्रापरेश्वि हाउन्गि सोक्षाइटी लिमिटेड, ग्रशाः चक्रवर्ती रोड, वर्गादवल: (पूर्व), बम्बई- 400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसवा करारनामा श्रायवार श्रिधिनियम, 1961 कांधारा 269 क ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के व्यायालय में राजिस्ट्रे हैं तार ख 27 जुन, 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) एोसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियौ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🖷 लिए≀

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनील माणेकलाल त्राखिया।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्रिक कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 विन की अर्थिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन का तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रवर्ष किसी बन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्मध्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्धी

फ्लैट नं० 14, तथा जो नोपरो मंजिल, ए विंग विस्डिंग न० 21, जालावाड जैन को० प्रापरेटिव हाउसिंग सोशाइटा लिमिटेड, अर्णा वक्तवर्ती रोड, कादिवल, (पूर्व), बस्बई-400101 में स्थित है

भ्रतुसूचः जैसा कि ऋम सं० भ्रई०--4/37 ईई०/10688/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि गरः, अम्बई द्वारा दिना ३ 27 ज्न, 1984 की रिजिस्टर्ड नियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि गरी , सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ष

तारीख 12-2**प्र**1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनास 12 फरवर, 1985

निदेश मं० श्राई०--4/37 ईई०/10674/84--85-अत: मृक्षे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ष्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. सं अधिक हैं

ओर शिक्क, स० फ्लैट नं० 12 है तथा जो दूसरी मंजिल ए थिंग, थिल्डिंग नं० 21 झालाबाड जैन को० आपरेटिंब हाउसिंग सीनाइट, िसिटेंड, अशोध चक्रवसी रोड, बोदियल, (पूर्व), बस्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका बरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के, धारा 269 के के अधिन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के बार्यालय में एजिस्ट्र है तारीख 27 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह िश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एमे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, किम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त उधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिया, अर्थात् :-- (1) मै० भरत इन्टरप्राइजेम ।

(श्रन्तरः)

(2) श्राभरत कुमार रमणिक लालशाह।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उदल संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इससे प्रयुक्त रख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क गया है।

अन्स्ची

पलैटने 12 जो दूनरा मजिला ए विशा विल्डिश नं 21, आलावाड जैन को आपरेटिव हाउलिश सोनाइटा लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूत्रा जैसा कि कम सं० अई०- 4/37 ईई०/10674/ 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाप सक्षम प्राधिकार, सहायक स्रायकर आयुक्त (कि.स.क्षण) स्र्वेन रेंज-४, बम्बई

नारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० अई०-4/37 ईई०/10054/84-85--अत. मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिमका सं० फ्लैंट नं० 12, जो तीसरो मंजिल, ए थिंग, बिल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को० आपरेटिंब हाउसिंग मोपाइटा लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूबो में ग्रीर पूर्ग स्प से विणित है), ग्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अवान यम्बई स्थित सक्षम

भाधिकार के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है तारी ख 4 जून, 1984 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत न्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं ० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रा शैलेश कुमार गिरवर लाल शाह श्रीर श्रो जयश्रो गैलेश कुमार शाह।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृदोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्बीध, जो भी वर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

प्लैट न । 12. जो तासरी मिजिल, ए विशा बिल्डिंग न । 23, झालावाड जैन को । आपरेटिय हाउमिंग सोसाइटा लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड. कांदियला (पूर्व), वम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अई०-4/37/ईई/10054 8 4-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सह।यक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख : 12-2-19**8**5

प्रारुष् नार्दं हो पुर एस ,----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरो 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10679/84-85अत: मुझे, लक्ष्मण दास, ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवत बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनका सं० पनैट नं० 12 है तथा जो दूसरा मंजिल, सा विंग, बिल्डिंग नं० 21 , झालावाड जैन को० आपरेटिंव हाउमिंग मोनाइटा लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, काविवना तम्बई-400101 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से विंगित है), श्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधान वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है ताराख 27 जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुई किसी भाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के यामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय नायकर निधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया चाना चाहिए था कियाने में सूर्व्या की सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थातः (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री गणिकांत जयन्ती लाल गाहा

(अन्तरितः)

को बहु सूचना चारी करके पृशास्ति सम्पृतित् को अर्थन को जिए कार्यनाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ही 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सुची

प्लैट नं० 12, जो दूसरों मजिल, सो बिंग, विलिंडग ना 21, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग मोनाइटा लिमिटेड. अगोक चक्रवतों रोड, कांदिवलों (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूचों जैसािक फ्रम सं अई०-4/37 ईई०/10679 84-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, वम्बई द्वारा दिनाक 27जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मक्ष्मण दास सक्षम प्रविकारो महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्वई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🗈

प्ररूप भाइ^६. दो. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निरवेश सं० अई०-4/37 ईई०/10791/8 4-8 5--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 है तथा जो दूसरी मंजिल की विंग, विल्डिंग, नं० 19, मालाबाड जैन को० आपरेटिव हाउमिंग सोमाइटो लिमिटेड, अगोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवलो (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अ सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिमका करारनामा आए कर शितियम, 1961 का घरा 269 क ख के अधीन बम्बई म्था सक्षम प्राधिकारी कार्यालय मे रिजस्ट्रा है तार ख 29 जून, 1984

किं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अधः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-षं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं । सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत नानलाल गाह।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकतः संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति इक्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो दूसरो मंजिय, बो विंग, ब्रिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोपाइटो लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवलो (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०-4/37 ईई०/10791 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तार्ख : 12-2-1985

मांहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10680/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राध्यिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिपको सं० फ्लैट मं. 6 तथा जो पहनो मंजिल, ए विंग, विल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को० आपरेटिव हाउमिंग सोसाइटी लिमिटेड, अगोक चक्रवर्ती रोड कांदिवलो (पूर्व), वम्बई—400101 में स्थित है (श्रीर इसमे उनाबद्ध अनुमूजा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धरा 269 के खके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारोख 27 जून,

1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० मरल इन्टर्शाइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीभरत कुमार खामचन्द शाह धौर श्रीप्रदोप खिमचन्द शाह धौर श्रीमता रंजन बेन खोमखन्द शाह।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीशर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस्तव्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में विक्रू-गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, तथा जो पहनो मंजित, ए विश्व, बिल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को० झापरेटिव हार्डींग सोतांइटो लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवना (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित है।

अनुसूत्रों जैसा कि कम संब अई -4/37 ईई ब/18680 84-85 और जो सभम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाक 27 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे−4, यन्यदे

तारीख . 12-2-19**85** मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

मिदेश मं० अर्ह०-4/37 ईई०/10781/84-85--अत. मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक ही

ग्रीर जिमका स० पर्नेट नं ० 13 है तथा जो तोसरी मजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं ० 21, झालाबाड जैन को ० आपरेटिंब हाउसिंग सोनाइट। लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व) वस्बई—400101 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कर्य क अधान बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकार। के कायलिय में र्राजस्ट्री है ताराख 29 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी साय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए।

(1) मैं असरल इन्टरत्र इजेस ।

(अन्तर्ह)

(2) श्रापकज नागान दास सववा ग्रीर श्रापो० एन० सथवा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्ल सम्पत्ति को वर्णन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट न 13 जो तासरा मंजिर ए विशा विल्डिंग न 21, झालावाड को अधिरेटिव हाउसिंग मोसाइटा कि मेटेड. अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवन। (पूर्व) बम्बर्ड-400101 में स्थित है।

अनुस्ता, जैसा कि कम सं अई०-4/37 ईई०/10781/ 84-85 धौरजो सजन प्रतिकारा, बन्बई द्वारा दिनार 29 ज्न, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सजन प्राधिकारः सहस्यक अध्यक्तर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-4, बस्वर्ष

तारोख : 12-2-1985

माहर :

प्रकप नाइ .टी. एत . एस . ------

भायकर सांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10794/8 4-8 5---अत: मझे, सक्ष्मण दास,

कायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० फ्लैट नं० 19 है तथा जो चौथो मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालाबाड को० आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवलो (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा कार्यालय में रिजस्ट्रा है ताराख 29 जून, 1984

को प्योंक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् एक्स

(1) मैं ० सरल इन्टर पाइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र बालचन्द्र शाह ।

(अम्तरितो)

का यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उमत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी अरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बन्स्**षी**

फलैट नं० 19 4थी मंजिल II-विंग, बिल्डिंग नं० 19, जालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटा लिमिटेड; अशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवला (पूर्व), वस्बई-400101 में स्थित है।

अनुमूचो जैसा कि कम सं अई०-4/37 ईई०/10784/84-85 और जो सक्षम प्रातिकारो बम्बई द्वारा दिनां कक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारोख: 12-2-1985

प्रक्य आई.टी.एन.एस. -----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

बम्बई, विनांक 12 फरवरो 1984

निवेश सं० अई०-4/37/ईई०/10783/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसके सं फ्लैट नं 5 है तथा जो पहला मंजिल, बीं विंग, बिल्डिंग नं 19, झालावाड को आपरेटिंव हाउसिंग, सोसाइटा लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूने) बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 का धारा 269 कखा के अधान बम्बई स्थित सक्षम जितिकारों के कार्यालय, में र्राजस्ट्रा है ताराख 29 जून, 1984 को पूर्वाक्त सम्मित से उपावत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिक्ते से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिक्तों) के बीच एसे अन्तुरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्ति से कृषित महाँ दिक्या गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थिमाने में सुविधा से विद्याः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे अधीम_ा निम्नुनिचित स्प_नित्नों_{सः} वधात् ⊈— (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रोभरत कुमार मोहन लाल गांघो । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त सञ्पृतित् को कर्जन् के सिए कार्यवाही करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शव से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानित व्यक्ति वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होंगा वी उस कथ्याय में विश्वा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5 है तथा जो पहलो मंजिल, सौसाइटे लिमटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवलों (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूत्रों जैसा कि ऋम सं० अई०-4/37 ईई०/10783 84-85 श्रीर जो सक्षम प्रधिकारों, वस्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बर्कार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बस्बई, दिनोंक 12 फरवर: 1985

निर्देश मं० अर्ह०-4/37 ईहै०/10782/84-85--अतः मुझे, सक्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-न्त. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं पर्लंट न 15 है तथा जो तोसरों मंजिल, वी विंग, विव्छित नं 21, झाल बाड़ जैन को अपरेटिय हाउसिंग सोमाइटों लिमिटेड, अगोंक चक्रवर्ती रोड, कादिवलों (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (स्रीर इमने उनाबद्ध अनसूच, में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 269 के ख के अञ्चल, बम्बई स्थित सक्षम प्रतिधकारा के कार्यालय में राजिस्ट्रा है ताराख 29 जून, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क एरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पेवृह प्रतिक्षत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की आवस, उनत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए;

भतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरल इन्टरप्राइजेम ।

(अन्तरक)

(2) श्रो अध्वन जारु संघवी।

(अन्तरितो)

को यह सृषना जारी करके पृष्ठोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पर्लंट न० 15, तथा जो तोसरो मंजिल, बो विंग, बिहिन्डग 219 है झालाबाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटो लिभिटेड, अशोक चर्कवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुमूर्चः जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई0/10782 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारः महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-4. वस्बर्ड

ताराख 12-2-1985

मांहर :

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

a in the second with the second secon

बायकर व्यिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश म० अई०-4'37 ईई०/10786/84-85—अत. मसे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.060/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 1 है तथा जो ग्राउण्ड मजिल, बी विग, बिल्डिंग नं० 21 . आलावाड जैन को० आपरेटिंव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), अम्बई-400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीों कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया तया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए।

अतः अयः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा** (1) (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक विनोद चन्द्र शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा≈ तिस्ति में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्यी

फ्लैंट नं 1, तथा जो ग्राउण्ड मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं 21, झालावाड जैंन को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिबली, (पूर्व), बम्बई--400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम स० अई०-4/37 ईई०/10786/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26 जून, 1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, **बम्बई**

तारीख 12-2-1985 मोटिर

प्रक्यः, बार्षः, टी., एन., एस., -----

नायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-न (1) के नथीन शुचना

भारत बर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (नि<u>र</u>िक्रण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1984

निवेंश सं० अई०-4/37 **ईई**०/1078**5** 84-8**5--**अतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 7 है तथा जो पहली मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 19, भालावाड जैन को० आपरेटिंब हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), ग्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपान में स्पिया के सिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील भाईलाल भाहा, ग्रौर श्री एच० बी० माहा।

(अन्तरिती)

की यह सुकता कारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के सर्वत के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अ वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

पलट न० 7 है तथा जो पहली मंजिल, बी विंग, बिहिंडग नं० 19, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई०-4/37 ईई०/10785 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिनकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रस्प बाह् . टी . एन . एास . -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामुकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बन्जई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-4/37 ईई, 10787, 84-85-अतः मझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/~ रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलट नं० 18 है तथा जो तीसरी मंजिल, विंग, विहिष्ठम नं० 14, झालावाड जैन को० आपरेटिंड हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक पक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुपूत्री में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के रूपमान लिए अन्तिरत की गइ है प्रतिफल के और विष्वास करने का कारण यह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-य के व्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:--- (1) सरल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीरमेश चन्द्र अमृत लाल शहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पसट नं. 18 है तथा जो तीसरी मंजिल, विग, बिहिडग नं 14, झालाबाड जैन को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवली (पूर्व), वस्बई— 400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईईं०/10787/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**च** : 12—2—198**5**

प्ररूप बार्ड. ट. एन. एस. - - ---

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई०-4/37 **ईई**०/10788/84-85--अतः मझे, लक्ष्मण दास

इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 20 है तथा जो घीथी मंजिल एिंबग, बिल्डिंग नं० 19 झालावाड जैन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 369 क ख के अध्रान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जून,

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रायमान प्रतिफल से, एसे ध्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से दिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की शायत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उसमें बचने में सृत्रिधा के लिए और/या
- (ख) एोसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वतः भव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरक भें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के वभीन, निम्नृतिविद्य व्यक्तियों, वर्थात् ६(1) सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री विपित चुन्नीलाल महा भौर श्री पारूल बी० महा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया भ स किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहम्नाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क मा परिभाषित —— है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया / नया है।

वनसर्वे

पलैटन० 20 है सथा जो चौथी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), वस्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/38 ईई०/10788 84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वस (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

धम्बई, विनाक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10805/84-85--ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लट नं० 3, ग्राउन्ड मंजिल, की विंग बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवर्ला (पूर्व), बम्बई- 400101 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से विंग है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961

की धारा 269 कख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी,
 के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिहात में अधिक है और अतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, जिम्मिलिशित व्यक्तियों, अधीत् —— 25—506 GI/84

(1) सरल इन्टरप्राष्ट्रजेस।

(श्रन्तरक)

(2) श्रं,मना नचलवेन टा० णहा ।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा पकाशन की तारील से 45 दिन की अशीधि या तत्सवधी व्यक्तिशे पर मूचना की तामील मे 30 दिन की अशिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पाम निम्बत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुलट नं० 3, जा ग्राउन्ड पलार मजिल, बा विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाज जैन को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटा लिमिटेड, श्रशोक चक्रति रेप्ट, ादिवर्ल (पूर्व), बस्तई-400101 में स्थित हैं।

श्रनुसूचा जैसा कि कम स० ग्रई०-4/37 ईई०/10805/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारः, बम्बई द्वारा दिनाक 29 जुन, 1984 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षमा प्राधिनारः सहायकः स्रापनर प्रायुक्तः (िरःक्षण) स्रजेन रेज-4, बस्बई

नार†ख : 12-2-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेण मं० अर्ड०- 4/37 र्डिट०/10703/84-85-- ग्रतः मुझे, भक्ष्मण दाम

आयक्तर अधिनियम, 1961 (191 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा है 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का है कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य' 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 15 है तथा जो तीयरी संजिल ए विग, बिल्डिंग ० 21, झालावाड जैन को० आपरेटिव हार्जिंग सोमाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्टी है तारीख 27 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय ता किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपेक्षारा (1) के अधीन, गिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) सरल इन्टरप्राइजेंस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीभाई चन्द मनःलाल महा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

फ्लटनं ० 15 हैं तथा जो तोसर्। मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग, न ० 21, झालावाड जैन को० ग्रापरेटिव हार्जिंग सोसण्डर्ट। लिमिटेड, ग्राणोक चक्रवर्ती रोड, आदिवल, (पृर्व), बम्बर्ड- 400101 में स्थित है।

श्रनुसूचे जैसा कि क्रम स० अई०-4/37 ईई०/10703/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 27 ज्न, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नहमण दास सक्ष्म प्राधिकारः महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रजन रंज-4, बम्बई

नारोख: 12--2→1985

त्रकष् बार्यः, टी., एतुः, एस्.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

ग्धायलिय, सहायक श्रायकर जायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्राई०-4/37 ईई०/10702/84-85--श्रत. मुन्ने, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8 है तथा जो पहली मंजिल, सा विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड जैन को० धापरेटिव हाउसिंग सोसाइटो लिमिटेड, अशोध चअवर्ती रोड, वादिवल, (पूर्व), बम्बई- 400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका वारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 वा ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तार। ख 27 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीक :— (1) मरल इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुरतला एल० कामदार।

(भ्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेपें क्रु---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी अबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बर्दि पृद्धों का, वो उक्त वृधिनियम के अभ्याद 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

जनस**मी**

प्लैट नं० 8 है तथा जो पहला मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवर्ला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई /1072/ 84-85 आट जानजम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निराक्षण) प्राजैन रेंज-4, सम्बर्ष

तारीख: 12-2-1985

मोह्रि #

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण मं० ग्रई०-4/37 ईई०/10701/84- 85- - ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1 है तथा जो ग्राउन्ड मंजिल, ए बिंग, बिल्डिंग नं० 21, बालावाड जैन को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोनाइटी तिमिटेड, भ्रशांक चन्नलर्ती रोड, कादिबर, (पूर्व), बम्बई- 400101 में स्थित है (और इससे उपाबंड श्रनुसूची में ऑर पूर्ण छ। से बिणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 का धारा 269 के ख के श्रयान बम्बई स्थित सक्षम प्रावित्रारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यों से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यों, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं १८ अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित। उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सरल इंटरप्रायजेस

(भ्रग्तरक)

(2) श्रं। बकुल सन्दलाल शहा।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

.स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याया में दिया — गया है।

अनुसूची

पलट नं 1 है तथा जो ग्राउन्ड मंजिल, ए विश्व बिल्डिंग नं 21, झालाबाड जैन को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसीइटो लिमिटैंड, श्रशो प्रचन्नवती रोड, कांदिवल, (पूर्व), वश्बई 400101 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं० आई०- 4/37 ईई०/10701/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनाक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्राक्षण) श्रजीन रेज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रकल आहें.टी. एवं. एस . -------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धारा 269-व (1) के अधीन भ्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० श्रई०-4/37 ईई०/10794/84-85—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट नं०1, जो ग्राउण्ड मजिल, सी विग, बिल्डिंग नं०21, झालावाड जैन को० श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अगोक नकवर्ती रोड, कांदिवली / (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (और इसम उपावद अमुसूची में और पूर्ण डप से विणिन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

- ् भार पृवंक्ति सर्पास्त के उचित बाजार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि अभाप्यों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप म किथत नहीं सिक्षा गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के [लए; और√या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मै० मग्ल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री णहा श्रियकात जयन्ती लाल, श्रीर श्रीमती बीना भी० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के 'राजपत्र मं अकाशन का तारीक्ष सं 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्यो

फ्लैंट नं०1, जो ग्राउण्ड मंजिल, सी विंग, ब्रिस्डिंग न० 21, झालाबाड जैन को० पापरेटिव हार्डासग सोमाइटी लिमिटेड ग्रामोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

- श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10794 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख : 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10413/84-85—ग्रतः मुझे, सक्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ण्ड्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13 है तथा जो तीसरी मंजिल दूर्वा विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० ग्रापरेटिंव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, ग्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बस्बई-400101 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार सूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मै० सरल इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नीरेन्द्र धीरज साल गहा ग्रौर श्री हंसा वीरेन्द्र शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि क निवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

पर्लैट नं० 13 है तथा जो ती गरी मंजिल. बी विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० ध्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड घ्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि कम.सं० ग्राई०-4/37 हिई०/10413/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

नही किया गया है:---

प्ररूप आर्इं.टी.एन.एास.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश संव अई० 4/37ईई/10795/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, 4 थी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग, नं० 19, झालावाड जैन, को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड,अशोक चऋवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1991 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है विनांक 29-6-1984 मुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तिरत की मभ्रे यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिसत व्यक्तियों, अधीन, निम्निणिसत व्यक्तियों, अधीन,

ा. श्री मरल इंटरप्रायनेम।

(अन्तरक)

2. उत्तमचन्द हरगोविन्द दास पोठ ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षोगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैंट न० 17, 4 थी मंजिल, ए विंग, विल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन, कोआपरेटिव, हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड अशोक चकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि में आई 4/37ईई/10795/84-85 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनींक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गतरेंन 4, **बस्धई**

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्रकल बाइ', टॉ. एन. एस.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (:) के अभीन समा

भारत सरकार

कार्यालय, सकाणक आधकर कार्यक्**त (निरक्षिक)**

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश मं० आई० 4/37ईई/10780/84 85—अतः मुंधे लक्ष्मण दाम

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पन्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैंट नं० 69, 1 ली मं जिल, विंग , बिल्डिंग नं० 14, झालावाडजेंन, को आपरेटिव हार्जिस सोमायटी लि० अशोक, चक्रवर्ती, रोड, कोदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिह्ना करारनामा आयकर अधिनियम 1 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

को पृषोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है. कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिचित उद्देश्य से उनत कन्तरण कि चित में शास्तिक स्प में किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भौर/श
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना पाहिए था, कियारे में स्विभा के सिए;

भतः बन, उनत अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, तकत अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथित्:---

1. मैंसर्स सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. श्री त्रंबकलाल धरमसी भाई गाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारों करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां करता हुं।

सक्य कमरित में वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी वालेंग्रन

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकावन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अवधि वो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्थान के राजवा में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपरित में हिलसङ्ख किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, नभोहस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए या सर्कींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। स्याहै।

ग्रनुसूची

ब्लैंटनं० 6,1 ली मंजिल, निंग बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड जैन, को आप० हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पृत्री), बम्बर्ड-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई 4/37/ईई/10780/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ॄुनक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनेरोज-4, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहार ध

प्ररूप आइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश स० अई०-4/37ईई/10779/84-85---अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स ० फ्लैंट न ० 10, 1 ली मंजिल, विंग बिस्डिंग न . 14, भालावाड जैन, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 296 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकैर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ,उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--26-506 GI/84

1. मैसर्स सरल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. शलेश इन्द्रलाल बोरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हम्नेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विख्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं 10, 1 ली मंजिल, विग, बिहिंडग न 14, झालाबाड जैन को-आप० हार्डीसग सोशायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदियली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/10779/84-85 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षत प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जारेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश स ॰ आई-4/37ईई/10778/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० फ्लैंट न ० 16, तीमरी मिजिल, ए विंग, बिल्डिंग न . 19, मालावाड ज न, को-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, अभोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 299 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिदम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स सरल इ ध्यप्राइसे र ।

(এলবংগ্রাট)

2. नेपालियन े एन० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षांगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैंधन ० 19, तीसरी मजिल, ए बिंग, बिल्डिंग न ० 19, झाड़ाबाड जैन को-आपरेधिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), नम्बई-400 101 में स्थित है ।

अनुमूची जैमा कि कि० म० आई-4/37ईई/10778/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनाए 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्षमन दास् गन्न प्राधिहारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षजण) अर्जन रोज-4, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 •

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरबरी 1985

निदेण सं० अ**ई-4**/37-ईई/10777/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लट नंव 15, 2री, मंजिल, विग बिल्डिंग नव 14, झालाबाड जैन, को आपव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अगोत चक्रवर्ती, रोड, रादिवली (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से व्यणित है) और जिन्दा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम शिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, एसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बधने में सृविधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसर्ण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स सरल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरम)

2. श्रमीत चन्द्रकांत शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्सूची

प्लैट नं० 15, 2रो मंजिल, विग, बिल्डिंग, नं० 14, आलावाड जैन को श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० स० श्राई 4/37ईई/10777/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिनाक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण सं० आई '4/37ईई/10776/84-85----प्रतः मुझे , अक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ए. सं अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, तीसरी मंजिल, सी विग, बिल्डिंग, नं० 21, झालाबाड जैन, को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रशोक चक्रवर्ती रोड, वर्शिदवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण ह^न कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एेमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशीखत में **धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—**

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की गारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1). के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैसर्भ भरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. शहा निदनेश चन्द्र परवोत्तम दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इगमें प्रयुक्त प्रख्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, त्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ϳ अनुसूची

फ्लैट नं० 13, तीनरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड जैन, को०-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, अभोक चक्रवर्ती रोड, काविवली (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई 4/37ईई/10776/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बर्ष**

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्-4, अम्बर्ड सम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० श्राई-4/37ईई/10775/84-85--- श्रतः मुझे लक्ष्मण **या**स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, ग्राउग्ड मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन, को आपरेटिक्ट हाउगिंग सोसायटी लिमिटेंड, श्रशोध चक्रवर्ती रोड, कांदिबली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विंगत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधितियम, 1961 को धारा 269 कांख के श्रधीन बैंग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्न्ड़ी है दिनांग 29-6-1984 को पृत्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिसित उब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिस्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुं कि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

 श्री श्रक्षित कुमार नागिनदास शहा और पंक गएम० शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुस्ची

प्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, बी विंग, बिल्डिंग नं० 21, भालावाड जैन, को ग्रापरेट्रिक्ट हाउमिंग सोसायटी लिमिटेंड, ग्राभोक चक्रवर्ती, रोड, कादिवली, (पूर्व), अम्बई-400101 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसारि कि स० साई 4/37ईई/10775/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारादिनांक 29-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख: 12-2-198**5**

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० ग्राई:4/37ईई/10774/84-85--प्रत मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 13, तीसरी मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नंव 23, झालावाड जैन, को श्रापरेटिव्ह हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-6-84 को पूर्वीक्त सम्पत्त के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिविक हूं से किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश बच्भाई गहा।

(अन्सरिती)

3. अन्सरक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है

क्षप्रस्थी

फ्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को श्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्राणोक धकवर्सी रोड, कौंधिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में । स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० आई 4/37ईई/10774/84-85 गौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 हो रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बई सम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० श्राई० 4/37ईई/10773/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, 4 थी मंजिल, बीविग बिल्डिंग, नं० 23, झालावाड जैन, को आपरेटिवह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्सी, रोड, कांदिवली, (पूर्व) बम्बई 400 101 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर 🗻 अधिनियम, 1961 की धारा 269 करत के अधीन अस्बई स्थित `सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंता-रिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सरल इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भूपेन्द्र, शातीलाल दोणी, और शाती लाल लक्ष्मीचन्द्र बोशी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियौं में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि -नियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैट नं० 20, 4थी मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 23 झालावाड जैन की-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोमाईटी लिमिटेड, अर्थोक चक्रवर्ती रोड, काँदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई 4/37ईई/10773/84-85 और जो स्क्षम प्राधिवारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

षम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० 4/37ईई/10770/84 85--- प्रतः मुझे लक्ष्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, 2 री मंजिल, ए विंग, विलिंडग नं० 19, झालावाड जैन, को आपरेटिव हाउसिंग स्मायटी लि० स्रशोक चक्रवर्ती रोड, वांदिवली (पूर्व), बम्बई 400 101 में स्थित है (और इसमें उपावह अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से विंगत है) और जिसका करारनामा आयनर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांन 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सूधिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्सरक)

 धीरेन्द्र माणेकलाल कपासी और श्री भूपेन्द्र माणेकलाल कपासी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उच्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगी।

स्मन्द्रोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित र है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 9, 2 री मंजिल, ए विंग, विस्डिंग नं० 19, झालाबाड जैन, को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई 4/37ईई/10770/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वाराविनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्डकिया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-4. सम्बर्फ्

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई-4/37ईई/10771/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 1 लो मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को श्रापरेटिच्ह हाउसिंग सोसायटी लि० श्रशोश, चक्रवर्ती रोड, कादिगली, (पूर्व), बस्बई-40,0 101 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--27---506 GI/84

1. सरल इंटरप्राइसेस

(अन्सरक)

2. श्री भरत कुमार कांनीलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अम्स्ची

पलैट नं० 5, 1ली मंजिल, ए बिंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को भ्रापरेटिब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

भ्रन्मूची जैसा कि कि० सं० भ्राई-4/37ईई/10771/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० म्राई० 4/37ईई/10772/84-85---- म्रातः मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, 2 री मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन, को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेंड, अधोक चकवर्ती रोड, काँविवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधौन बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है बिनांक 29-6-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अहर या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थीन, निम्निनियन

1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(भन्तरक)

श्री दिनेश दालीचन्द शहा और
 श्री अंजूला दालीचन्द शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

जन्स्ची

फ्लैट नं 10, 2री मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं 21, झालावाड जैन, को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्सी, रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई 4/37ईई/10772/84-85 और जो सक्षम प्रीधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4. बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर •

प्रकृत बाही_ो द**्या एत**ा **एक**ा-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सडकार

कार्याख्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, धम्बई

घम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई०-4/37ईई/10768/84-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से जिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, 2 सरी मंजिल, श्री विंग, बिल्डग नं० 19, झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० अशोक भक्रवर्सी रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोंकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.—

- (क), बन्तरण ते हुई किसीं बाय की बाबत उक्त ज[धीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। बाह्य/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भग या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितीं चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा को किक्स;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन_{ता} निम्निशिषित अधिनताँ अधीत् डेंच्स 1. सरल इंटरप्राइजेंस।

(अन्तरक)

10163

2. श्री मृद्ला बन, चंदूलाल कपासी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकर्ण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

पलैट] नं० 9, 2सरी ;मंजिल, वी- विग, विलिडग, नं० 19 झालावाड जैन, को-आपरेटिव, हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37ईई/10768/8-4-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 जेन्स्

मोहर 🛭

बक्द आर्च्य ब्रीड एक्ड एक्क्स्प्रिक्ट

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई,दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश स॰ आई॰-4/37ईई/10759/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्टर्न 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, 1ली मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-4101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1985

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-तम्म में अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूत्रिधा हो सिए;

अत अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-- म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. सरल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री संगीता सुरेशचन्द्र शहा।

(अन्तरिती)

को बहु कुचना बारी करके पृत्रोंक्स सम्मिति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

बक्छ बच्चारब के वर्षन् से बन्नन्थ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए या सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वर्ष्ट्री

पलैट नं० 7 1ली मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21 झालाबाड जैन, को-आपरेटिंब सोसायटी लिमिटेड, अशोक चन्नवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैस कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/10759/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बर्ष

विनोक 12-2-1985 मोहर ्य प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 4'3) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, अम्बई अम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/10760/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण द्यास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 15, तीसरी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं 19, झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी लिमिटेड, अगोक चक्रवर्सी रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-46-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त के विश्वास के किए सम्मान प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त के बाद के किए स्थाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बाद के किया गया है किया गया है

- (क) नन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, अक्त वीधीनयम के जधीन कर देने के अन्तरक से वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोज-गार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग चाहिए था स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्यिंा, अर्थात् अ— 1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्सरक)

2. श्री कांताबेन रमणलाल शहा श्रौर जसवंत कुमार आर० शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिया कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ठ व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूच<u>ी</u>

फ्लैंट नं 16, तीसरी मंजिल, ए विंग, वििंहिंग नं 19, आलाबाड जैन, को-आपरेटिंग हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कौविवली, (पूर्व), धम्बई-400 101 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-4/37ईई/10760,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

ंदिनांक 12-2-1985 मोहर ⊈

प्रक्रम बाइ 👩 ठी ३ एव 🤉 इस-२-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सहकाड

कार्बासन, बहायक नायकार नावुक्त (निद्धीक्त्य) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

वम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-4/37**ईई**/10761/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वों इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 19, 4थी मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्सी, रोड, कांदिवली, (पूर्व) बम्बई-400 101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई 📂 और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बैक-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाग की नाक्ता, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एनी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा से लिए;

जत: अब, उक्त किंभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निस्तृलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत् क्रि--- 1. सरल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. गांताबेन धिरजलाल गहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुक्त करका हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क्षभ किसी जन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कवों और पर्वों की, को उवत अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

पलैंट नं० 9, 4थी मंजिल, बी विंग, बिस्डिंग नं० 23 झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउससिंग सोसायटी लिमिटेंड अशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अाई-4/37ईई/10 761/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक 12-2-1985 बाह्य #

प्रकथ कार्च . अर्थ . एव . एवं . ---=---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई-4/37ईई/10758/84-85--अतः मुझे, खक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 8, 1 ली मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन, को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लि० अगोक जकवर्ती रोड कांदिवली, (पूर्व), अम्बई-400 101 में स्थित है (ग्रीर जो इस से उपाबड अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से अणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधोन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कन के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृष्टों यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पत्थह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्दिय से उक्त अन्तरण जिसकत में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबच, अक्त, जिथिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने वा उससे अधने मा अधिया के सिष्ट, अहैंद्र/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए.

नतः जब, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, नियनजिवित व्यक्तियों, वर्धात है— 1. मरल इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

2. मेहता, मणन कुमार हिम्मतलाल ।

(अन्तरिती

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस सृषना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

रचकाकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के विया गया हैं।

जन्त्जी

पलैट नं० 8, 1 ली मंजिल, बी विंग, विलिंडग नं० 23 झालाबाड जैन, को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवलो (पूर्व), बम्बई 400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-4/37ईई/10758/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई, द्वारा, विनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 12 2-1985 **मोहर**्भ

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985 निर्वेश सं० आई०-4/37ईई/10734/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, वूसरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन, को-आपरेटिव्ह हाउससिंग सोसायटी लिमिटेड, अणोक चन्नवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्ष) बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल में, एसे इरयमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी ध्न या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं उका अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. मनीलाल नरोत्तमदास गांधा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पर्लैट नं० 9, 2सरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड, जैन को-आपरेटिक्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक क्वजवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37ईई/10634/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 28-6-1984 को रिजस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मझम 'प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, सम्बद्ध

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्रमृष आई. टी. एन. एस. ------

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षागिलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/10733/84-85---अनः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० फ्लैट नं० 3 ग्राउन्ड मंजिल, ए बिंग, विलिड्ग नं० 19, झालाबाड जैंग, को-आपरेटिव हाउसिंग सोपायटा लिमिटेड अशोक चक्रवर्नी रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बर्ट-400 101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित कि जिल् तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्दिश्य से उक्त अन्तरण निमंत्रत में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, रिप्राने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत, व्यक्तियों, अर्थात् :---- 28 — 506 GI/84

1. सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2 श्रामती नितासधीर तालिया,

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृतेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वाक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिशित में में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और गदौं का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लैट नं० 3, ग्राउन्ड मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को-अ:परेटिव ह'उभिंग मोगायटी लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400 101 म स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि काठ संठ आई-4/37ईई/10733/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्रक्षिकारो बम्बई द्वरण, दिनाक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्र(धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज₅2, बम्बई

तारीच: 12-2-1985

मोहर.

प्रस्य नाइ.िटी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनीक 12 फरवरी, 1985

दिनोक अई-4/37ईई/10732/84-85—अतः मुझे, स्रक्षमण दास

नायकर अधिनियम, 1961 '(1961 का 43)' (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, तीसरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कत्त के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के तिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा औ विदः

सत: अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :--- 1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कांताबेन, चंदूलाल गहा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच वे 45 किन की नवींथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नवींथ, जो भी नवींथ नाव में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वेंनित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस प्रधान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्से नया हैं।

अनुसूची

पलैट नं 16, तोसरी मंजिस, सी बिंग, बिस्डिंग नं 21, झालाबाड जैन, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, अशोक भक्तवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400 101 में स्थित है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक 12-2-1985

मोष्ट्र ः

एक्य वाहै, टी. एवं. एक्_रडन्ट्या कार्यात्रकार

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के वृधीन बुचना

सारव प्रदक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरों, 1985

निदेण सं० आई०-4/37ईई/10797/84-85---अतः मुझे, सक्षमण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-श्व के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित् बाजार मृत्यू 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० पर्केट नं० 13 4 थो मंजिल, ए विग बिल्डिंग हैं नं० 23, अल्लाबाड जैन, को-आपरेटिय हार्सासंग सोसायटो लिमिटड, अशोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिबली, (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम अधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है दिनांक 29-4-1985

का पूर्वा कर सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार बृश्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयो) क बाब एस अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग से उक्ते मन्तरण लिखित में बासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लारक संहूर्य फिसी आय की बावत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

अत: अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में अकत अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. सरल इटरप्राइजेस ।

(अतरक)

2 विपुल भाईलाल शहा भौर प्रभावेन, भाईलाल शहा । (अन्तरिता)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की जिए कार्यकाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाश्रेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषित इ. वहीं जर्भ कृष्णि, जो उस अध्याम में दिवा कृषा इ. ।

श्रन् सूर्च (

थलैट नं 1 , 4था मंजिल, ए विग, बिल्डिंग नं 23, झालावाड जैन, को-आपरेटिय, हार्ज्याग सोक्षायटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला, (पूर्व), बम्बई-400 101 मे स्थित है।

अनुसूच, जैसा कि कि के सं $3\pi \xi - 4/37 \xi \xi / 10797/84-84$ श्रीर जो सक्षम अधिकार, बस्बई, द्वःरा, दिनाक 29-6-1984 को र्जास्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकार। महायक ग्रायकर^{*}धायुस्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 **मोहर** L प्रकृष बाह्". टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रिजनिरोज 4, बम्बई

बम्बई, दिनाय 12फ बरी, 1985

ं दिंग स० प्रार्ट० 4/3 र्डर्ड 10731/84 85 -- प्रत मुझे नक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, (46' (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के बंधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उधित बाजार मृल्य 25 (000/-रु. स जोधक है

अ। कि की से एक प्रति से ए. प्राप्त प्रति की विग, बिल्डिंग ने 3 हा त्राप्त हैं। ते प्राप्त प्रिकृत त्रार्ध ग मा गार्टी लि। मेटेड, प्रणा कि जलति ए. प्राप्त प्रति (पूर्व) बन्बई 100 101 में एक हैं (अ) कि उपाय प्रमुनों में और का पूर्ण के से प्राप्त हैं। (अ) कि प्राप्त के प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्रा

- (क) बन्तरण ते हुई जिसी जाय की बावध, उक्क जिसीनसम के लधीन क्षण दा क अन्तरक के सीमत्व में कमी करने या उसम बनने में मुखिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या विसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-भार अभिनेत्रम, १०,३ (1922 कि 11) या जात अति पण ता भगकर अभिनेयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हवारा र के किया भारतिकार असिए। विशेष का स्थिति का स्थाप का स्थिति का स्थाप का स्थिति का स्थाप का स्था

बसः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269 म में अनुभएण मी, मी, अमन अधिनियम की प्रार २००, प्रतः वर्षाय () कु क्राप्ति, निम्नीलसित व्यक्तियों, बमरि १००० 1. मरल इट रप्राइजेस.

ग्रन्तरक)

2. मजुलाबेन हिम्मतलाल गहा।

अन्तारती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आदीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ----इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 4, प्राउन्ड मंतिल, बौ विंग, बिल्डिंग नं० 23, आ तावाड नै। का प्रापमिटिंब हार्जा में सोलावटी लिमिटेड, प्रागात क्ष्रवर्ती राड, कादिवली, (पूर्व), बम्बई 400 101 में स्थित है।

स्रनुसूच जैपाकि कम स० श्राई 4/37/ईई,10631/84-85 आर का राक्षण प्राधिनारी सम्बई द्वारा, दिनार 29-6-1984 का रिकस्टर्ड नियागया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिरारा महायक ग्रायक्र श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रार्जनरेज 4, बम्बई

दिना : 12-2-1985 मोहर : प्रकृत कार्ड. टी. एन्. एस_{्य व}्यान

1. मै० मरल इंटरप्राइजेंड।

(भ्रन्तरक)

2. मिनल कातीलाल शहा।

(भ्रन्त(रतौ)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के संधीन स्थना

भारत प्रचलर

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्राजन रोज 4, बम्बर्ड

बम्बई, दिना अ 12 फरवरी, 1985

निट्ट्य स० आई०/4/3।ईई/10798/84-85--- अतः म्झे लक्ष्मण दान,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी स्व फ्लैंट नव 6, 1 ली मिजिए, वी विग, बिल्डिंग नंव 21, झा गवाड जैन, को धापरीटव हार्डीयम सी गयटी लिमिटेड, धर्मान चक्रवर्नी रोड, पिदवली, (पूर्व (), बम्बई-101 में स्थित हैं (और इस्ते उपायद्ध धनुसूची में और जा पूर्ण रूप से विगत हैं) और जिस में स्वारणामा प्राप्त र अकि निधम 1961 की धारा 269 हव के प्रवान, बन्धिट स्थित जिम प्राधिकारी के सायलिय में रिजस्टो है दिला (29-6-1985

्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान - पीतफल के लिए अन्तरित की गड़ी है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसक श्रूयमान प्रतिफल से लीए दिवान प्रतिफल का भन्तह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के नीच एस मन्त्रण है निए तय प्रथा मन्त्र प्रतिफल, निम्नितिक्ति उत्तर्य से अध्य स्था स्वास्त का स्वास्त्रक रूप से कथित नहीं विश्या गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीग कर दन के अन्तरक के दायित्य में कभी अपने या अधने बचन के मृदिया के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिकार के निए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत क्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अप्रिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, यो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बहुध किसी जन्म स्थावित व्वारा, अभाहस्ताक्षरी के रास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ डोगा. जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट न० 6, 1 ली मंजिल, बी- विंग, बिल्डिंग नं० 21, झा नावाड जैन, को-ग्रापरेटिव हार्जासग सोमायटी लिमिटेड, प्रशोह चक्रवर्गी गोड, कादिवली, (पूर्व); बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० श्राई 4/37ईई 10798/84 85 और जो मञ्जन प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनार 29-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज 4, बम्बई

दिनाक 12-2-1985

प्रकृप भार्य 🗗 हो .. एन 🔉 पुरा ुल-का-कान्य

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के जधीन सूचना

HIST TORIS

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरौ, 1985

निदेशसं० ग्राई० 4/37ईई/10796/84-85--- ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8,1 ली मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड जैन, को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ध्रागोक नत्रवर्ती रोड, कांदिवाली (पूर्व), बम्बई 101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-6-1984

को प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार ब्र्स्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्व से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिबक रूप में किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणु से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिख:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— 1. मै० सरल इंटरप्राइस।

(भन्तरक)

 कौर्तिकुमार नंदलाल मेहता, कनक कुमार नंदलाल मेहता, दिलीप कुमार नंदलाल मेहता, और हसमुख कुमार नंद लाल मेहता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई थी वाश्तेष्त्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा मर्केंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्तुची

पलैट नं० 8, 1 ली मंजिल, बी—िविंग, बिल्डिंग नं० 21 झालावाड जैन, को फ्रापरेटिव हाउसिंग मोमायटी लिमिटेड, ग्रमीक चक्रवर्ती रोड, कोदिवली (पूर्व), बम्बई 400 101 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० श्रई 4/37ईई/10796/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारौ सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-4, बम्बई

मम्बर्ड, दिनांकः 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० अर्ड 4/37ईई/10700/84 85- - झत, मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पसट नं० 14, 2 री मंजिल, विंग, बिर्हिडा नं० 14, झालावाड जेंन, को-आपरेटिव्व हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांधिवली (पूर्व), अम्बर्ड 400 101 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करानामा आयकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 27-6 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान-प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एैसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्मरण संहुई किसी शाय की वाबस स्वतः जीव-नियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उस्ते बचने में सुविभा के सिय; सौद्/वा
- (वा) एसी किसी जाव या किसी थन जन्न जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात क्र— 1. मै० सरल इंटरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

2. संजय नवीन चन्द्र शहा ।

(भ्रन्तरितौ)

को यह मुखना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्रता हुं।

उन्त सम्पाँत्त के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—ः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानता में से किसी स्थित व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोत्स्ताक्षरी के प्रका हिस्सित में किए जा सकोंगे।

मनुसूची

फ्लैट नं० 14, 2 री मंजिल, विग, बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड जैन, को-भागरेटिव हाउसिंग मोसयटी लिमिटेड, भ्रालोक चक्रवर्ती रोड, कांविवलौ (पूर्व), बम्बई 400 101 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्घ 4,37ईई,10700,84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्रारधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बई

दिमांक 12-2-1985 मोहर 8 प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आगकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

नदेण सं० आई०-4/37 ईई0/10799/84-85—अतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर असकी सं० पलैट नं० 11 है तथा जो दूसरी मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 19, लालावाड जैन को० आपरेटिय हाउसिंग मोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (भीर इससे उपाबंध अनुसूची; भीर पूर्ण रूप से विंगत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थल सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा केलिए;

अतः अव, उक्त अविनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भरल इन्टरप्राष्ट्रजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री सिद्धार्थ गांति लाल दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां फरता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसस्पता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

पलैट नं 11 है सथा जो दूसरी मंजिल, बी विंग, बिलिंडग नं 19, जालाबाड जैन को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्य), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-4/37 ईई०/10799/84-85 और जो सक्ष माप्राधकारी, अम्बई द्वारा विनांक 29 जन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गणा है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याच्य , यहाराक भारतकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई बम्बई, दनांक 12 फरवरी 1985

निदेण सं० आई०-4/37 ईई०/10412/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका प्रित बाजार मृल्य 25,000/- रुक्त में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), अम्बई-400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 22 जुन, 1984

का पूर्वांक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उरुके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त एन्तरण लिखित में बस्निक रूप से किंगत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के तिए, और/मा
- (स) एोमी किसी आय या किसी पत या छन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उकत अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रयोग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .—
29—506 GI/84

(1) सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप चन्द्र लाल गहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

पलंट नं० 5, पहली मंजिल, बी विंग, बिस्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), अम्बई-400101 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० आई०-4/37 ईई०/10412/84-85 फ्रींरजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 ज्न, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ड**-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रस्य बाह् .टी.एन्.एस. --------

भायकर विजितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के संबीत नुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण सं० अई०-4/37 ईई०/10411/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 दूसरी मजिल, वी विंग, विल्डिंग नं० 21, शालावाड जैन को० आपरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्ष), बम्बई-400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम्र के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती देशारा प्रकट नहीं किया तथा जाना चाहिए था, जियान मा अधिना के किए;

बह अप , उक्त अधिनियम की धारा ∠छं9-त्र के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मै० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरम्)

(2) हरेण प्रजलान बोहरा ग्रीर सुषीला प्रजलाल बोहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोडें भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदन क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अप्राइम्हाक्षरी के पाल निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विया, ' यसा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12 दूसरी मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को० आपरेटिव हार्जीमंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई०-4/37 ईर्रेज/10411/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बभ्वई द्वारा दिनारु 22 जून 1984 वारजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधितारा सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्सई

नारीख 12-2-1985 मोहर: लक्ष्मण दास

प्ररूप आहु . टी , एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई त्रम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1984 निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/1080/84-85--अतः मुझे,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफेंप्स्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्स प्राधिकाणी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लंट नं० 2 है तथा जो ग्राउण्ड मंजिल बी विंग, विलिंडग नं० 19, झालवाड जैन को० आपरेटिव हाउमिंग मोमाउटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बस्बई-400101 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध अनुसूची है श्रीर पूर्ण ल्प में विंणत है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जन, 1984

का पूर्वाक्त स्म्पिति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रात्कत के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके इञ्चलान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हाई किमी आय की बवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अल अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सरल इंटटरप्राइजेंस।

(अन्सरक)

(2) श्री भारती किरीट देसाई।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउण्ड मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्धई— 400101 में स्थित है ।

अनुसूची जैसािक क्रम सं० अई०-4/37 ईई0/10801/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप आर्च. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्धई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश स० आई०-4/37 ईई०,11071/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 1 है तथा जो ग्राउण्ड मजिल, बिल्डिंग न० 14, झालावाड जैन को-आफ्रेटिय हाउसिंग सोसाइटों लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर पूण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कहा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26 जून, 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अस अय, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैं० सरल इन्ठरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त, श्री जलाल णाह, ग्रीर श्री विलास सूर्यकान्त गाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतमची

फ्लैट नं० 1 है नथा जो ग्राउण्ड मजिल, बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड जैंन को० आपरेटिव हार्जीसग सोसाइटी लिसिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं।

अनुसूची जैंसा कि कम मं० आई०-4/37 ईई०/11071, 84~85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

वारीख: 12-2-1985

मोहर ः

अक्ष आहें हो. एन. एस. ----

बाथकर वृध्िनयम्, 1961 (1961 का 43) कौं भाग्र 269-व (1) के बचीन न्यनः

नारवं संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्धई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10414/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट न 9 है तथा जो दूसरी मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं 21, झालाबाड जैन को आपरेटिंब हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चश्रवर्ती रोड, कादिबली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 जून, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के तिकत माजार मूल्य से अस के रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ सावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कित्रक में वाक्तिष्क कर हे कीचतु नहीं किया गया है "---

> नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाियत्य मों कमी करने या उससे बचने मा सविधा के लिए; अरि/या

(क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अधि-प्रकी करों, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रजड नहीं किया गया था ना किया काना चाहिए था किया में सृतिका के सिए:

क्तः अब उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री हरेश चन्द्रकांत शहा ग्रीर श्री जयश्री हरेश शहा।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारो करके प्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध् में कोई' मी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्में वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी वहिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अयोक्त मां से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्छ किस्प्री कन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीऋषणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वां उन्नर्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया

अन्स्ची

फ्लैट नं 9 है तथा जो दूसरी मंजिल, बी विग, बिल्डिंग न 21, झालावाड जैन को आपरेटिय हार्जीसँग मोसाइटी लिमिटेड, अग्रोक चक्रवर्ती रोड, कादिवलो (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/10414/8484-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्व/रा दिनांक 22 जन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

तारीख : 12-2-1985

मां**ह**रः

प्ररूप आर्ड. ट. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-4/37 ईई०/10698/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 14 तीसरी मंजिल, सी विग, बिल्डिंग न० 21, झालावाड जैन को०-आपर्टिव हाउसिंग सांसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वाक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी, करने या उसम बचने में मुविधा के (नए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत, व्युन्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार शांति लाल शाह।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी वहरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में; समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में सो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त । शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

पर्लंट नं० 14 तीसरी मंजिल, सी-विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को०-आपरेटिव हार्जिसंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्शी रोड, कोदिवली (पूर्व), बम्बई--400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-4/37 ईई०/10698/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12—2—1985 `—

मोहर.

प्ररूप आर्ड . हो . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण सं० अर्ह०-4/37 ईई०/10668/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 8 है तथा जो दूसरी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिंव हार्जीमंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करार- नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्ः) अन्तरण से हुक्क िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी ध्वाय अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, पान ओ जीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र कांत शिवलाल वासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकींगे!

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलट नं० 8 है तथा जो दूसरी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), घम्बई— 400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई० $_{1}10668_{1}$ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जुन, 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12~2-1985

अरूप बाईं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37 ईई०/10659/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर समित्त, जिसका उचिन राजार प्रत्य 25,000/- रु में अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ह मंजिल, की विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोलाइटी लिमिटेड, अशोक चकवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका तथार— नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचरे में मुरिश्धा के नित्तः, और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 10/2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चालिए था, रिज्याने में मुजिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणः में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सरल इन्धरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री मनुभाई अम्बालाल कुवाड़िया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इममें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसची

फ्लैटनं० 2 है तथा जो ग्राउण्ड मंजिल, बी बिंग, बिल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को० आपरेध्वि हाउसिंग सोपांइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10659/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बाई

हारीख : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकप आर्च.टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज⊷4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-4/37 [ईई०/10696/84-85—अतः म झे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका जीवत नाजार मृत्य 25 000/रु. से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० 9 है तथा जो दूसरी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को० आपरेटिंब हाउर्मिंग सांसाइटी लि.मटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पुर्व), बम्बई—400101 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 299 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त विभिन्नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जीत/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः

30-506GI/84

1. मैं ० सरल इन्धरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. श्रोमतो सरलाबेन हसम्खलाल गाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्पक्षरा के पास निस्तित में किए जा सकता।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा एस अध्याय में पिए। नेसा है।

बनसूची

पलौट नं० 9 दूसरी मंजिल, ए विंग, विल्डिंग नं० 21, झालाबाड जैन को० आपरेटिव हार्जाक्षण गोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित हैं।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/10696/ 84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधि हारी, वस्वई द्वारा दिनाक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दाम यक्षम प्राधिकारी सहायाः आयष्ट ग्रायुक्त (निरीक्षज्ञण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-4/37 ईई०/10683/81-85—अतः मृह्में, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं । 18 है तथा जो चौथी मजिल, की विंग, बिल्डिंग नं । 23, जालावाड जैन को । झापरेटिव हा उसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचीमें ग्रीर पूर्ण रूप से वींणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 299 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके धर्ममान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैं ० में ल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

श्री विजय कुमार गानि लाल अजमेरा।
 (अन्तरिती)

को यह सुचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

"प्लाट नं० 18, 4 थी मजिल, बी-विंग बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन की-ऑपरेटह्म हाउभिंग सोसाईटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-40010 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि ल अई०-4/37 ईई०/10583/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 12-2-1985

प्ररूप नाईं. टी. एन. २स. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

ह पतित स्थव ह आयक्तर आयुक्त (निराजण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10684/84-85—अतः मुझो, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं ० त्यीटन ० 14 है तथा जो तीसरी मजिल बी-विंग, विल्डिंग न० 23, झालावाड जैन को० आपरेटिंब हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं), ग्रीर जिसक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 27 जून, 1984

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्सरण से हुई किसी आप कर्ण बावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अज, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के जनसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह----

1. मे० सरल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

2. र्था बाबू लाल भीखालाल कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहिया करता हु।

उक्स सम्पत्ति के क्षर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीं कत व्यक्तियों म सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

जन्स्की

पसैटनं 14 है। था जो तीसरी मजिल, बी-विल्डिंग नं 23, झालावाड जैन को आपरेष्टिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अणोक चक्रवर्ती रोड, क्लांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूकी जैसा कि कम स० आई०-4/37 ईई०/10684/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27 जून, 1984 को रजिस्टर्अ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रोधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🖟

प्रकार वार् . दो . एवं . एवं . ------

भायफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की शास 269-थ (1) के संधीन सुमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

निदेश मं० अई०-4/37 ईई०/10678/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दासः

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 20 है तथा जो तीसरी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड जैन को०-आपरेटिंब हाउमिंग सोमाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विंगत है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रमान प्रतिफल से, एसे श्रमान प्रतिफल का वन्द्रक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त न निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निजिस व व्यवस्था से उक्त अन्तरण निम्निजिस व

- ्कं) कलारकः सं हुद्दं विकती साव को बावता, अवक अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दावित्य में कमी क्षरने या उवसे वजने में स्विभा अ किए; सांग्/सा
- (क) एसी किसी नाथ, या किसी भग या नित्य नारिता की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनियम, या जनकर निभिनियम, या जनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ जन्ति रिती इंपारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिएाने में सुनिष्धा की सिए;

भत: जब, दन्त जीभिनिवम की भारा 269-ग के, बनुसरण भों, में उक्त अधिमियम की भारा 269-थ को उपभारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथोत :--- (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्बर्ह)

(2) श्री हेमेन्द्र के० ध्रुव और श्रीमती सुधा हेमेन्द्र ध्रुव।

(अन्तरिती)

ा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, मही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नप्तुची

फलैंट नं० 20 है तथा जो तीसरी मंजिल, रा विंग, बिल्डिंग नं० 14, झालावाड जैन को०-आपरेटिंब हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई--400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०~4/37 ईई०/10678/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारांदिनांक 27 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजीन रेज-4, बम्बई बम्बई,दिनांक 12 फरवरी 1985

ानदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10676/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मणदामः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी संज पलैंट नंज 21 है तथा जो पहली मंजिल बी विंग, बिल्डिंग नंज 21, झालावाड जन कोज-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अणोक चक्रवर्ती रोड, कोदिवल (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारतामा आयक अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निश्वत के वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई थिसी आम की मानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम ही धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी। की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजेस।

(अस्पर्क)

(2) मैं श्रीमर्ता स्मिता किण कुमार शाह। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण भं प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर राम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों शाँर पटी का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्षी

पलैट नं० 7 जो पहली मंजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 21, भालाबाड जैन को० आपरेटिय हाउमिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, क्लांदिवली (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/10676/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जुन, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नारी**ज** : 12-2-1985

प्ररूप बाइ ० टी० एन० एस०---

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वना

सारत बदकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10677/84-85--अतः म**से,** लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 10 १ तथा जो दूपरी मंजिल की विग, बिल्डिंग नं० 23 झालावाड जैन को० आपरेटिंव हाउसिंग सोशाई। लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कंदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप में विणित है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1984

को पूर्वो कत समपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान मितफल को लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बिक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण शिवित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

नतः अन, उन्त निर्मित्यमं की भारा 269-गं के ननुसरक में, में, उन्त अभिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) के नभीन, निम्नतिकित व्यक्तिकों, अर्थात् ह (1) मैं० सरल इन्टरप्राइजे स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्वशी नवीनचन्त्र झवेरी।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया़ ग्या हैं।

श्रासकी

पर्लंड नं० 10, जो दूसरी मजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को०आपरेटिव हार्जिस्ग सोसाइटी लि० अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनसुची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/10677/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जून, व 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा: 12-2-1985.

माहर 🖫

प्रकृष आहे".टी.एन.एस --- --

कारण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10792/84-95--अत: महो, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.000 - एउ. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवर्ला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय गणा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स रार्ड कि.को बाय की बानत, उक्क बिधिनियम के अधीन कर दोने हैं अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविका के लिए; बौर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गत प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरक को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० यरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री पक्त कुमार मोती लाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त बिधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षत्र संस्थित

पलैट न० 4 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अग्रोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई०-4/37} ईई०/10792/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख 12-2-1985

शस्य आई.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्भाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नेज-4, बमबई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ड०-4/37 ईई०/10790/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु,"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000′-रा. सं विधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 1 है तथा जो पहली फ्लोर—ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को०-आपरेटिंब हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिबली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, मे रिजस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक एसे कि शत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुपूर किसी भाय की बाबता, उबसे र जिल्हा का भीत कर दोने के अन्तरक के भिष्य में कामी के रेने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्ह अस्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्राप् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा के रैन्ह;

कतः अब उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिसित व्यक्तित्यों, अभितः—— (1) सरल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक किरनचन्द भाई वोहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध मा कांद्रों भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधीः व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी ।

स्पच्छीकरणः — इसमो प्रयुक्त शब्दों ओर पद्मो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा प्ये यस अध्याप मा किए। एका हो।

भगस भी

फ्लैंट नं 1 है तथा जो ग्राऊंडफ्लोर ए-विंग, बिल्डिंग नं 19, झालावाड जैंन को -आपरेटिय हार्जसंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं।

ु अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-4/37 ईई०/1090/84-8ठे और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप नाइ".टी.एन.एस., *******

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायक ए आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं ० आई०-4/37 ईई/10681/84-85--अ**त**ः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्ठास करमें का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत माजार मृत्य 25,000/- र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पसैट नं० 11 है तथा दूसरी मंजिल, बी विग बिहिंडग नं० 21, झालावाड जैन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून,

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से अस्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाजत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी जांच या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) सरल इन्टरशाइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पना ए० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के मर्जन के निथ् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सस्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूचो

पर्लंडनं० 11 है तथा जो दूसरी मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं०21, झालावाड जैन को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कॉदिवली (पूर्व), बम्बर्ड-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ही 0/10681, 84-85 श्रीर जो संअग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जुन, 1984 को रजिस्टर्ड किया है।

> लक्ष्मण दास : सक्षम प्राधिकारी: सहायक ग्रायकार श्रायुक्त (निरक्षण) ग्रायकी रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

प्ररूप बाही, टी. एन. एत. -----

भायकर अभिनियम, 1981 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बस्बई .

बम्बर्ट, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० अई०-4/37 ईई०/10789/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 2 है सथा जो ग्राउण्ड रहोर ए—विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को०-आपरेटिंव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक धक्रवर्ती रोड, को दिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिति सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 29 जन, 1984

को पर्वांक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्य से कम के दृश्यमान करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (शंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के "लए;

सतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत ६(1) मै० सरल इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हीराबेन जयन्ती लास शहा।

(अन्तरिती)

की वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यामं 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा नवा है।

वन्त्वी

पलैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड मंजिल, ए—विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/10789/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

तारीख : 12-2~1985

मोहर 🖫

प्रारूप काइं.टी.एन.एस.-----

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर गाय्कर (निरीक्षण) प्राजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्६०-4/37 ईई०/10793/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० 18 है तथा जो चौथी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को० आपरेटिंब हाउसिंग सोसाइट लिमिटेंड, अगोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई—400 रिंग में स्थित हैं (भौर इससे उपापद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 जून 1984

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जारू/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धण या अन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन- निष्मितियात व्यक्तियों, अधीत्---

(1) मैं । सरल इन्टरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रंजनवेन रसिक लाल शैठ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए वा सकर्ष।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त का आहाँ आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुलुची

पलैट नं 18 है तथा जो चौथी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं 19, झालावाड जैन को आपरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई— 400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/10793/ 84-85 ग्रीट जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रें ज, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

व्यक्त बार्च . दी . एवं . एवं . -------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मभीन सुमृता

मार्व बरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्रण)

ग्रर्जन रेज 4 बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरो, 1985

सं० ऋई- 4/37 ईई/10658/84- 85 - -श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाराः

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसका संख्या फ्लट नं 4, 1ल, मंजिल, ए विश्, बिल्डिंग नं 23, झालावाड जैन को ध्रापरेटिव हाउभिंग सोसाईटी लिमिटेड, ध्रशोक चक्रवर्ती रोड, कोदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा ध्रायसर प्रधिनियम, 1961 का धारा 269 के, ख के ध्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, कारोख 26-6-1984!

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूच्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अब्ह बिश्वियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
 - (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविशा के निए;

अतः अबः, उव त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रं अनिलकांत हिम्मतलाल शाहा।

(मन्तरितः)

को यह त्याना चारी करके प्यासित सम्पृतित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पर्लंड नं० 4, 1ल, मजिल, ए बिंग, बिल्डिंग न० 23, झालाबाड़ जैन को आपरेंडिंब हाउसिंग सोसाईटा लिमिटेड अशंक चक्रवर्त रोड, कादिवर्ली (पूर्व), वस्बई- 400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० श्रई 4/3ईई/10658,84-85 और जो सल्लम प्राधिकारा, बस्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारो, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर,क्षण), श्रजन रेंज- 4, बस्बई

दिनांक. 12-2-1985 मोहर:

प्रक्रम बाइ . टी. एन. एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवर। 1985

निदेश सं० 4/37-ईई/10646-84-85---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण टाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिनका सख्या फ्लैट में० 4, ग्राउण्ड मंजिल, बिंग, बिल्डिंग न० 14, झाणवाड जैन को-भागरेटिव हार्जातन सोनाईट, लिमिटेड, श्रणाक चक्रवर्नी रोड, वादिवल, (पूर्व), बम्बर्ड-400101 में स्थित हैं (ओ॰ इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का में विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितिसम, 1961 के, धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकार, के वार्यालय में रिजस्ट्र, हैं, कारीख 126-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तर्यण संहुई िकसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक द दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुबिए के लिए; अदि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बबीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अथित :---- 1. भै० सरल इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. म्केश रमणिक लाल शहा।

(भन्तरित:)

को यह भूवना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्रमें परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 4, ग्राउण्ड मंजिल, विंग. बिस्डिंग नं० 14, अलागाड जैन को-श्रापरेटिव हाउलिंग मोसाईट: लिमिटेड, श्रगोक चक्रवर्ती गड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई- 400101 में स्थित है।

श्रतुसूचो जैसा कि क सं० आई- 4/37ईई/10646/84-85 ओर जो सभा प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण क्षास, सक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण); ग्रर्जन रोज- 4, बस्बई

दिनांक 12-2-1985 सोइर ॥

प्रकल् बाद', टी. एन, एस्.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जनरें ज- 4, अम्बई

धम्बई, दिनांक 12 फरवर्रा, 19के5

निर्देश सं० घई- 4/37ईई/10643/84-85 - भ्रत: मुझे, लक्ष्मण धास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पञ्चात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा २६०-स के तथीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिल्ला संख्या फ्लट नं 0 10, तीसरा मंजिल, ए विंग विल्डिंग नं 0 23, झानाबाड जैन को आपरेटिव हाउलिंग , लिमिटेड, अशेल जकवर्ती रोड, वांदिवला (पूर्व), वस्वई-400101 में स्थित है (और इससे छपाबंड अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिल्ला करारनामा आए र अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्र, है, साराख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमाँ, अर्थात् :--- मै० सरल इन्टरप्राइजेसं।

(भन्तरक)

2. उषा भ्राशोक व्हारा ।

(मन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप ध-

- (क) इस स्पंता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की कथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूबा है।

बन सच्चे

पलैंट नं 10, तोसरा मेजिल, ए विंग, विस्डिंग नं 23, झालावाड़ जैन को आपरेटिव हार्जीसंग सोसाईटी, लिमिटेड आगोक जकवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० भ्राई- 4/37ईई/10643/84-कें5 और जो सक्षम प्राधिकारो, यम्बई द्वारा दिनांक 26 26-5-19कें4 को रजिस्टई कियागया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारः, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण), श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनाक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- जाग्फर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन स्चना

नारव चरुकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ह्मिक) 'क्रजेंन रेंज-4, अम्बर्क्ट

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं॰ अई--2/37 ईई/1063व / 84--85 --- अत मुझे, लक्ष्मण यास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका संख्या पलट नं 16, तासरा मंजिल, व विंग, बिल्डिंग नं 23, सानावजीन को-आपरेटिव हाउँ ता सोतायटा लिमिटेड, श्रणा जिकारी रोड, पादिवल , (पूर्व), बस्बई—400101 में स्थित है। (और इस्से उपावद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिल्ला वरारनामा आप तर श्रीधनियम, 1961का धारा 269 क, ख के श्रधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 26-6-1984

को प्वेंक्त संस्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वितक्त के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उव्ववेष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्छ सिंधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरक के दिश्वरूष मों कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए; सौर/सा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जप्य जास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. शशिकांत माणेबालाल करेलिया।

(श्रन्तरितं_।)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अर्वाध या तरसंस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

पलैट नं 16, ती सरा मंजिल, बा विंग, बिल्डिंग नं 33 झालावाड़ जैन की-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटा लिमिटेड झामोज सकवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई- 400101 में स्थित है।

मनुसूना जैसा कि क सं० ग्रई- 4/37ईई, 10637, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रोज- 4, बस्बई

विनांक: 12-2-1985

मोहर 🛢

परूप बाइ^{*}.टी.एन.एए.:----

बाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारक सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर अत्यूक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई फ्रादिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० मई-4/37ईई/10695/84-85---मत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास क्षरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 4 ग्राउण्ड मंजिल सी विग बिल्डिंग नं० 21, भालाबाड जैन को ध्रापरेटिव हार्जिसग सोसाईटी लिमिटेड ग्रंथोक चक्रवर्सी रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनाम ग्रायकर ग्रंथिनियम 1961 भी धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27-6-1984।

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

बत: बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—

1. मै० सल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2 मै० श्री धिरजलाल व्रजलाल मेहता और जया धिरजलाल मेहता।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लैट नं० 4 ग्राजण्ड मंजिल, सी० विंग बिल्डिंग नं• 21 झालावाड जैम को-ग्रावरेटिव हार्जासंग सोसाइटी लिमिटेड ग्रायोक चक्रवर्ती रोड,, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० मई-3/37/ईई/10695/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 27-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेज-4, बस्बई

दिनोक :.12-2-1985

मक्ष्य बार्ड . ही. एत. १४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4 अम्बर्ध

वस्बई, दिनाक 12 फरवरी, 1985 स० ग्रई-4/37ईई/10636/84-85 --श्रत मुझे लक्ष्मण

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रापये भे अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैट न० 11 2री मजिल बी विग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड अशोक चक्रवती रोड, कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इससे उपावद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के 'िचत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित सपित्त का उवित अआर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ए म अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य म कमी करने ना उसमें अचने में स्विधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकार अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकार नहीं रिया गया था या सिशा जाना चाहिए था छिपान में सिन्धा से किए।

कत अत्र उत्त अधिनियम की पारा २६९-र के अञ्चरण में, में पक्त अधिनियम की भारा २६०-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात — 32—506GI/84 1 सर्ल ४टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

2 श्री प्रवीण कुमार व्यवक लाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में क्रिसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य न्यित द्यारा अपोज्याकारी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पन्नोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उम्स अधिनियम न अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 11 2री मजिल, बी विंग, बिल्डिंग नं० 23 आलाबाड जैन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रागोक चक्रवर्नी रोड काविवली (पृषं) वस्वई-400101 में स्थित है।

श्रनुमूची जैमा कि कि कर सर्थ ग्रई-4/37ईई/10636/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 26-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायवण प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेज-4 बम्बई

दिनाक 12-2-1985 मोहर प्रकार कार् . टी. एन. एच.,-----

ा. सरल इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चनः 2. श्री संजोब कुमार मुखलाल णाहा। (श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजीन रेज-४ बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं॰ श्रई-4/37ईई/10806/84-85:--श्रत मुझे लक्ष्मणदासं,

अ.यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

नोर जिसकी संख्या फ्लैट नं 15 तीसरी मंजिल वी विंग बिल्डिंग नं 19, झालाबाड जैन को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, अशोक चक्रवर्ता रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्त के लिए बन्तरित की गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण सं हुई किसी आग की बाबस, उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत :--- को बहु सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेष् :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निष्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका भूवा है।

अगस जी

पलैट नं० 15, तीसरी मंजिल बी विंग, बिल्डिंग 19, झालावाड़ जैन को-श्रापरेटिंव हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड श्रशीक चक्रवती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कै० सं० श्रई-4/37ई/10806/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड -ित्या गया है।

, लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर झायुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर

प्रस्प बाइं. टी. एन एस. -----

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/10808/84-85:--- ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसक स्या प्लैट नं० 4 ग्राउण्ड मंजिल की विग विहिंड नं 1 { सोसईटी लिमिटेड, ग्रागोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रॉजस्ट्री तारीख 29-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके रूब्यमान प्रतिफल से एसे रूब्यमान प्रतिफल का पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके रूब्यमान प्रतिफल से एसे रूब्यमान प्रतिफल का प्रतिप्तति से अधिक है और अन्तरक (अम्बरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनेसी किसी आय या किसी धन वा अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर किसीन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के निस्

अत. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् =-- 1. श्री सरल इन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरक)

 श्री रतीलाल लवजीबाई मेहता और श्रीमती मुक्ता रतीलाल मेहता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

एक्स सम्मरित के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी नासंप्:----

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारी ब छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे

स्पक्तीकरण ह— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4 ग्राउण्ड मंजिल, बी विंग, बिस्डिंग 19 भालावाड़ जैन को श्रापरेटिव हार्जीसग सोसाइटी लिमिटेड प्रशोक चन्नवर्ता रोड कांदिवल (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-4/37ईई/10808/885 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-64-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण थास, सक्षम प्राधिकारी, सहामक भायकर भ्रामुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंब-2, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रस्प ् नार्षः ही. एन्,। एसः.------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्स (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश स० मई-4 37ईई | 10804 | 84-85: -- मत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- स्त. स अधिक हैं

और जिसकी स फ्लैंट नं० 10, 2री मजिल, बी बिग बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड प्रमोक चन्नवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई— 400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुम्धी में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा म्रायकर म्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29—6—1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एस द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिखत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निम्निसिक्त उद्देश्य से उन्त अंतरण मिनित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:

- (क) अन्तरम सं हुई किसी बाय को बाबत, उसत विभिवियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

बतः अबः जनत निधित्यन की भारा 269-न के अनुसरण में, में, जनत जिथित्यम की भारा 269-व की उपभारा (1), के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सरल इण्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हिम्मतलाल ग्रजलाल शाहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां क्रूफ करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की धामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहम्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सके गां।

स्पष्टीकरण:--इसमाँ प्रयुक्त कथाँ और पर्श का, जो उद्दर्भ अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गता हैं।

प्रमृत्यू

पलैट न० 10, 2री मजिल, बी-विंग बिल्डिंग न० 21, झालाबाड जैन को-आपरेटिंब हाउसिंग सोसाईटी सिमिटेड प्रशोक चक्रवती रोड, कादिवसी (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० स० अई-4/37ईई/10804/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-4 बम्बई

दिनांकः 12-2-1985

मोहर 🕄

प्रकृप वार्<u>षः</u> दो_ड प्रकृ<u>ष्ट पुर्व स्थ</u>ानसम्बद्धाः

भागकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मुभीन सूचनः

SIST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज -4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं ० ग्रई-2/37ईई/10802/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार गिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं०4 ग्राउड फ्लोर, बी० विग, बिहिंडग नं० 21 झालावांड जैन को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसे इटी बम्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 29-6-1985।

- को प्रवित्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य के कम के द्रश्यमां अस्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- . (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; नौर/मा
 - (थ) एंडी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भव-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

नतः नन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग को, जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 1. श्री सरल इण्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनहर लाल मनीलाल शाहा।

(श्रन्तरिती)

को यह वृष्यना बादी करके प्यानित सम्मतित के वर्षन के विहास कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षय के सम्बन्ध में स्वोर्घ भी आहोप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्वधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस तूचना के राजपूच के प्रकाशन की वारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पार्क लिका सा किए भा यकारों।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

≘न्स्**यां**

पलैट नं० 4, ग्राउण्ड पलार बी विंग बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड़ जैन को ग्रापरेटिंब, हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, ग्राणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 से स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि % सं० श्रई-4/37/ईई/10802/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहाजक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक -12-2, 1985

मोहर :

प्रकथ बाह्री, टी., एन , एस , ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत चरकार

कार्यातन, सहायक नायकर नायुक्त (निहासिक)

श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, जन्त्र985

निर्वेण सं० अई--4/37ईई/1079584-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- स्त. स आधक ह
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17 4थी मंत्रिल, ए विंग, बिल्डिंग
नं० 19, आलावाड जैन, को-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी
लिमिटेड, ग्रिशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण क्प
से बिणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम
1961 की धारा 269 क ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 29-6-1984!
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते
कह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सें, एसे ख्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए
हम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्ववेय से उक्त अन्तरण
किखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या हैं:---

- ्क) बन्तरफ सं हुई किसी आंग की शावत, उस्त प्रशिविक्य के स्थीत कर देने के सन्तरक क बाबित्स थें सभी करने न उसमें वसने में सुविधा के सिए; शॉट/६.
- ्त) ऐसी किसी जाय या किसी धन पान्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, १९२% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६२ धन-कर अधिनियम, १२७७ की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जय, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों न अर्थात् :--- 1. सरल इण्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री उत्तम चन्द हरगोबिन्दवास शेठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

फ्लैट नं० 17, 4थी मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालाबाड जैन को श्रापरेटिब हाउसिंग सोसाईटी लि:मटेड अगोक चक्रवर्ती रोड कांदिवाली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/10795/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा है दिनांक 29-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

्री प्ररूप बार्ष्य, टी , एत् , एस ,------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भर्ति । भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० श्रई-4/37ईई/10900/84-85——श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह क्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, तीसरी मंजिल, ए विंग बिल्डिंग नं० 19 झालावाड जैन को-म्राप्नरेटिव हाउर्सिंग सोसाईटी लिमिटेड म्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्षत सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्मेलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 को 27) के उभोजनार्थ अंतरिनी हवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- सरल इण्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

2. रमेण चन्द्र वाडीलालं कोठारी।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता. हुंं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) ६स स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 13, 3री मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 19, झालावाड जैन को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ग्रशोक चन्नवर्ती रोड) कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-4/37ईई/10800/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी महाचक ग्रायकच ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 खाहर: प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक वायकर नाथुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4 वम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० ग्रई--4/37ईई/10689/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4'3) (जिसे इसमें इसके प्रत्यान 'जयत अधिनियम' काह्य यया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ. से अधिक है

और जिसकी संख्या पूलैट नं० 19, तीसरी मंजिल ए विंग विविद्या नं० 11 झालावाड जैन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटं लिमिटेड अगोक चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27-6-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल ने, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीध एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्मलिखन में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरम संहुई किसी आय की अवत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व मों कभी अन्ते या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया जा वा किया जाता का कर शिए।

भारा: अक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अगुलरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. सरल इण्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

 श्री मुरेण कुमार रसीक लाल शाहा और श्रीमती ध्योति सुरेण कुमार शाहा।

(श्रंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्रि पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा भी उस अध्याय में विया ग्वा है।

मन्त्रची

पलैट नं० 19, 3री मंजिल ए विंग बिल्डग नं० झालाबाड जैन को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड श्रमोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र सं० श्रई-4/37ईई/10689/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, सम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाई.टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्कत (निरक्षिण)

द्मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं॰ भई-4/37ईई/10055/84-85:-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11 2री मंजिल ए विंग, बिल्डिंग नं० 19 झालायाड जैन को-आपरेटिंव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ग्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित है। (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के ग्रधीन विकाद स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मल्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(भन्तरक)

2. श्ररविन्द प्राणलाल शाहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की नर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हूं।

सनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 11 2 री मंजिल. ए विंग बिल्डिंग नं० 19 झालावाड जैन को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड प्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/10055/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्नण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🗯

त्रकृष वाइ'्टी. एवं एत्. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीन सुचना

शाद्रव दरकाड

कार्यां वर्ष, शहायक भाग्कर नायुक्त (निर्दाक्षण) मर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

बम्बई; विनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० मई-4/37ईई/10056/84-85:----- ग्रत: मुझे लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14 तीसरी मंजिल बी विग बिल्डिंग नं० 19 झालावाड जैन को-ग्रापरेटिय हार्जासग सोसाईटी लिमिटेड घणोक चक्रवर्ती रोड काविवली (पूर्व), बम्बई—400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उपल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भरत कुमार ग्रमितचन्द शाहा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृत्रोंकर, संपत्ति को वृत्रीन के तिव कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के श्वापन में प्रकाशन की तारीचं है 45 विन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सब्धि, जो भी समित को समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वाए;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिक गया है।

अ्तूची

पलैट नं० 14 तीसरी मंजिल की विंग बिहिंका नं० 19 सालावाड जैन को-ध्रापरेटिव हाउसिंग सौसाईटी लिमिटेड भ्रमोक चकवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ सं० ग्राई-4/37ईई/10056/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास , सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनोक: 12-2-1985

मोहर:

त्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई विनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं॰ मई-2/37ईई/10198/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या पलैंट न० 01 ग्राउण्ड मंजिल ए विग बिल्डिंग न० 23 झालाबाड जैन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ग्रशोक चक्रवर्ती रोड कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है न तारीखा 11-6-1984

के पृत्रांकत सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे क्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरिक्षियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुनिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ..—

- (क) बुन्तरन से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- ्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य ज़ास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या चन-कर आधिनियस, या चन-कर आधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए,

नतः अन, उन्त मधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन. निम्नसिचित स्पित्तर्यों, अर्थात् ६1. श्री सरल इण्टरप्राइजेस।

(मन्तरक)

2. श्री महेन्द्र रमणिकलाल गाहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी कड़के पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के तिष् कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हिल्ल

- (क) इत सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अमित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्पों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, और उस सभ्याय में विधा गया है।

वनुसूची

पलैट न० 01 ग्राउण्ड मंजिल ए विंग, बिलिंखग नं० 23 झालावाड जैन की-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ग्राणोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० श्रई-4/37ईई/10198/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 11-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 12-2-1985

मोहर 🖫

इक्ष्म बाह्य, डी. एव. एव.------

गायकार मिपिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुपीन सूचना

शाउँ व सामग्र

कार्यासय, बहायक बायकर बायक (निर्द्वाक्षक)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० ग्रई-4/3**7ईई**/10197/84-85:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण सास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 6 1ली मंजिल सी विंग विल्डिंग नं० 21 झालावाड जैन को अपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिसिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पू०) बस्बई 400101 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बुम्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिशात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निसित उपविष्य से उक्त बन्तरच किया गया प्रतिफल, निम्निसित उपविष्य से उक्त बन्तरच

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कावित्य में कनी करने वा उच्चे व्यव में सुविधः के निष्ट; बार-/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था, कियाने में तिथा के लिए;

जतः जय, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की जनसरण भों., भीं, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग्र (1) के अधीत, रिनम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ध— 1. सरल इण्टरप्राइजेस।

(मन्तरक)

2. श्री राजेश श्रम्तलाल शाहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्डके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्तर स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

जन्स्ची

पलैट तं० 6 1ली मंजिल सी विंग बिल्डिंग नं० 21, भानावाड जैंन को-म्रापरेटिंग हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड म्रागोक चक्रवर्सी रोड कांदिवजी (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० आई-4/37ईई/10197/84-85 और जो सक्षम प्रसुधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🔅

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस ...----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश म० ग्रई-4/37ईई/10730/84-85:--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3 ग्राउण्ड मंजिल—र्तिंग, बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड जैन को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड प्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिबली (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित है (और इससे उपाबढ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्निसिस्त उव्योदय से उक्त अन्तरण जिख्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क' अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

1. सरल इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्सरक)

2. भानूराज लिकम लाल शाहा।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड मिजल-विंग बिल्डिंग नं० 14 झालावाड जैन को-ग्रापरेटिव हार्डासग सोसाईटी लिमिटेड स्रगोक चऋवर्ती रोड कांदिवाली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-4/37ईई/10730 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 29-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास; सक्षम प्राधिकारो, सहायक, भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, वस्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्रम बार्च, टी. एन. एस.------

बायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्थना

नार्ड वर्ड्यान

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-4. बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० मई-4/37ईई/10656/84-85:--मत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अभिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी का, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- क सं अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लैट नं० 9, 2री मंजिल, बी विंग, र्बिल्डिंग नं० 23, झालावाड जैन को घापरेटिव हार्जीसग सोसाईटी लिमिटेड प्रशोक चक्रवर्सी रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है। और इससे उपबाद प्रनुसुधी में और पुर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 26-6-1984

को पूर्वोक्स सुरुपीस के उचित वाजार मूल्य से कम के अस्यमान िलए अन्तरित की ग**र्ह** प्रतिफल के विश्वास करने का कारण है पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच एसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योख से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अम्बरण से हुन् किसी बाव की बावत उसत विध-विसम के बधीन कर ब'ने के बन्तरक के दायित्व में कमी करुने या उन्हों बचने में सुविधा को सिए: बीर/या
- (क) एंसी किसी वाय वा किसी धन वा अन्य जास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय भाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती कुवारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे बिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म् की उपभारा (1) के मधीन, मिन्यसिवित व्यक्तिकों, मर्पात् ध---

1. सरल इण्टरप्राइजेज।

(ग्रन्सरक)

2. श्री पंकज हिम्मतलाल बगाहिया।

(प्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी 🔻 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्बब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया पया 💕 ।

फ्लैंट न० 9 2 री मंजिल बी विंग बिल्फिंग न० 23, शालाबाड जैन को-भापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, श्रमोक चन्नवर्शी रोड, कांविवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि ऋ स० अई-4/37/ईई/10656/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 26-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

विनाक . 12-2-1985 मोहरू 🗯

प्ररूप नाइ<u>*.ट]. एन. एस. ----</u>

---- (1) सरल इण्टरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

बायकः प्रतिधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बंधीन चूचना (2) विनाबेन चंद्रकांत कोठारी ।

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फचवरी 1985

निदेश स॰ ग्रई-4/37-ईई/10673/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास.

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं ० वनैट २० 10 दूसरी मजिल, ए विंग बिल्डिंग नं ० 21 भालावाड जैन की आपरेटिंव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड, कादिवली (पूर्व) बम्बई 400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सिक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 27 अम 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिक उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्बत् में बास्तविक कप से कांधन नक्षीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय का बाबत, उच्क नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/श
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन था अन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिवा बाना चाहिए था, किया में सुविधा वे सिए:

अतः अस उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नितिविध व्यक्तियों, अर्थात् ध—-

को यह सूचना जारी करके पूजाँक्य संपत्ति के वर्धन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकरायों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोने ।

स्थव्हीकरण.—इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदी का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविह हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पसैट नं॰ 10, दूसरी मंजिल ए विंग बिल्डिंग नं॰ य झाला वाड जैन को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, झशोक चकार्ती रोड, कोदियली (पूर्व) बम्बई -400101 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की क॰ सं॰ भई-4/37-ईई/10673/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र[°]न रेंज-4, बस्बई

निनांक: 12-2-1985

मोहर 🕹

प्रकप बाई, टी. एन. एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं ० अई-4/37-ईई/10655/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/-रु में अधिक हैं

मीर जिसको सं० पर्लंट नं० 12, दूसरो मंझिल, बो-विंग बिल्डिंग नं० 23, झालाबाड जैन को-आपरेटिंब हाउसिंग सोनायटो लिमिटेंड, अशोक चक्रपती रोड़, कांदिवलो (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में मीर पूर्ण रूप से विंगत हैं) घोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, दिनांक 26 जून 1984 ∰

की प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की प्राथत, उन्तर विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) सरल इंटरप्रव्यजेस ।

(अन्तरक)

(2) शहा धिरजलाल रायचंद्र ग्रीर सरसा धिरजलाल शहा ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

फ्लैट नं ० 12; दूसरी मंझिल; बो-वींग बिल्डिंग नं ० 23 झालावाड जैन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड अशोक चकवर्ती रोड़ कांदिवला (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कर सं० अई-4/37-ईई/10655/ 84-85 ग्रीर जो सभम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनों क 26 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रःधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेज-4, वम्बई

दिनांक : 12 -2-1985

मोहर:

प्रकृष बादं . ही. एवं. एवं. -----

अभिनियमः 1961 (1961 का∡3) की

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के म्थीन सूचना

भारत रहकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरों 1985

निदेश मं० अई-- 4/3755/10729/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक हैं

म्रीप जिसकी मं० फ्लैटनं० 2 ग्राउंड मंजिल, विश बिल्डिंग नं० 14 झालाबाड जैन कि-आपरेटिव हार्फ्श सोसायटी लिमिटेड, अशोक घश्रवत रोड, कांदिवर्ल (पूर्व) बम्बई-400101 से स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29 जून 1985

को पूर्वोक्स संपर्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्याबाद शिक क के लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके क्यामान प्रतिफल सं, ऐस क्यामान प्रतिफल का विश्व का बाबार मृत्य उसके क्यामान प्रतिफल सं, ऐस क्यामान प्रतिफल का विश्व का बाबार प्रतिफल के कार्य विश्व के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त क्यारण कि खिड में वास्तिक क्य से कायत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी साथ की वायतः, उक्त अधिनियम क अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; यौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी प्रत्या अन्य अगस्त्यां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

बतः बवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों अर्थात् —— 34—506 GI/84 (1) मैसर्स सरल इंटरप्राजेस।

(जन्तरक)

(2) श्रः मुनाल बापालाल वोरा ।

(अन्तरितो)

को बह सूचना चारी करके प्रतिकत संपत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 4,5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नइ, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताकारी को पाव लिखित में किए का सकेगः

भ्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुी वृष्ण होगा, को उस वध्याय में दिया गया हाँ।

अन्त्यी

प्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, बिस्डिंग नं० 14, भारतवाड जैन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड कादिवना (पूर्व) बम्बई-400 101 में स्थिन हैं।

अनुमूचो जैमाको ऋ० सं० अई-4/37-ईई/10729/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारोः, सर्विक आयक्त आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

दिनाक: 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहुँ. टी एनं. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के अधीन मुख्या

भारत मुरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवर। 1984

निदेश सं० अई -4 37-ईई/10807/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजाल 'उकर अधिनियम', कहा गया हैं), वो धारा /89-स के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट में 1 प्राउड फ्लोअर, बा विंग, बिल्डिंग नं ० 19 , झालावाड जैन को अपारेटिव हाउसिंग सोमायटो लिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड कादिवल। (पूर्व) बम्बई — 400101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा अपयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई हिंथत सक्षम प्राधिकार। क कार्योलय में रिजस्ट्र। हैं विनंकि 29 जून 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्धा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पद्मह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अलरिती (अंतरितायों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

र्याम्या न । ।

- ं (क) अन्तर्रिका से हें हुई किसी आय की बाबत, उक्त ः अभिक्षत्रियमा को अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
 - (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनाई जन्मरिती स्वारा एकर नहा विराध गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

गतः **मन**, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थास् — (1) मैंसर्स सरल इटरप्र जेस ।

(जनारक)

(2) भ रत बेन रमेण शहा

(त्नारिता)

का यह सुचना जारी करके पृथांकित सभ्योत्ति का अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उयत सपरित के अर्जन के सबभ में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी जिल्लियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षाय, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रांवल व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वराय
- (त) इस सूपमा के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उद्देश स्थापर स्मर्गत्त मा चित्रत्व। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के परा चित्रिक्ष मा किए जा सकेंग्र

स्थरहीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौका, जो प्रकल अधिनियम के अध्याय 20-क से प्रिन्तिक है, वहीं अर्थ द्वांगा का कि करलाय मा जिल्ला क्या है।

अनुसूची

फ्लैट न 1 ग्रंडड फ्लोअर, बा विंग, बिल्डिंग न ० 19, झालावाड जैन को-आगरेटब हार्डाध्य साग्यटा निर्देड जगोक चक्रवर्ती राड कादबन (प्व) वस्वई-400101 म रिजन है।

तनुम्च। जैसाकः ऋ० स० र्ह-4/37-ईर्/10907/ 84-85 स्रीर जो सञ्जम पाधिकार। बम्बई द्वारा श्वात 29 तून 1984 को राजस्ट्रई क्या गया है।

> न-मण सा जनम प्रावनार सहायक आया र आयुक्त (निरक्षण) अजन रजा 4, बस्बई

दिनाक 12-2-1985

महिर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनाक 12 फरवर। 1985

निदेश सं० अर्ह-4/37-र्द= 10685/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर संपति. जिसका किया प्राजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 7 पहला मंझील, विंग विलिंडम न० 14 झालाबाड जैन की-आपरेटिव हाउसिंग सीसायटा लिसिटेड अगोक चप्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप भ विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायवकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है क्वित्वाद 26 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण प्रेष्ट्रक किसी बाय की बाबल, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (था) ऐसा किसी अाय या किसी वन अन्य जास्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उपन अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः क्षत्र अक्षतः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स संरल इंटरप्राजेस ।

(अन्तरक)

(2) रमेश मनसुखलाल शहा भौर श्रीमतो भुदन आर शहा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रार्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भौ। माक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क् अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासने लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

ग्रन्स्ची

पलैट नं० 7 पहली मंशिल विंग बिल्डिंग, नं०, 14, ; झालावाड़ जैन कोआपरेटिय हार्डीसँग सोसाग्नटो, हिलिमिटेड अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व) ब्रान्स्स्रिन्400101 से स्थित है ।

अनुसूच। जैमाको ऋ० प० अई-4/37-ईई/10685/ 84-85 श्रोर जो मझप्रप्रधिकारो वस्वई द्वारा दिनांक 26 जुन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ं लक्ष्मण दास सक्षम^{िं} प्रांधिकारो सहायक आयकर आयुक्त[ा] (निरीक्षण) अर्जन रेंज ~4, **बम्बर्**

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-म (1) के मधीन सचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निर्देण स० ग्रई- 4/37- ईई/11069/84-85- - ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास

जाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनको सख्या फ्लैंट न० 11, तीमर, मिजल, ए दिग, बिल्डिंग न० 23, झालाबाड जैन को-म्रापरेटिब हाउसिंग मोमायटी लिमिटेड, स्रांशिक चक्रवर्ती रोड, वादिवल, (पूर्व) अम्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध श्रनुसूच, में और पूर्ण रूप से विजित हैं), और जिनका करारनामा स्रापकर ग्रीधनियम, 1961 का धारा 269 के, ख के श्रधान बम्बई स्थित मक्षम प्राधिवार, के वार्यालय में रिजर्टी हैं, विनांक 26-6-1984

को पूर्नोक्स सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सक्या जाना चाहिए था छिणने में सुविधा के लिए;

जा: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक नैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित अधिनतयों, अर्थात — 1. सरल एटरप्रायसेन ।

(अन्तरक)

2 श्रा राहित कुमार मनीलाल शहा।

(अन्तरिती)

की वह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पर्व्यक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिआषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्यी

पलट न० 11, तासरी मजिल, ए विग, विल्डिंग न० 23, झालाबाड जैन को-स्नापरेटिय हाउसिंग सोसायटा लिमिटेड स्नणीक चक्रवर्ती रोड, काधिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई 4/47 ईई/11069, 84-85 और जा सक्षम प्राधिगरा, बम्बई द्वारा दिनाक 26-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस. ------

नावकर मणित्यन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न (1) के म्पीन स्वा

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई-4/37/ईई/11072/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसुमें इसुके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या पर्लैट नं ० ६, 1ला मंजिल, ए-विग, बिल्डिंग नं ० 23, शालावाड जैन को आपरेटिय हाउसिंग सीसायट लिमिटेड, ग्रंगोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ श्रनुसूच, में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करार ामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के अध,न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय -में रजिस्ट्रा हैं, दिनाक 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रति-फल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) ब्लारण से हुई किसी बाम की बाबतु, सबस्य ब्रिजिन्ड्य के ब्यीन कुर दोने के ब्लारक के क्यदित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीट्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को विधीन निम्निजिसित व्यक्तियां अधृति म— 1. सरल एंटरप्राइजेज

(भन्तरक)

2. शहा पोपटलाल ड्रंगरीश।भाई

(श्रन्तरिती)

की यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्षन के लिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पाव लिखित में किए जा सकने।

रुपक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गवा हैं।

वन्त्वी

फ्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 23, झालाधाड़ जैन को को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रगोक चक्रवर्ती रोड, कादिवल, (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची:--जैसा कि ऋ० सं० धर्द- 4,37-ईई/11072/ के4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनीक 26-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-4, बम्बई

ता रेख: 12-2-1984

मोहर :

प्ररूप वार्षः टी . एन .. एस .-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के बधीन सुबना

TIME SERVE

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निवेश सं०म्प्रई/4/37ईई/11070/84~85-- म्रात: मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित नाजार मून्य, 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, जो 2वा मणिल, ए विस, बिल्डिंस, नं० 23, झालावाडजैन को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोनाइटा लि०, श्रेशोश चक्रवर्ती राड, गांधिवला (पूर्व), बस्बई 400101 में स्थित है। (और इसमें उपावड अनुसूच, में और पूर्णस्प से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 का धारा 269 वर्ष के श्रिधान बस्बई स्थित है सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रा है। ताराख 26-6-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया नया प्रतिफाल निम्निलिकत उद्विष्ट से उक्त अन्तरण मिवित ये वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जुलारण से हुई किसी जान की नागृत, अक्स अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरण के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा को सिक्ष; बीक्ष/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 19.22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पना था वा किया थाना वाहिए था, कियाने की स्थित के जिए.

नतः नव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नै, नै, उन्हें निधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) सरल इंटरप्राईजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) जितेन्द्र कुमार चंदूलाल दोशो ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताराः
- (क) इस्न बुचन के राज्यम में प्रकारन की ठारीय के 45 दिन के भीतर स्वत स्थानर सम्पर्दित में हितबव्य किसी सम्य स्थानत द्वारा नुभोहस्ताकाड़ी के पास विद्वित में किए या सकतें ।

स्व्यक्तिरणः --इसमें प्रमुक्त धन्यों ब्रीर वर्षों का, यो उत्तर विधिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित हाँ., वहीं वर्ष होगा यो उस बंध्याय में दिवर गया है।

अम् सूची

फ्लेट नं क, 2 री मंजिल, ए विंग, विलिखिंग नं 23, झालावाड जैन को ब्रापिक हाउसिक मोसाइटी लिंक भ्रामोक चक्रवर्ती रोड, को विवली (पूर्व) वम्बई 400101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि भ० सं० अई- 2/37ईई/11070/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 26-6-1984 को रिजस्टई किया जया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ा

प्रकल बाह्ये, टी. एवं., एंड., जनना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्<mark>चना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई~ 2/37ईई/11027-84-85-प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० क, जो, 1 की मजिल, ए विंग बिल्डिंग नं० 14, झालाबाछ जैन को० ग्राप० हाउसिंग सोसण्डटें। लि०, ग्राणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली. (पूर्व) बम्बई 400101 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूणेस्प से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 1961 के ग्रवीन क ख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं। तारीख 27-6-1984

कां पूर्वोवत सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंत-रितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के आनरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचाने में मूविधा के लिए; और/या
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अग्र. उदत अधिनियम की धारा 269-ग्घ के अन्सरण मों, मौ, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ।(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सरवा एन्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) रमेण मनसुख लाल णहा और श्र¦मति कुंदन ग्रार० गहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्या

फ्लेट नं ० क, जो, 1 लं। मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं ० 14, सालावाड जैन को ग्रापरेटिव हाउभिंग मोसायटा लिमिटेड श्रशोक जक्रवर्ती रोड, कौदिवला (पूर्व), बस्बई 400101 में स्थित है।

श्रनुभूचं; -- जैसा कि क० सं० श्रई- 4/38- ईई/10827/ 84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27- 6- 1984 को रजिस्टई तिथा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारोः महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**)** अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर ६ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37- ईई/10828-84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका सख्या फ्लैट न० 15, तिसरा मजिल, बा विग, बिल्डिंग न० 23, झालाबाड़ जैन को आपरेटिब हार्जिम मोमायटा लिमिटेख, स्रमांक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई - 400101 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनाक 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अवतः अधिनियमं की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

1. मरल एंटरप्राइजेज

(म्रन्तरक)

2 श्रामर्ता अभूणा पी० शहा

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, तीसरी मजिल, बी बिग, बिहिड्ग न० 23, आलावाडू जैन को आपरेटिय हाउसिंग सोसायट, लिमिटेड अशीक चकदार्थी रोड, वादियल। (पूर्व), बम्बई-4001डा में स्थित है।

ग्रनुसूच। जैसा कि क० स० ग्रई ·4/37-ईई/10828/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, अम्बई द्वारा दिनाक 27--6-1984 का रिजिस्टर्ड सिथा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनाक: 12-2-1985

मोहर 🖫

इक्य आई. टी. एन्. एस , -------------------

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ(1) को अभीन स्चना

नारत शुरकार

कार्थालय, सहायक बायकर वाय्क्स (किरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिमोक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० **अई**~-4/37~ईई/10803/84~85~-अत: मुझे, लक्ष्मण **दा**स

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास अरने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको संख्या फ्लैट नं० 3, ग्राउन्ड मंजिल, एविंग, बिल्डिंग नं० 23, झालावाड़ जैन को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, भ्रशोक चन्नवर्ती रोड, कांदिवर्ला (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-6-1984

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरक अंतरक अन्तरण लिचित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुइ निक्ती शाय की वाबत, अन्तर अभिनिज्ञन के वशीन कर दोने के जन्तरक के टामिल्य में कज़ी करने या उससे वजने में सुनिभा को सिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना चाहिये था, जिनाने में सुविधा में दिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधिक स्मृत्तिवृत्ते, वर्षात् हुन्न 35—506GI/84

1. सरल एंटरप्राइसेज

(भ्रन्तरक)

2. दिग्ता जीतेंद्र शहा

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिछ कार्ययाद्यिंग करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेक्ति अधिकारों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा स्कोंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुत्रुची

फ्लैट नं 3, ग्राउन्ड मंजिल, ४ ए विंग, विस्डिंग न० 23, झालावाड जैन को-ग्रापरेटिव हाउमिंग सोमायटें। लिमिटेड श्रशोक वक्रवर्सी रोड, कांदिवर्ला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

भ्रानुसूचः - जैसा कि ऋ० स० भ्रई- 4/37ईई/10803/. 84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 29- 6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🚁

मुक्त बाह⁴् थी. एन. एक.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारत बरकार

'कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं०-4/37ईई/10682/84-85—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चाम करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, ग्राउड फ्लोर, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाडा जैन को० आप० हार्जिंग सोसायटी लि० भ्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है ('और इससे जापाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित अाजार मूल्य से कम के दश्यमान गद्द[°] अन्सरित को लिए की मभ्रे विश्वास करने का कारण यह हैं कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्किही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहों किया गया है:---

- (क्र) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम फ़र दोने के रुत्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार्टिया
- (व) ऐसी किसी भाग मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था थिया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

बतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरज में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) क जभीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थात :---- (1) सरल इन्टरप्रायसेस ।

(अन्सरक)

(2) श्रराविद कुमार रासिकलाल चोकसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। बारी कारके पूर्वों क्ष सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यश्रहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख के 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

तमस्यी

फ्लैट नं० 3 ग्राउन्ड फ्लोर, ए विंग विल्डिंग नं० 21 झालावाडा जैन को० आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रशोक चक्रवर्नी रोड, कादविली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० $$ \pm 4^{1} 37 $ $ $ 10682$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्ब $$ 5 = 4^{1} 37 $ $ $ 10682$ 27-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

मुक्तप् भारांत दीत एन्ड एक्त ----

कायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

बार व ब्रह्मार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरा, 1985 निदेश सं० श्रई-4/37ईई 10669/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण धास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, ग्राउन्ना फ्लोर, मंजिल विंग विस्थिग नं० 14, झालावाड जैन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ग्रशोक चन्नवर्ती रोड़, पूर्व), बम्बई-40010 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विंगत है) और जिबका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्आ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उसने वयन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्;

अतः अभ, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन्, निम्नुलिखित व्यक्तियों,, अधात् ध— (1) सरल इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) सुनील तेजपाल शहा।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन 👪 सिंध् कार्यवाहियां करता हुं।

उसर सम्पत्ति को अर्धन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृद्यता की तामील से 30 दिन की समिध, जो भी अवधि सहस में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स के उत्तर्भ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स के उत्तर्भ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-कं में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसर्वा

फ्लैट नं० 5 ग्राउन्ड फ्लोर, मंजिल— विंग बिल्डिंग नं० 4, झालावाड जैन को० ओप० हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड ग्रशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-4/37ईई/10669/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांकः : 1-2-1985

माहर 🛭

इक्ष शहर् हरी पुष पुष्ट व्यवस्थान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां र 12 फरवर्र) 1985 निदेश स० अई-4/37ईई/10692¹84-85----श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 16, तिसरी मजिल, बिल्डिंग, नं० 14, झालावाड को० ओप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड प्राणोक चक्रवर्ती रोड, कादिबली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है (और इसम उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार नामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अत्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विष्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क), जन्तरक संबुद्धिकशी शाय की वावता, अवस्य जिथितियम के सभीन कर योगे के अक्सरक की शावित्य में कजी कारने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्राचन के जानियम, 1957 (1957 का 27) जो प्राचन के जानियम आसी हिए सा, कियान में सृविभा के लिए:

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरल इन्टरप्राइजेस।

(अम्तरक)

(2) विपूल रसीकलाल ध्रुव।

(अम्तरितो)

की यह तृषना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वृषीन के ट्रिसए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्वा हाँ।

नन्त्रची

प्लैट नं० 16, तिसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 14, झालाबाड को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली, (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/10692/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/10690/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से आधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 5 ाली मंजिल, बी विंग बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड को० ओ० हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड ग्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रजीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिबक स्थ से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरम व हुए किया गाय की बावए उक्त विश्-मित्रम के कथीश कर दोने के मन्दरम के समित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाद वा किसी धन वा बन्य वास्तियों को, विम्हें बादतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम या चन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्ष बन्दादिती बुक्त प्रकट नहीं किया ववा था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिभा खे रिष्ह:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), को अधीन, निस्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थाव् क्र— (1) सरल इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) यहा गिरीण कुमार कांतीलाल और रश्मीन के० शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समान्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हुँ।

नर्तृची

ि फ्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, बी विग बिल्डिंग, नं० 21, झालावाड जैन को० ओप० हार्डासग सोसायटी लिमिटेड, ग्रामोक चक्रवर्ती रोड कादिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क्रम सं० प्रर्द $-4^{l}37$ हिईl10690l84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 12-2-1985 मोहर :

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.,------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रर्ह-4/37ईई $^{\prime}10699/84-85$ —श्रतः सुझै,

लक्ष्मण दास नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, तिसरी मंजिल, सी विंग, बिलिंडग नं० 21 झालावाड जैन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, चक्रवर्ती रोड़ कांदिवली (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध झनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा झायकर झिंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के झधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख, 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धन-कर अभिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरल इंटरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) शहा रजनीकांत परषोतम दास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैट नं० 15, तिसरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को०-ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, धरोक चऋवर्ती रोड़ कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूची जैंसािक फि॰ सं० अई-4/37-ईई/10699]84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमांक 27-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई-

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूपः नार्षः दीः एनः एतः ----

नायकार निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/10697/84-85--- झतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 5, 1ली मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालाबाड जैन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ध्रमोक चक्रवर्ती रोड कांधिवली, (पूर्व), बम्बई 400101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उक्चरेय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृथिधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकतर्यों, अर्थात :--- (1) सरल इंटरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) चंद्रासेन रजनीकांत महा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बंपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

फ्लैंट नं० 5 1ली मंजिल, ए विग, बिल्डिंग नं० 21 झालावाड जेन को० ओप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, प्रमोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व) बम्बई—400101 -में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-4/37ईई/10694/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, सम्बद्ध

दर्नाक : 12-2-1985

माह्नर ;

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/10694/84-85-प्रतः सुक्षे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, ग्राउंड फ्लोर, मंजिल, ए विंग, बिल्डिंग नं० 21, झालावाड जैन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ग्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांविवली (पूर्व) बम्बई—400101 में स्थित है (और इससे उपाध्य प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 27-6-84 को पूर्वें क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास

- का पृथ्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
 - (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🖫

(1) सरल इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) मनोज जयतीलाल शहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूक्ता के राज्यव में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 4, ग्राउंड मंजिल ए विग बिल्डिंग नं० 21 सालावाड जैन को० ओप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, ग्राशोक चक्रवर्ती कांदिवली, (पूर्व) वस्त्रई- 400101 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई-4/37ईई/10694/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर:

प्रस्प आई. टी. एन, एस. - - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्चना

धारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज-4, अस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण सं० श्रई-4/37ईई/10693/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात 'उन्त विधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, सी विंग, बिलिंडग नं० 21, झालावाड जैन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई 400101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं) और जिसका करारनामा धायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 269क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं सारीख 27-6-1984

को वर्नोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के वश्यह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बधीम कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ब्रॉ, म्रॉ. जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्तिचित व्यक्तियाँ, जर्बात् हुन्न 36—506GI/84 (1) सरल इंटरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) रसीला श्ररविंद संधवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाए;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहम्नाक्षरी के पास निकास में किए का सकेंगे।

स्पष्डिकरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो जबत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्थी

प्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, सी विंग, बिस्डिंग नं० 21, झालावाड जेन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रशोक चक्रवर्ती रोड, कॉदिवली (पूर्व) बस्बई-400101 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई-4/37ईई/10693/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं ० अई--4/37ईई 10671/84-85:--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25-000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको संख्या फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड मंजिन, सो विंग बिस्डिंग नं० 21, झालावांड जैन को आपरेटिय हाउसिंग सोसयईटा लिमिटेड, अशोक चकवर्ती रोड, कांधिवला सम्बई-400101 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रा में ग्रीर पूर्ण रूप से थणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का घरा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तार,ख 27-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उजल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा क लिए, अर्र/या
- (क) ध्रेस किन्छ बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ के तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

भरा: जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन की सम्बद्धि किल स्थानिस्थों. स्थानि क्षान्स 1. अ। सरल इण्टरप्र इजेस।

(अन्तरक)

2. श्रो अनील केशबलाल शाहा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्थावत द्वारा;
- (च) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

शन्स्ची

फ्लैट नं० 3, ग्राइण्ड मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 21, शालावाड जैन को आपरेटिव हार्जीसंग सोताईटो लिमिटेड अशोह चक्रवर्सी रोड, कादिवला (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित है।

अनुसूत्रा जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/10671/84-85 धौर जो सभम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा विनाक 26-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्रतिधकारत, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (नि क्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरों, 1985 सं० अई-4/37ईई/10402/84-84-प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको संख्या प्लैट नं० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, नं.ल कण्ड इमारत, फतेहबाग, एस० बा० रोड, कांदिबला (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण स्प से विणित है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधान, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, ताराख 20-6-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के एक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण यथा पूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नह किया गया है:---

- (क) नमाहण संहृदं किसी बाय की बाबत, अवस विधिनियम के संधीन कर दोने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (भ) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

वर: सन, उक्त अधिनियम की बारा 269-म के बग्सरण की, मी, सकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. मैसर्स राजलक्ष्मा कन्स्ट्रक्शन कम्पना।

(अन्तरक)

2. श्री विजय चुनं।भाई पटेल।

(अन्तरितो)

को मह नुषना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो सी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्म्कटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुस्ची

पर्नैष्ट न० 4, जो, ग्राउण्ड प्रतोगर, नालकण्ठ इमारत, फोत्ह्याग, एम० वा० रोड, कांदिवला (प०), बम्बई—67 में स्थित है।

अनुसूत्रों जैसा कि कि मं अई-4/37ईई/10402/84→85 और जो सभग मोध हारा, बम्बई दारा दिनांक 20-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्रक्षिकारा, सहायक आयकर आयुक्त निराक्षण अर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

धिनाक: 12-2-1985

मोह्र 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरो, 1985

स ० अई-4/37ईई/10667i84-85:--अत : मुझे, लक्ष्मण दास.

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं ० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० डॉ-41 जो, 1लो मंजिल, बोनान्का इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अग्रोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवलो, (पूर्व), बम्बई-400101 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारोख 27-6-1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्नों कत संपरित का उपित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीज ऐसे अंतरण के लिए तय यामा गया प्रतिफल निम्मतिषित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1 श्री चिमन दास हस्सोमल खिलनानो।

(अन्तरक)

2. स्वाती इजीनियरिंग वक्सी।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट न० डो-41, जो, 1 सो मंजिस, बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), वम्बर्ड-101 में स्थित है।

अनुसूचा जैमा कि क सं० अई-4/37ईई/10667/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनाक 27-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मअ दास. सक्षम प्राधिकारः, सहायक आयक्त (निरःक्षण) अर्जन रेज-4, वस्बई

दिनाक: 12-2-1985

मोहर .

प्रकम् बाइ" ु ट<u>ि.</u> एन्. एस .- - - - ----

नाय्कर विधिनियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरा, 1985

सं ० अई-4/37ईई/10769/83-84:--अत: मुझे, लक्ष्नण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आउ 269-इस के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पांत, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका संख्या प्लैट नं० 1, जो "आनन्व अपार्टमेंटस", 40-41, अशोक नगर, कस रोड, अशोक आनन्द को आप,० हाउसिंग सोताईटा, लि०, कांदिवला, बम्बई-101 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधन बम्बई सक्षम प्राधिकारः के न्हार्यालय में रिजस्ट्रा है, ताराख 29-6-1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सि्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नतिश्वित स्थिकतयों, अर्थात् क्ष्मान 1. श्रा डी० एन० चौगुले।

्(अन्तरक)

2. श्रो एच० ए० राजे।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त, सम्पृत्ति को खुर्वन को हिनए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वतृत्वी

पलैट त० 1, जो, "आनन्द अपार्टमेंटस" 40-41 अशोक नगर, ऋस रोड, अशोक आनन्द को० ऑप० हाउसिंग सोसाईटो लि०, कांदियला, बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अई-4/37ईई $^{l}10769/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर:

प्रकप नाइ.टी.एम.एस.; -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

हार्ट्स ब्रकाट

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक्क अर्जन रेंज 4, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं॰ अई-4, 37**६**ई/1030**5**/83-84:--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति.. जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह- से अधिक ह"

ग्रीर जिसकी संख्या हुकान नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, श्री ल छ।या, विकास नगर, इहाणपुर वाडी के सामने, कांदिवली रूप), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, लारीख 16-6-1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिक का विस्नितियों के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिक का विस्नितियों के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिक का विस्नितियों के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिक का विस्नितियों के किया विद्या पर विस्तित के किया विद्या पर विष्टित में अस्तिव का विस्तित के किया विद्या पर विष्टित के किया विद्या पर विष्टित के किया विद्या पर विद्या विद्य

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का वाबत, उक्त अधिनियश के अधीन कर दोने के अन्तरक को शिमित्व में कमी कर्तने या उत्तर क्वां कृषिणा के सिए; ब्रीडिंगा
- (च) ऐती किसी जाय वा किसी चन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धात् ह—

1. श्री प्रदीय बिल्डिसँ।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश एम० कांयरिया।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक चै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकोंगे।

लब्बीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्धों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

धमुसूची

दुकान नं० 3, जो प्राउण्ड फ्लोअर, शितल छ।या, विकास नगर, उहाबपुर वाडी के सामने, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क सं० अई-4,37ईई,10305,84-85 थीर जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16-6 1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖟

प्रकप आई. टी. एन. एत . -----

वायकर व्यक्तियम, 1981 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, घम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अर्ছ-4, 37ईहै, 10416, 83-84:—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या माला नं० 22, जो, 2री मंजल, "सी विंग, बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट प्राइवेट लि०, प्लाट नं० 12-की०, अशोक चक्रवर्ती रोड, कां दवली (पूर्व), बम्बई—101 में स्थित है और इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम भाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-6-1984 को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क खम्मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वतस करने का कारण है कि यथापूबाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्ल्यमान प्रतिकल से, एसे ख्ल्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रांत्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया नवा प्रतिक कम निम्नोविंग्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थं) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जम्य वास्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, था वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने भी स्विधा को लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अधीन निम्निसित स्पिक्तियों अर्थात् क्ष्र-

- 1. बोतान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्राइवेट लि०। (अन्तरक
- 2. मेसर्स मास्टर गारमेंटस।

(बन्तरिती)

भा बहु सुमना चारी करके पृथानित सम्मिति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

बनवु बुल्हित् के नर्जन में सुन्दुन्द में कोई भी नाओर्ड--

- (क) इस स्वान के रावपत्र भें प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुनारा;
- (ज) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन के भात € उक्त स्थावर सम्पात्त में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उकोगे।

स्वाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्यों का, वो अक्त विभिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभावित हु¹, तहीं वर्ध होगा को उस अभ्याय के दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 22, जो, 2री मंजिल, "सी" विंग, बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट प्राइवेट लि०, प्लाट नं० 12-बी०, अशोक कश्चर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है। अपूर्वी जीता कि क सं० अई-4/37ईई 10416/84-. 85 ग्रीर जो सप्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, घम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० **अई**-4, 37**ईई**, 10**5**28, 83-84:--अतः मुझे लक्ष्मण वास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अधरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000' क स अधिक ही

भीर जिसकी संस्या पर्लंट नं० 6, जो, ग्र.उण्ड पलोअर, सत्य इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांविवली, प० बम्बई-67 में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्री है, तारीख 23-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एनी विस्ता लाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत् क्व, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण क्री, क्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निशिव स्थुलितम्, चर्चात् ---- 1. मसर्स विलोक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

 श्रीमती आशा गोविन्द मोदी भ्रौर श्रीमती दहीबेन जी० मोदी।

(अन्तिरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों क पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तीं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, सत्यम इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-4/37ईई/10528,84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निर्धानियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, .दनांक 12 फरवरी, 1985

मं० अई-4, 37ईई, 10517, 83-84:--अत मुझे लक्ष्मण षास.

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर,, पिश्रावम इमारत, फनेह्बाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रणं रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख -6-1984।

ेको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाद की बाबत उसत जीध-नियम के जधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्य मों कार्य कारने या उससे संख्ते में सुविध्य के लिए; आर्थ/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, प्रिक्ट भारतीय सायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या धन-वल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः बन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन. निम्निजिमित अधिकतायों. अधीन .—

37 -- 506 G1/84

1. मसमं राजलक्ष्मी कंस्ट्रक्शन अभ्यती।

(अन्तरक)

2. श्री टीकम दोस जे० वासू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशांकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए शार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सप्र----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह में 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचन की तामील में 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्पिन्त्यों में से किसी स्पक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि भे हिन्द्र सूच्या क्यां कर्ने अन्य अधिक दूधरा अधाहम्हाशः। के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्ची

फ्लेट नं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, शिवम इमारत, फतेन्नभाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई--4,37ईई,10517,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज-4, अस्बई,

दिनांक: 12-2-1985

प्रकृष काही, टी. एवं. एस_{. २००}०००००

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-आ (1) के अभीम सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिक)) अर्जन रेंज-4, क्रबम्बई

मम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985 सं• अई-4/37ईई/10507/83-84--अतः मुझे जक्षण वास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसको संख्या फ्लैट नं० 27, जो, 2री मंजिल, शिवम इमारत, फतेह्बाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई 67 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्जित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय में रजिस्ट्रो है, तारीख 8-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गढ़ा प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आता चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलियसं व्यक्तियों, अधित् :--- 1 मैसर्स राजलक्मी कन्स्ट्रमगन कम्पनी।

(अन्तरक)

1. श्री जन्द्रकांत प्राणजीवन शाहा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना भारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के लिए कार्मवाद्यियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मर्थ्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट मं० 27, जो, 2 रो मंजिल, जियम इमारत, फतेह्यांग, एस० बी० रोड, सांदिवली (प०), बस्ब $\mathbf{\xi} = 67$ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-4/37ईई/10507/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-6-1984 की रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारो, सहाबक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 12-2-1985

मोहर '⊯

प्रकम **वार**्ध टी_ज एन_ज एस_ज-------

वावकर निर्मानवर्, 1961 (1961 का 43) की वाह्य 269-व (1) वे अधीन व्याना

' ब्राप्ट प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज ~4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-4/37ईई 10280 83-84:---अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुस्त से अधिक है

म्रौर जिसको संख्या दुकान न० ६, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर,

निर्मनाधोन इमारत, महाबोर दर्शन, जो० के ० नगर इमारत नं० 3, शकर लेन, कादिवलो, (प०), बम्बई-67/में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबंड अनुमूचों में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, खंके अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है, नारोख 15-6-1984।

की पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर निम्निजिधिक उद्योग से उच्च अन्तरण निम्निजिधिक उद्योग से उच्च अन्तरण निम्निजिध में नास्त्रिक कर निम्निजिधिक उद्योग से उच्च अन्तरण निम्निजिध में नास्त्रिक कर से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर से अधिक स्वार्थिक स्व

- (क) अध्यापन से हुए किसी नाथ की नावत उक्त स्थिन-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अवसे अधने में स्थिभा के निए? सीए/या
- (क) एंसी किसी आब या किसी धन वा बन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर जिथितयम, 1922 (1922 का 11) या जकतं अभिनियम या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक व्यक्तियों, अधीत --

- मैसर्स जी० के० बेवलपर्मेट कारपोरेशन।
 (अन्तरक)
- श्री तुलाराम नितृति फडतरे भौर
 श्री श्रीरंग निवृति फडतरे।

(अन्तरिती)

न्ये वह बूचना चारी करके पून्तेंच्य सन्तित् के न्यंत् के बिह्य कार्यवाहियां शुरू करता हूँ (1)

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीन से 30 दिव की नवीं में, को भी वस्थि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाहा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी बं पास मिचित में किए जा सकने।

स्वच्योकरण. --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पृश्वों का, श्रो श्वच्य अधिनियम के अध्याय 20-क मेर परिभाषिष्ठ है, बहु वर्ष होना को उस वध्याय में दिसा वया है।

अनुस्ची

दुकान न० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, निर्माणाधीन इमारन "महाबोर दर्शन जी० के० नगर इमारत न० 3, शकर लेन काविवली (प०'), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-4/37ईई/10280/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक <math>15-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारा, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 12-2-1985 मोहर:

शक्य, नाई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

फार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

स ० अई-4/37ईई 10013/83-84--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आएए है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

मौर जिसको सख्या फ्लैटन० 406, जो, 4थी माजल, साई छापा, आकूर्ली रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101 भ स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप ग विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा, के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 2-6-1984 को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान लिए **अन्त**िरत की रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ऐस दश्यमान प्रतिकल का पदह प्रतिशत से अधिक है ोर अनरक (अनरकों) और अनिरित्ती (अनिरितिया) के बीच ^{ए स} अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद इस स उक्त अनरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गदा है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आभ की यावत, उक्त विभिनियम के वधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मा, मीं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कृ अनीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्रो अहमदअलो आय० मर्चेन्ट।

(अन्तरक)

 श्रोमतो अरूणा पारवाल वाईफ ऑफ अरूण पारवाल।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंभ में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. अनुसूची

प्लैट न ० 406, जो, 4थी मजिल, साई बाबा, आकुर्नी रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूच। जैया कि क स० अई--4/37ईई/10013/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, तस्बई द्वारा दिनाक 2-6-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 12-2-1985 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985 सं० अई-4/37ईई/10211/83-84—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको संख्या फ्लैट नं०→ए 301, जो 3री मंजिल, राजिकशोर इमारती, कांदिवलो विलेज, मेडरोन स्ट्रोट, एम जा० रोड, कांदिवलो (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबाद अनुसूनों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयर्कर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय उपानन पर्वतिया, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, 1957 (२५८७ का 27) के प्रयाजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रेडपाने में मृतिधा के लिए;

्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

श्रोमती उषा वि० चन्दाराना ग्रौर
 श्रो ब्रजैलाल के० चन्दाराना।

(अन्तरक)

2. श्रो रमेश भगवानदास पालन।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० v-301, जो, 3री मंजिल, राजिकशोर इमारत, कांदिवली विलेज, मडरीन स्ट्रीट, vम० जी० रोड कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क सं० अई 4-37ईई/10211/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक: 12-2-1985

प्रका नार्के हो। एकः एकः----

नावकड निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नवीन सूचना

भाउत चडकार

कार्यांकय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षक)

भर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

सं ० अई-4/37ईई/10429/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० "राम कृपा" जो, देवजी भिमजी लेन, आई० एस० एस०, कास रोड, कांधिवली, बम्बई—67 में स्थित है। (श्रीर इससे उपायदा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20—6—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए.वी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रोजस्ट्रीकृत किया गया है महो बह विश्वास

करने का कारण है कि प्रथापनीयस सम्पत्ति का उभित बाजार भूज्य, उसके दृष्यभान प्रसिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतिरितिकों) के बीच एसे जंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निश्राजियित उच्चेद्रय से उन्तु जंतरण जिस्ति में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

> (क) बलाएन वेहूद किसी बाब की बाबत, बच्च अभिनियन के अधीन कर दोने के बलाउक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में कृषिणा

के थिए; बौड/वा

(क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा निका वाना डाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्ह;

कतः अव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीत्र किनियम किनायों, अभित्र है—

 श्रो हरिकशनदास लक्ष्मीदास,
 श्रो विजयसिंह लखमी दास, भौर श्रोमती उषाबेन विजयसिंह।

(अन्तरक)

2. भी विनोध प्रेमजी टक्सा

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उनत सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिकतयों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्वा गवा है।

यगचनी

"रामकृषा" जो, देवजी भिमजी लेन, आई एस० एल० कास रोड, मयुरादास रोड, कॉदिवली, बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूजो जैसा कि ऋसं० अई-4/37ईई/10429/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनाक 20-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज -4, बम्बई

दिनाक: 12-2-1985

माहर :

प्ररूप भार्द्र, दी., एन., एस. त ह - -

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म्(1) के मभीन सुमना

भारत तरकाड

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, वित्तांक 12 फरवरी 1985 सं॰ अई-4/37ईई/10088/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण वास.

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25 000/- रड. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं ० 23, जो, 2 रो मंजिल, उहाण-कर महालक्ष्मो को-ऑप० हाउसिंग सासाईटी लि ०, प्लाट नं ० 1, बाचड़ इस्टेट, उहाणकर वाडी कांविवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित इस्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5 जून 1984

को पूर्वेक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उव्वेष्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तविक रूप स्म से कांगत नहीं किया च्या है ——

- (क) जन्तरण से हुर्द किसीं जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी, करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अधित्य--- श्री राजेम्द्र प्रभुवास रोहरा।

(अन्तरक)

2. श्री बेनेजिनट लारेन्स मथियास।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं शें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्पी

पलैट मैं० 23, जो, 2री मंजिल, डहाणकर, बाडी महा-लक्ष्मी को०-आपरेटिव इंडिसिंग सोसाईटी लि०, प्लॉट बिं०-1, चाचड़ इंस्टेंट, उहाणकर वाडी, कांविवली (पं०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-4/37ईई/10088/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 5-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी तहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 12-2-1985

नोहर 🛭

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

नामकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 12 फरवरी, 1985 सं० अई-4/37ईई/10415/83-84--अन, मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या माला नं० 20, जो, 2रो मंजिल, "सी" विंग, बोनान्झा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट प्राइवेट लि०, प्लॉट नं० 12 बी०, अशोक चन्नवर्ती रोड, क्रांदिवली (पूर्व), बम्बई—101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल्य में रजिस्ट्री है दिनांक 2561984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के वर्धीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी कारने वा उससे जचने में सुविधा के सिए; बॉर∕था
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियः को जिन्हें भारतीय जायकः र जिन्नियमः, 1,922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियमः, या भनकर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिधाने में सविभा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निचित व्यक्तियों, अधीत् हि—- 1. बोनान्झा इडस्ट्रायल इस्टेट प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मास्टर गारमेटस्।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हासीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस तथ्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

गाला नं ० 20. जो, 2री मंजिल, "सी", विंग, बोनाना इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्राइवेट लि., प्लॉट नं ० 12 बो, असोक चक्रवर्ती रोड, कादिवला (पूर्व), वस्वई—101 में स्थित हैं। अनुसूचा जैसा कि कल्मं ० अई—4/37ईई/10415/84— 85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बस्बई द्वारा दिनाक 22~6~1984 को राजिस्टर्ड किया भया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज्रं⊶4, बम्बई

दिनाक: 12-2-1985

मोहरु 🗓

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर वाय्कन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं ० अई--4/37ईई/10105/83--84:---अत, मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रमके परचात 'नकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मरूचि, जिसका उचित बाज़ार मून्य 25,000/- रठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, सत्यम इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवला (प,०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, ताराख 6 जून, 1984।

को पूर्वों कर सपत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को कश्यमान प्रिचित्रकल को लिए अन्तरित की गई आदि मुक्ते यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुदं किती जाय की शासत, उक्ट विधिनियम के जधीन कर दाने के जन्तरक के दायित्व मो कसी करने या उससे स्थाने मा त्विधा के सिध्, स्रोत / ए।
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथांजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिधा खें सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--38---506 GI/84

मैसर्स तिलोक करूदक्शन कम्पनो ।

(अन्तरक)

2. श्रो भरत आर ० शुक्सा।

(अग्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी वासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के श्वपत्र में प्रकाशन की ठारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्थावत इवारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्यों कार पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नमुची

फ्लैट नं/० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, सत्यम इमारत, एस बो ० रोड, फतेह्रवाग, कांधिवला (प०), बम्बई-67 में स्थित

अनुमूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/10105/84-85 जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1984 को रजिस्टई किया गया है।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अ**र्जन रज-4, बम्बई**

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ध

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० आई०-4,37 ईई०,10617,84-85--अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत 'श्रीजीं दर्शन इमारत, प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 100, सर्वे नं० 96, एच० नं० 3, मालाड,एस० बी०रोड, कांदिवली (पिष्चिम), बम्बई—67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 26 जुन, 1984

को पूर्विकत संपन्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिटित उद्देश्य से उन्तर अंतरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं ० युनाइटेड बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सती खुशालदास भाटिया श्रीर श्री खशाल दास के० भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी त से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, ह वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लैट नं० 22 है तथा जो दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन इसारत, 'श्रीजी दर्शनें इसारत, प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 100, सर्वो नं० 96, एच० नं० 3, मालाड, एस० बी० रोड, कांदियली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10617/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है :

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–4, बम्बई

विनांक : 12-2-1985

मोहर 🤃

मुझे, लक्ष्मण दास,

प्रस्य बाह^रे टी_{...} एक.. एक...------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10641/83-84--अतः

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,900/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वुकान नं० 1 है तथा जो ग्राउण्ड फ्लोर, 'चिन्तामणी, सरदार बल्लभ भाई पटेल रोड, आफ शंकर लेन, कांदिवली (पिश्चम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाक्षद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का तन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण कि बित में धास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृजिधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

बत: बब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं व्यशोधन डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री हंस कुमार वी० आशर ग्रीर श्री जय किशन एस० आशर।

(अन्सरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में शकासन की तारीब वें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं 1, तथा जो ग्राउन्ड फ्लीर 'चिन्तामणि' सरदार पटेल रोड, आफ मंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई 67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10641/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक: 12-2-1985

प्रकपः, बाहै । दी । एस । एस । - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की लास 269-च (1) के अधीन सूचना

नार्थं सहस्रहर

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरधरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37 ईई०/10597/84-85-अत. मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं बुकान नं 1, जो ग्राउन्ड प्लोर, निर्माणाधीन हमारत, 'दात्तानी ग्राम हमारत नं 2', प्लाट नं सी टी एस नं 1319, हेमू कालोनी, ऋास रोड, नं 3, कांदियली (पिष्णम), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणितहैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 जून, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण् वं हुन्दं किथी थाए की काय्त , उपल विधित्यम से वधीन कर दोने के ब्लारक के दायित्व में कभी करने वा उत्तवं वचने में श्वीयधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1937 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिभा स्ने लिए;

जतः नम उन्त जीपनियम की पारा 269-न की बन्दरण में, मी, उन्त जीपनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीप, निम्मिसिया व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० वत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्री बोहरा मनसुख लाल प्रागजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच सं 45 विन की अविधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, ब्राही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

नवृत्यी

दुकान नं 1 है तथा जो ग्राडण्ड फ्लोर, निर्माणाधीन इमारत 'दात्तानी ग्राम इमारत नं 2', हेमू कालोनी कास रोड, नं 3, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/1059/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 25 जून, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

प्रक्य बाहुँ, टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, विनाक 12 फरवरी 1985

निदेश स॰ आई०-4/37 ईई०/10535/84-85-अत मुझे, लक्ष्मण दान,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विख्वान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० दुकान न० 16 जो ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत 'नीलमबुजॅ, कमल अवार्टमेटम, होरमोसेल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, शकर लेन, कादिवली (पण्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 23 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।एवॉक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात में अधिक है और अतरक (बंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्नरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है --

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बॉर/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधिनियम जा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुध्यधा के लिए

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अधीत :--- (1) श्री राजाराम बाबू राव कानेरे।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन लाल गुरदास मल पंजाबी।

(अन्सरिती)

क्या यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया भूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मुक्षेप :---

- (क) इसं स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकग।

स्थव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहाँ।

अनुसुची

दुकान नं 16, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'नीलमबुज' इमारत, कमल अपार्टमेंटस, होरेमोमेल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बस्थई-67 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई है०-4/37 ईई०/10535/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13 जून 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सद्यायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन् रेंज- 4, बस्बई

दिनाक: 12-2-1985

मोहर .

प्ररूप आहें..टी..एन, एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10184/84-85--अतः मुझे, सक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104 है तथा जो पहली मंजिल, इमारत नं० ए-2, खाजुरिया नगर, कांदिवली (पिष्धिम), बम्बई-67 स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर-पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्चित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के अभीन कर दोने के जंतरक के वाजित्य के कमी करने या उससे अकने में सुविधा के सिए; और 'या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते वाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री किरीटकुमार शांतिलाल दोशी।

(अन्तरक)

(2) श्रीदीक्षित शांतिलाल दोशी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राष्प्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गया है।

94 Q E

फ्लैंट नं० 104. जो पहली मंजिल, इमारत नं० ए-2, खाजुरिया नगर, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10184/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 11 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **यम्बई**

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस.------

भाषकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (i) के अभीन सुमना

भारति चरकार कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, धम्बई बम्बई, धिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10313/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, कुम-कुम अपार्टमेंट इमारत, विभ्वन टैरेस कम्पाउन्ड, कांदिवली (पिष्यम), अम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16 जून, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्लास करने का कारण है कि यथापूर्लान्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों शरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की <mark>धारा 269-ग के अनुसरक</mark> में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**क्ति व्यक्तियों अर्थात् ड—**—

- (1) 1. श्री दिलीप कुमार एस ० शेठ।
 - 2. श्री किशोर भाई राम भाई सोनी और
 - 3. श्री अन। ल कुमार भट्ट ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री रमेश कुमार कालू राम जैन धौर
 - श्रीमती पुष्पा बाई केसरीमल जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

चन्स्का

दुकान न॰ 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, कुम-कुम अपार्ट मट इमारत, विभुवन कम्पाउन्ड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई 67 में स्थित हैं।

अनुचरी जैसा कि कम स० अई०-4,37 ईई०/10313/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

प्रकल बाह्र . टी. एत. एवं. -----

नायक र जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/10267/84-85-अतः मृक्षे, लक्ष्मण दास

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 है तथा जो पहली मंजिल, 'ज्ञान कुटीर' इमारत, प्लाट सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई 67 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 15 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह व्यिवास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बास की बाबस, उक्त बीधीनयम के बधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बॉर/या
 - (ब) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उक्त विभिनियमं की धारा 269-ग के वनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के व्यक्तियाँ क्यूगित् :---

- (1) मैं ० मंक् बिल्डर्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्सरक)
- (2) श्री मनोज कुमार अमृत लाल शाह। (अन्तरितो) को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्ध होगा, जो उस अध्याय में क्रिका गया हैं।

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, 'ज्ञान कुटीर', इमारत, प्लाट सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड एस० वी० पी० रोड, कांविवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4,37 ईई०,10267 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्क्षर्ष

सारीच : 12-2-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, महायक झाण्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बर्ष

बम्प्रई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० अई०-4/37 ईई/10266/84-85—अनः मसे, लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट न० 101 है तथा जा पहली मजिल 'ज्ञान कुटीर' इमारत, 'लाट सी० टी० एस० न० 328, विलेज मालाइ एस० वी० पी० रोड, क्राव्विली (पि॰म), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रींर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रींर जिसका वरारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्द्री है तारीख 15 जून 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भ अन्ह के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रभिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तिरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है ए—

- (कां) अन्तरण संहुई किसी जाय की भावत उक्त किथ-निग्म की अभीन कर द'न के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उत्तसे अचन में सविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

बतः नव, उक्त श्रीभिनयमं की भारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, भिन्निनिसित व्यक्तियों, अधीन प्र⊷

39—506 GI/84

(1) मक् बिल्डमं एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री राजेण बाने भाई सप्तवी श्रीर
 - 2. श्री निलेश बालू भाई सघवी।

(अन्तर्रिता)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया हो।

ननस्यी

फ्लैट नं० 104, जो पहली मंजिल, 'ज्ञान कुटीर' इ**मारत,** प्लाट मी० टी० एम० न० 328, विनेज मालाड, एस० वी० पी० रोड, कादिवली (पश्चिम), वस्बई—67 में स्थित है।

अनुसूती जैसा कि कम स० अई०-4/37 ईई०/10266/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रकृप नाइं.टी. एन. एस .-----

नायकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/10046/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

1,00,000/-रु. सं अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16 है शथा जो पहली मंजिल, शबम इमारत, एस० बी० रोड फतेहबाग, कांदिबली (पिश्चम) बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण, रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बंतरण वे हुई किसी बाय की वाबत, उक्त जभितियभ के बधीन कर दोने के बंतरफ के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ,11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने जें हिसा के लिए:

वतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के भन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मै० राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शस कम्पनी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री धीरजः लाल सोमा लाल परमार।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास निश्चित में किये वा सकेंगे।

स्याख्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त कांभिनियम के अध्यक्त 20-क में परिभाषित है, बहु विश्व होगा का उस अध्यास में विया गुसा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो पहली मंजिल, शिवमं इमात एस० बी० रोड, फतेह्बाग, क्लंदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि श्रम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10046/ 84-85 और जो क्षम प्राधिकारी, बम्बाई द्वारा दिनांक 2 जून, 1984 को रजिस्ट ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्ररूप गाइ. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने अधीन सूचना

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4 बम्बई बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेण सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10063/83-84-ग्रन:, मुक्को, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 26 है तथा जो दूसरी मंजिल णिवम् इमारत, एम० बी० रोड, फतेहवाग कादिवली (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इममे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से बांणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है नारीख 4 जून, 1984

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्श्लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ब्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आध की बाबन उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, स्थिपाने में सृष्यिभा के सिए:

(1) मैं ० राजलक्ष्मी कन्स्ट्रवणन्स कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द जगमोहन दास मुझी और श्रीमती मालिनी मुकुन्द मुनि र

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन की भिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के उपजपत्र भें प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हुशारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिक्टित में किए वा धकोंगे।

ह्मब्द्रोकरण. ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्सची

प्लाट नं० 26 है तथा जो दूसरी मंजिल, शिवम् इम एस० बी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10063/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बट्ट द्वारा दिनांक 4 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिगकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

क्षतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यस्ण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख: 12-2-1985

मांहर 🖫

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस्. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के बभीन सुभाग

L ZZ L

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण

भ्रजीन रेज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फेरवरी 1985

निदेश मं० ग्राई०-4/37 ईई०/10354/84-85--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंटन० 14, है जो पहली मंजिल, शिवम् इमारत, एम. बी० रोड, फतेहबाग, कादिक्ली (पिचम) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण भप में विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 18 जून, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मूल्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ट्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सविभा के निए; भोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया ववा आ वा किया बाना शाहिए था, जियाने वें बृविधा अं सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् हे— (1) मै० राजलक्ष्मी सन्स्ट्रवशन्स सम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमिलावेन जमनादास खेताती और

श्री हितेशकुमार जमनादास खेतानी ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों करः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जनत जन्मरित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी जाओप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी प्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए का सकरेंगे।

स्पद्धिकरण : — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मो परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 14, है ਨथा जो पहली मंजिल, णिवम् इमारत एस० बी० रोड, फतेहबाग, काँदिवली (पश्चिम), बम्बई--67 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क अम सं० आदि०-4/37 ईई०/10354 8 (-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई प्रारादिनाक 18 जून, 1984 चो र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख . 12-2-1985

प्ररूप आर्क्ट टी एन एस ------

नायकर मिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

fলইজ ন০ সাৰ্হ০-4/37ইছ০/10459/84-85--স্ন मझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विख्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट न० 15 जो पहली मजिल, शिश्रम अमारत एस० बी० ोड फतेहबाग, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप मे विणित है) और जिसका करारनामा स्रायकर स्रीध-नियम, 1961 भी वारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिका के कार्यालय में रिजस्ट्री है ता कि 23 जून

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो)क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं पाया गया है ---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दामित्व में कभी करन या उससे बच्च में सविभा क लिए, बार्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय बाय-कर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवाराप्रकटनही किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से वृषिभा चे सिए;

वत. वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मे, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात .--

- (1) मै० राजलक्ष्मी कन्स्ट्रम्शस कम्पनी ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीनवनीत ए० माधवानी।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कांड्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बवारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

फ्लैंट २० 15 जो पहली मजिल, शिवम् इमारत, एस० बी० रोड, फतेहबाग, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम स० श्राई०-4/37 ईई०/10 159/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्रारा दिनाक 23 जन, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/10502/84-85-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी स० दुकान नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, निर्माणाधीन इमारत, दात्तानी पार्क प्लाट सी० टी० एम० तं० 794 वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे कादिवली (पूर्व) बम्बई—101 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है) और जिमका करारनामा ग्रायकर ग्राधिन्यम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9 जून 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृल्य स कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी शायकी वावत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कमी कारने या उससे वचने प्रे स्विधा कारलए; जरि/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा असिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० दात्तानी कन्स्ट्रक्शस ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल बगेलू गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारि करके पूर्वोंक्त सम्प्रित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूर्य

दुकान नं० 5, जो ग्राउण्ड फ्लोर, निर्माणाधीन इमारत, दात्तानी पार्क प्लाटनं० [िमी० टी० एस० नं० 794, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, कादिवली (पूर्व) बस्वई—101 में स्थित है।

अप्रमुक्ती जैसा कि कम मं० प्रई०-4/37-ईई०/10502/ 84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 9 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 12-2-1985

प्ररूप माई. टी. एव. एस.-----

बाय्कार क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-4, बम्बई
सम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मे**० ग्रई०-4/37-ईई०/10141/84-85---ग्र**तः

म्झे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव ए-1, जो ग्राउण्ड फ्लोर राज किणोर' इसारत, सीव टीव एसव नंव 1065 मेउरीन . स्ट्रीट एसव जीव रोड कादिवली (पिष्चम) बम्बई-67 में स्थित है। (ग्रोर इपने उपन्वड अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणा है) और जिसका करारतामा श्रायकर सक्षम प्राधिकारी श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 जून 1984

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसको दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर क्षेत्र अन्तरक के दायित्व में कमी काले या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिमाने कें स्विधा के निए;

(1) श्री त्रिभुवनदास ग्रार० कोटेचा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोदबाला नरेन्द्र शाह और श्री नरेन्द्र एम० शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकांशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्राप्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिग्ग गया है:

मन्स्सी

फ्लैट नं ं ए-1, जो ग्राउण्ड फ्लोर 'राज किशोर इमारत, सी० टी० एम० नं र 1065 मेखरीन स्ट्रीट एम० जी० रोड, कांविवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-4/37-ईई०/10141 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8 जूंन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸4, बम्बई

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिन्त व्यक्तियों, अर्थत् :---

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकारु जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवंरी 1985

निदेण मं० श्रई०-4/37-ईई०/10809/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० दुकान नं 17, जो ग्राउण्ड फ्लोर सर्वे न 680, एव न 7 और 4 (अग) दत्तात्रय अपिटिमेंट. एम जी ोड इंडाणकूर वाडी कादिवली (पिण्वम), बम्बई - 67 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करारनामा श्रायकर ग्रिध – नियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 29 जून 1984

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/मा
- (ख) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं मा अभिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण भ्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अक्षे अधीम, भिम्नलिखित स्पवितयों, सर्थात्:— (1) मै० भावना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनोज जी० महता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मा किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयक्त शस्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिस्क्र गया है।

अमृस्ची

दुकान नं० 17, जो ग्राउण्ड फ्लोर सर्वे न० 80 एस० न० 7 और (अंश) दलावय ग्रपार्टमेट एस० जी० रोड इहाणूकर वाडी, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम मं० आई०-4/37-ईई०/10809/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 29 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रस्प आईं ्टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) [म्राजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं ० । सई०-4/37-ईई०/10234/84-85-- स्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं० गाला नं० 16 तथा जो विग छी, पहली मंजिल बोनान्सा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट श्रमोक चन्नवर्ती रोड मिरांडा टूल्स लिमिटेड के पीछे कांदिवली (दूर्व) बम्बई में हिस्थत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की है धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अपिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15 जून 1984

को पृथेकित सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेकित सम्पक्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, ऐसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----40---506 GI/84 (1) श्रीमती भारती धार० जेठानी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दिनकर सीमा मालकर
 - श्री दीपक दिनकर मालकर और
 - 3. मास्टर् रिवन्द्र दिनकर मालकर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ज्यासमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

यूनिट नं० 16, तथा जो विग-डी, पहली मंजिल बोनांजा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट ग्रणोक चक्रवती रोडं मीरांडा टूल्स लिमिटेड के पीछे कांदिवली (पूर्व) वम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-4/37-ईई०/10234/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकण आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक '12-2-1985 भोहर प्रस्प बाई. दी. एत. एस. ----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन संभन।

भारत सरकार

कायोलय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरा 1985

निदेण सं० अर्ह०--4/37-ईई/10248/84--85---अत:, मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० गाला नं० 206, तथा जो दूसरी मंजिल, मैसर्स संघिती इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस नं० 74 एस० न० 7 धौर 8, एम० जी० रोड, कांदिवली (पिच्चम), बम्बई में स्थित है (धौर इससे, उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में विणित है), धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय; में रजिस्ट्री है तारीख 15 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुम्ने यह िर्जनात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर (अन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरक (अन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरका के दिया गय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुइं किमी आय की बायत, उपन अधिनियम के अधीत अर देने के अन्तरक के बाधित्व में कामी करने या उससे जसने बी शुक्त के के लिए; भौर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा अवत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गुरु। भा दा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए:

अत. अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) आमता मंजुला भानू लाख संघवो।

(अन्तरक)

(2) मै० चम्पायन डाई वर्क्स।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर क्ष्मान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नत व्यक्ति को से स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधाहस्ताक्षरी के पास किथित में निक्य जा सकींगे।

न्याद्रीकरण:— उसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अमुसूर्ची

गाला नं 206, तथा जो दूसरो मंजिल, मैसर्स संघवी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस० नं 74, एच० नं 7 श्रोर 8, एम० जो रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10248/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 15 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंजें 4, बम्बई

नारांख : 12-2-1985

मोष्टः .

प्रक्य नाहाँ दी एन एस . - - --

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) कौं भारा 269-म (1) के विधीन सचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक कार्यकर मानुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई० 10533 84-85--अत. मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म श्रीनिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 3 है तथा जो इसारत 'उदय अपार्टमेट्स' सैववी प्राइवेट स्काम श्रौर सर्वे नं० 85 (श्रश), श्रीर सर्वे नं० 86, एच० न० 1 ग्रीर 2 (ग्रंग), पोईसर, कमला नेहरू, फास रोड, नं० 2, कादिवल। (पाप्रचम), ब्रम्बई--67 में स्थित है (ग्रीर इसल उपाबद अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टा है ताराख 23 जुन, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के ४२४मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मल्य. उसके दूरयमान प्रतिफल सं ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाय। 🎁 शिक्षिकल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निर्विदा ने वास्तविक रूप संकथित नहां किया गया है 🖫

- (क) बन्तहर त हुन्द्र किसी बाब की बाबस, उब्ह वृधिविसम के बधीम कु योगे के जस्तरक के खबिरबु में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के खिए; बॉर/या
- (ख) एरेंग्रे िहसी और एक विश्व निवास अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिवाने में सुविधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, निम्निजितिक व्यक्तिस्थों, वर्षांत ■— (1) श्रीमती प्रभावती नागांदास संघवी।

(अन्तरक)

(2) श्रांमती जीवीजेन वल्लभ राम गोक्ला। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किन्न कार्यशाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्प :---

- (क) इस स्वनाकि राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा तकोंगे।

स्थष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि--भाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 3 है तथा जो इमारत 'उदय अपार्टमेंट', प्लाट नं० 37, संघवी प्राइवेट स्कोम, ग्रौर सर्वे नं० 85 (ग्रंश, ग्रौर गर्वे नं० 86, एच० नं० 1 ग्रौर 2 (ग्रंश), पोईसर, कमला नेहरू कास रोड नं० 2, कांधिवलो (पश्चिम), बम्बई— 67 में स्थित हैं।

अनुसूचा जैसा कि क्रम मं० अई०--4/37 ईई०/10533 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई में द्वारा दिनांक 23 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4 **बम्बर्ध**

विनांक: 12-2-1985

माहर 🖫

प्ररूपः अरड्ः टीः एनः एसः ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 139 व (1) के अधीय सुचना

KING MEGGIN

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-4/37-जी०/57/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन मक्षाय प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर नम्पन्ति, जिसका उसित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसका सं० एस० नं० 71 एच० नं० 12, एक्सार विलेज, बोरोबला, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुस्यों मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन नाराख 30 जून, 1984

को पूर्वीक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य सं कम के ख्यमान प्रतिफंप के लिए अन्तर्गरन की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्रत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तहण संध्र किसी नाम की बावत, उक्स गोधानमं के अभी। की माने के बन्तरफ के शांधित मां का के जारत राउस। बचने मा सूर्विधा यो लिए, और√बा
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आंस्तयाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकास की किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रो होराजी कोल्या म्हाक्षे।

(अन्तरक)

(2) बोरीवली लिकिंग व्हयू को--आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमटिड ।

(अन्तरितो)

(3) श्री भरद एस० फड़के ग्रीर अन्य।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-

भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता 🚛 ।

उन्त संधारा के कथन के संबंध में काई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्मिक्सियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवद्ध किसी बन्म व्यक्ति क्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

न्न्स्यो

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 16361981 और ज। उप रिजस्ट्रार, बम्धई द्वारा दिनाक 30 जून, 1984 को रिज-स्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

माहर 🛭

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

नायकर नांधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरा 1985

निदेश सं० आई०-4/37-ईई०/10124/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रा. से अधिक है

25,000 - रह. स आध्क हु

प्रौर जिसकी सक पनैट नंक 11 है लया जो दूसरी मंजिल, 'ई'

बिंग, गुलिस्तान अपार्टमेट, एसक बोक रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारोख 8 जून, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपात बाजार मूस्य से कम के खर्यमान शिक्षेणल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबोक्त संपत्ति का उपात बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिचत सं अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ही उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरुण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधूने में सुविधा के लिए; जोर्/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी वन वा जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अथः, उक्त अधिभिनयम की भाषा 269-ए के अनुचरण को, मी, उक्त अभिनियम की भाषा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मैं व वेस्टर्न इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) थां निजार अलो नूरमा राजे पूरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को सर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां प्रस् सूचरा की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति सूधारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त प्रधावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टोक्षरण '---इसमें प्रश्नाक्त शक्ता कार गद्या का, जा उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ प्रोगा जो दक्ष अध्याय मा विया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं 0 11 है तथा जो दूसरी मंजिल, 'ई' विंग, गुविस्तान अपार्टमेंट, एस० वी० रोष्ठ, दिहमर (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है। अनुभूचो जैमा कि कम गं जाई० -4/37-ईई०/10124/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई क्रेरा दिनाक 8 जून है 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ टी.एम.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत प्रकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (मिरीखून) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10148/84-85--अत:

मुझे, लक्ष्मण दास

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाबार मुझ्ब 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० प्लैट नं ० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'डी बिंग, गुलिस्तान अपार्ट मेंट, एस० बी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिक ारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारी ख 8 जून, 1984
को पूर्वोश्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके रह्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोक्य से उक्त बन्तरक
सिखित में भास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिव्स के सुधीन चार दोने के बन्तरक की बाहित्व में कजी करने वा उससे व्यने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (क) ऐसी कियो नाम ना किसी भन ना नम्म नास्तिनी को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनयम, या जन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा एकट नहीं किया नया था ना किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुन्या से लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, अक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, गिम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1) वेस्टर्न इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री करीम गुलाम हुसैन जारानिया और अन्य। (जन्सरिती)

को सृष्ट भूषना भारी कारके पृत्रोंक्स संप्राप्त के सूर्यन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनक संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आसीप ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वनिध, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस अवना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 । धन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकति।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रथा है।

जन्सू मी

पलैंटनं • 1 है तथा जो प्राउन्ड फ्लोर, 'डी' विंग, गृलिस्तान जपार्टमेंट, एस॰ वी॰ रोड, दिहसर (पूर्व), बस्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10149 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🛭

अक्य आई हु **टी**ं पुरुष पुरुष के रूप र सरक

भावकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नभीन सुमना

मारत सहस्राउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-4, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०--4/37 ईई०/10311/84--8**ह--अतः** मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 15 है तथा जो तीसरी मंजिल, 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्ट मेंट, एस० वी० रोड, बहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 8 जून, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्रममान
प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रममान
प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किमत
नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की शावत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजन नार्थ अस्तिरिती द्वाश प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था किया में मुविधा औ लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० वेस्टर्ने इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुलतान अली मोहम्मद मरेडिया।

(अन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासप :----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धे व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत स्वतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच में 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्धारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकोंगे।

स्वक्कीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त विधिनयम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस प्रध्याय में विका वस हैं।

धन् सूची

पर्लंड नं 0 18 है तथा जो तीसरी मंजिल, 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्ट मेंट, एस० वी० रोड, दिहसर (पूर्व), वम्बई में स्थित है अनुसूची जैसा कि कम सं 0 आई०-4/37 ईई०/10311/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 जून, 1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर 🖫

ETHE WILL . 41. 44. 44. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारक सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, विनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-4/37 ईई०/10308/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मणं दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पण्डात् 'उन्न अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लटन ० 12 है तथा जो 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्टमेट, प्लाट बेअरिंग सी० टी० एस० नं ० 1053/1 से 7 एस० वी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण क्य से विंगत है), ग्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1984

की पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकान के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत्त का बन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य पामा गया प्रति-का निम्निनित उद्देश्य से स्वत अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अध्वरण में हुइ किसी जान की वाबत, सक्त विभिन्नय की अभीत कर बोने की अस्तरक की शामित्रक को कसी करने या बससे वजने भी सुविधा वी जिस्; बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना बाहिए था, कियाने वें विध्वा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्छरण अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की समधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—- (1) मैं ० वेस्टर्न इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णकीना बाई अब्दुल मरेडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के वर्षक के सिप् कार्यवाहिया करता हु।

सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप *~-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत पं प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपन्ति में हितलवध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, था तक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची 🛚

फ्लट नं० 12, तथा जो 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्टमेंट, प्लाट बेओरिंग सी० टी० एम० नं० 1053/1 में 7, एम० वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० आई०-4/37 ईई०/10308/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत बहुका

कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० आई०-4/38 ईई०/10309/83-84---अस मृक्षे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रा से अधिक है

भौर जिसकी म० पलट नं० 9 है तथा जो दूसरी मंजिल, 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्टमेंट, प्लाट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 1053/1 से 7 एस० वी० रोड, वहिंसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री हैतारीख 16 जून, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित नावार मून्य से कम के अस्प्रज्ञान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बावार मून्य उसके उपयमान प्रतिकाल से, एसे अस्प्रमान प्रतिकाल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पावा नया शितकल, निम्नतिबित उद्वेषयों से उपत अन्तरण निकित में नाम्तिक एप से कियत नहीं किया गया है:—

- (फ) अस्तरण से हुई किसी जास की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार प्रति की अन्तरक की राधित्य मां कभी करने या उससे बचने मां सुविधा के लिए, और/बा
- (भ) एम किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों भी जिन्ही भारतीय अगयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के एधाननार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एए किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिह;

(1) मैं वेस्टर्न इण्डिया बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेनाबेन हबीद मरेडिया।

(अन्सरिती)

का सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुः

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबध में कोई भी आक्षण- ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वाग,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धाकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश है बही कर्ध होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

ग्रनुस्ची

फ्लैटनं० 9 है तथा जो दूसरी मजिल, 'डी' विंग, गुलिस्तान अपार्टमेट, प्लॉट बेऑरिंग मी० टी० एस० न० 1053/1 से 7, एस० पी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०, 10309, 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985 मोहर्ं.

प्रकृप बाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जाम्ब्येत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-४ बम्बर्घ

बम्बई, दिनाव 12 फरवरी 1985 िखेश स० ग्रई-4/37-ईई/10310/83-84-- अत मुझे, तक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

25,000/- रु सं अधिक हैं
और जिमको सं० पनैट न० 14, जो हीसरी मिजल गुल्सिन प्रपार्टमेटम प्राप्ट बेंटरीग मौ० टी० एस० न० 1053/
1 से 7 एम० बी० रोड, वहिसर (पूर्व) बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारों के नार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 16 जून, 1984 को को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्त यह विश्वास फरने का कारण हैं कि स्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के प्रयमान प्रतिफल के खार अंतरित (अंतरितमों) के बीच ऐसे अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्योग्य से उचत बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियंभ के अभीत कर दोन के अनक्त के दायित्व में कामी करने या उसने संघने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट पहीं किया एया धर पर जिल्ला जाना चाहिए था, खिपाने के सरिका की किए:

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्मीनिकित स्विक्यों अधीर (1) मैमर्स वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरकः)

(2) शौकतम्प्रली मोहमद मरेडिया ।

(श्रन्तिगती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थितयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति भों हितबब्ध किसी वस्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पाद्धकरण '---इसमें प्रयुक्त सुक्ती मौर पदों का, वो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अन्सूची

फ्लैट नं० 14 जो तीसरी मंजिल, गुलिस्थान श्रपार्टमेट प्लाट बेग्नरीग सी० टी० न० 1053/1 से 7 एम वि० रोड, दिहसर (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैमािक ऋ० सं० अई-4/37-ईई/10310 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बय्बई द्वारा दिनाक 16 जुन 1984 को रिजिस्टर्ड निया गया है।

> लक्षमण दास, नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक भ्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजेन रेश-4 बम्बई

विनाक - 12-2-1985 मोहर

त्रक्ष वार् .टी.एन.एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० भ्रई- 4/37-ईई/10663/83-84---**भ्र**तः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह संअधिक ही

और जिसकी स० जमीन दहिसर (पश्चिम) मे जा एक्सार विहलेज, बेग्नरीय सर्वे न० 128 (अंग) एच० नं० 12 और सर्वे नं० 127 (अंग) सी० टी० एस० न० 551 (अंग) और 535 (अग) बम्बई मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूच, मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 का धारा 2964, ख के प्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनान 27 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के इष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रति-फल से, एसे क्र्यमान प्रति-फल से, एसे क्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ही भारतीय जायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था ना किया बाना चाहिए था, कियाने में युनिधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मुकूद गोविंद म्हाले ।

(धन्तरक)

(2) श्रमोत द्रस्ट ।

(भ्रन्तरितो)

(3) अन्तरक और अन्य । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिमांग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके भूगेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी यविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थित्य बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर तक्स स्थावर सपित में दिस्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए भा किसी ।

स्कल्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्स जिनियम के जन्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्म होगा को उस ज्नाम याँ दिया गमा है।

भग्सूची

जमीन दहिसर (पश्चिम) में, जो, एक्सार गांव बेग्नरीग सर्वे नं० 128 (अंश) एच० नं० 12 और सर्वे नं० 127 (अंश) , मी० टी० एस० नं० 551 (अंश) और 535(अंश) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं अई-4/37-ईई/10663/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, **प्रस्कर्ष**

दिनाक - 12-2-1985.

ध्यम बाह्र .टी.एन्.एत्. ------

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) के बधीन स्वता

THE STATE

कार्याखक, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० ग्रई- 4/37-ईई/10395/83- 84-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'छक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के सभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रत. से जिसक हैं
और जिसकी संव बुकान नंव 16 जो, मोषी भ्रपार्टमेंटस,
एलव टीव रोड, दिह्मर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं
(और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित
हैं), और जिनका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनावः 20 जून 1984
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पन्नाहं प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती
(बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक
कस, निम्नलिक्त उद्वेषण से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियामें में सुविधा के लिए:

वंधः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, जा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) दी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् ॥—— (1) श्रीमती मिना महेद्र कपाडिया और श्री किरीट मिजी कपाडिया ।

(भन्तरक)

- (2) श्री समीउल्नाह तलूक चौधरी श्री हकीकुल्ला। तलूक चौधरी और श्री अब्दुल्लाह तलूक चौधरी (अन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुन्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश्व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वीक्तयों पर स्वना की तामीश से 30 दिन की जब्धि, को भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

बन्स्की

वुकान नं 17 जो मोदी श्रपार्टमेंटस एल टी रोड; दहिसर (प), अम्बई -68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/10395/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20 जन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4 वस्बर्ष

दिनांक : 12-2-1985

प्रस्त नाही, दी, हम्, एवं ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-4, **ब**म्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई- 4/37-ईई/10372/84-84--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित 'बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 10 जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नंव ''बी'' मिस्अयूटटा नगर छन्नपती शिवाजी रोड, दिहमर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट, हैं दिनांस 16 जुन 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृल्य, इसके द्रवयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रवयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बल्तरण वेहुई फिसी नाय की वावस, उक्त बिधित्यस के नधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उन्ते वचने में सुविधा से भिए; श्रीतु/वा
- (च) एसी किसी बाग वा किसी भन या जन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), के प्रधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, स्थात :--- (1) श्रौ कुलदीप सिंह एस घावडिया ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रा नरेण कुमार तुलसीदास मोएल ।

(भ्रन्तरितौ)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🕏

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्थितयों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की बचिध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थितयों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीश स 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्मरित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पक सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पर्वों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं जर्थ होना, को उस अध्याय में दिया

वन्त्यी

दुकान नं० 10 जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं० ''बी'' "'मिस्क्युटटा'' नगर, छत्रपती शिवाजी रोड दहिस्र (पूर्व) अम्बई-68 में स्थित हैं।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- $\cdot 4/37$ -ईई/10372/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 16 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांवः : 12--2--1985

भाष्ट्र :

भन्त(रती)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अभयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० श्रह-4/37ईई/11064/84-85-- श्रत मुसे लक्ष्मण दाप,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी दुक्तन नं 5, जो ग्राउंड फ्लोर, सेव नगर की-श्रारे हेव हाउँ मिग सो नायदी लि , सी ० एस ० रोड, दिह सरा (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा श्राप्त र अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रावीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनांक 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित क्यो गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जांचत बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकल सं, एस क्यमान प्रविक्त का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे बंतरण के जिए तम पायण क्या प्रांतकल, निम्तिविक उद्देश्य से उच्त अंतरण निम्तिक के बासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंखरण संदुर्श किसी नाम की बाबल, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मंकशी करने या उक्त संबंधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम विद्या प्रकट नहीं किया बाबा था या किया वा बाबा प्रकट नहीं किया स्वाभा या किया बाना चाहिए था छिपाने में सावधा में निए,

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) श्रा राकोटयूया लक्ष्मयूया मोरा।
- (अन्तरक) (2) श्री राठोर मातीलाल नरसिंहभाई।
- (3) श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत् सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर स्वान की तानीस से 30 दिन की सबिध, को भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बंधीं और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

दुकान नं० 5 जो ग्राउंड पलोग्नर, सेव नगर को-श्रपारेटिव हाउँमिंग सोसायटी लि०, सी एस० रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई- 4/37-ईई/11064/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जुन 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

अरूप बाइ. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेंश सं० म्रई-4/37-ईई/10/364/83-84--म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० ए-2/1, जो छन्नपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसुची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रातिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 18 जून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान लिए (अन्तरित की गष्ट प्रतिफल के करने का यष्ट विश्वास कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की वायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धर- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा स्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता. छिणाने में स्विधा और निष्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविति व्यक्तियों, अधीत्:— (1) स्पेस बिल्डर्स प्रायवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो भद्रांक हिम्मतलाल गहा ।

(भ्रन्तिंग्सी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास तिस्ति मो किए जा सकीगी।

स्भव्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्त्र्यी

दुक्शन नं० ए ए 1 2/1, जो छन्नपती णिवाजी मार्ग दहिसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/10364/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 18-6-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिवारी महायक श्रायक श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 12-2-1985 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बस्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० ग्र**ई**--4/37--ईई/10363/83--84--- ग्रत:

मुझे, लक्ष्मण दास, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/ रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० ए3-ए4/11, जो छन्नपती शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से जिधक है और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर दिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

उतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) स्पेम बिल्डर्स प्राइवेट लि॰।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री नानालाल विश्वनलालजी जोशि और भ्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस गें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

दुकान नं ए3/3-11, जो छत्रपति शिवाजी मार्ग, विहसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैमाकी ऋ० सं० जग्रई-4/37-ईई/10363/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18 जुन 1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक :- 12-2-1985

महिर 🖫

प्ररूप आर्घ.टो.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-∤, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12-2-1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10027/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समास्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, "समीर अगार्टमेंट", दहिसर (पूर्व), बस्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अफ्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
42—506 GI/84

1. श्री दीनानाथ गणपत सानंत

(अन्तरक)

 श्रीमती सरस्वती एच० दांडिया भौर श्री हरिकिशन एच० दांडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

दुकान नं ० 1, जो,ग्राउंड फ्लोअर, "समीर अपार्टमेंट", विहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची---जैसा का कर सर अई-4/37ईई, 10027/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, अम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आग्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्धई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अर्६-4/37र्द्ध/10068/83-84--अनः मुझे, लक्ष्मण दाम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या दुकान नं. 4, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, निर्मला निकेतन इमारत, मराठा कालोनी रोड, दहिसर (पूर्व), धम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मेसर्स कमल बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. डा० चितामणी विष्णू लेले ।

(अन्त(रती)

(3) अन्तरिसी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी-ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित में हितबन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पार निष्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची :

दुकान नं० 4, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, निर्मला निकेसन इमारत. मराठा सालोनी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई–68 में स्थिन है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-4/37ईई/10068/ 34-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्व राधिनांक 4-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षमे प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-198**5** मोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-4, धम्धई

धम्बर्ध, विनोक 12-2-1985

निर्देश सं० अर्ध-4/37ईई/10529/83-84--अंतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अश्वात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 12, जो 4थी मंजिल, इमारत निर्मला निकेतन, नराठा कालोनी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 23-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रू—

- (क) अन्तरण से हुई सिक्सी अगय की बागत, उन्दे विधियिक को अविश कार दोने की बन्तरक की बोगलन को काकी कारने या जनमां स्थान की सुविधा की लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ (वध:

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**खित व्यक्तियों**, अर्थात् ः— 1. मेसर्स कमल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री ब्रोजलाल भगवान चुडासमा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपर्शिको अर्जन को संबंध में काई भी काक्सेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिर्त- बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

प्लैट नं० 12, जो 4थी मंजिल, इमारत निर्मेला निकेतन, मराठा कालोनी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37-ईई/10529 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-84 को र्राजस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज-4, बम्बई

दिमांक: 12-2-19**85**

मोहर 🛭

प्रचल नार्दा, दर्श, इस , इसक्त क क क करन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वनर

PER TESTS

कार्याजन, बहायक जायकर वायुक्त (गुनरीक्षण)

अर्जम रेंज, धम्ब**ई** धम्बई, दिनांक 12-2-1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10024/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जावकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 10, जो, 3री मंजिल, सिल्वेरीन, प्लाट नं० 14, एस० नं० 110 (श्रंश), सी०टी०एस० नं० 1128 विलेख एक्सार, बोरियली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, के, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्रम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिवात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विश्व के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्धर क्याने में सुविधा के लिए; अदि/का
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिरती इवाच प्रअट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विध- के किया

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. मेसर्स बी० आर० इंटरप्राईज।
- (अन्सरक)
- 2. श्री ए० एफ० मुनीम ।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके प्यक्ति सपति क अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

छक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपा----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मं वधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख सं 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हिलबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे.

स्पष्टीकरणः महसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, यही अर्थ झोगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, घम्बई

दिनांक: 12-2-1985

1-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, धम्बई

बम्बई, दिनांक 12-2-1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10025/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ण के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पसैट नंव 8, जो 2री मंजिल, सिल्वेरीन, एसव नं० 110, प्लाट नं० 14, सी०टी०एस० नं० 1128, ह्लिलेज एक्सार, बोरिवली (प), अम्बई-103 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फेयह विश्वास करका का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनिगम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेससे बी० आर० इंन्टरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्युलिना अलफ इन्स फर्नाडीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों मं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इसस्चना कं राजपक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अन्सूची

फ्लैंट नं० 8, जो, 2री मंजिल, सिल्वेरीन, एस० नं० 110, प्लाट नं० 14, सी०टी०एस० नं० 1125, ह्विलेज एक्सार, बॉरि-वली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची---जैसा कि ऋ० सं० अई--4_/37-ईई/10025/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारतः संरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवर्र। 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/10023/83-84-- अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 4, लो 1 री मंजिल सिल्बेरीन, प्लाट नं 14, एस नं 110 (श्रंण), व्हिलेज एक्सार बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर जो पूणं रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्रा जस्ट्री है विनांक 1-6-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से बाजक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकात निम्निवित उद्वरिय से उक्त बन्तरण सिवित में बास्य-रिक एमें सिवत वहीं किया क्या है क्या

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-ष्टित्य वे अधीय क्षप्त दोने के अन्यवक के दावित्य में कमी कड़में वा उधरो युष्ते में सुविधा के प्रिप्, बार्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के निए;

बतः वृत्तं, उपत जीधीनवनं की धारा 269-ज कैं वृत्त्रस्य में, में, उक्त जिधीनयमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिका व्यक्तियों, अर्थात् हि—

1. मैसर्स बी० आए० इंटरप्राइने ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती वि० एस० सालढाणा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में रिहत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विविद्ध में किए वा स्कींगे।

क्षकांकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्रिक्त गया है।

मगसची

प्लाट नं० 4 जो, 1 ली मंजिल, सिल्वेरीन, प्लाट नं० 14, एस० नं० 110 (ग्रंश), व्हिलेज, एक्सार, बोरियली, (प०), अम्बर्ध में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-4/37ईई/10023/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984को. रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)_्र ग्रजन रेंग्र-4, बम्बर्ड

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप शाही, टी. एन एस. -----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/10539/83-84—अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारिको यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.300 /- एउ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो 3 री मंजिल, "सी" इमारत, गगन गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरिजली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी हैं दिनांक 1-6-1984

जा पर्वितिश सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से काप के क्यमान अनिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नतिथित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्नतिथित में बास्तविक कप से अधिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्ट अधिनियम के अभीन कर दोने को अंतरक के अधिक्य में कमी करने या उसमें बच्ची मी माजिया। के जिए, और/का
- (त) एसी किसी जाय या किसी धन या खन्य धास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या निन्धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बंतरियी देवारा प्रकाट लगी किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

वत. अथ. उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. गगन गिरी डेबलोपमेंट, कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मधुकरसदाशिव टेमगिरे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप क्र---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (अ) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 'दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त कियाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा प्रया हैं।

नन्सची

फ्लैंट नं॰ 301, जो 3 री मंजिल, "सीँ इसारत, गगनांगरी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प.), बम्लई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं० अई-4,37ईई,10539,84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनोक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

प्ररूप नाइं.टी.पुरु.एस ,-----

नाधकर नाभित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

नारत संस्काद

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेश सं० अई-4/37ईई/10623/83-84—-अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्नारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाकार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्नंट नं० 10, जो 2 री मंजिल, इमारत, नं० 1, निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं० 82, एच० नं० 1, मुनीता पार्क, चंदावरकर, लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका कर्युरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

कां पृथींकत संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से ऐसे शश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एेमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स स्विधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कें., मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नितिखित क्यियनायों, अधीतः -

मैसर्स न्यू इंडिया भिल्डसं।

(अन्तरक)

2 श्री चार्लीज दांटिस।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों ग्रौर उनके भाडूत।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. अन्सरकों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स स्क्यित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डफ्त सम्पर्तित के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो भी शविध वाव में समाप्त होती हो, के जीतर 'पूर्वोचल व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थाकर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त क्षम्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

वयस ची

प्लैंट नं० 10, जो 2 री मंजिल, इमारत, नं० 1, निर्माणा-घीन इमारत, सर्वे नं० 82, एच० नं० 1, "सुनीता पार्क", चदावरकर, लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4,37ईई,10623,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहरु 🖫

प्रकम बाहै, टी. एन. एस.,-------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **जायकर जायुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4,37ईई,10136,83-84--अत: म्झे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ?5,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-301, जो 3 री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, मी० टी० एस० नं० 471, श्रीर 473, क्हिलेज, खानेरी, फायनल प्लाट नं० 79-ए, श्रौर 79-बी, टी॰ पी॰ एस॰ 2, बोरियली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफरा से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित मे नास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है ३०००

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधिनियम को नधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या अनसे वयने में सर्विधा के लिए; नीर/मा
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को जिन्ही भारतीय आय-कर जाधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविदा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उत्कत अधिनियम की भारा 269-म भी उपधारा (1) के अभीत, जिल्ला क्येक्तियों, अवाति हास्स

43-506 GI/84

1. मैसर्स मंकु धिल्डर्स एण्ड कान्द्रकटर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निता अशोक दिये ।

(अन्तरिर्ता)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुमान बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया १४ सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र म" प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्केंगे।

स्यक्तीकरणः ---इसमें प्रयास्त शब्दों और पदों का, यो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्धहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० ए-301, जो 3 री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत सी० टी० एस० नं० 471 ग्रीर 473, व्हिलेज, खानेरी, फायनल प्लाट नं० 79-ए, श्रीर 79-बी, टी० पी० एस० 2, बोरिवली (पूर्व), बम्धई में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4, 37ईई, 10136, 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।-

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर 🖫

प्रकल्प नाही, की, एन, एस.,---

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन क्षा

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० अई-1/37-ईई/10341/83-84---अनः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में धमके एणचात् 'उक्त किमिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मितन, जिसका उचित दाबार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान न० 7, जो ग्राउण्ड फ्लोर, जय जग सन्तोषी मा को-आपरेटिव हाउसिंग मोमाइटी लिमिटेड, एन० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बस्वई -92 में स्थित है (श्रीर इमने उपावड़ अनुधूबी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा, 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्रूप्मिलय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को वर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरिस की ग**र्ह** मभो यष्ठ विद्यास करने कि मथापूर्वाकित संपीति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की शखत, उपल अभिनियम के अधीत कर दोने के जनगण क वायित्व मो कमी करने या उससे जचने में मृतिया के सिए; और/का
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी थन भा सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, १०२२ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिसी ब्यारा प्रकट नहीं किसा स्था था के किया जाना भारता न स्था के लिए;

अत उब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन किर्यासित व्यक्तियों, अधीन किर्यासित व्यक्तियों,

- (1) 1. श्री शियाराम शंकर गुप्ता
 - 2. श्री लाल बचन बलदेव गुर्मा ग्रीर
 - 3. श्रीराम शंकर गुप्ता ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पालन जगशी बड़आ ग्रीर
 - 2. श्रीमती हस्तीबेन लक्ष्मीचन्द देढिया।

(अन्तरिती)

(3) जय सन्तोषी मां को-आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड ।

> (बह व्यक्ति, जिसके अधि~ भोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारों कारके पूर्वांक्त सर्पात्त क वर्षन के विष् कार्यवाहियां कारता हु::

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पार्ख सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थक्कीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिया गजा है।

वन्स्यो

दुकान नं० 7, जो ग्राउण्ड फ्लोर, जय सन्तोषी मां को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एल० टी० रोड. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई•-4,37 ईई०,10341, \$4-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बर्फ

तारीख : 12-2-1985

योष्टर 🕹

प्रकप बाह्य हो पुत्र पुत्र व्यापन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

नाडल बंदका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरबरी 1985

निर्देश सं० ग्रई: 4/37ईई/10661/83-84 -- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दारः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लैंट न० 95 है तथा जो चौथी मजिल. इमाण्त न० 8/9/10, फ्तन नगर स्कीम, एस० वी० रोड, प्रेम जी नगर स्रोट दौलत नगर के बाजू मे, बोरीयली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है (स्रोट इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रोंर पूर्ण रूप में विणित है), फ्रोंर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियमं, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है तारीख 1 जून,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिमिक रूप में किथल नहीं किया गया है ----

- (क) भन्तरण स तुर्क निभी अस की गढ़त, उत्तर भिग्नसम् के अभीन कर दोने के अतरक के दासित्व के कभी करके या उससे यचन मा संविधा के किए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनाथ वन्योगी दवारा प्रकट नहीं किया एया था किया जाना चाहिए आ, जियाने औं भविभा के निए;

सत अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-स की अनुसरण मा, मो, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) फ वक्षी । अस्मितिकित व्यक्तियों, कथित ---

- (1) मै॰ परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री होमी रुस्तम इरानी। (श्रन्तरिता)

को बह सूचना बारी करकं प्रांचित बम्परित के बर्जन के लिख् कार्यनाष्ट्रियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वबाहा।

अनुसूर्च।

फ्लंट न० 95, जो कि जौषी मजिल, इमारत न० 8/9/10, रत्नम नगर स्कीम. एस० बी० रोड, प्रेमजी नगर श्रीर दीलत नगर के बाजू में. बोरीवली (पूर्व), त्रमबई-66 में स्थित हैं। अनुसूची ज़ैसा कि कम स० अई०-4/37 ईई०/10661/81-85 अ.र जो सक्षम प्राधिकार। व्यम्बई द्वारा दिनांक जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारो नहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरुक्षण) कर्जन रेज⊸न, प्रस्मई

नारीय 12—2—1985 माहर् प्रकृष बाह् . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 12 फरवर, 1985

निदेण सं० अई०-4/37 ईई०/11299/83-84—अतः भृक्षे, लक्ष्मण बास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मास जिस्का दिन्त बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 104 है तथा जो ए विग, पहली मंजिल, इमारत, 'निलगिरी, सी टी एस न 2230, एस नं 209, एच नं 1, एक्सार विलेज, बोरीवली (पिष्चम), अम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाप अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ए कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है बार ममें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह धिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नितिबत उव्देश्यों से उक्त अन्तरण निभिक्त के बार महासिक कर से सिएत नहीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की धार्यत, उक्त अधिनिय्त्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और, या
- (का) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीतिष्ति व्यक्तियों, अर्धारा :--- (1) मै० गणेश कन्स्ट्रस्थान कम्पनी ।

(अन्तर्:)

(2) श्री विजय गोपाल पेडणे कर।

(अन्।रन्।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हाः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वगत्त्र

फ्लैंट नं 104, जो ए विग, पहली मजिल, इमारत 'नीलगिरी' सी विराध नं 2230,, एसव नव 209, एचव नं 4, एक्सार विलेज, बोरीवली (पण्चिम), 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋम म० अई-4/37–ईर्र/11299/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दि० 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्षन (निराक्षण) स्रर्जन रोज- 4, बम्बई

नार⁷,ख: 12-2-1985

हरून बाह्य दी. एन्। एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनाँक 12फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/10726/83-84~-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो स्टार गलक्सी अपार्ट मेंट एल० टी० रोड, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूपसे वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आया तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई कर स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करूने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्निसिचित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण वे हुई किसी नाम की नामत्, उत्तर वृधिनियम् के वधीन कर देने के नन्तरक ने वामित्य में कभी करने या उससे वसने में कृतिथा के लिए; बीट्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाग चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निकालिकिया व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० स्टार इन्टरप्रायजेम

(अन्दर्ह)

(2) श्री चद्रकाँत एम० अजमेरा और श्रीमती वर्षा महेन्द्र वेद

(अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के गाम, तिस्ति में किए जा सकते।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ध होगा, ओ उस अध्याय में निदया गया है।

मन्स्यी

दुकान नं० 9, जो, नटार गलक्सी अपार्ट मेंटस, एल० टी० रोड बोरीवली (पण्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम मं० अई०-4/37-ईई०/10826/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक । जुन, 1984 को रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख : 12-2-1985

मोहर 🔑

प्रक्ष गाइ. टी. एन., एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4 अम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० श्राई०--4/37 ईई०/10464/83-84--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकीरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी स० माला न० 48 जो मगल कुज एस० बी० बोरीवली (पिण्चम) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 ज्न 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह निश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिसी (अन्तरिस्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाना गणा वितिष्ठ, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्स अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृथिका के लिए: और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा वा किया साना साहिए सा, कियाने में सुविधा के लिए,

कत. बब, उन्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क अधीन, निमालिसिए व्यक्तियों, अर्थान् .---

(1) श्री ठाकुर प्रसाद सिह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० के० जैन एण्ड मन्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में कियो जा सकी।

स्वच्टीकरण: --- इतुमी प्रयुक्त शब्दों और पदों हैं।, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

बनसकी

माला 48 जो मगल कुत एम० बी० राट बोविली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रानुसूची 'जैसा कि त्रम म० श्राई०-4/37 ईई०/10464 84-85 और जो सजम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनाक 1 जून 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्राधिकत (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4 वस्बई*

नारीख 12-2-1985

प्रकल नाइ. ं. टी. यन ु एत ु-----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन संचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक अप्यकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई दिलाक 12 फरवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"),, की भारा 269-ख के अधीन सकस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी से पर्लंट से 301 जो तीसरी मजिल रोणन श्रपार्टमेट 'ई' विग चौथी कस्तूरवा रोड बोरीवला वस्बई—66 में स्थित है (और इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि— नियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन वस्बई स्थित स्क्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984 की कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984 की स्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल को पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ट) और अंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ गया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण के लिख में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गुगा है .—

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत क्रदाने के अन्तरक के दामिल्स में धभी करतेय उससे नचप मां मिलिशा के लिए, और/धा
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अत्य आहित यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

बतः थव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरक में, मैं. इक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिष्ठ व्यक्तियाँ, अर्थात् ---- (1) मैं०रोशन इण्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रफुल्ला भरत महा और श्रीभरत ए० महा

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए भायेगाह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की ताराल म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश्त में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी प्र पास लिखित मा किए जा सकोंगे।

अनुसुची

फ्लैट न० 301, जो तीसरी मजिल, रोशन अपार्टमैट 'ई' विग चौथी कस्तूरबा रोड बोरिवली बम्बई-66 स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्राई०-4/37 ईई०/10735 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1 ज्न 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 बम्बर्ट

तारीख: 12-2-1985

प्रकार कार्याः टी एम. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कीं भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी से दुकान नं 7 जो स्टार जिलक्सी ध्रपाटमेटस एल टी रोड बोरीवली (प) बम्बई-92 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन रा कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पिन का उचित बाजार मूल्य उनके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिश से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निशिक्ष म्हेश्य से उचन प्रन्तरण निधिन में बास्नविक अप से अधित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने ये अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने मा मुकिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एम जिसी अध्य या निसी धन या उत्त्य आस्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए; और/या

गत कब, उनन अधिनियम की भारा 269-ग **के अनुसरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मै० स्टार इण्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) श्रीरायशी बन् छेडा।

(ग्रन्तरिनी)

(भ्रन्तरक)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सुवान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पथ्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7 जो स्टार गॅलक्सी प्रपार्टमेट्स एस० टी० रोड, बोरीवली (प०) वम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/10727/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 1' जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी-सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4 बम्बई

सारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाइ . टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्राई०-4/37 ईई०/10102/83-84--- मत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचान 'उन्त बधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- उ के अथीन राक्षम प्राराधिक को, यह विद्यास राजे का फारण है कि स्थावर संपत्ति विसमा उचित वाकार मृस्य 25,000/- सं निष्धिक है

और जिसकी सं० ऑल वॅट पिसेस ऑर पार्सेन्स ऑफ अग्रे कर्ल्चल लॅंग्ड ऑट वेस्टर्न एक्सप्रैंस हायवे पोईसर, बोरिवली एस० नं० 22 एस० नं० 59 एप० नं० 2, एस० नं० 63 एप० नं० 16 एस० नं० 58 एप० नं० 2, विलेज पोईसर बोरिवली बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाध्य ध्रमुस्ची मे और पूर्ण क्य से वणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्राधनियम 1961 की धारा 269 कख के मधीन क्षम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख के मून 1984

को पूर्विक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत म किथक है बार अन्तरक (अन्तरकरों) आरे अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ए सेय शया गया प्रतिफल, निष्मितिकत उद्विषय से उक्त अन्तरण किश्च में वास्तिक अप से किथल नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत टक्स जिथ-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दािण्ट्य में कमी करन जा उपसे क्चने में सबिया के निष्ट् बीर/का
- (क), एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायफर बॉधानियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त बॉधीनियम, या धन-कर विधिनिक्ष, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बना, ो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

बत: बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिय व्यक्तियों, अर्थात्.—— 44—506 GI/84 (1) श्री लेसली फोन्सेका और धन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश जमनादास दात्तानी ।

(भन्तरिती)

(3) भन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पर्ति हैं)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सुचर्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अवधि या तत्मग्वन्धी व्यक्तियों पर मृचन की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनि विकास में समाप्त होती हो, अने भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास
- (म) इस तृष्यना हे राजपण भी प्रकाशन की जारीख अ (5) दिन को भीत्रण उन्नत स्थात्रा प्रपत्ति भी हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम । होस्त में क्लिए का सकत्री।

स्वाक्षिकरणः ---इसमें भाकि शब्दों और पर्वाका, श्री उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जरे जस अध्याय में धिन नवा हैं।

अनुसूची

भाल दैट पिसेज श्रार पार्सेल भाफ एग्रीकल्बरल लेंग्ड एण्ड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पोईसर बोरिवली एस० नं० 22 एच० नं० 32 एस० नं० 59 एच० नं० 2, एस० नं० 63 एच० नं० 16, एस० नं० 58, एच० नं० 2, विलेज पोई बोरिवली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०--4/37 ईई०/10102/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर कृायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, अम्बई

सारीख : 12-2-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जाम्**क्त (निरोक्षण)** अर्जन रेंज-4, बम्बई

अम्बर्ध, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/10023/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० जी-1, जो ग्राउंड फ्लोअर आनंद अपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 302, दत्तपाडा रोड़, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 1 जून 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मुल्य किम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तित की गर्द हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तर्श के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किया गर, हैं

- (क) सन्तरण ते हुई तिस्ती बाय की पायत उक्त अधिनियम की अधीन कर बने के सन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आग्न या किसी पन जा उत्तय कास्तियों को जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स आनंद बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती त्रिवेणीबेन पी० जानी ।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक (वह स्यक्ति , जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता क्षेत्रं।

उक्त संपंदिः के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

म्मण्डीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियज के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूचा

फ्लैंट नं॰ जी-1, जो ग्राउंड फ्लोअर, आनंब अपार्टमेट, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 302 वसपाडा रोड़ बेरिवली (पूर्व) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अहैं-4/37/ईई 10023/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्रशिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-4, बस्बई

विनांक : 12-2-1985

प्ररूप . आईं. टी. एन. एसं. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10153/83-84- अतः मझे लक्ष्मण दास,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 17, दुकान प्लाटस नं० 44 श्रौर 45, जो, ''उषा चाल'' सी० टी० एस० नं० 2708, दौलत नगर, 118, जी० बी० रोड (एस० वि० रोड) रोड नं० 3, बोरियली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भें रिजस्ट्री है दिनांक 1 जून 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरफ संहुर्ष किसी बाब की बाबत, उन्न अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्रीडा/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्यानं मास्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (11 के अधीन, निम्नतिषित व्यक्तियों, स्थीत डिल्ल (1) हजारीलाल मंगलदिन गुप्ता ।

अन्तरक

(2) रसीकलाल करमसी गांगर ।

(अन्तरिती)

(3) 9 भाडूत । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ज्यक्तियों में से कि बी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति इदारा अधोहस्ताक्षरी के गृह जिस्सित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्छ अधिनियमें, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विभा गया है।

भन्स्ची

प्लाट नं० 17 दुकान प्लाटस नं० 44 भ्रौर 45 जो, "उपा चाल" सी० टी० एस० नं० 2708 दौलत नगर, 118 जी० बी० रोड़ (एस वि० रोड) रोड नं० 3, बोरिवली (पूर्ब) अम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० सं० अई-4/ईई/10153/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

प्ररूप माइ.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज 4 अम्बर्ध

बम्बई, दिमांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई $_{l}10022_{l}83$ -84--अत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो ग्राउंड क्लोअर, आनंद अपार्टमेंट, सी० टी० एस नं० 302, दत्तपाडा रोड़, बोरिवली (पूर्व) बम्बई -92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 जून 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्वय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अर्धीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मैसर्स आनंद धिल्डसं ।

(अन्सरकः)

(2) 1. श्री पेन्नालाल जंबतराज धर्मा भौर 2. श्री विनेशकुमार वनराज जैन ।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचन्द्र के राजपत्र में प्रकारन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दें बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमृस्यौ

दुकान नं० 5 जो, ग्राउंड फ्लोअर, आंनद अपार्टमेंट सी० टी० एस० नं० 302, दसापाडा रोड़, बोरिबली (पूर्व) बम्बर्ष-92 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ अई-4/37–ईई/10022

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायालय, सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/10852/ 83-84--अतः मञ्जे लक्ष्मण दास

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ऑल दट पिस धार पार्सेल आफ लैन्ड अट में जे एक्सार गांत्र प्लाट मं० 281, ऑफ टी. पी० एम० 3, मी० टी० एम० नं० 3/1 से 3/2, बोरिवली (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 जुन 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान स्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करेंने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ते जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स रजनीकात कन्स्ट्रवशन्स।

(अन्तरकॅ)

(2) मैसर्स स्वाती बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दूही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

आंल पैट पिस ऑर पार्गेल लैण्ड अट मोजे एक्सार गांव, प्लाट नं० 281 अफ टी० मो एस० 3 सी० टी० एस० नं० 3/1 से 3/2 बोरिविल (प) बम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैमाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/1082/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म**ञ्च** दांस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **क्षम्यई**

दिनांक :- 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप नाइं.दी.एन.्एस.=-----

नायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10741/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उभ्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको मं० इलाक नं० 304, जो तीसरी मंजिल, रोशन अपार्टमेंट, "ई" विंग, 4 था कस्तूरबारोड, बीरिवला, बम्बई -66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचे। में ग्रीर पूर्ण रूप में विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 1 जून 1984

को पूर्वोक्स सम्पेरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरगमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथाप्जोंक्त सम्पेरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेदयं से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिश्वक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उख्त वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) रोशन इंटरप्रायजेंस ।

(अन्तरक)

(2) श्रा प्रेमजा मुलजा राठोर ग्रौर श्रो श्रो अर्रावद प्रेम जो राठौर ।

(अन्तरितो)

का यह सुमना जारी कारके पृत्रांवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रगृक्त शब्दों और पदों का., को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

बन्स्की

डलाँक नं० 304 जो दूसरो, मंजिल रोशन, अपार्टमेंट "ई" विग 4 था कस्तूरवा रोड, बोरिवला, बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैमाको क० मं० अई-4/37-ईई/10741/ 84-85 सीर जो भक्षम प्रतिधकारो बम्बई द्वारा धिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-4, बस्ब**ई**

षिनांक :- 12-2-1985 माह्य ः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/10384/83-84 --- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके त्रथमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पुकान नं० 1 श्रौर कमरा नं० 1, जो रोधन अपार्टमेंट "ई" विंग, 4थ कस्तूरबा रोड़, बोरिवली, वम्बई 66 में स्थित है श्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 1 जून 1984 को

- किमे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिन की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापृथांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रोशन इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रो संतोक्येन कल्याणजो सावला ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगीधि या तत्संतंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अगिध, जो भी जगिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 1 स्नौर कमरा नं० 1 जो रोयन अवार्टमेंट ''ई'' विंग 4था कस्तूरवा रोड़, बौरिबलों, बम्बई -66 में स्थित है ।

अनुमूचो जैसाको ऋ० सं० अई-4/37-ईई/10384/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, वम्बई द्वारा विनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (शलक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 12 -2-1985 मोहर : प्रकृप काइ^क. टी एस. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) की अधीन मुखना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आराकर लायका (धनरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11176/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार मृन्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 16 जो , तोसरी भंजिल "स्टेल्ला मरिस अपार्टमेंटस" एस नं० 154/आय, आय० सी० कालोनो बोरियली (प) ,बम्बई -92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित

-), श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी प्रधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है बिनाक 1 जून 1984 को पूर्वोक्त सम्पित के जिचल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया ही:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन त्रर दोन के व्यानरक के दायित्व में कमी करने या उसमें ज्यान में मृविधा के लिए; और/या
 - क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, ५० धन कर अधिनियम, १७५७ (1957 च १८) के प्याजनाय अन्तिरिती दवार १००० हो आ या किया जाना चाहिए था, जिलाने में मृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निसिक्त स्थितियों, अर्थात् '—-

(1) मैसर्स निकीता युनिक ।

(प्रन्तरक)

(2) राबर्ट एस० गोन्साल्वीण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पश्चि के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी जाअंप -

- (क) इस स्थाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या जल्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी द पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

ल्यब्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाल हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रनी

प्लैट मं० 16 , जो तीसरी मंजिल "स्टेल्ला मारीस अपार्टमेंटस, एस० नं० 154/ आय०, आय सी० कालोना बोरिवली (प) बम्बई ~92 में स्थित है

अनुसूची जैसाको क० सं० अई-4/37ईई/11176/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी नैसहायक आयकर आयुक्त (रिशिषण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिमोक : 12~2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

मारुत चरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर जायुक्त (माराजान)

अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 12 फरवरा 1985

निदेश मं० उई-4/37—ईई/10765/83—84—अत. मुझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी का यह विश्वास कारने का कारण हो कि स्थान मार्थाल, जिल्हा उति हो अप होन्य 25,000/- रहा से शिया हो

श्रीर जिसको फ्लैट न० 502, जो 5ब. मजिल मिता महल, विश-ए, ए कस्तूरवा फॉम रोड न० 5, बोरिव तर (पूर्व) वम्बई -66, से स्थित है (श्रीर इसरा उपायद्ध जन्म्बर से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिलाग करारन मा अध्यार अधिनियम, 1961 कर धारा 269 क. धारा राज्य राज्य वम्बरीस्था स्थाम प्रतिश्वार के कार्यालय से रिजन्द्रा है दिनाक 1 जून 1984 को

की मूर्वाभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिपत्त के लिए अंतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यक्षापृद्धांक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिपत्त से, ऐसे दूरयमान प्रतिपत्त का वन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरितों (अंतरितिएयों) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-पत्त निमालिखित उद्वारेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (न्ड) बंदरण से हुई किसी बाय की बाबदा, उक्छ स्रीधिन्यम के बारीन कार की के संदरक के दाशित्य में कामी कारने या उदासे बचन में स्विधा के जिला को गा
- (%) ऐसी किसी अप या किसी भून या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिर्दा दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के बिए:

श्वतः, जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मो, मों उक्त अधिनियग की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 45--506 GI/84 (1) मैससं अलूमिनस ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवरतनमल मुथा ।

(अन्तरितो)

को यह सुवना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, शा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट न० 502 जो, पाचवा मंजिल सिता महल, विग ए कस्तूरबा क स रोट न० 5 बोरिवल्हा (पूर्व) अम्बई-66 में स्थित है।

अनुमूचा जैमाका करु सर्० अई-4/37ईई/10765/84-85 श्रीर जो दिनार 1 जून 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम महायक अ।यक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक : 12-2-1985

मोहर 🌣

प्रकृष स्तर्भ , हो , सम , हस , -------

काशभर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

आर्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई. दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/10638/84-84-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास (उक्स अधिनियम) कहा गया है), की धारा 260-ए से अधीन सक्षम प्राधियकारी बारे, यह विकास करने का जारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25.000/- रह. स अधिक है

और जिनकी गं व दुकान गं 3. जो आउन्ह पनोर, चर्बवे, इमारा सर्वे नं 155 मिनेज एक्पार रोड, एचवनं 6, सर्वे नं 156, एचवनं 6 3 सीव टीव एसवनं व 1084 बम्बर्र-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनयम (1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का नारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उिनत ग्रालार मूल्य उनके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्देश्य में उनत अन्तरण सिचित में धास्त- शिव अप से के शिव नहीं किया गया है:---

- ंक) बन्तरक से हुई किसी आप की वाबता, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें यथने में सुविधा के मिद्द: और/मा
- (क) फ़्रेंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

भतः, अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरक् तं, तैं, नक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री खैस्हीन ग्रार शेख।

(अन्तरक)

(2) मेमर्भ अठजना बिन्डमी।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए

तवत रापिता के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय हो विद्या गया है।

क्षरा**म्**षी

दुकान न० 3. जो ग्राउन्ड फ्लोर चर्चवे, इमारन, सर्वे नं० 155, एच० नं० 6. सर्वे नं० 156, एच० नं० 3. सी टी० एस० नं० 1084, विलेज एक्गार रोट. ताल्का बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थितं है।

त्रतुसूची जैसा कि कम स० ग्रई-4/37ईई/10638/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-6-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकादी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्बई

दिनाक · 12-2-1985

भरेष्ट्रर 🖫

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-4, बम्बई

वम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश म० ग्राहे-4/37ईई/10933/83-84---- ग्रान: मुझे, लक्ष्मण दाप,

आयकर र्रोधीनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकी विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अंशीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पर्दित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क स अधिक है

और जिसकी प० दुकान न० 10 ,जो क्यर खाफ भँसमं मुपिश्यर मेनिश्चन, एम० जी० रोड, चार कोल कापाउन्छ, एलोरा गेस्ट हाउस के बाजू मे, बोश्यिली, प्वं), बरवर्ड 66 में स्थित हैं (और इसम उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयक्तर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-6-1994 को पूर्वोदन सम्परित के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान विकास करने वा कारण हैं कि सथापूर्वोच्न सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान विकास करने वा कारण हैं कि सथापूर्वोच्न सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य अक्तर का जीवत बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही अप अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निमालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.---

- (क) अन्तरण से हर्द्शकिसी आय की, बातन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने ए उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत अह, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिपित व्यक्तियो, अर्थात् .—- (1) मेसर्स पराग कन्सट्रक्शन ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री नटवारलान ओछाबलाल देसाई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इसम्बना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के शाच लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्थव्हीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय मे दिया गया है:

वन्स्ची

दुकान' 10, जो केग्रर पाफ मेसर्स भुषिरियर सॅनिटेशन एम० जी० रोध, चार कोल कम्पाउन्छ, एलोरा गेस्ट हाउस, के बाजू मे बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा वि कम स० श्रई-4/37ईई/10933/ 84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 1-6-1984 को द्वानुभटर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कायालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश स० श्रई-4/37ईई/10276/83-84--श्रत: मुझे लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 10 जो मेघालय एल० टा० रोड, बिझरा नाका, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजर्म्झी हैं, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से क्स के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह क्शिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में याम्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्क अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अव, उक्त अविनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स के० टी० कन्सट्र गन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद भी श्रापटे।

(ग्रन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्ट गम्पिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मबधी व्यक्तियों इर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इसमूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पान में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्नाक्षरी के पाच लिसित में किए जा स्कॉरो।

स्पष्टीकरण — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं:

अनुसूची

प्लैट नं० 10, जो मेपालय, एल० टी० रोड ॢबिक्षरा नाका, बोरिबली, (प) बम्बई--92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-4/37ईई/1026/ 84-85 और जो सजम प्राधिकारी, वस्पर्क द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप अर्घ . टी . एन . एस . -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्र $\frac{5}{4}$ -4/37ई $\frac{5}{10193}$ --83-84/ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० एकैट तं ० 23, जो, 5वी संजिल, मेघालय, कर्मयोग सोमायटी के पीछे, विवास ताका, एल० टी० रोइ, बोरिवली (प), वस्वई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँ में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बोच एसे अन्तरण के ट्रैलए सम पासा ग्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एँमी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिर्दा द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्-:-- (1) मेसर्स के० टी० कन्सट्रक्शनस ।

(ग्रन्तरक)

(2) स्विता गनेष जांग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्ति मा किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

श्रनुसूची

प्लैट तं० 23, जो 5वी मंजिल, मेघालय, कर्मयोग सोसायटी के पीछे, विधारा नाका, एल० टी० रोङ, बोरिवली (प), बम्बई-92 में में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-4/37ईई/10493/ 83-81 और जो गक्षम प्राधिकारी, बन्दर्वर डारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक ग्रायरक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकथ बाहाँ, टी. एन. एव. - - - --

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की धारा** 269-में (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेण मं० अई-4/37—ईई10817/83–84–– अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कार सर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिलक: स० फ्लैंट नं० 9, जो दूसरों पंजिल, मेवालय कमेंगोग सोसावटा के पाछे विकास नाका, एल० टा० रोड, बोस्चिला (प), बराई -92 के स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूचा के ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिनका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 काख के अवान बम्बड़े स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रा है दिनाक 1 जून 1984

का पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शांत्रस्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्षमी करक या उसस अपने में जुनिया के लिए; अप्रिया
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिभा के लिए;

भतः वय, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण का, मी, उक्त मिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) हो सभीन। निम्मिनियास व्यक्तियों, मिन्सिनियास

(1) मैसर्स के० टा० कन्स्ट्रक्शनन्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रामता अर्चना सृहास नेने ।

(ग्रन्गरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (%) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण ':--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिरा स्या हैं।

अनुसूचाः

फ्लैट न० 9, जो दूसरा मजिल मेबालय कर्नयोग सोतायटा के पार्छ, बिझरा नाका, एल० टा० रोड, बोरियला (प), बम्बई—92 में स्थित है।

अनुमूचा जैसाकि कम सं० अई-4 37-ईई 10817 84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून 1984 को रोजस्टर्ड किया गया हु ।

> लदनण दाप सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बस्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्दा टी एन एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्कना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश मं० अर्ह-4/37-ईई/10822/83-84--अनः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चाल् 'डबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण हाँ कि रफ्बर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र के से अधिक हैं

श्रीर जिसका मं० युनिट नं० बा०-213 जो दूसरो मंजिल मडपेक्वर इंडास्ट्रेयल जिमायनेम को - आपरेटिश सोपाईटी लिए, एफ एस० विरु पटेन रोड, बोरिबल (प) बस्वई-92 में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद अनुसूचा में प्रीर पूर्ण रूप रे बिंगत है), श्री जिपका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 क प्रारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के सायलिय में रजिस्ट्री है दिनाक 1 जून 1984 को

का पूर्वीक्य सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करण को कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल मो, एक क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्य्यभान से अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अल्तरितियाँ) के बीच एसे अल्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अल्तरण लिखित में कास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम ता धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भान छिपान में सुविधा खें सिए;

कतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को - उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को कधीन निक्तिजिसित व्यक्तियों, अर्थात रूक्त (1) श्रा चंदू यू० बदलाना :

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स पटेल जैम्स ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिता और पार्टनर्स

1- श्रो एम० बी० पटेल,

2- श्रो वि० ए० पटेल

आर डी० पटेल और

4- एम० एफ० पटेल ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग स सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यविकास करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सवंध में कोहें भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्रमध्यन्धी व्यक्तियों परं मुचना की तामी तमें 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हा, को भीतर पर्वोचन व्यक्तियों में के जिल्ही व्यक्ति देवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उपकर रनावर प्रस्थित मेरे हित-बद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जर मकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिश्म के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

अनुसुची

युनिट नं० 213 बो० जो दूसरी मंजिल, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल प्रिमायमेस को - अत्योटित सोसायटा लि०, आफ एस० वि० पटेल रोड़, बोरिजल (प) त्रम्बई-- 92 में स्थित है ।

अनुमूर्ना जैसाका कर संर अ $\frac{5}{4}37-\frac{5}{10822}$ 84-85 श्रौर श्रो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-4-, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्द अम्बर्ड, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अर्ह-4/37-ईई/10250/83-84-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् र उवत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उत्तित वाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं पलैट नं 002, जो ग्राउड फ्लोअर, गोकर्ण बिल्डिंग, टो० पो० स० 3. फायनल प्लाट नं 0631 सो, सिम्पोला रोड, बोर्चला, बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण च्य से वर्णित है) , श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम .1961 को धारा 269 क, ख के अश्रान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनाक 1 जून 1984

को पूर्वोक्त स्मात्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और इन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

- (2) मैसर्स भूषन कन्स्ट्रक्शन कंपना । (अन्तरक)
- (2) श्रा सूर्यकात रघुनाथ परव, ग्रीर श्रोमतः स्वरूपा स०परव ।

(अन्तरितीः)

(4) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके आंधभोग भे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

फ्लैट नं० 002 , जो ग्राउंड पनोर, गोन्नर्ण बिल्डिंग टो० पो० एस० 3 फप्यनन प्लाट नं० 631 सा, सिम्पोलो रोड, बोरवली, बम्बई-92 में स्थित है ।

-अनुसूचो जैपाको ऋ० मं० अई-4/37-ईई/10250 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाक 1 जुन 1984 को रिजस्टिई किया गया हु ।

नक्ष्मण दाम यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

प्रकृष बाह् . टी. एन. एस्.-----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनर्रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्वेण सं० अई--4/37-ईई/10072/83--84--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई/3 जो, ग्राउंड फ्लोर साई बाबा धाम आफ एस० वि० रीड बोरिवली (प) बम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुमूची) श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 1 जून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीध-नियम की जधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करने या समसे जाने में सुविधा की लिए, बहैर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या है कसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

कतः भवः, खक्त अधिनियम की धारा 269-व कै अनुसरण जो, मी, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अभी के किल्लिका स्मिक्तयों, अर्थात् क्ष-का 46-506 GI/84 (1) अरूण इंटरनैशनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णकुमार हरीदास उदेशी श्रीर श्री प्रदीप हरीदास उदेशी ।

(अन्तरक)

(3) डॅव्हलोपर्स । (वह व्यक्ति जिसके सिधभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोत्स्त सम्पत्ति के अंबंद की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविधिया तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुराग,
- (वा) इस सूचना के राष्यां में प्रकानन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बव्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सर्कोंगे।

नन्स्ची

पर्लंट नं० ई/3, जो ग्राउंड फ्लोर, साई बाबा धाम आफ एस० वि० रोड बोरिवली (पं),बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमाको ऋ० सं० अर्ड-4/37-ईई/10072/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास•
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10446/83-84---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिय्म' कहा गया है), की धारा 269-ल, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000 / रा. मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंस् 8, 9, 10, "रत्तन नगर" स्किम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के उरमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल इटरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सेहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, व्हिपाने में सिविधा के लिए;

डतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिय व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) मेसर्स परम आनंद विल्डर्स प्रायवेट लि॰ (भ्रन्तरक)
- ·(2) श्र/ एन० एस० पद्मनाभन । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्बुध किसी अंग्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरीकेपास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाजो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

फ्लैट नं० 54, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग 8, 9, 10 "रसन नगर्धं स्किम, बोरिवली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जैसे कि ऋ० सं० अई-4/37~ईई/10446/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12~2~1985.

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, अम्बद्द

सम्बर्ष, दिनां र 12 फरवर्⊺ 1985 निर्वेश वं० अई-4/37-ईई/10327/83-84:--अत:

मुझे,लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसके सं दुकान नं 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, अमुना दर्शन फ्लाट बेर्आरण भो 3 टॉ॰ पॉ॰ एस॰ .नं० 752, नाटववाला लेन, आफ विवेकानंद रोड़, बोरिवला (प॰), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, ताराख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय क्री बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के लधीन. निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रं जे॰ एम॰ सो॰ अण्ड मेघानी बिल्डर्स । (अन्तर्क)
- (2) श्री नवेन्द्रकुमार प्रभुदास मृंजासार्स । (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्ज़न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि+ नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, जमूना दर्शन, प्लाट बेअरींग श्रों॰ टो॰ पो॰ एस॰ नं० 752, नाटकवाला लेन, आफ स्वामी विवेकानन्व रोड़, बोरिवला (प॰), वम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई 10327 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को राजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, **बस्बई**

तारीख:12--2- 1985

मोहरः

प्ररूप . बाइं. टी. एन . एस . - - - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश मं॰ अई-4/37-ईई/10394/83-84:--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको संब दुहान तब 10, जो, पाली इमारत, श्रोरामनगर एसव विव रोड, बोरिवला (पव), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुभूतों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, ताराख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित नाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्याकत संपरित का उषित् काजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तथ गया गया प्रतिफल निम्नीसिवत उष्वश्य से उक्त अन्तरण निष्कत में वास्तिक कप से किश्य वहाँ किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कृं अधीन, निप्नलिखित व्यक्तियों / अर्थात् :-- (1) श्रा मोहम्मध जैनूदन परकर और श्रो अन्द्रला जैनूदोन परकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो शब्बोर मोहसोनमाई पारडीवाला ग्रौर श्रो गूसुफ मोहसीनभाई पारडीवाला ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क), इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अधिया को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगरा ची

दुकान नं० 10, जो, पालो इमारत, श्रोरामनगर, एस० वि० रोड, बोरिवलो (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के० सं० अई-4/37-ईई/10394/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4-बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आई'.टो. धन्. एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं(1) के अधीन स्वना

पारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/10078/83-84:--अतः मक्षे, लक्ष्मण-दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, प्राउंड फ्लोअर, इमारत ए-13, सर्वे० नं० 222, एच० नं० 1 से 5, सर्वे नं० 228, एच० नं० 3 सर्वे० नं० 229, एच० नं० 43 श्रौर 5 श्रौर सो० टी० एस० न० नं० 1860, 1862, 1863, 1865, 1866, 1869 श्रौर 1870, रत्तन नगर, बोरिशन। (प्०), वम्बई-66 में स्थित है (श्रौ उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम, 1961 को श्रारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित पक्षम अस्त्रीत के क्रांतिय से रिजिट्स है, तारीख 1-6-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच एस अंतर्च के सिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तर्क सिश्वत में भारत्विक कप से कथित नहीं किया गया है ध--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वावस, उक्त विभिन्नियम के वधीन कर दोने के वन्तर्क के दर्शिक्ष में कमी करवे वा उक्त वृक्षणे में सुनिधा के जिए; वृद्धिया
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तिओं को जिन्हें भारतीय बाय-का बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या भवकर बहुँभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किय;

अतः अव, उच्च अधिनियम की धारा 269-ए कें अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृतः :---

- (1) श्री परम आनन्द बिल्डर्स (प्राववेट) लि०। (प्रन्तरक्र)
- (2) श्री अर्रावंद जे॰ सरवैया ।

(म्रन्तरिती

स्त्रे यह स्थाना भारी करके पृत्रों क्त सम्पन्ति के अर्थन से दिव्य कार्यभाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (फ, इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एप्यरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुव्धत शब्दा और पदो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्ज होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जगत्तभी

दुकान नं० 5, जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत II→13, सर्वे० नं० वे 222, च० नं० 1 से 5, सर्वे० नं० 228, एच० नं० 3, सर्वे० नं० 229, एच० नं० 3 श्रीर 5 श्रीर ती० भागता त० 133), 1862, 1863, 1865, 1866, 1869 श्रीर 1870, रत्तन नगर, बोरिवलो (पूर्व), बम्बई--66 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कर गर न $\frac{2}{37}$ - $\frac{2}{5}$ / $\frac{10078}{81}$ -85 श्रौर जो सक्षम प्रधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 मोहर: प्रकम आई., टी., पुन. एस.,*****

नायकर निर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

तारव वरकार

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निडुक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरनरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-् 4/37-ईई/10522/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अने धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2 जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत "बी" फ्लाट "ए", देवकी नगर, एक्सार रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई—92 (निर्माणाधीन इमारत) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री, है, तारीख 1-6-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल कम पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देखों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की वास्त, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा को सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिस्त्रों, अर्थात् ध— (1) मैसर्स शहा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश हेमाभाई परमार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त गम्पत्ति के अर्जन के सबध में को। भा आक्षप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पाल निवित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्पाः :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखाः गया है।

नमस्यी

दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत "बी" 'लाट "ए", देवकी नगर, एक्सार रोड़, बॉरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है। (निर्माणाधीन इमारत)।

भनुसूची जैसा कि ऊ० सं० भई-4/37-ईई/10522/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक : 12-2-1985.

मोहर छ

प्रस्त बाह्य, डी. १४% दव्य स्टब्स

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाज़ 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत त्रकाड्

कार्यानय, सहायक जायकर जायक्स (जिरीक्षण)

प्रर्जेन रेंज-4, बम्बई व् बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० म्र**६-4**/37-**६६**/10379/83-84--मतः मुमे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 321, जो, 2रा मंजिल, "गोविंद श्रपार्ट-मेंट्स", जय-पाली हिल, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय र्भी रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-19-84

का पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्याचान श्रीतफास के लिए जंतरित की गई है जरि मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार जून्य, उसके बायमान प्रतिफाल से, एसे बाबमान प्रतिफास का पत्त्रह प्रतिशत से बीधक है जरि जन्तरक (अन्तरका) जरि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया गृत्किक, निश्नुकिचित बच्चेक्तों से बच्छ बच्चेड़्य जिल्कित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्सरम ये हुए किसी बाम की बन्सस, क्ष्मक विभिन्न के नवीन कर दोने के बन्दरक के दावित्य में क्यी करने या व्यव्हें बचने में बृद्धिमा के जिल्ह; शर/वा
- (क) एंबी किसी अप वा किसी अन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सक्त अधिनियम, वा चय-कर विधिनियम, वा चय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा विका जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा वे सिक्ट;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सुधात दन्न (1) श्री जय पाली बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एडवर्ड कस्टोलिनो ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षभ् के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध यो कोई भी बाक्षेप ऱ्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के क्षेत्र 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जब्धि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थनित ब्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत् स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्वध्याकरण: -- इसमें प्रवृत्त स्वयों बीर पर्शे का, वो सकस अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा थीं उस वृध्याय में दिक्क प्रवाही।

मन्स्ची

पर्लंट नं० 321, जो, 2री मंजिल, "गोविष श्रपार्टमेंट्स, जय-पाली हिल, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/10379/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, सम्बर्ष

दिनांक: 12-2-85 मोहर ध प्ररूप भादः. टॉ. एन. एस्,------

अप्रयक्तर रूपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ⊋69-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकार वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

 ृ निर्देश सं० भई-4/37-ईई/10381/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्हर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मून्स 25,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 224, जो, 4थी मंजिल, "भ्रात्माराम" श्रपार्टमेंट्स, जय-पाली हिल, भांती भ्राश्रम के बाजू में, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधनि, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984 क्यों पूर्वों क्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफल के सिए अन्तरित को गई है और मृभे यह विक्यास करने का कारण है कि सभापवंदित संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उनके क्यमान श्रीतफल सं, होसे क्यमान श्रीतफल का कन्तर क्यमान श्रीतफल सं, होसे क्यमान श्रीतफल का कन्तर श्रीतफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीत-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उनत अन्तरण लिखित में भारत-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वौ लिए;

्रकतः वाप, उक्त व्याधिनियम, कौ भारा 269-म कौ अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध— (1) श्री जय पाली बिल्डर्स ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भ्रन्थोनी डी० पिटो, श्रीर श्री जोसेफ एम० पिटो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए अ कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ज्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगस ची

फ्लैट नं० 224, जो, 4थी मंजिल, "आत्माराम" श्रपार्टमेंटस्, जय-पाली हिल, शांती आश्रम के बाजू में, बोरिबली (प०), अम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं अई-4/37-ईई/10381/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–4, बम्बई

विनांक : 12-2-1985.

माहर 🛭

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस------

जायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्णन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनोक 12 फरवरी 1985

तिर्वेश सं० मई-4/37-ईई/10576/83-84-- मतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई 7, जो, 1ली मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० वि० रोड, बोरिबली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीखा 1-6-1984

के पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री श्ररण इंटरनेशनल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनसुखलाल केशवलाल मोनी और, श्रीमती भारती बेन एम० सोनी।

(भ्रन्तरिती)

(3) डेव्हलपर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन, की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्ची

फ्लैट नं॰ ई/7, जो, 1सी मंजिल, साईबाबा धाम, श्राफ एस॰ वि॰ रोड,बोरिवसी (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-4/37-ईई/10576/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास_़ सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रासकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊶4**, बस्बई** ।

दिनोक: 12-2-1985

मोहर 🗳

त्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक भायकर जागुक्त (निर्दाक्य)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई०-4_/ 37ईई/ 10076/84-85—अतः मुझ, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) .(जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो 2री मंजिल, निर्माण धीन इमारत, एफ० पी० 359, टी० पी० एस० 3, विश्वा नाका, बोल्जी (प०), बम्बई-92 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध भागुन्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीत कर दोने के जन्तरक कें ग्रायित्व में कभी करने या उससे उचने में सुविधा के निए बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन निम्नीसियत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैसर्स के० ठक्कर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अलका यणवन्त प्रभू नेरूरकर।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स के० ठक्कर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

की यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां श्रक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शक्वों और पवां कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

प्लीट नं० 7 जो 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, एफ० पी० 359,टी० पी० एस० -3,विक्षरा नःका,बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-4/37ईई/10076/84-85 झीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बिनांक: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/10162/84-8**5** — अतः मुझे लक्ष्मण वास

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं डी-15, जो योगी नगर, एन्सार रोड, श्रोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-84 को पूर्वोंक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ्र निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक क्रम से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपान में सुधिका के सिए;

कतः अब, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजिखित व्यक्तियों हो अधीत् ६—— 1. श्रीमती उमारानी बी० शर्मा

(अन्तरक)

- श्री भ्रोमप्रकाण चिरंजीलाल डिडवानीया, भ्रौर श्रीमती गीता देवी, भ्रोमप्रकाश डिडवानिया। (अन्तरिरती)
- 3. (1) श्री क्षिप सर्मा,
 - (2) श्री अजित शर्मा, भौर
 - (3) श्री प्रवीप गर्मा ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अंबीध या तत्सवधी व्यक्तियां बद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विश्वियम, के कथ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिया मुना है।

अनु सूची

प्लाट नं० डी-15, जो गोयीनगर, एब्सार रोड, बोरिवली जप(प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं० आई-4, 37ईई, 10162, 84-85 ग्रौर जो सज़म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 12-2-1985 मोह्यु 🛭

प्रकम नाहाँ. टी. एन. एस., -----

शायकर संधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (म) (1) के संधीत सुचता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश स॰ आई-4/3ईई 10665, 83-84— अतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मधाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० पलेट न० 304, जो इमारत नं० बी, 40, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-90 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अतारितयों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरण से हुई किसी आम की बाबत, तक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय; कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः वय, उक्त वीभीनयम की भाग 269-ग के बनुसरण कों, भीं, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (¹ो कों अभीन, निम्नलिखित स्पृतिस्यों, वर्षोद्ध--- श्री हेमन्त कुमार, एम० देसाई भौर हिरेनकुमार एम० देसाई।

(अङ्कतरक)

2. श्री विनोद कुमार प्रहलाद राय शर्मा

(अन्तरिती)

को यह स्वनः बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-; हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लैट न० 304, जो इमारत, न० बी, 40, योगीनगर, एक्सार, रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची कि ऋ० मं० आई 4/37ईई/ 10665/84-85 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर :

प्रकर बाहाँ. टी. एन. एस ु ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्थना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरबरी 1985

निर्देश सं० आई०-4/37ईई/10537/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पर्नेट नं० 105, जो 1 ली मंजिल, "सी" इमारन, गगन गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं) (स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-84

र्रेल्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा मृतिफल निम्नुनिचित उच्चेच्य से उच्च बन्तुरण जिचित् में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गवा डै द्र—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाब्त, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में ब्रियमा के लिए; ब्रॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जानो चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. गगन गिरी, डेवलपमेंट कॉरपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लतिका सदानन्द ठाकुर ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पति। के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 105, जो 1 ली मंजिल, "सी" इमारत, गगनगिरी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4,37ईई,10537,84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बर्ष

दिनांक:12-2-1985 मोहर :: प्ररूप कार्²ा टी. एन*् एस*् -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्**प**ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4 बम्बई
बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

बम्बर्, विनास 12 फरवरा 1985 निदेश पं० श्राई०-4/37 ईई०/10229/84-85--श्रतः, मुक्षे, लक्ष्मण वास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी पं पर्लंट नं प्रती—102 है तथा ओ पहली मंजिल इमारत नं प्रती 'स्टार गलक्सी प्रपार्टमेंट्स' एल टी॰ रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई—92 में स्थित है (और दिससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में जुनिधा के लिए; और या/
 - (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रीमती गुणवन्ती बेन हीरा लाल पारेखा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता शंकर लाल श्रग्नवाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीगे।

स्पर्वेकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

फ्लैंट नं० सी-102, तथा जो पहली मंजिल, इमारत नं० सी 'स्टार गलक्सी ग्रपार्ट मेंट्स' एल० टी० रोड बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई-4/37 ईई $\circ/10229/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 12-2-1985

माहर :

अस्य नाइ. टी. एन. एस.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के मुभीन सुम्ता

धारत सुरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० माई०-4/37 ईई०/10736/84-85-मत: म्झे, लक्ष्मण दास

हासकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संज्यलेट नंज 303 है तथा जो तीसरी मंजिल, रोशन ध्रपार्ट्मेट 'ई' विग, भौथी कस्तुरवा रोड वोरीवली, बम्बर्ट-66 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ध्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के ध्रधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून,

को प्वा त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उप्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 १९92 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नानिकिय व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं ० रोशन इन्टरप्राइजेस।

(भन्तरक)

(2) श्री विनोद राय मुलजी भाई शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन् के सबध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूवना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी क्यों दत्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करवार में से किसी क्यां कर बुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्कों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

जन्स् ची

फ्लैट नं० 303 है तथा जो तीसरी मंजिल, रोशन ग्रपार्ट मेंट 'ई' विग भौथी कस्तुरबा रोड, बोरीवली, बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/10736/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जुन 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वारीख: 12-2-1985

मोहर 🏻

मुक्त आहें .टी . एन . एस . ---------

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अधीन सुचना

STATE STATE

कार्यासयः, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दार्कक्) धर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० प्रई०-4/37 ईई०/10375/84-85---श्रत. मुक्ते, लक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रह. में अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट गं० 102 तथा जो पहली मंजिल, 'सी' बिल्डिंग, गगन गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपावड मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा मायकर प्रधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया श्रतिफल, जिम्निसित उद्देषयों से उक्त अन्तरण कि किस में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम वे सूर्य मिनी थान की वावस, क्या विधियम के सभीन काए दोने के जन्तरक के धरीयत्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के जिए; शदि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए थां, खिपाने में सुविधा से विद्

अतः जय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गगनगिरी डेवलपमेट कारपोरेशन।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती प्रवरा मुख्लीघर जोशी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुक्ता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृतित के वर्षय के सम्बन्ध में कोई ही बासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तयों में से किसी स्पब्ति ध्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए था सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

क्लैंट नं ० 102, जो पहली मंजिल, सी बिल्डिंग, गगनागरी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्रई०-4/37 ईई/10375/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण ≱ास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्सर्ड

तारीख : 12-2-1985 मोहर : प्ररूप आहु .टि.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रई०-4/37 ईई०/10130/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी मं० ब्लाक नं० बी/39 है तथा जो राजयोग को-प्रापरेटिय हाउसिंग मोसांइटी विजरा नाका बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणत हैं), और जिसका करारनामा , प्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

्रम् पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— 48—506 GI/84 (1) श्रीदशरथ प्जाजी खर्चे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला गजानन पाटणकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ana di

ब्लाक नं० बी/39 है तथा जो राजयोग को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी विक्षर नाका, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10130/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष नार्षं .टी . एन . एस ._-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कायलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4 त्रम्बई $\frac{12}{4}$ प्रस्वरी 1985 निदेश स० अई-4/37ईई/10299/84-85अत, मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके हिस्ता उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर मम्पीन, जिल्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लेट न० 11, जो सिद्धार्थ अपार्टमेट कस्तूर पार्त शिम्पोली बोरिवली, (प) बम्बई-92 म स्थित है (ग्रौर इस 1 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अतिरित्यों) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित से गम्निक रूप स किथत नहीं किया गया है....

- (क) अतरण से हार्ड किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अनरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सिविधा की ए अरिधा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने पें परिभा के निए,

अंत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बैं बधीन, निम्लिनिकत स्थिनतारों, अधित ६- . (1) नोशिचर फिरोजशहादाजी।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० गोपाल कृष्णन।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कार्बों और पर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 11, जो सिद्धार्थ अपार्टमैट, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम स० अई-4/37ईई/10299 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्रार्धिकारः षहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

ताराख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकथ बाह्य हो . एक व एक व्यापन

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/10524/83-84--अतः, मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, प्लाट नं० ''बी'' डी विंग, देवकी नगर, एक्सार रोड़, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है (प्रीर इसने उगाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप रे विणित है) श्रौर जिसका करारानामा आयवर अधिनियम 1961 की श्रारा 269 के, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में राजिन्द्रों है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान दिन्नित के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्या) क बीच एस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्वत में भारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनारण स हुई किसी आम की बाबी, उका आंधानियम के अधीन कर दोन के अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने पें सृविधा क निए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चोहण था, छिपान मा स्विधा के लिए;

जत. गव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ज के अनुसरण में, भी, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की तपधारा (1) के अयोग, निम्निधित को क्लार्ट अर्थात — (1) मेसर्स शहा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) धारजी भोगीलाल मजनलाल ।

(अन्तर्भरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्
कार्यशाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्पिक्त स्वारा मधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा भी उस अध्याय में विका गया है।

तमस ची

दुकान न० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, प्रशट "बो" डी विभ देवकी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/10524/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास पञ्चम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रंज∼4, प्रसाई

विनातः : 12-2-1985

माहर '

प्रकल बार्च. टी एन. एक्. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985 निदेश सं० अई-4/37ईई/10575/83-84---मुझे अत, लक्ष्मण दास

रामान रिश्निम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बचार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3/डी/1, जो ग्राउड पनोर इमारत नंव 3, बाज अपार्टमेंट, साईवाबा नगर, आफ ए सव विव रोड, बोरिवली (प), बस्पई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खं के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाभानयम के अधीन कर दाने के बन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (व) एसी किसी बास या किसी भन वा अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के जिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकर नारायण पाटकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर भवानीणकर णर्मा, श्रौर श्रीमती केसरबेन मुख्लीधर णर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या भारताती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि राज को प्रकार देवां के स्वाप राज के प्रकार देवां के स्वाप राज स्वाप राज
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया पता है।

अनुसूचा

फ्लैंट न० $3^{|\mathbf{g}|/1}$ जो ग्राउड फलोर, इमारत न० 3, बाज श्रपार्टमेट, साई बाबा नगर, ग्राफ एम० बी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10575/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को राजस्ट्रर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्ब ई

तारीख : 12—2—1985

मोहर .

त्रक्ष्यु वार्त्रः, ठो. एर., वृष्ट.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० ग्रई०-4/37 ईई०/10065/8 4-85--- प्रत.

मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी म० दुकान नं० 8 तथा जो ग्राउड फ्लोर, दातानी ग्रापार्टमेंट न० को-ग्रापरेटिय हार्जिम मोसाइटी लिमिटेड, एल० टी० रोड बोरीवली (पिच्चम) बम्बई – 92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रातुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीला 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे निए; बार्-/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा किपाने में सुविधा के लिए;

मतः व्यव, जनत निधिनयन की धारा 269 न की बन्धरक में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजित व्यक्तियों, नर्धात् ।——

- (1) श्रीमती लीलापी० बेदी।
- (2) श्री गोपाल दास भगवान दास शहा

(अन्तरक)

और

श्री वामोदर भगवान दास शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुने कर्ष हुएना, जो उस अध्याय में दिया गणा है।

नम्स्ची

दुकान न ० 8 है तथा जो आउट पलोर, दानानी श्रपार्टमेट न ० 1, को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोलाउटी लिगिटेड, एल० टी० रोड बोरीवली (पश्चिम), वस्वई-92 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि कम रा० प्रई०-1/37 ईई०/10065/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्ट्रड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रापकर ग्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-4, बम्बई

नारी**ख** 12-2-1985

गहर:

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985 निदेण सं० श्चाई०-4/37 ईई०/10737/84-85--श्चतः मुझे लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403 है तथा जो चौथी भजिल रोणन अपार्टमेट विग 'ई' चौथी कस्तूरवा रोड बोरीवली (पिण्चम) वस्बई – 66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आय-कर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथाप्षेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबसः, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सिग्र; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा के लिए;

पत: ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० रोशन इन्टरप्राइजेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपंकज जयन्ती लाल जोबालिया और श्रीमती मधुरीपंकज जोबालिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों प्रत् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्थळिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ere all

पलैटनं ० 403 है तथा जो चांथी मजिल रोणन ग्रपार्टमेट विग ई चौथी कस्तूरवा रोड बोरीवली वम्बई-66 में स्थित हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 बस्बई

तारीया : 12-2-1985

मोहर :

त्रक्ष बाई. टी. एन. एव.-----

नायकड न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्वना

भारत सुरुकार

कार्यांसय, सहायक अध्यकर वाय्वत (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-4 वस्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-4/37 ईई०/10532/84-84--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैटन० 506 है तथा जो सिद्धी ग्रपार्थमेंट साई बाबा नगर एस० बी० रोड बोरीवली (पिक्सि) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिध-नियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीखा 1 जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत उक्त क्षिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, भाँ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) अक्रे अभीन, निम्निजिबित अधिकत्यों, वर्जीय क्रिक्त (1) श्री दत्तात्रय यशवन्त मेस्त्री

(प्रन्तरक)

(2) श्री भरत भाई वल्लभ दास ठक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यासित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैटनं० 506 है तथा जो सिद्धी श्रपार्थमेंट साई बाबा नगर एस० बी० रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 वस्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आहाँ, टी एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश मं० श्राई०--4/37 ईई०/10445/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु में अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं 14 है तथा जो इमारत नं 1 ए विंग गिनी विजय को स्प्रापरेटिव सोमाइटी हाउसिंग लि । साई बाबा मगर बोरीबली (पिष्चिम) बम्बई – 92 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है नारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——ं

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी ंकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री कें नारायण राय।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्ररूण प्रकाण सुकी।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय∟ ≁-गया है।

फ्लैट नं 14 है तथा जो इमारत नं 1 ए विंग गिर विजय को-श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लि० साई बाबा नगर बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कम सं० श्चाई०-4/37 ईई०/10445 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आइं.टी.एन,एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
शर्जन रेंज-4 बम्बई

वम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-4/37 ई०/10036/84-85---ग्रतः मृप्ते लक्ष्मण दाम

बायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक ह

और जिसकी म० फ्लैंट नं० 3 है गथा जो ग्राउन्ड फ्लोर प्लाट नं० डी-9 योगी लक्ष्मी नारायण को-ग्रापरेटिव हाउमिंग सोसाइटी प्राइवेट लिमिटेड योगी नगर एक्सार रोड बोरीवली (पिष्टिम) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमे उपाबढ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्हीनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे रचन में सृतिभा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए:

कतः गर्न, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अपृक्षरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिमित्त स्मिक्तयों, नर्धात् ॥—— 49—506GI/84 (1) श्री इलश अमृत लाल शाह

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीबद्री प्रसाद वाल कृष्ण मिश्रा।

(म्रन्तरिती)

ंको यह स्**चना जारी करके पूर्वोक्त सम्प**रित के वर्जन **के लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छाकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, खो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविध हैं, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट न० 3 है तथा जो ग्राउन्ड पलोर प्लाट डी योगी लक्ष्मी नारायण को-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी प्राद्येट लिमिटेड योगी नगर एक्सर रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रमुभूची जैसा कि ऋम स० ग्राई०-4/37 ईई०/10036/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर आधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4 ग्रर्जन रेज-4 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . ------

जायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की

भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश म० ग्रई-4/37-ईई/10026/84-84--ग्रत: म्झे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट न० 14 और 19 जो सी० टी० एस० न० 13/15 और 13621 देसाई एण्ड शेंड नगर निर्माणाधीन इमारत कार पार्कींग स्पेस न० 6 ग्राउड फ्लोर ए०—विंग बोरिबली (प) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 का के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1-6-84

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

क्तः अब, उक्त लिधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मैसम अर न्हत इन्टरप्राइजेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्राणादेकी एम० अर्जन

(ग्रन्त(रती)

(3) ग्रन्तरक

(वह सम्पत्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पर्नाः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत प्रतिसारों में स सिसी व्यक्ति दूरारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताउद्ध किसी अन्य व्यक्ति दतारा अधाहम्ताक्षरी के एक ित्रियन के किए से स्थाप

स्पष्टिक रण. --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त- ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

नगत्त्र 🕏

प्लाट त० 14 और 19 जो मी० टी० एस० जन० 13/15 और 13/21 देसाई एएड प्रेट नगर निर्माणाचीन इनारत; कार पार्भींग स्पेस न० 6 ग्राउड फ्लोर ए० विंग बोरिनली (प) बम्बई में स्थित है।

प्रमुची जैसाकि क० म० स्रई-4/37ईई/10026/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाक 1-6-1984 को रजिस्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास गञ्जम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-4 त्रम्बई

नारीख: 12-2-1985

मोहर् 🖫

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4 अम्बई

बम्बर्ध दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37ईर्ध/11175/84-86-शत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैंट नंव 9 जो 2री मंजिल "स्टेल्ला मरीस श्रपार्टमेंट्स" एसव नंव 154/श्रायव श्रायव सीव कालोती बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनमम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तरीख 1-6-1984

का' पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) श्रम्सरण सं हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त निभिन्नम के जभीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् निधिनयम, 1957 (1957 को 27) ने प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) निकीत युनिक

(भ्रन्तरक)

(24) श्री ऐंट्रीन डिसोजा

(अन्तरिती)

को यह सुपना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, पां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिश में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे- क्रिया प्या है।

नम्सूची

फ्लैंट नं० 9 जो 2री मंजिल "स्टेल्ल मरीस अपार्ट— मेंट्स" एस० नं० 154/आय० श्रायं०सी० कालोनी बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसांकि क० सं० आई 4/37ईई/11175/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकरी (सहायक ग्रारकर भायुक्त निरोक्षण) भर्जन रेज-4 बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई. दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० प्रई-4/37ईई/11174/83-84--ग्रत: मुझे

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी तं ॰ फ्लैट 3रो मजिल पर जो स्टेल्ल मरीस अपार्टमेंट एस० नं ॰ 154/अाय० श्राय० भी० कालोनी बोरिजलो (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में कर पूर्ण रूप से बाजित है) और जिसक करार—नाम श्रायकर श्रिश्तियम 1908 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कामी कारने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में ब्रिका के निए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भैसर्स निकीता युनिक

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारेन्स एम० रशमारीओ

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (44) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्यारा;
 - (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पक्किरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पर्यंट नं० 3री मंजिल पर जो स्टेल्ला मरीस श्रपार्ट मेंट, एस० न० 154 श्राय० श्राय० सी० कासोती, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि क० सं० ग्रंहे-4/37ईई/11174/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस, -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीकान) ग्रजन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण सं० भई-4/37ईई/10410/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 11, जो ग्राउंड फ्लोर, "ममपँन" "बी०" इमारत, दौलत नगर, रोड़ नं० 3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-6-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान - प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयबान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

कतः व्यव उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वै वृधीन, निम्निमिया व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मैसर्स एस० ए० कान्द्रेक्टर एण्ड कंपनी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रविणभाई भगवानभाई नाकरानी और श्री बावचन्दभाई भगवानभाई नाकरानी (अन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

दुकान न० 11, जो ग्राउड फ्लोर, "समर्पन" "बी०" इमारत, दौलत नगर रोड़ नं० 3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० ग्रई-4/37ईई/10410/84-85 और जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख: 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश सं० भ्रई-4/37ईई/10728/83-84--- अतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- इ. से अधिक हैं

और जिसकी स० 38 फ्लैंट्स लक्ष्मण अपार्ट मेंट्स में सर्वे नं० 104, एच० नं० 1 और 2, एक्सार तालूका बोरिवलो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य स कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह निद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उनके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरक के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भारतीक स्म ने कविष वहाँ दिना वसा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; अरि/या

अक्षः अवः, उक्त माधीनयम की भारा 269-ण के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :— (1) मैसर्स निमेश इन्टरप्रायजेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केथ प्लासिड डिसोजा, लीफ प्ररमोटर, ग्रार० बी० ग्राई० स्टाफ को०-ग्राप०, हाउसिंग सोसाइटी लि० (प्रपोझडू) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिं शरु करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सपरित में दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्दूर किंशियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

37 फ्लैंट्स लक्ष्मण अपार्टमेंटस में जो, सर्वे नं० 104, एच० नं० 1 और 2 एकसार तालूक बोरियली, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुभूची जैसानि कै० सं० ग्रई-4/37ईई/10728/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप बाहुँ, टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कथीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांतय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश मं० ग्रई०-4/37 ईई०/10237/84-85-- म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके। उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको म० पीस और पार्मल श्राफ लैण्ड और ग्राउन्ड एट विलेज एक्सार में है तथा जो सबे न० 41 (अण), तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उक्त बाधि-नियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; शहर पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा अं किए;

क्तः वध, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-व कौ वनुसरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् ु—→ (1) मैं० केवल बिल्डम् प्राइवेट लिमिटेड।

(श्रन्तरक)

(2) श्रावासन्त एक भट्टा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्परिए के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या अत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ध्नुसूची

पोस और पार्सल श्राफ लैण्ड एट विलेज एक्सार, सर्वे नं ० 41 अ श (अश), नाल्का, बोरीवली, बस्धई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि अप स० श्रई०-4/37 ईई०/10237/ 84 85 ओर जा पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिना । जून, 1984 को रजिस्ट्रो कियागसाहै।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक स्राधारर श्रायुक्त (गिरोक्षण) स्रजैन रेज- 4, बम्ब**इ**

नारीख . 12-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० श्रई०-4/37 ईई०/10762/84--85-- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दू ान नं० 13 हैं तथा जी सहयाद्री एल० टी० गोड़, बोरीतल (पिन्सि), धम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त पिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पानं में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीधाजी भाई मिठूभाई छेड़ा और
 - 2 श्रो प्रह्माद राय गणपत लाल उपाध्याय। (भ्रन्तरक)
- (2) 1 श्रोमन्भाई एव० णाह और
 - 2 श्रीरमेश बी० वंझारा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह स्थान कारी करके पृशाँक्य सम्पत्ति के वर्षन के तिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी किसी गास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्किरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्त्रची

दुधन नं 13, जो सहयाद्री, एल० टी० रोड, बारीवली (पण्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूचों में जैसा शिक्रम सं० श्रई०-37 ईई०/10762/ 84 -85 ओर जो पक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनां र 1 जून, 1984 को रिजस्टिई स्थिनस्टाई ।

> लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी भहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारोख 12-2-1985 मोहर :

प्रकृष बाही. टी., एन., एस्.: ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सूरकार

भार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० श्रई०-4/37 ईई०/10447/84-85-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिक्ष जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 5 है तथा जो ग्राउन्छ पस्तोर, इमारत नं० ए- 7 रत्तन नगर, स्कीम प्रेमजी नगर और दौलत नगर के बाजू में, एस० वी० रोड, बोरीवसी (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इंससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास किन्द्रमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अति-कन प्रनिम्नितियां उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिविक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बायत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के जम्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जान या किसी अन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के खिए;

अंत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 50—506GI/84

(1) मैंसर्स परम श्रानन्द बिल्डसं प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रौनारायण माधव लाल लिंबूचिया।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के धावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपात में हिट- विद्या किसी बन्ध व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताकरी के गम निकित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसस सिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया सबा है।

वनुसूची

हुकान नं० 5 जी ग्राउल्ड फ्लोअर, इमारत ए-7, 'रत्तन नगर', स्कीम, प्रेमजी नगर और दौलत नगर के बाजू में एस० वी० रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

'स्रतुमूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10447/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बेई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकारौ महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

तारीख़ 12-2-1985 मोहरः

प्ररूप जाइं.टी.एन.एत. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायेक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरो 1985

निदेश म० अई०-4/37 ईई०/10300/84--85---- अन: मुक्ते, लक्ष्मणदास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की गारा 269-त्व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और भिनकी सं० पर्नेट नं० 32 है तथा जो तीसरी मंभिल, पंचरतन्त्र, सरदार बल्यम भाई पटेल रोड, बोरीवली (पण्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इमसे उपावड प्रतुमुची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसकों करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के ध्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अतरण निक्रित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कार दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सबिधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ये मुविधा के लिए;

जतः जबः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधिनयों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स के ० पटेल एण्ड कम्पनः प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरकः)

- (2) श्राजगमोहन दास वालजी भाई मंघवो और श्रोमती विलासबेन जगमोहन दास मघवौ । (श्रन्तरिती)
- (3) मैसर्भ झवेरी एण्ड सन्स।

(बह्ट्यक्ति, जिसके स्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदू-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम<u>ुस</u>ची

पलैंट नं० 32 है तथा जो तीसरी मंजिल, पंचरत्नम", सरदार वल्लभ भाई पटेल रोड, बोरीवर्ला (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित है।

श्रिनुसूची जैसा कि कम० मं श्रई०- 4/37 ईई०/10300/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज- 4, बम्बई

तारीख 12-2-1985 मोर^र प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) से मधीन सूचना

भारत सरकार

कामीतम, तहामक भागकर भागका (निरक्षिण) ग्राजन रेज--4, सम्बई

बम्बई, दिनाव 12 फरवरी 1985

निर्देश मं० भई०-4/37-ईई०/10396/83-84--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिलकी सं० पलैट नं० 3 ई-40 जो द्वानकेण, चंथी मंजिल, एल० टी० रोड, बारोवली (पिष्यम), बम्बई-92 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अवीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट, है नारीक र्री कून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एोसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम सं हुई किसी नाय की वायत, जनत जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कार 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने कें सविधा के लिए;

बतः कत उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० के उपटेल एण्ड कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयेश कुमार पूनमचन्द दोशी और श्री रमेश कुमार पूनम चन्द दोशी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतां हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कि पास सिवित में किए जा सकी।

स्पष्टोक्षरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का., जो उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्य

पजैट नं० ई-403, जो झारकेण, चौथा मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीबली (पश्चिम), धम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैया कि कम सं० धई०-4/37 ईई०/10396/ 8 4-8 5 और जी सक्षम प्राविकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1 जून, 198 4 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बर्स

तारोख : 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अधीन स्थान

कार्यास्य, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1984

निदेश सं० भ्राई०-4/37 ईई०/10083/84-85---- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000√- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 26 है तथा जा न्यू ताशकन्द टैरें। की-आगरेटिव हाउसिंग मोनाइटी लिमिटेड, बारीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनयम, 1961 का धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थि सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 1 जून,

को पृतांक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गद्दा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत अवत अधिन निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के किये; अदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुरैनचा के सिए;

बतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण ब्रें, में, उक्त अधिनिवम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, ीनम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ी—र (1) श्रीमती कुजबाला उत्तमचन्द्र गाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीनाबेन कनु भाई पटेल।

(श्रन्तरिवी)

की बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् के कोई भी बाबोद् ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भवीभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास निजित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होगा जो उस अध्याय में विकी गया है।

नन्त्र्या

् पर्लंटन० 26 हैंसथा जो न्यू ताम्रक्तन्द टैरेस को-म्नावरेटिव हाउतिम सासाइटी लिमिटेड, बोरावली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूंबौ जैसा कि ऋम मं० श्रीहै०-4/37 ईहै०/10083/ 84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान मक्षम प्राधिकारौ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

तारीख 12-2-1985 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरौ 1985 निदेश सं० अर्थ०-4/37 ईई०/10302/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दारा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

आर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11 तथा दूसरी मंजिल, इमारत 'ए', मंदार का-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० गौतुलधाम, बारीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आं पूर्णर रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रापकर श्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आक का किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीधीरजभाईगुलाब दास वार्गा।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसा राजेण कुमार जीतांगिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किये जा सकी।

स्पच्छीकरण '-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्

प्लॅंट नं 11 जो दूसरी मंजिल, इमारत ए, मंदार को-प्रापरेटिव हार्जिसग सोसाइटी लिमिटेड, गोकुल धाम, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10302/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहुदु 🛭

प्ररूप . आहें . टी . एन . एस् . - - - -

नायकर ग्राभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालयः, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 फरवरी 1985

निदेश म० भाई०-4/37 ईई०/10205/83·84---भ्रत: मुझे, लक्ष्मण दार,

भायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-श्र के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

आर जिनको स० दुरान न० 18 है तथा जो प्राउन्ड फ्लार, ''ं, गूं। शीं राड, कारा के द्र और गोंकुल धाम के गांत, बाराना (पिक्निंग), बम्बई- 92 में स्थित है (और इंस उरानंद्र अनुसूच, में और पूर्ण रूप में बिणित है), और जिनका करारनामा प्राप्तिन प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के खें प्रभीत सम्बई रिश्त स्थान प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारोख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के निए; और/भा
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 र (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा औं सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नतिश्वित अपिक्यियों, अर्थात् अ--- (1) मैं समं सुभर डेवनपमेट्स ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रामताताराबेन डा० पटेल आर श्राधनराजण्म० पटेला

(भ्रन्तरिता)

भा यह सुधना जारी भरके पुर्वावत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

वक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस भूनता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसा में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिकरणः - इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया । गया हों।

अनुसूची

दुकान न० 18 है तथा जा ग्राउन्ड फ्लोर, 'सुमेर नगर', एस० बौ॰ राड, कारा केन्द्र आर गोकुल धाम के सामन, बारावली (पश्चिम), बस्बई- 92 में स्थित है।

स्रतुसूची जैंसा कि कम स० झाई०- 4/37 ईई०/10205/ 84-85 और जो: सक्षम प्राविक्तर्रा, वस्वई द्वारा विमाकः 1 जून, 1985 को रजिरष्टई किया गया है ।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राप्यार आयुगत (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-4, बम्बर्ष

तारी**ख** . 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत नरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ट

बम्बई, दिनाए 12 फरवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०--4/37 ईई/10640/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी से दुनान ने 1 (ए) और 1 है तथा जो प्राप्तन्ड प्लीर, चर्च इसारत, सर्वे ने 0 155, एस० ने 0 6, सर्वे नं 0 156/एस० ने 0 3टी० एस० ने 0 1084, विलेश एकतार, होली रोड नालुका बोरीगला, (पिच्चम), बम्बई- 92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अन्सूची में आर पूर्ण रूप से बिणत हैं), और जिसका वरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के सुधीत बम्बई स्थित मक्षम प्राधि परी के वपानिय में रजिस्ट्री हैं नारीख 1 जन, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित भागर मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विचय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्स में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए, और/श
- (का) एमें किसी आय या किथी धन या पन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ता शिक्तियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा में सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमाँ, अधीत:—— (1) श्राज्योक्युम मस्तारेक्त औरश्रीमतो श्ररामितान जिकुन्हा ।

(भ्रान्तर्कः)

(2) मैं० अजना जिल्डर्ध।

(भ्रन्गरिती)

को यह स्चना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---ध्यमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

anach

दुशान नं० 1 (ए) और 1, है जो ग्राउन्ड फ्लोर चर्चवे डमारत, सर्वे नं० 155, एच० न० 6, मर्बे न० 156, एच० नं० 3/मीट,०एस० न० 108, विलेज एक्सार होली रोड, तालुका बारीवर्तः (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई०/10640/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज- 4, बम्बई

तारीं : 12-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर बीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

ं साइत बरकार

कार्यांशय, सहायक जायकर जायक्त (किरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-·4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/10451/84-185--आत: महो, लक्ष्मण टांस

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उ'चित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

औय जिसकी सं० दुकान नं० 1 है तथा जो प्राउन्ड फ्लार, 'ए' विंग, सुमेय नगर, एस० बीं० रोख, कोरा केन्द्र और गोकुल धाम के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टों है तारीख 1 जुन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता बिलंब के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, क्षेक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के तायिक कों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत कि भिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे सिष्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह-- (1) मैं सर्स सुमेर डेवलप मेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रो जगत सिंह मायादास गाधी श्रोमती जोगिन्द्र कौर जगत सिंह गांधी और श्री राजेन्द्र सिंह जगत सिंह गांधी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू क<u>रता ह</u>ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विश्व हैं।

अनुसूची

दुकान नं 1 है तथा जो ग्राउन्छ फ्लोर, 'ए' विग, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, कोरा केन्द्र और गोकुल धाम के मामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित हैं।

श्रनुमूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/10451/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्ट ईंकिया गया है।

> ्लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राप्तुक्त (निरीक्षसें) श्रजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर ः

प्रका नाई . दी . एन् . एस . -----

माथकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सुचना

पारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्र- ४, अम्बर्ड बस्माई, विनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/10377/84-85- - अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

औय जिसकी स॰ फ्लैट न॰ 208 है तथा जो दूसरी मजिल, 'सी' इमारत, गगनिगरी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पिष्चम), मन्यई- 92 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 261 क ख के अधीन मन्यई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जन, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह निश्नास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उव्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी नाम की वावस, उक्त जिम्मीनमध्यके अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा में लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 51—506GI/84

- (1) मैं ॰ गगनगिरी बेबलपमेंट कारपोरेशन। (भ्रम्तरक)
- (2) श्री धन्युल कादर इस्माईल मर्चेंट। (अन्तरिती)
- 3. भन्तरितियी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

चन्स्याँ

प्लैट न० 208 है जो दूसरी मिजल, 'सी' इमारत. गगनगिरी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित है।

धनुसूची कम सं० भाई०-4/37 ईई०/10377/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, दम्बई

तारीख : 12-2-1985 मो**हर**्र

प्रकृत मार्ड . टी . एन . एस् . -----

THE SECTION OF THE SECTION OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE SECTION OF THE SECTION OF THE PROPERTY OF THE SECTION OF THE

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कि भारा 269-म (1) के अभीन स्वान

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां है 12 फरवरी 1985

निदेश स० श्राई०- 4/37 ईई०/10477/84- 85- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

लायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उजिल बाबार मृज्य 25,000/- रह. से अभिक है

और निक्तो स० पलैट नं० 25 है तथा जो 'सी' विग, 1 ली मंजिल, रामचन्द्र प्रपार्टमेंट', 'ए' इमारत, जय पाली हिल, गांति ग्राश्रम के बाजू में, बारीवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की बारा 26 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और जुकों यह विद्यास करने का कारण हैं कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ते हुई फिली बाब की शबस, तकत निर्माय के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा अवसे ब्वाने में मृदिया के निरम् और/बा
- पोती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 विश्व का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए

अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269 ए के अनस्र । भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० जय पाली बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजीत सत्यवान चित्रे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी वा वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिश्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सपित में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कुर्जी और पर्धों का, जी उक्त क्षिपित्रमा, के अध्याय 20,-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वमुस्ची

प्लैट नं० 25 है तथा जो 'सी' विंग, पहली मंजिल, 'रामचन्द्र भ्रपार्टमेंट', (ए) इमारत, जय पाली हिल, शांति श्राश्रम के भाजू में, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/10477/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ष द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

सारी**ख**: 12-2-1985

मोहर:

प्रकृष कार्ष . दी . एवं . एवं . ----

(1) मैसर्स जय पाली बिल्डर्स ।

• (ग्रन्तरक)

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ए (1) के अधीन सुचना (2) श्री कृष्णा एस० पुरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बर्द 'बम्बर्द, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-4/37 ईई०/10478/84-85-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु.. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 3 है तथा जो 'मुशीला श्रपार्ट— मेंट्स, विजरा नाका, एल० टी० रोड, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई—92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीध— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को प्वाँक्त सम्पर्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रित्नफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाँक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति। कि रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे वचने में मृतिधा के निए; और/या
- (भा) ध्रेसी किसी बाग वा किसी भन या बन्य बास्तिकां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह स्वता कारी करके पर्वोक्त अन्यत्ति के अर्कन के निए कार्यगाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोहै आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कें 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्यं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगें।

ल्मक्क्लोक्करण.----हसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उत्तर अधिनियम, के अध्याय 2:0-क क पारक्रिक ही, वहीं अर्थ होगा. वो उना अध्याप में कि. चया ही।

बन्स्यी

दुकान नं० 3 है तथा जो 'सुशीला श्रपार्टमेंट्स', वजिरा नाका, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/10478/ 84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई एारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिक्तिव्यक्तियों, अर्थात् ह—

सारीख: 12-2-198**5**

मोद्धरः ;

श्रक्षं बाह् त दी . एव . एव . =<----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वमा

बार्य ब्रकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरक्षिण)

भर्जम रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक' 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० **प्राई**०-4/37 ईई०/10630/84-85--- प्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3030 है तथा जो सीसरी मंजिल, 'सी' विंग, स्टार गलक्सी, एल० टी० रोड, बीरीवली (पश्चिम), बन्बई-92 में स्थित है (भीर इससे पांबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण से विंगत है), भौर जिसका गरारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित अद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में में अस्तिक रूप से करियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्मरण वे हुन्दें किसी शाय की बाबत, अक्स जिमियम के जधीन कर दोने के जन्मरक के राजित्व में कभी करने वा उत्तस बचने में सुविधा के निए; बॉर/मा
- (क) एंसी किसी जाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की किए?

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न को अनुअपन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी रामजी माई रेवा शंकरत जोशी।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती रतन बैन एव० मेडा भौर श्री प्रमांत एव० मेडा ।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सङ्गरित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई जी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जा सचत विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित । हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस वश्याय में दिया गथा है।

वनुसूची

प्लैट नं० 303 है तथा जो तीसरी मंजिल, 'सी' विंग, स्टार गलक्सी, एल० टी० रोड, बोरीक्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं श्राई०-4/37 ईई०/10630/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्ड किया नया है।

लक्ष्मण दास संसम प्राधिकारी सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) भजेंग रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्रस्थ बाइ". टी. एन. एच , -----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-न (1) के नर्भीत भूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंस रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985 निर्देश सं० म्रई०-4/37 ईई०/11075/83-84---भतः मुभे, सक्सण दास

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ऑल देंट पीस श्रीर पार्सेल श्राफ लैण्ड एट क्लिल, बोरीवली, वाईड डी०पी० रोड, एस० नं० 37 (श्रंग), सी० एस० नं० 270 (श्रंग), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान भृतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्तत बाजार मृस्य उसके वृश्यमान प्रतिफन से, ऐस वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण किखित ने बास्तबिक क्य स किथत नहीं किया स्था है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह अगरतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरियी द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिए;

जतः सव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के विमुत्तरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभास (1) के विभीन, विक्रमिलिखित व्यक्तियों, विभाग डि—

- (1) श्रीमतीधाकल् बाई एम० केनी भौर 40 भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) ग्रोम श्री ग्रलकापुरी को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोए भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

धनुसूची

भ्रॉल वैंट पीस भ्रार पार्सेल ऑफ लैन्ड एट विलेज, बोरीवली वाईड डी॰ पी॰ रोड, एस॰ नं॰ 37 (भ्रंग), सी॰ एस॰ नं॰ 270 (श्रंग), बस्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क्रम सं० मई०-4/37 ईई०/11075/ 84-85 मौर्र जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सलम प्राधिकारी सहामक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के०⊶65/84-85----प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याआर मृल्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1101/एच/1/121 है तथा जो काका देव कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 जुन, 1984

को पृश्वित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापृष्वित सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त बिधिनियम के बधीर्म कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अनने में सुविधा के सिए; और√वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 'धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती विशाल कुमारी तिवारी वेद श्री बद्री विशाल तिवारी, निवासिनी 117/एच/1/121, काका देव, कानपुर, हाल बी-48, सेक्टर ए, महा नगर, सखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सृष्मा मवान प्रस्ती श्री भूपेन्द्र कुमार व श्री विनोद कुमार वल्व श्री रामलाल, साकिनान 111-ए/165, म्राशोक नगर,

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सभ्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थहोंगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

नगस ची

एक मकान नं॰ 117 एच-1 121 जो कि काकादेव, कानपुर में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: '25-1-1985

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st March 1985

No. F.2/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri A. N. Oberai, Officiating Additional Registrar, and appointed him substantively to the post of Additional Registrar, with effect from the forenoon of March 1, 1985.

R. SUBBA RAO Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th February 1985

No. A-32018/4/83-Admn.H.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. Rita Tulsaney, permanent Programme Assistant-cum-Consol Operator as Programmer, Group 'A' Gazetted, in the Commission's office for a period of 46 days w.e.f. 1-1-85 to 15-2-85 or until further orders whichever is earlier vice Shri U. R. Ambrishan, Programmer presently on deputation to the Ministry of Planning.

The abovesaid appointment is purely on ad-hoc basis and will not confer upon her any title for regular appointment or seniority in the grade of Programmer.

VIJAY BHALLA
Section Officer (Admn. II)
Union Public Service Commission

CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 28th February 1985

No. 1-17/84-CFSL/1395.—The President is pleased to appoint Dr. Mohd. Aizaaz Ali Senior Scientific Assistant (Documents Divn.) to officiate as Senior Scientific Officer Gr. II (Documents Divn.) on ad-hoc basis in Scientific Aid Unit/C.B.I., Madras with effect from 6-2-85 (FN) for a period of six months in the first instance or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 22nd February 1985

No. 11031/74-Estt.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Dr. Arun Kumar Bapuly is appointed as Junior Scientific Officer, S.V.P. National Police Academy, Hyderabad on a temporary basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—EB—810—EB—35—880—40—10000—FB—40—1200 plus ither allowances, as admissible under the Central Government Rules with effect from the 14th of February 1985 F.N. and until further orders.

G. C. SINGHVI Director

DIRECTORATE GENERAL: CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 25th February 1985

No. D.I-33/83-Estt-I.—The services of Shri A. K. Behera, Dv. S. P., 38th Bn., CRPF, Calcutta are placed at the disposal of Department of Supply (Ministry of Commerce and Supply), on deputation basis with effect from 7-2-1985 (AN).

The 28th February 1985

No. D.I-18/84-Estt-I.—The services of Shri C. Pal Singh, DIGP, CRPF are placed at the disposal of Government of Punjab, on Jeputation basis with effect from 7-2-85 (FN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th February 1985

No. E-32015(3)/18/84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Tah, on promotion as Commandant Group HQrs CISF. Calcutta with effect from the forenoon of 11th February 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26th March 1985 or till such time regular appointments are made whichever is arlier.

No. E-32015(4)/150/84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Sovarkar Navak. on promotion as Assistant Commandant in CISF Uni BCCL Jharia with effect from the forenoon of 31st January 1985 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)/155/84-Pers.L—On appointment on deputation Shri S. S. Puri, assumed charge at CISF HQrs New Delhi in the forenoon of 10th October 1984 and was posted to 1st Reserve Battalien CISF, Barwaha where he assumed charge of the post of Assistant Commandant 1st Reserve Battalion CISF, Barwaha with effect from the forenoon of 19th October 1984.

The 28th February 1985

No. E-32015(3)/15/84-Pers.L.—The President is pleased to appoint Shri V. Louis Rai, as Commandant CISF Unit SPM. Hoshangabad with effect from the forenoon of 16th February, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-3-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier,

The 1st Murch 1985

No. E-16013(2)/11/85-Pers I—On appointment on deputation Shri Gurvinder Singh Bhullar IPS (Pb: 69) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit VSSC. Thumba with effect from the afternoon of 20th February, 1985.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): 1 MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th February 1985

No. O.E. XI/Gr. II/AAO-SO/12/388/766.—The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforms promotion under next below Rule to the undermentioned Section Officers as Asstt. Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-1040 with effect from the dates noted against each.

S. No.	Name	F	Permanant No.	Date from which pro- moted as Asstt. Audit Officer
	K.C. Gautam S.O. G.K. Gupta, S.O.		02/470 02/2046	1-3-1984 29-8-1984

[Authority: Orders of A.G. (Audit): I dated 3-2-1985]

M. DEENA DAYALAN
Dy. Accountant General (Aemn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): I, MAHARASHTRA

Bombay-400020, the 26th November 1984

No. Admn I/Audit/Genl/AAO/2(1)/8.—The Accountant General (Audit): I, Maharashtra, Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B') with effect from the dates mentione against their names until further orders:—

Sr. No.	Name	1	Date of apptt.	Office to which posted
1. Shri S.	S. Valdya .		20-10-84	A.G. (Audit): I.
			F.N.	Bombay.
2. Shri B	. S. Dalvi		22-10-84	Do.
			F . N.	
3. Shri S.	N. Joshi(I) .		30-10-84 F.N.	A.G. (Audit): II. Nagpur
4. Shri D	, G. Joshi .		21-7-84 F.N	D.A.(C), Bombay
5. Smt. S	S. S. Vaidya		21-7-84 F.N.	Do.
6. Kum.	L. S. Rao .		21-7-84 F.N.	Do.
7. Shri V	Krishnamurthy		18-8-84 F.N.	Do,
8. Shri N	, S. Deshpande		21-8-84	Do.
	•		F.N.	
9. Shri V	, K. Abadar .		28-8-84	Do.
			F.N.	
10. Shri T	. S. Waghmare		25-8-84	A.G. (Audit): I,
•			F.N.	Bombay
11. Shri J	M. Moon .		25-8-84	Do.
			F.N.	

The 14th January 1985

No. Admn I/Audit/Genl/AAO/2(1)/9.—The Accountant General (Audit): 1, Maharashtra, Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers, to officiate as Assistant Audit Officer (Group 'B') with effect from the dates mentione against their names, until further orders:—

Sr. No. Name		Date of apptt.	Office	to which posted
1. Shri D.K. Khatkedkar		25-4-84 F.N.	A. G. Nag	(Audit) : II,
2. Shri Y.R. Rangari	•	27-8-84 F.N.		. (Audit) : 1, mbay.

Sd./ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant Genl./Admn. I

OFFICE OF THE ACCOUNTAT GENERAL (AUDIT): ORISSA

Bhubaneswar, the 21st February 1985

E.O. No. 73.—The Accountant General (Audit) is pleased to appoint Sri B. C. Mohanty A.A.O. of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 13-2-85 (F.N.) in accordance with the provision of I.A. & A.D. (Administrative Officer, Accounts Officer, Audit Officer) Recruitment Rules 1964. His promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the court and without prejudice to the claims of his seniors.

Y. R. SWAMI, Sr. Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): RAJASTHAN

Jaipur, the 27th February 1985

No. Admn.I(Audit)/18-10/1020.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Asset. Audit Officers to the post of Audit Officers (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

Shri Rai Narain Sharma—28-11-84. Shri Ram Saran Sharma—28-11-84.

> A. MUKHOPADHYAY-Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE, OILS & FATS

New Delhi, the 23rd February 1985

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 27h September 1984, the appointment of Shri P. S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Department of Civil Supplies, as Asstt. Director (Official Language) is further continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable, Oils and Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1-10-84 (FN) to 31-12-84 (AN).

P. S. CHEEMA, Chief Director

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 14th March 1985

No. CER/10/85/4.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of The Cotton Textile (Control) Order 1948, I hereby direct that all the directions, contained in the Notification No. CER/10/77 dated 15th April. 1977 shall continue in operation beyond 31st March, 1985, for a further period of one year i.e. from 1st April, 1985, to 31st March, 1986.

T. RANACHANDRA RAO Industrial Adviser & Ex-Officio Joint Textile Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th February 1985

No. 12(73)/61-Admn.(G)Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri K. Narendra Nath. Director (Gr. II) (Mechanical). Production Centre, Ettumanoor as Director (Gr. I) (Mechanical) at the same office with effect from the forenoon of 9-11-1984 until further orders.

No. 12(132)/61-Admn.(G) Vol.IV.—The President is pleased to permit Shri W. S. C. Hayward, Director (Gr. I) (GAD). Small Industries Service Institute, Ranchi to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-1-1985.

No. A-19018(228)/75-Admn.(G) Yol.III.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Jain, Deputy Director (Publicity) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II) (Publicity) in the same office with effect from the forenoon of 25-1-1985 until further orders.

No. A-19018/342/78-Admn(.G)Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Pandey, Asstt. Director (Gr. I)

(G/C) Branch Small Industries Service Institute, Rajkot under Small Industries Service Institute, Ahmedabad as Deputy Director (G/C) at Small Industries Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 31-12-1984 until further orders.

No. A-12018/4/83-Admn(G).—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Integrated Training Centre, Nilokheri (Group 'A' posts), Recruitment Rules, 1981, namely:—

- 1. (i) These rules may be failed the Integrated Training Centre, Nilokheri. (Group (Amendment) Rules, 1984.
 - (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to Integrated Training Centre, Nilokheri, (Group 'A' posts), Recruitment Rules, 1981:—
- (1) against the post of Principal, in column 12, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—
- (1) Departmental Promotion Committee (for considering promotion):—

Chairman

Chairman/Member, Union Public Service Commission.

Members

- (ii) Joint Development Commissioner
- (iii) Director (Administration).

Members

- (iv) An officer of the rank of Deputy Secretary belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
- (2) Departmental Promotion Committee (for considering confirmation):—

Chairman

(ii) Joint Development Commissioner.

Members

(ii) Director (Administration).

- (iii) An officer of the rank of Deputy Secretary belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
- (II) against the posts of Vice Principal, Specialist in Rural Industries, Specialist in Industrial Management, Mechanical Engineer and Chemical Engineer in Column 12, for the existing entry, the following shall be substituted namely:—

Chairman

(i) Joint Development Commissioner.

Members

- (ii) Director (Administration).
- (iii) An officer of the rank of Deputy Secretary belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
- Note:—The Integrated Training Centre, Nilokheri, (Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1961, were amended vide Notification as under:—
 - (a) G.S.R.-619-dated the 3rd August 1983 (vide Department of Industrial Development Notification).

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(DEPARTMENT OF MENES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th Pebruary 1985

No. A.19012(191)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. M. Mohurle, Mineral Officer (Intelligence) on ad hoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Mineral Officer (Intelligence) on regular basis in the 52—506GI/84

Bureau of Mines with effect from the afternoon of 15th February, 1985.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer.
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 26th February 1985

No. C-6179/718-A.—Shri N. R. Iyengar, Officiating Office Superintendent (Senior Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on regular officiating basis, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 7-1-1985 (A.N.) and posted to Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad vice Shri M. C. Anand, Establishment and Accounts Officer transferred.

G. C. AGARWAL Major General, Surveyor General of India, (Appointing Authority).

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th February 1985

No. 18/67/84-SIV.—Shri B. S. S. Vaga, Assistant Engineer Office of the Chief Engineer (West Zone), Bombay has retired on superannuation w.e.f. 31-1-85 (A.N.).

J. D. BHATIA
Dy. Director of Administration.
for Director General.

New Delhi-1, the 26th February 1985

No. 3/48/61-SII.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri M. A. Topiwala, Senior Administrative Officer, AIR, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1985.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Adminstration.

for Director General.

New Delhi-1, the 28th February 1985

No. 4(32)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Karuna Mohan Sarmah as Programme Executive at A.I.R., Dibrugarh in a temporary capacity with effect from 15th February, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-FB-1200/-.

H. C. IAYAL, Dv. Director of (Admn.) for Director General,

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRPCTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New.Delhi-1, the 27th February 1985

No. A-12011/8/84-Fxh (A).—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased) to appoint the following Exhibition Assistants to officiate as Field Exhibition Officers in a purely temporary capacity on adhoc basis at the Units of this Directorate shown against each with effect from the date shown against them:—

S,	Νo,	Name	from	Posted at	Date
١.	Shri	M.M. Pillal .	Trivandrum	Indore	21-2-1985
2.	Shri	Bhola Nath	New Delhi	Varanasi	13-2-1985
Э,	Shri	K.P. Damodara	an Bangalore	Agartala	16-2-1985

G. P. BHATTI Dy. Dir. (Admo.)

for Dir, of Advertising & Visual Publicity.

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOP-MENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS

New Delhi, the 28th February 1985

No. 7-1/79-E.I.-ES.—The Economic & Statistical Adviser is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri A. K. Biswas, a regular Senior Market Intelligence Inspector, in the post of Market Intelligence Officer at Market Intelligence Unit, Patna, for a further period of 6 months beyond 18-9-84 or till further orders, whichever is earlier.

S. P. MALHOTRA Chief Administrative Officer

DFPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 2nd March 1985

No. NAPP/Rectt/11(6)/85-S|2848.—Officiating appointment of Shri Govind Singh, as Accounts Officer-II on adhoc basis notified vide notification No. NAPP/Adm/11/1|74-S/5777 dated 27-8-1984 stands terminated with effect from the afternoon the afternoon of September 11, 1984.

R. K. BALE Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th February 1985

No. NFC/PA.VIII/3237/46. On attaining the age of Superannuation, Shri K. N. Ramachandra, Scientific Officer/Engineer/grade (SD), NFC has retired from Government Service with effect from the afternoon of 31-12-1984.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENFRAL, OF CIVIL AVIATION

New Delhi-66, the 16th February 1985

No. A.32013/9/84-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to post Shri A. Krishnamurthy. Deputy Director, Bombay as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Region with immediate effect and until further orders. This office Notification No. A.32013/9/83-EA dated 10th January 1985 may be treated as cancelled.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 25th February 1985

No. A.38014/1/84-ES.—Shri Tek Chand Verma, Store Officer (ad-hoc) (Group 'B' post) relinquished charge of the post of Store Officer in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi in the afternoon of the 31st January, 1985 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK Assistant Director of Administration

New Delhi, the 26th February 1985

No. A.32014/7/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. N. Malik, Technical Assistant in the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from 29-12-1984 (FN) and until further orders.

V. JAYACHANDRAN Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bomhay, the 15th February 1985

No. 1/129/85-EST.—Shri M. E. Khan, Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from service, with effect from the afternoon of the 31st January, 1985, on attaining the age of superannuation.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 26th February 1985

No. A-19012/932/81-E₈tt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B) (Chairman, Central Water Commission appoints Shri A. K. Koley Supervision to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 4-2-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy. (C)
Central Water Commission

DIRFCTORATE GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st March 1985

No. 32/3/84-ECII.—The following officers of the Central Public Works Department on attaining the age of superannauation (58 years) have been retired from the Govt. Service with effect from the date as mentioned against each of the officers:

S. N.	Name of the officer	Date of retirement	Designation and last posting station
1. Sh:	ri C.K. Jain	28-2-1985 (AN)	Executive Engineer (Civ.) PWD Divn. No. I (Delhi-Admn.), New Delhi.
2. Shri	G. R. Grover .	28-2-1985 (AN)	Executive Engineer (Civil PWD Divn. No. VI (Delhi-Adffin.), New Delhi.
3, Shri	B.R. Malhofra	28-2-1985 (AN)	E.E., (Civil), LF Sec., (NDZ), CPWD Nirman Bhavan, New Delhi.
4. Shri	K.K. Balani ,	31-1-1985 (AN)	E.F. (Civil), PWD Divn, No. V (DA), New Delhi.

The 2nd March 1985

No. 30/36/83-EC-I.—In partial modification of this office notification of even number dated 15/18-1-85 the date appearing against Shri Mukund Joshi at S. No. 3 may please be read [11 6-84 instead of "9-7-84".

MRS NEENA GARG
Dy. Director of Admn.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 31st January, 1985

No. CIT/V/JUR/84-85/3262/—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) and (2) of Section 124 of the IT Act 1961 (43 of 1961), I the commissioner of Income tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in Col. 2 of the Schedule below shall have concurrent jurisdiction with the Income-tax Officer mentioned in Col. 3 of the said schedule in respect of persons/cases assessed/assessable by the Income-tax Officer mentioned in Col 3.

It is specified u/s 124(2) that the LT.Os. in Col. 2 shall have jurisdiction over the work as mentioned in Col. 4.

This notification shall take offect immediately. SCHEDULE

1	2	3	4
	.P. Pahwa Distt. 1V(4)	Income Tax Officer Distt. IV(3)	All work relating to assessment in respect of cases with alphabate 'M' of Circle IV(3).
	Dinesh Verma Distt. IV(1)	Income-tax Officer Distt. IV(3)	All work relating to assessment in respect of cases with alphabate R&S of Circle IV(3).

Y. P. SUD Commissioner of Income Tax Delhi-V, New Delhi_e

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 20th December 1984

No. 752 E/44-II(Eia).—The following officers of Civil Engineering Department, Northern Railway, are provisionally confirmed in Class] Il Service in that Department on this railway w.e.f. the date noted against each:—

w.e.f. the date noted against	-acn	<u>-</u>			
Name					Date from which confirmed
1. Shri Q.P. Narang .					31-8-1984
2. Shri S.P. Khurana .					Do.
Shri Subhash Chander					Do,
4. Shri J. Dass .					Do,
5. Syri Dharamvir .					Do.
6. Shri V.B. Nangia .					Do.
7. Shri Y.D. Rao .			•		Do.
8. Shri Vikram Singh					Do.
9. Shri B.K. S. Bhatia		•	٠	٠	De
10. Shri R.K. Jain		•	•	•	Do.
11. Shri B.N. Asthana .			•	٠	Do.
12. Shri Rattan Lal .		•	•	•	Do.
13. Shri Hargun Ram .		•	•	•	Do,
14. Shri A.K. S. Rathor.		•	•	٠	Do,
15. Shri B.R. Sawhney .		•	•	•	Do,
16. Shri S.K. Bhandari .		•	•	•	Do.
17. Shri J.R. Gupta .		•		•	Do.
18. Shri B.B. Aggarwal .				•	Do,
19. Shri B.B. Lal		•	•		Do,
20. Shri G.K. Aggarwal.			•	•	Do.
21. Shri R.K. Duboy .			•		Do,
22. Shri U.V. Rastogi .		•	٠	•	Do.
- 23. Shri Kuldip Singh . 24. Shri S.K. Suvastava .		•	•	•	Do.
25. Shri Balrangi Verma		•	•	•	Do, Do,
26. Shri R.S. Saroj .		•	•		Do, Do,
27. Shri Gopal Chander		•	•	•	Do.
-·· ·		•	•	•	
28. Shri K.J Krishna .		•	•	•	Do.
29. Shri R.K. Gupta .		•	•	٠	Do,
30. Shri H.K. Vaid 1 .			-		Do.
31. Shri A.S. Tanwar .					Do,
32, Shri N.S. Nagi .	•				Do.
33. Shri R.R. Maurya ,		_			Ðo.
34. Shri Dayaram Singh .		•	•	٠	D o.
		•	•	•	-7
35. Shri Yogender Kumar		•	•	•	1 <u>0</u> 0.
Shri Phool Singh .		•		٠	∠Do.
37. Shri B.M. Gupta .					Do,
38. Shri R.U.L. Srivastava	ι				Do.
39. Shri B.L. Malhotra		(Do,
40. Shri O. N. Sachhar		-	-	_	Do.
101 41111111111111111111111111111111111		•	•	•	
41. Shri R.S. Mathu	•	•	•	•	Do.
42. Shri M. M. Mittal .		•	•	•	Do.
43, Shri R.B. Singh	•	•	•		Do.
44. Shri M.N. Bashwar					Do,
45. Shri C.P.N. Singh .					Do.
46, Shri B.L. Aggarwal .		٠.			Do.
47. Shri O.P. Panchal					Do.
				<u>-</u>	

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ankleshwar Commercial & Financial Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 27th February 1985

No. 1417/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ankleshwar Commercial & Financial Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the sadi Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Grihalaxmi Rang Udyog Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 27th February 1985

No. 1642/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Grihalaxmi Rang Udyog Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said Company will be Dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Gujarat Pharmachem Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 27th February 1985

No. 1657/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 360 of the Companes Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name M/s. Gujafat Pharmachem Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said Company, will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ranna Box Manufacturing Co. Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 27th February 1985

No. 2676/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s, Ranna Box Manufacturing Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said Company will be Dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Panchal & Mistry Engineering Works Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 27th February 1985

No. 5146/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Panchal & Mistry Engineering Works Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Gidev Investment Pvt, Ltd

Abmedabad, the 27th February 1985

No. 5431/560/C.P.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M's Gidev Investment Pvt. Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R.P. SINGH General Manager V. Y. RANE Asstt. Registrar of Companies, Gujarat,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-65/84-85.—Whereas, I, J., P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 117/H-1/121 situated at Kakadeo, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under ragistration No. 10230 dated 8-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vishal Kumari Tewari, Widow of Shri Badri Bishal Tewari, R/o 117/H-1/121, Kakadeo, Kanpur. (Now B-48, Sector-A, Mahanagar, (Lucknow).

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Madan, W/o. Shri Bhupendra Kumar & Vinod Kumar, S/o. Shri Ram Lal, R/o 111A/165, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do.—
(Person(s) in occupation of the property).

(4) —do.—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/H-1/121, Kakadeo, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date . 25-1-85 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref No. K-74/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ward B situated at Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 10709 dated 19-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Chandra Srivastava, 128/2/13, Yashoda Nagar, Kannur.

(3)

(Transferor)
(2) Smt. Girja Devi Awasthi, R. N. Awasthi, Arun Kumar Awasthi, Akshya Kumar Awasthi, All R/o 111-B, Part-II, Kavrur, Harding Road, Cantt.,

(Transferee)

(4) (Person(s) in occupation of the property).

—do.—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said impaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 200 sq. yd. at Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 25-1-85.

Scal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. 141/84-85.—Whereas, I.

J. P HILORI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122/43 situated at Kanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur under registration No. 10262 dated 8-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ramesh Rani, alias Swarn Rani, W/o, Shri Mool Chand, 118, 398-A, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Hira Lal S/o. Shri Shalijadu Lal, R/o 122/426, Shastri Nagar,

(Transferee)

(3) ---do.-(Person(s) in occupation of the property).

(4)(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 122/436, Shastri Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 25-1-85.

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-142/84-85.—Whereas, I, J., P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 92/11, situated at Phoolbagh, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Kanpur under registration No. 10291 dated 8-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Azizunnishan Begum W/o Shri Mohd. Hasan Khan, 192, Shuhabad, Bareilly.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Hamid Mohd. Shamim, & others. Sons of Shri Hamidullah, R/o 92/11, Penchbagh, Kanpur.

(Transferce)

(3) -do.-(Person(s) in occupation of the property).

(4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immorphism able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 92/11, Penchbagh, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-85. Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref No K-143/84 85 - Whereas, I, P HILORI.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and be ring
No 2A/193 situated at Az id Nagai and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No 11257 dated 26-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the end Act I hereby initiate proceedings for the requisition of the information property by the issue of this notice under subject on (1) of Section 269D of the said Act, to the felt of persons namely— 53--506GI/84

(1) Shri Santosh Kumar, Rukmani Devi, Vijai Kumar & others, R/o 47/7A, Mam Ram Bagia, Kanpur

(Transferor)

(2) Smt Savita Seth W/o Mohan Das Seth R/o 113/209, Swroop Nagar, Kannur

(Transferee)

(3) ---do ---(Person(s) in occupation of the property)

-do -(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

2A 193 Azad Nagai Kanpui

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date 25 1-85 Seal.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106 '282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-144/84-85.—Whereas, 1, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 /- and bearing
No 106/102 situated at Gandhi Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No 10809 dated 20.6.84

Kanpur under registration No. 10809 dated 20-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration are truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration are transfer as agreed to between the consideration are transfer as agreed to be transfer with the object of the consideration are transfer as agreed to be t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, any ely:—

(1) Shrl Babu Lal S/o. Late Shri Mangal Prasad, 106/102, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Aditya Prakash Nigam, S/o. Shri Ambika Prasad Nigam, 108/111, Durga Devi Road, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do.—
(Person(s) in occupation of the property).

—do.—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 106/102, Gandhi Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 25-1-85.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-145/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

J.. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 77, 79 etc. situated at Daheli Sujanpur, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 10131 dated 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the issue of this notice under subaforesaid property by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Aladin Maula Bux, S/o. Shri Shukru & others, R/o Guddiyana Majra, Daheli, Sujanpur, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Mangla Sahkari Aawas Samiti, Through Sri Rajendra Singh, Secretary, R/o Jugaipur Kanpur.
- (3) -do.-(Person(s) in occupation of the property).
- (4) --do.--(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property a may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 77, 79, 196, 338, 335, 339, 415, 416, 429 & 415-B, at Daheli Sujanpur Kanpur.

J. P. HILORI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-85.

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, .
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-149/84-85.—Whereas, İ, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 324, situated at Kakadco, Kampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 10542 dated 14-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid promerty and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pradeep Kumai Srivastava & others, R/o Humayunpur, Gorakhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Nanki Devi, D/of Shri Paggal, Alias Chaturi, Panchampurwa, Majrabeg, Bilhaur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

(3) —do.—
(Person(s) in occupation of the property).

(4) —do.—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official G zero i

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 324, H-Block, Kakadeo, Kanpur.

J. P. HILORI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 25-1-85.

Seal

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION ŘANGE, 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-150/84-85,---Whereas, I, P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 117/2/361, situated at Kakadco, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur under registration No. 10592 dated 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more vinan fifteen per cent of such apparent consideration and that me consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Shri Guraj Kumar Agrawal, S/o. Late Shri Laxman Swaroop, R/o 127/432, 'B'—Block, Juhi, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Suraj Mantri, W/o. Shri P. L. Mantri and others, R/o 117/L/361, Kakadeo,

(Transferee)

(3)—do.— (Person(s) in occupation of the property).

(4)(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/L/361, Kakadeo, Kanpur.

J. P. HILORI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-85.

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-154/84-85.—Whereas, I, J.. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 104/364 situated at Rambagh, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto),

No. 104/364 situated at Rambagh, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11428 dated 29-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any numerys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brijkishan Bajpai S/o Narain Bajpai, R/o Jagan Nath Garg Unnao.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kishor Misra, S/o. Visnoo Dutt Misra, 104A/300, Ram Bag, Kanpur. (Transferee)

- (3) —do.—
 (Person(s) in occupation of the property).
- (4) —do.—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 104A-364, Ram Bagh, Kanpur.

J. P. HILORI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-85.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Girja Devi, W/o Shri Ram Nath Gupta, Shri Hari Nath Gupta, S/o Shri Sohan Lal, R/o 48/208, Generalgani, Kanpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-157/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 108-A, situated at Cantonment, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11570 dated 27-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ikram Alam, Abdul Mannan, Sultan Alam, Sons of Shri Kalloo, R/o 226, Meerupur, Cantonment, Kanpur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazett.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold Plot No. 108-A, situated at Cantonment, Kanpur,

J. P. HILORI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-85.

Sçal :

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. K-159/84-85 Whereas, I,

J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 106/120 situated at Gandhi Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1906 (10 of 1908) in the office of the registraring officer at Kanpur under registration No. 11720 dated 28-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

(1) Smt. Chandrawati, W/o Shri Ram Lal, R/o 106/120 Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferor)

' (2) S/Shri Dhani Ram, Rupram & Niranjan, Sons of Shri Ghasi Ram, R/o 104/236, Sisaman, Kanpur.

(Transferee)

(3) -do-[Person(s) in occupation of the property]

(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersighed :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHRDULE

House No. 106/120, Gandhi Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tix Acquisition Range Kanpur-208 012

Date: 25-1-1985

Seal:

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. K-174/8-1-85.—Whereas, I, . P. IIILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

of transfer with the object of :-

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 84/22 situated at Fazalgani, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 11670 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe

the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---54-506GI/84

(1) M/s. Glass & Miniature, Bulb Industries, Kanpur & M/s Gwalior Investment Trust Ltd., Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. K. C. Kapur & Sons, (P) Ltd., 113/36, Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferec)

(3) M/s K. C. Kapur & Sons, (P) Ltd., 113/36, Swarup Nagar, Kanpur.

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s K, C, Kapur & Sons, (P) Ltd., 113/36, Swarup Nagar, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/6th of Property No. 84/22, Fazalganj, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur-208 012

Date 25-1-1985

Seal:

FORM ITN'S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. K-176/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 124/B/239 situated at Govind Nagat, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office

1908) in the office of the Registering Office at Kampur under registration No. 11067 dated 21-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to brieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum at of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Gurmukh Dass, S/o Shri Kundumal, 124-B/239, Govind Nagar, Kanpur.

(Tinusferor)

(2) Smt. Spshila Agrawal, W/o Shri Hari Dayal, 124/B/239, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

 Shri Sushila Agrawal, W/o Shri Hari Dayal, 124/B/239, Govind Nagar, Kanpur.

(Persons in occupation of the property)

(1) Smt. Sushila Agrawal, W/o Shii Hari Daval, 124/B/239, Govind Napar, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 124/B/239, Govind Magar, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur-208 012

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 25-1-1985 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. 179/84-85.—Whereas, I, J. P. IIILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing

No. 122/504 situated at Shastri Nagar, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at K, apur under registration No. 11214 dated 26-6-84

or an apparent consideration No. 11214 dated 26-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the tair market value of the property is aforesaid eviceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly traced in the such assument of transfer with the object of in-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer: and/or

(b) It silitating the concealment of any income of any moneys or other assets when have not seen or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persoas, namely *--

(1) Shii Shyam Lal, S/o Shri Jai Kishan Das, 110/18, 80 Feet Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Dass, S/o Manjan Mal & others, 122/504, Shastri Nagar, Kanpur.

(Transferce)

(3) Shij Dewan Dass, S/o Manjan Mal & others, 122/504, Shastri Nagar, Kanpur.

(Persons in occupation of the property)

(4) Shri Dewan Dass, S/o Manjan Mal & others, 122/504, Shastri Nagar,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INDANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 122/504, Shastri Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur-208 012

Date 25 | 1985 Scili:

FORM ITNS-

(1) Mr. Harischandra S. Borkor, Laxmi Lodging Boarding, Panaji Goa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gajanan Bhikaji Naik, Prasad Building, Shanta Inez, Panaji Goa (Tiansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaloic-560 001, the 7th February 1985

C.R! No. 62/R-1211/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000 (- and beauty)

Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. A 1 situated at St. Inez. Panaji Goa,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering office at with the
competent authority under Section 269AB, in his office at
Bangalore under Registration No. 1064/84-85 on 1-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. Regn. No. 1064/84-85 dated 1-6-1984].

Flat No. A 1 on 1st floor of Prasad Co-op. Housing Society Ltd. St. Inez Panaji Gon.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1985

Scal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/R-1220/37FE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. A-3 situated at No. 80 J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 997, 84-85 on 6-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 25 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

- (1) Goma Finance and Investment Corporation,
 3/16 Agarwal Nagar,
 Dr. Ambedkar Road, Matunga, Bombay-19.
 (Transferor)
- (2) G. S. B. Tyre Centre, 10/E, J. C. Road, Bangaiore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. Regn. No. 997/84-85 dated 6-6-84].

A shop No. A 3, Ground floor Manish Tower Building, No. 80 J. C. Road, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1985

Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. National Chemical Industries Ltd., 26 Najafgarh Road, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-84/278.—Whereas, I, R. P. RAJFSII,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/~

and bearing
No. 26/3, 26/4, situated at Najafgath Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly, stated, in the Said Instrument of Transfer in the object of:—

- (a) facilitating the reduction or wvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) S/Shti (1) K. L. Mongia, (2) S. K. Mongia,

(3) Gulshan Mongia,
(4) Vivek Mongia,
(5) Miss Kusum Mongia,
(6) Miss Pashpa Mongia,
R/o 11/26 West Patel Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heicin acciare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26 3and and 26/4, Najafgath Road, New Measuring 466.72 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 12-2-1985 Scal:

· FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/6-84/282.-Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as me sam Act), have reason to believe that the immovable property having a four market value exceeding Rs, 100,000/and bearing
No. B-1/17, situated at Rana Protap Bach, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on lune, 1984

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of bransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Mewa Devi w/o Shri Ram Niwas, R/o AM-70, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Puran Devi Jain W/o Shii Banshi Lal Jain, R/o B-1/17, Rana Pratop Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

I:xPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Two and half storeyed building at 17, Block B-1, Rana Pratap Bagh, Delhi.

Measuring 136 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1985

Scal ;

FORM ITNS

(1) Smt. kamla Devi, 245-A, Deiawal Nagai, Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Ni(mal Kaila, 112 Λ, Old Gupta Colony, Delhi,

may be made in writing to the undersigned .-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATH NEW DELIII

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/6-84/284.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

No. 112-A situated at Old Gurta Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hour No. 112-A, Old Gupta Colony, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-84/287.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-4A/30 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the tegistering Officer.

of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appairnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stransfer with object of:

(1) S/Sh. Rash Behari Dass,

(2) Vishwa Nath Dass,(3) Noni Gopal Dass,

(4) Chitranjan Dass, Sons of Sh. Kali Charan Dass, R/o 500 Timarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Swastic Silicate Mills, 18 UB, Jawahar Nagar, Delhi, through its Partner Smt. Piem Lata Gupta W/o Sh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. B-4A/30, Kana Partap Bagh, Delhi. Measuring 218.98 sq. vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the main Act. to the following persons, namely:— 55--506GI/84

Date: 12-2-1985

(1) Shri Rakesh Kumar Sharma S/o L. Gopal Dass, As Genl. Attorney of Chunni Lal S/o Shii Gopal 2926 C. Sayyad Ahmed Road, Daryaganj, Delhi, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATH, NEW DFLHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/ Λ cq II/SR-I/6-84/296.—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 2926 situated at Sir Sayyad Ahmed Road, Daryaganj.

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in June, 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect near cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 (2) (1) Shri Bhola Ram S/o Shri Attar Chand,
 (2) Smt. Reena Manocha W/o Shri Mahender Kumar Manocha, R/o 3588 Sir Sayyad Ahmed Road, Delhi-6. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 245 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2926 at Sir Sayyad Ahmed Road, Daryagani, Delhi-6. Measuring 75 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1985

'cal:

FORM INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-84/301.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 I- and bearing

1,00,000/- and bearing Plot No. 75, situated at E Block, Mansarover Garden, Area of village Bassai Darapur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Achraj Lal S/o Late Gosain Dina Nath, P-69 Maurya Enclave, Pitampura, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Indu Dawar W/o Shri Rajinder Kumar Dawar, E-32, Kirti Nagar, New Delhi.
 (Tranaferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-75, Mansrover Garden Area of village Bassal Darapur, Delhi.

Measuring 200 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1985

(1) Shri Kishori S/o Late Sh. Medu, R/o 2809/1967, Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajindet Parshad S/o Shri Kishori, R/o 2809/1967, Malka Ganj, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-84/304.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2809/1967 situated at Malka Ganj, Delhi-7, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi m June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as along a exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties. has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Malka Ganj, Double storeyed House No. 2809/1967, Delhi-7. Measuring 50 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1985

Seal;

FORM I.T.N.S. ----

(1) Shri Bal Kishan Gupta S/o Late Shri Amrit Lal Gupta, R/o 12/14 Shaktı Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Shri Kalu Ram Ahuja, (2) Shri Ashok Kumar Ahuja Ss/o Late Shri Mela Ram Ahuja, R/o 8/164, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-84/308.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating No. Plot No. 5 situated at Block M Satya Wati Nagar, Village Sadhora Kalan Delhi,

and more fully described in the schedule annexed hereto) has 1 on transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inancers. ble property, within 45 days from the date of the publication of this nouce is the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-5, Satya Wati Nagar, Village Sadhora Kalan, Delhi. Measuring 150 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

FORM ICNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOO: CR BUILDING, I.P. J:STATE, NEW DFLIII

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-84/306.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovables property having a fair mirket value exceeding R₂, 1,00,000/-and bearing

No. K-1/38 situated at Model Town, Delhi, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanan Devi W/o Late Shri Gian Chand, R/o 7/34 Old Rajinder Nagao, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Santosh Sharma W/o Shri D. N. Sharma, 57 Sarai Peepal Thala, Dellu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f xplanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

Plot No. K-1/38 Model Town, Delhi. Measuring 272 sq. yds.

R. P RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1985

(1) Shri Nand Lal, R/o 65/25 Rohtak Road, Delhi,

(2) Smt. Sushila Devi,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

+OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/6-84/309.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No 65/25 situated at Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- 5) factlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in oursuance of Section 269C of the said Act. I acreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid attorerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

32/5, Onkar Nagai 'B' Tri Nagar, Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which he period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 65/25 Rohtak Road, Delhi, Measuring 272.26 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-2-1985 Seal :

(1) Sh. Harish Chander Chopra, 13-A, Ramesn Nagar, New Delhi.

(Transferor)

**OYTCE ! NDER SLCTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Madan Lai Agatwal S/o Sh. Devi Sahai Agarwal 13-A, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. 1 STATE, NEW DETHI

New Delhi, the 12th February 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-84/312.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 13-A, situated of Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act for the Wealth-to-cast 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property_may to made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Qr. No. 13-A, Ramesh Nagar, New Delhi. Measuring 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby increase proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III AGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-84/2214.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. E-25/A situated at Guru Nanak Pura Jail Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to have tax made the said Acc, in respect of any income many from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth tax p. t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—506G1/84

- (1) Sh. Harvinder Pal Singh S/o Sh. Karam Singh, R/o C-12 D, MIG Flats. Mayo Puri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Pt. Ram I al S/o Shi Pt. Mathura Das & Smt. Chanan Devi W/o Shi Pt. Ram J.al, R/o No CD/18-B, I IG Flats, Hari Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-25/A, Kh. No. 472-454, Cruru Nanak Pura Jud Road, New Delhi, Area 76.66 sq. vds

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14A Assif Ah Road, New Delhi

Date : 30-1-1985 Seal :

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGARWAL BHAWAN NFAR BROADWAY HOTEL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No IAC/Acq.JII SR-II/6-84/2213.-Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 48 situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sh. Sham Behari Raizada S/o Sh. Kauia Lal,
 - (2) Dr. Kailash Raizada S/o Sh. Kauta Lal.
 (3) Dr. Pran Nath Raizada S/o Sh. Kauta Lal.
 R/o 4697/21-Γ, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Gaytry Chritable Trust, 8-35/7, Lawrance Road, New Delhi, through Shri Aniani Kumar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48, Class-C, North Avenue Road, Punjabi Bagh, Area of village Madipur, Delhi.

Measuring 563.89 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-84/2429.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 25/6 situated at Tihar No. II, Ashok Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Dakhi W/o Sh. Hari Chand, (2) Krishan Lal Gaja Nand S/o Sh. Hari Chand,
 - Krishan Lal Gaja Nand S/o Sh, Hari Chand, R/o 25/6, Tihar-H, Ashok Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Vinod Kumai S/o Sh. Lachman, R/o 870, Najafgaih, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Pro. No. 25/6, Tihar-No. II, Ashok Nagar, New Delhi. Measuring 100 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhasun
Near Broadway Hotel
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

TO THE WART IN STREET FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY IIOTEI 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DFLIII

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No IAC/Acq HI/SR-11/6-84/2280. — Whereas, I, G S GOPAI 4,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No

No. 13, situated at Rajouri Gaiden, New Delhi (and more fully de cribed in the Schedule annexed hejeto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid papers of the property as aforebaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state! in me and instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- to facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Lsskay Importers & Exporter No. 8, Desh Bandhu Gupta Market, Karol Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Vecha Rai W/o Sh. Yogendera Rai, R/o N 28, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Block J-10, Rajouti Garden, Area Village Tatarpur, Delhi Measuring 272 sq yds

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Aggarwal Bhawan
> Near Broadway Hotel 4/14A Asaf Ali Road Now Delhi

Date · 30-1-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-84/2365.--Whereas, I, S. GOPALA,

of S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. A-5, situated at New Multan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) (1) Shri Baldev Kiishan Dua,
 - (2) Sh. Chander Parkash S/o Sh. Bulaki Ram Dua, (3) Smt. Mohini Devi W/o Sh. Bulaki Ram, R o A-5, New Multan Nagar, New Delhi.

(Transferot)

- (2) (1) Sh. Ram Chander S/o Sh. Sewa Ram & (2) Smt. Lila Wanti W/o Shti Ram Chand,
 - R/o Mohalla Gandhi Nagar, Bhiwani, (Haryana),

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thin Chapter

THE SCHEDULE

Prop. No. A-5, New Multan Nagar, area of Village Jawala Heri and Modipur Delhi State, Delhi.

Measuring 200 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date . 30-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shii Narain Singh S/o Shii Bhai Ram, C/o Village Asalatpur Khawad, Delhi.

(Transferor)

(2 Amrit Singh S/o Shri Kanhiya Lal, R/o Village Carterpuri, Distt. Gurgaon, Haryana. (Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No IAC/Acq.III/SR-II/6-84/2201.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. situated at Asalatpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moute than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 17/19, mt (2-5), 22(4-16), 23(6-6), 18/1 (4-16), 2(4-16), 3(4-16), 9(4-16), 10/1(4-9) and 10/2(0-7), Village Asalatpur, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 169 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq IJI/SR-II/6-84/2202.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No.

No. Agricultural Land situated at Asalatpur,

Khawad, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Naram Singh S/o Shii Bhai Ram, C/o Village Asalatpur Khawad, Delhi.

(Transferor)

(2) Sher Singh S/o Shii Kanhiya Lal, R/o Village Chaterpuri, Disti, Gurgaon, Haryana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Village Asalatpur Khawad, Delhi, Land measuring 1th share i.e. 9 Bighas 7 Biswas Approx. out of 37 Bighas 7 Biswas part of Khasra Nos. 17/19 mm. (2-5), 22(4-16), 23(6-6), 18/1 (4-16), 2(4-16), 3(4-16), 9(4-16), 10/1(4-9) and 10/2(0-7).

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14A Asnf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

Shri Isarain Singh S/o Shri Bhai Ram, Village Asalatpur Khawad, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Mehor Singh S/o Shri Kanhiya Lal, Rio Village Carterpuri, Distt. Gurgaon, Haryana. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2203,-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Asalatpur, Khawad, Delhi (and more fully described in the schedule annexed here of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid records the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Measuring 1th share i.e. 9 Bighas 7 Bighas approx. out of 37 Bighas 7 Biswas part of khasra Nos. 17/19 min. (2-5), 22(4-16), 23(6-6), 18/1(4-16), 2(4-16), 3(4-16), 9(4-16), 10/1(4-9) and 10/2(0-7) alongwith electric connections in the revenue estate.

Village Asalatpur Khawad, Delhi,

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggaiwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BIIAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2204.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair morely to according movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Asalatpur Khawad,

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforecalcieve that the lair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: 57-506GI/84

(1) Shri Narain Singh S/o Shri Bhai Ram, Village Asalatpur Khawad, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal S/o Shri Khanhiya Lal, R/o Village Verterpuri, Dist Gurgaon, Harvana,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Asalatpur Khawad, Delhi.

Land measuring 4th share i.e. 9 Bighas 7 Biswas approx. out of 37 Bighas 7 Biswas part of Kh. Nos. 17/19 min. (2-5), 22(4-16), 23(6-6), 18/1(4-16), 3(4-16), 9(4-16) 10/1(4-9) and 10/2(0-7).

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Madan Mohan Suri S/o Shri Gobind Ram Suri, R/o 459, Icenat Bari, K. Gate, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sulable International, Gandhi Maidan, Patna, (Bihar).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-84/2399.—Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq.III/58-11/0-64/2393.—whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Kh. No. 83/19/2 situated at Village Palam, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at
Delhi on June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 83/19/2, Village Palam, New Delhi. 1/8th share out of land measuring 1 Bigha 61 Biswas,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Madan Mohan Suri S/o Shri Gobind Ram Suri, R/o 459, Jeenat Bari, K. Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Sulabh International, Gandhi Maidan, Patna, (Bihar).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2400.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at Delhi in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nettee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8th share out of land measuring 1 Bigha 61 Biswas, part of Khasra No. 83/19/2 of Village Palam, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

FORM NO. I.T.N.S .--

(1) Sh. Om Parkash S/o Shri Gobind Ram Suri, No. AM-18, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sulabh International, Gandhi Maidan, Patna (Bihar).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2401.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land Kh. No. 83/19/2 situated at Village Palam, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ith share out of land measuring 1 Bigha 61 biswas, part of Khasra No. 83/19/2 of Village Palam, New Delhi.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Assef Ali Road, New Delhi

Date : 30-1-1985

(1) Sh. Om Parkash S/o Shri Gobind Ram Suri, No. AM-18, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sulabh International, Gandhi Madan, Patna, (Bihar).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-11/6-84/2402.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 83/19/2 situated at Village

Palam, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dtlhi on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share out of land measuring 1 Bigha 64 biswas, part of Khasra No. 83/19/2 of Village Palam, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 30-1-1985

- (1) Shri Brij Bhushan Suri S/o Shri Gobind Ram Suri, No. 459, Jeenat Bari, Kashmiri Gate, Delhi. (Transferor)
- (2) Sulabh International, Gandhi Maidan, Patna, (Bihar).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2403.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 83/19/2 situated at Village

Palam, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ith share out of land measuring 1 Bigha 61 Biswas part of Khasra No. 83/19/2 of Village Palam, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

(1) Shii Biij Bhushan Suii S/o Shii Gobind Ram Suii, No. 459, Jeenst Bari, Kashmiri Gate, Delhi (Transferor)

(2) Sulabh International, Gandhi Maidan, Patna, (Bihar).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL BHAWAN NFAR BROADWAY HOTEL

4, 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2404.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 83/19/2 situated at Village,

Palam, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:---

THE SCHEDULE

Ith share out of land measuring 1 Bigha 61 Biswas part of Khasra No. 83/19/2 of Village Polam, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/6-84/2405.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market yalue exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 83/19/2 situated at Village

Palam, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Gobind Rem S/o Shri Gansham Dass Suri, No. 459, Jeenat Bari, Kashmiri Gate, Delhi,
- (Transferor) (2) Sulabh International, Gandhi Maidan, Patna, (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share out of land measuring 1 Bigha 64 Biswas part of Khasra No. 83/19/2 of Village Palam, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1985

(1) (1) Sh. Jaswant Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dimple Arora w/o Sh. Narendar Kumar F-91, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84|2206.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Agri. land situated at Khera Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particy has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 19 Bighas bearing Kh. No. 42/23 (5-4) & 47/3(4-16) of Vill Khera Kalan, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Asnf Ali Road, New Oelhi

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-Λ. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/2287.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Agri, land

situated at Kheia Kalan, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Jaswant Singh, Jaidev Singh, Balraj Singh & Inderjit Singh S/o Sh. Dharam Singh, Khera Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Ashok Kumar S/o Ch. Chaman Lal, F-91, Kirti Ngr., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Bighas 18 Biswas bearing Khasra No. 42/22(4-12), 47/2/2 (3-6) of Vill. Khasra kalan, Delhi

G. S. GOPAL A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 30-1-1985 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ret. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84, 2288.---Whoreas, J. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land

situated at Khera Kalan, New Delhi

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/ at Delhi in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tiuly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaswant Singh, Jaidev Singh, Bal Raj & Inderjit Singh S/o Sh. Dharam Singh, Khera Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chaman Lat, S/o Sh. Ganga Ram, F-91, Kirti Ngr., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 Bighas measuring Khasra No. 47/4 (4-16), 8 min, (3-4) of vill. Khera Kalan, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi.

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTITON RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985 Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/2289.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Agricultural land

situated at Khera Kaland, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1984

at Delhi in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Jaswant Singh, Jaidev Singh, Balraj Singh & Inderjit Singh S/o Sh. Dharam Singh, Khera Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vanceta Sachdev W/o Sh. Vinod Kumar, F-91, Kirti Ngr., New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas 8 Biswas, bearing Kh. No. 47/8 min. (1-12) & 47/9 (4-16) of vill, Khera Kalan, Distt.

G. S. GOPAI A
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
New Delhi.

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/731.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1866 Block No. B

situated at Wazi Singh Street, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the legistering Officer at

of the registering Official June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmla Devi, 2165 Farash Khanna, Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Roshan Lal, * 1854 Wazir Singh Street, Pahargani, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed House No. 1866, Block No. 8, Wazir Singh Street, Pahargauj, Delhi.

G, S. GOPAI A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi.

Date: 30-1-1985

(1) Smt. Usha Rani Kapoor 2165 Farash Khanna, Delhi.

Transferor (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Roshan Lal, 1854 Wazir Singh Street, Paharganj, Delhi.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/732.--Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 22

situated at Pahargani, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in property No. 22, Block No. B. Pahargani Delhi,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-1:
> Acquisition Range-IV, Calcutta.
> Acquisition Range-III. New Delhi.

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Roshan Lal 2165 Farash Khanna. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daya Rani 1854 Wazir Singh Street, Paharganj, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/773.—Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot No. 22 situated at Paharganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the registering officer on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Pro. No. 22, Block No. B, Pahargani, New Delhi,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ~

Date: 30-1-1985 Seal:

FORM NO. I,T.N.S .--

(1) Narınder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19. Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

12) Santosh Sharma S/oSh Bikram Datt Sharma,46 Uday Park, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/738,—Whereas, I, G. S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and begung No. and bearing No.

Agri land situated at Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a parical of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the salu Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 9 Bighas, bearing Mustail No 1 Kila No 18/2 (2-16), 19 (1-8), 23 (4-16) Vill. Meharuli New Delhi.

G S. GOPALA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 30-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/739.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

stuated at Mchrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Panefer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-59-506 GI|84

(1) Narinder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bikram Datt SIo Pt. Muni Lal. 46 Uday Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas & 3 biswas, Musta til No. 2 Kilia No. 17 (5-8), 18/2 (1-15) Mehrauli, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-11! New Delhi.

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/748.---Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab! property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land

situated at Mehrauli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

on June 1984

for an apparent consideration which is less than the febr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Narinder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Deepak Sharma S/o Sh. Bikram Datt Sharma, 46 Uday Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Bighas & 8 Biswas, Mustatil No. 2, Killa No. 18/1 (3-1), 16/2 (4-3), 24/1 (1-4), Mehrauli, New Delhi.

G S. GOPALA Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range Now Deil

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rule section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :-

Date: 30-1-1985

(1) Narinder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Sharma S/oSh. Bikram Datt Sharma,46 Uday Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-III,
NVMVHH TVMNVDDV
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/\$R-III/6-84/741.—Whereas, I, G S GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the lines return A 1961 (or 1961) (herein, 1) r referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land

situated at Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas & 18 Biswas, Mustatil No. 2 Killa No. 25 (4-12), Mustatil No. 3 Killa No. 21/1 (1-6), Mehrauli, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Narinder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Santosh Sharma W/o Bikram Datt Sharma, 46 Uday Park, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/742.—Whereas, I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Agri. land

situated at Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Bighas & 19 Biswas, Mustatil No. 15 Killa No. 9/3 (2-14), 12 (4-5) Mehrauli, New Delhi,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-1-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(I) Narinder Kumar S/o Sh. Muni Lal, G-19, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bikram Datt S/o Pt. Muni Lal. 46 Uday Park, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/6-84/743.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Agri. land

situated at Mchrauli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

on June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; iad/ec

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Agricultural land measuring 7 Bighas & 17 biswas Mustatil No. 1, Killa No. 15 (3-12), 16/1 (3-17), Mustatil No. 2 Killa No. 11/1 (8-5), 1/2 (8-3), Mehrauli, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 30-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/64-84/758.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, Land situated at Mahrauli, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(i) Dulley, Nathu & Deepan, S/o Nanak, Sh. Narain Singh, S/o Sh. Harchand, Mehruli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh & Phool Singh, S/o Sh. Mange Ram, Mchrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas & 13 Biswas, Mustatil No. 80 Killa No. 6 (4-13) Mehrauli, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III DELHI/NEW DELHI.

Date: 30-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dulley, Nathu, Deepan, S/o Sh. Nanan, Narain Singh, S/o Sh. Harchand, Mchrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbu Singh & Phool Singh, S/o Sh. Mange Ram, Mchrauli, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Rel. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/752.—Whereas, I, I. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immo-

the inconse-tax Act., 1961 (43 of 1961) (neteatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 1,00,000/- and bearing
No Acti. Land situated at Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1903 (14 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Authority at in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect to persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in agricultural land Mustatil No. 80 kila No. 16 (4-14) 25/1 (3-18) Mehruli, New Delhi,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI/NEW DELHI.

Date : 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

GGARWAL BHAVAN

NEAR BROADWAY HOTHL

4/14A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/752.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agri. land situated at Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Dulley, Nathu & Deepan, S/o Shri Nanak, Shri Narain Singh, S/o Sh. Harchand, Mchrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh & Phool Singh Sh. Mange Ram, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agricultural land bearing mustatil No. 80 kile No. 16 (4-14), 25/1 (3-10), Mehrauli, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONUR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III; AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th Januar 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/753.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agri. land situated at Mchrauli, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Vision the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—60—506 GI|84

(1)Shri Dulley, Nathu & Deepan, S/o Nanak, Narain Singh, Harchand, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbii Singh & Phool Singh, Shri Mange Ram, Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas & 13 hiswan Mustatil No. 8 killa No. 15, Mehrauli, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI/NEW DELHI.

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ENSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ret. No. 1AC/Acq 3/SR/-III/6-84|722.—Whoreas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-15/19 intuated at Malviya Ngi., New Delhi

No. H-15/19 situated at Malviya Ngi., New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (1) of 1908) in the Office of the registering officer in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bimla Rani, 16/46 Rajinder Ngr., New Delhi.

(2) Smt. Sentosh Bhardwaj, H-15/19, Malviya Ngr., New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proop No. H-15/19, Malviya Ngr., New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI/NEW DEJ HI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 30-1-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI:-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/783.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

2350 situated at Karol Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer in June 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliefe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Shri Sunder Singh,
 S/o Shri Ishar Dass & Hakim Chand
 S/o Sh. Parmanand,
 2350, Nai Wala Karol Bagh,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) M/S J. P. Associates, 3058-63, Desh Bandhu Gupto Rd., Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 2358, Part of Khasia, No. 484/1 at Gali No. 14 & 15, Noi Wala Beaden Pure, Karil Bagh, New Delhi, Measuring 127 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI NEW DELHI.

Date : 30-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3 /SR III/6 84/766 — Whereas, I, G. S. GOPAI A,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃ 25 000/-and bearing

No 28/14 situated at Old Rajindei Ngi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shir Reshin Lal Sachdev, S/o Shir Wadhawa Mal Sachdev, C/o 16/95 Gali No 4, Joshi Road Karol Bagh, New Delhi (Transferor)
- (2) S. Osheer Singh, S. Charanjit Singh, S/o S. Kartar Singh, Mrs. Bhupindai Kaur, W/o S. Osheei Singh 28/14, Old Rojindei Ngr., New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Govt hult property No 28/11 Single storcy, consisting two rooms constructed upon leasehold plot of land measuring 859 sq. yds, Old Rannelei Ngi, New Delhi

G S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI/NFW DFLHI

Date 30 1 1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III NEW DELHII

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/762.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-27 situated at Green Park Extp., New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (4)

has been transferred under the Registeration Act, 1908 () of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flubflity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by, the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sm. Sahita Das, C-27, Green Park Extn., New Delhi

(Transferor)

(2))Sm. Neelu Jain, P-7, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd Floor Flat No. C-27, Green Park Exten., New Delhi measuring 312 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
DELIII NEW DELHI.

Date : 30-1-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, AGGARWAI BHAWAN, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC /Acq. 3/SR-III/6-84/702.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to w the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/- and bearing

4A/57, situated at Old Rapinder Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Smt. Atma Devi w/o Sh. Khub Chand, 4Λ/37, Old Rapinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Sh. Malik Singh, Jaswant Singh s/o Sh. Malik Singh & Smt. Bhagwanti w/o Sh. Malik Singh, 26/26 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are are defined in Chapter XXA of the said Act. A shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. $4\Delta/37$, GH Rapinder Nagar, New Delhi measuring 89.5 sq. yd.,

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi.

Date: 30 1 1985

(1) Shii Lakhi Ram, 511, Mantola, Pahagganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Raj Rani, 1152, Gali Mantola, Main Bazar, Puharganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985 Ref. No. IAC/Acq. $^3/SR-111/6-84/763$ —Whereas. I, G. S. GOPAI A,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

in June 1984

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1st floor of Prop. No 511, Mantola, Pahargani, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-1-1985

Scal:

(1) M/3. Express Properties (P) 1td., B-1/7, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Greeta Data Processing Centre, 15-B, Cautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DFI HI

New Delhi the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/757.—Whereas J, G. S. COPAIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing 5-I, situated at Green Park, Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (1 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in June 1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of Property No. 5-I, Green Park Fxtn., New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. LAC/Acq. 3/SR·III/6-84/713.—Whereas J. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

23/33, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act. 1908 (15 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
61—506 GI|84

(1) Shri Nand Kishore, No. 56/4422, Ragupura, Karol Bagh, New Delhi.

· (Transferor)

(2) Shakuntla Rani, No. 56/4422, Ragarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

23/33 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi,

Date: 30-1-1985

/i

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/6-84/761 —Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

G.B.P. No. 1/108, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi

on June, 1984 on the feature of the registering officer at New Definition June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dina Nath, 1/108, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(2) Shri Davinder Kumar Arora, 15/84, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.P. No. 1/108, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sudesh Melhrotra, r/o B-6/5-A, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

Shri Dharam Pal,
 Smt. Kaushlya Devi,
 r/o
 B-6/CA, Krishan Nagar,
 Delhi-31.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEW DELHI New Dolhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR.IV/6-84/1256.—Whereas I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Chaundli Illaga, Shahdara Delhi-51,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the acrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Built up Prop. Village Chaundli, Illaga Shahdara, Delhi-51,

G. S. GOPALA Competent Authoric Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 30-1-1985

Senf :

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Row No. 11/62 (2/326), Tchai No I, (Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DILHI

Ret No IAC /Acq 3/5R-II/6 84/2258 -- Whereas 1,

Ref No IAC/Acq 3/SR-II/6 84/2258—Whereas I, G S GOPAIA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing No 11/62 (*/326), situated at 1 chai No 1 New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ∍nd /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Shri Ram Chand as Regd Genl. attorncy of Smt Ram Ditta lesse, r/o Row No 11/62 (2/326), Tehar 1, New Delhi.

(1) Shir Chander Pal 3/0

(2) Haibhajan Kaur,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Row No. 11/62, Tehai No. 1, New Delhi Atea 100 Sq yds

> G. S GOPAI \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 30 1-1985

Seal

(1) S. Mohinder Singh, 23A/8A. Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Bindra, 23/67A, Tilak Nagar. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/6-84/2274.—Whereas I, C. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23A/8A, situated at Tilak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 23-A/8A, Tilak Nagar, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 30-1-1985

S-81 :

(1) Rao & Associates.

(Transferor)

(2) Miss Ludrina Fernades.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10611/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 23, 2nd Fl. C-Wing, Behind Old Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santaeruz (E),

situated at Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sassts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd fl. 'C' Wing, Behind Old Gajanan Niwas, Kadarawadi, Vakola Village Road, Santucruz (E), Bombay-55,

The agreement has been registered with the Competent uthority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10611/84-85 dated 25-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Queen's Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. C. Tolaui.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 18th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10246/84-85.—Whereas 1, A. PŘASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Flat No. A-12. on 1st floor. 'Nalanda' Bldg. No 2,
Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed herete), bas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of

the Competent Authority Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the atoresaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. A-12 on 1st floor, Naland Bldg. No. 2, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely : . .

Date: 18-2-1985

Scal:

(1) M/s. Queen's Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. D. S. Babu and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 18th February 1985

Ref. No. AR. III/37-LE/10508/84-85.—Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. B 21, 2nd floor, Nalanda, Bldg., No. 1, Marve

Road, Malad, (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-21, 2nd floor, 'Nalanda', Marve Road. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/10508/ 83-84 dated 1-6 1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 18-2-1955

(1) Gurubhakti C.H.S. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajesh Madhay Bhat,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 18th February 1985

No. AR. III/37-EE/10520/83-84.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Rist under construction on 3rd fl. Gurubhakti G.V. Scheme Road No. 1, Mulund (E), Bombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AR of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfere; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;---

62-506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of thiffis notice in the Ocial Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULF

Flat under construction on 3rd fl. Gurubhakti, G.V. Scheme Road No. 1, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Pombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10520/83-84 dt. 1-6-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rage I'I, Bombay

Date: 18-2-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 19th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10180/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

shed No. 4, in Sidhpura Co-op. Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (West), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purps of the Indian Income iax Act 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the tohowing

persons namely :-

(1) Rajendra Kumar Gupta & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Shriram Engineering Works.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 4 photometry of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said i v the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 4, Sidhpura Co-op. Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10180/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I'I, Bombay

Date : 19-2-1985 Seal ·

1) Si(mac Group (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AA ACI, 1901 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION KANGE-III, BOMBAY

Eombay, the 19th February 1985

Ref. No. AR. III/37-LE/10179/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value erceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sned No. 5, Sidhpura Co-op. Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Nimesh C. Mehta & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 5, Sidhpura Co-op, Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombav vide serial No. AR, $1\Pi/37$ -EE/10179/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-Ill,
Bombay

Date: 19-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Shaukatali Mohamed Nabi Assandas Zaveri & Shri Bhagawandas

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Bhagawandas Zaveri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, **EOMBAY**

Bombay, the 19th February 1985

kef. No. AR. IV/37-FF/10268/83-84.—Whereas J, A. PRASAD,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremalter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a

fair market value exceeding Rs. 25,000/-.
and bearing No.
Shop No. 3, Ground floor, Bldg. 'Shreeji Darshan', Plot bearing C.T.S. No. 100, Survey No 96, Hissa No. 3 of Malad at S.V. Road, kanoivit (W), gituated at Kandivit (West), Bomb.y-67 (and more fully described in the Schodule appared basets)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been t'uly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any me nevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter KXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Bldg. 'Shree-ji Darshan', Plot bearing C.T.S. No. 100, Survey No. 96, Hissa No. 3 of Malad at S.V. Road, Kandivlj (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombav vide serial No. AR. IV/37-EF/10268/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ra or III. **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date : 19-2-1985 Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Shreenath Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kantilal M. Rughani & Mrs. Jyoti K. Rughani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 19th February 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/10567/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

mmoval le property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, C.S. No. 88, 88/1, 88/2, 88/3, Fadia Road, Ka..divli (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under rection 269 at out the Incomestary 1961, in the uffice of the section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, C.S. No. 88, 88/1, 88/2, 88/3, Fadia Road, Kandivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay ide serial No. AR, IV/37-EE/10567/ 83-84 dated 25-6-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ancresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 19-2-1985 Scal ·

(1) Shri K. P. Gangar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri H. R. Gangar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/10154/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Teneted property (Land) Near Fxpress H ghway, SN Dubey Road, Rawalpad Dahisar (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Author ty at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenented property (Land) Express Highway, S. N. Dubey Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay ide serial No AR. IV/37-EE/10154/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Incom Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1901 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 19th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10155/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter retaired to as the 'said Act'), nave reason to believe that the ammorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rented property, Express Highway, S. H. Dube Road, Rawalpad Dahisar (E), Bomb-y-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered un 1 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for a 1 apparent con ideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have rea on to built we that the fair market value of the property as afore aid exc eds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A t, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other as to which have not been or which ought to be disc os d by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice u def subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

- (1) Shri Karamai P. Gangar.
- (2) Smt. Kesarben N. Gangar

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pio erty, wi in 45 days f om the da e of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rented property, Express Highway, S. H. Dubey Road, Rawalpad Dahisar (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-IV/37EE/10155/83-84 dt. 1-6-1985.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commis i n o Ircome-tox Acquisition Range-IV Bombay

Date: 19-2-1985

(1) Manik Rama Bhoir and Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Steel Progressive Pvt. Ltd.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2495/84-85,-Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 43, H. No. 2, CTS No. 379, S. No. 79, H. No. 5 situated at village Bhandup, Bombay-78, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered undo the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 16-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm wable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. S-7/81/83-84 dated 16-6-1984.

A, LAHIR! Competent Auth r ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bom+

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985

10449

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2506/84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and building on Plot No. 79, Survey No. 19 of Wadhavan

Estate, Malad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

Bombay on 13-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the state of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sulochana Widow of Mahadeo Rane and Others. (Transferor)

(2) Shri Bajirao Balaji Borade and Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice fricial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. S-1259 79.

Λ. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .---63--506GI/84

Date: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2498/84-85.-Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
All that piece and parcel of land situated at village Kirol, Bhatwadi, Ghatkopar bearing Survey No. 28, Hissa No. 3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Bombay on 12-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shantaram Ganpat Patil and Others.

(Transferor)

(2) Amrit I ahir Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. S-1523/83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 11-2-1985

Scal:

(1) S/Shri Mankubai Budhaji Keni and Others, (Transferor)

(2) Shri Anwar Hukumdar Chaudhary.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR,III/37G/2502/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. AR.111/3/G/2302/84-83.—Whereas, 1,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and having No. and bearing No.

Land with structure situated at Village Malad, Taluka Borivali, B.S.D. CTS No. 266 (Survey No. 452/9) of Malad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer, Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. Document No. 2171/83 dt. 16-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date : 11-2-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) A. H. Wadia Charity Trust.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kurla Konakan Nivas Co-operative Housing Society (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2507/84-85.—Whereas, I. Λ. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at village Kurla bearing S. No. 171 (Pt) & 1729 (pt) CTS No. 921 (9pt) and 922 (9pt) situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Bombay on 12-6-1984

formay on 12-0-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fair for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Officer vide serial No. S-1761/83 dt. 12-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 11-2-1985

- (1) Shri J. R. Sawant.
- (Transferor)
- (2) Shri S. S. Chavan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No AR.III/37G/2513/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property being S. No. 300 Hissa No. 2/4, CTS No. 190, Kurla Part IV of Kurla, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered vide serial No. 1458 dated 4-6-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Jainabai Moharamali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hasan A. Kaladia & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2489/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRĬ,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Land bearing C. No. 36, H. No. 9(P) CTS No. 297, Mohil
Village Kurla, Bombay-72,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

/(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered vide serial No. 1437/82 dated 1-6-1984.

> A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1985

(1) Smt. Gopibai N. Abichandani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sandhyadas Balkram Kaushal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37G/2497/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
No. Govt. Built Up. Prop. Block No. 60/1, & H. No. (four)
CTS No. 337, 337(1) Village Mulund, Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement
is registered under Section 269AB of the Income-tax Act,

1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Bombay vide serial No. S. 1750 dated 28-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) R. D. Hatangadi.

(Transferor)

(2) M/s. Novelty General Stores.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transfere.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6 h February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/1833/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 504, Jolly Bhavan No. 1 situated at New Marine Lines, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-6-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South portion of the Unit No 504 of Jolly Bhavan No. 1, New Marine Lines, Bombay-400020.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 88 (Deemed) on 26-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Bomb +

Date · 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

AR-I/37EF/1962/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing Indl. Unit No. 317, Sun Indl. Estate situated at

Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed (hereto has been transferred and the Agreement is registered under section269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:-64--506GI/84

(1) Jamnadas A Soni.

(Transferor)

(2) M/s. Ann Exports.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TE SCHEDULE

Industrial Unit No. 317, 3rd floor, Sun Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under S No. 2517 on 27-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-2-1985

FORM 1.T.N.S.——

(1) Smt. Machangada Poonacha Accava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Chander Kanta F. Goel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Rombay, the 12th February 1985

Ref. No AR-1/37EE/2077/84-85---Whereas, J, A. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 21, Sukn Sadan CHSL situated at

Sion West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 21, Plot No. 86, Sukh Sadan Co op. Housing Society Ltd., Sion West, Bombay-400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S No 2520 on 27-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-2-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

AR-I/37EE/2200/84-85.--Whereas, 1, Rei. No. . A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a tair market value exceeding its. 25,000 and bearing No. 243, Shah & Nohar Industrial Estate situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s Orient Art Printers. through partner Shri Vinay Kumar Kathulia,

(Transferor)

(2) M/s. Shice Sadhana Printers, through pariner Shii Gangadhai Narsingsa Mengji.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Shah & Nahar Associates (Builders). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever person expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 243, on the 2nd floor of A-1 building of Shah s Nahar Industrial Estate, Sitaram Jadhavji Marg, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2560 on 29-6-1984,

> A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-2-1985,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-1/371-E/2809/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 8, Narotham Niwas situated at Sion West, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

(1) Shri Shantilal Manshi Nagda.

(Transferor)

(2) Jayprakash R. Shah, Prakash R. Shah, Ashma J. Shah, Harsha P. Shah.

(Transferee

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8. Narotham Niwas, Ground floor, 263, West Sion West, Bombay-22. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay under S. No. 61 (Deemed) on 5-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-2-1984

(1) Lokhandwala Beneficiary Trust.

(Transferor)

(2) Smt. Rashida Akberbhai Gari.

(3) Lokhandwala Beneficiary Trust.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Rcf. No. AR-I/37FE/2839/84-85.—Whereus, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 1, Baitul-Aman Bldg. situated at

Maulana Azad Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Baitul-Aman Building, Grund floor, District, Benevolent Co-op. Society Ltd., Corner of Belasis Road, Maulana Azad Road, Bombay-400 008. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 93 (Deemed) on 10-6-1984.

A. LAHIRY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

Date: 11-2-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2870/83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 305, Veena Beena Apartments situated at Sewri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Shii Gordhandas Shivchandrai Garodia. (Transferor)

(2) Smt. Rabbiya Siddique.

(Transferce)

(3) Shri Mahesh Popatlal Thakkar. (Person in occupation of the property)
(4) Shri Mahesh Popatlal Thakkar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305 on 3rd floor in Wing 'F' Vcena Beena Apartments, Acharya Donde Marge, Sewri (West) Bombay-400 015. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2542 on 4-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-2-1985

(1) Dhantaj Mills Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Shakuntala Jagdish Shah Smt. Kanchan Taramal Jain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-I/371 Γ/2887/83-84 —Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 120. Shah & Nahar Industrial Estate

Gala No. 120. Shah & Nahar Industrial Estate situated at Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Gala No. 120 on the 1st floor of the building A-2. Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under S. No. 2549 on 4-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date : 5.2-1985

Scal :

(1) Mrs. Nasimbanu Kalyabaz.

(2) Dr. Ramesh Tukaram Gandhi & Mr Sharad Tukaram Gandhi.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR II/37EE/2890/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603, Neelkanth Apartments

situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603, Neelkanth Apartments, 6th floor, Shree Sound Studio, Gokuldas Pasta Road, Dadar, Bombay-400 014 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under S. No 2614 on 8-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 6-2-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mr. C. L. Jhunjhunwala.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Radhe Shyam Saraf (HUF).

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-1/3711/2892/84-85.—Whereus, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 1, Fair-field CHSL situated at Churchgate, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 26°AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of, such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Fair Field Co-operative Housing Society Ltd., 112-1, Tata Road, Churchgate, Bombay-400 020 alongwith Garage No. 5. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I. Bombay, under S. No. 2616 on 8-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedines for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—65—506GI/84

Date: 15-2-1985

Seal '

FORM ITNS ----

(1) Shri T. S. A. Ameer Hamza.

(Transferor)

(2) M/s. Nitin Diamonds

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2902/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 202-A, Panchratna Building situated at

Opera House.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia 1Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 202A, Panchratna Building Opera House Bombay-400 004 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J. Bombay, under S. No. 2549 on 8-6-1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Rombay

Date: 15-2-1985

(1) Smt. Prakash P. Bafna.

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2904/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Unit No. 137, Shah & Nahar Industrial Estate situated at I ower Parel, Bombay

(and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) M/s, Famous Aluminium Anodising Prop. Mubarak Habib Vanoo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein is are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2621 on 8-6-1984. Unit No. 137 1st floor, 'Shah & Nahar Industrial Estate

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-2-1985.

(1) Shri Gordhandas S. Garodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2926/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1361) thereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 501, Veena Leena Apartments

riat No. 501, Veena Ecena Apartments situated at Sewri West, Bembay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt, Kalyani G. Shetty.

(Transferee)

(3) Shri Sadashiv Gopal Shetty. (Person in occupation of the property)

(4) Shri Sadashiv Gopal Shetty. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Wing F, Veena Beena Apartments. Acharya Donde Marg, Sewri West, Bombay-400 015. The Agreement has been registered by the Competent Authorities. rity, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2610 on 8-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, mamely:---

Date: 8-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2927/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Hat No. 502, Veena Beena Apartments situated at Sewii (West), Hombay (and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984 Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in time proceedings for the acquisition of the atoresaid projectly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Shii Goidhandas Shivchandrai Garodia. (Transferor)

(2) Smt. Kalyani Gopal Shetty,

(Transferee)

(3) Shri Kishor B Chhichhiya. (Property in occupation of the property).

(4) Shri Kishor B. Chhichhiya.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f-YPLANATION:--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, F Wing, Vcena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewii (West) Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2611 on 8-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-2-1985

FORM IINS-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Basantı Biswanath Pal & Shri Bishwanath Hitalal Pal

(1) M/s. S. P. Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.1/37EE/2928/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 120, Hecia Panna Shopping Centre situated at Bhulabhai Desai Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 117A, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haji Ali, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2612 on 8-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bongbay

Date: 6 2-1985

FORM ITNS-----

(1) M/s Apsara Metallic Industries

(2) Smt Vandana Jagdish Kohli

(Transferot) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

(3) Smt Vandana Jagdish Kohli (Person in occupation of the propert)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME FAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 11th February 1985

Ref No AR 1/37FE/2932/84 85 - Whereas, I. A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Gala No 211, Regal Industrial Estate

situated at Golanji Hill Road (now known as Tiny

I-dward Road)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement in renintered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason The transfer was the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No 211, 2nd floor, Regal Industrial Estate, Golanji Hill Road of Tiny Edward Road, Parel Sewri Division, Rombay The Agreement has been registered by the Competent Amhority, Acquisition Range-J Bombay, under S No 2637 on 8-6 1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date 11 2-1985 Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Jaydeo Tribhovandas Pariwala, HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahavır Ferro Alloys Pvt, Ltd.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2934/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, Hari Orn Niwas Co-op, Hsg. Soc.
Ltd. situated at Sion East
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the lucome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 3, Plot No. 163, Hari Om Niwas Co-op, Housing Society Ltd., Sion East, Bombay-400 022. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2639 on 8-6-1984.

A LAHIRI. Competent Author'ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-2-85

(1) Sh. Himatlel K. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMÉ-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Suresh A Shah & Smt, Kalpana S. Shah. (Transferee)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2935/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 12/B/3, New Sion CHS, lituated at

Sion West

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcreed and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nofice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-- 66-506 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12/B/3, New Sion Co-op. Hag. Society, Opp S.I.E.S. College, Sion West, Bombay-400 022. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqu. Range-I, Bombay, under S. No. 101 (Deemed) on 14-6-84.

A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-2-85

Scal;

FORM ITNS --- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPEGTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2937 84-85—Whereas, I, A. LATIIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-403, New Poornima CHSI situated at Dr. Gopaliao D Marg (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transerred and the Augement is registered under

has been transerted and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason • to believe that the tair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets woren mare not occur, which ought to be disclosed by the transferee for Todian Income-tay Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Dr. Smt. Leela Ramamurthy.

(2) Mr. Rajendra G. Agarwal M1. Ompiakash G. Agarwal. (Transfero:)

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

S-FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-403, 4th floor, New Purnima Apartments, 23, Di. Gojalrao De hmukh Maig, Bombay-26 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under 5 No. 2801 on 12-6-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

(1) A, C, Noronha,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Kakubhai Babubhai Maniar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2938/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRJ,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Shop No. 4, Warden Court situated at Gowalia Tank (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F-xPLANATION: -- The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) raculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop No 4, Warden Court, Gowalia Tank, Bombay-36 The Agreement has been registered by the Competent Author-nity, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2802 on 8-6-84.

> A. LAHIRI, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-2-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2940/84-85.-Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Room No. 501-C, Niranjan Bidg., situated at Morine Drive.

situated at Marine Drive

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lavino Kapur Cottons Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Miman Informtion Services Pvt. Ltd.

(Transferce)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

4) Central Bank of India,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 501-C, 5th floor, Niranjan Building, 99, Marine Drive, Bombay-2. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2804 on 8-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-85

FORM ITNS----

- (1) R. K. Didwania Trust.
- (Transferor)
- (2) S. R. K. Enterprises.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No AR-1/37EF/2953/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that Jthe immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room No. 39, 4th floor, Eastern Chamber situated at 128-A, Nand Lal Jani Road, Poona Street, Dana Bunder (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) Lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the poresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Room No. 39, 4th floor, Eastern Chamber, 128-A, Nandlal
Jani Road, Poons Street, Dana Bunder, Bombay-400 009.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under 2563 on 10-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 7-2-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2954/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Office No. 406, Nav Ratan Bldg. No. 1

situated at P D'Mello Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Shabbir Husain Mogamedbhai Limdiwala. (Transferor)

(2) Sh. Naresh Dinanath Kochhar.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Office No. 406, 4th floor, 'New Rata' Building, No. 1 69 P D'Mello Road, Bombay-9. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2564 on 10-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-I, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 7-2-85

FORM IINS-

=- -:==-:<u>--=</u>-== (1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bothra Family Trust.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2956/84-85.--Whertas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A t') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000ffl- and

bearing No. Unit No. 125, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 10-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratoin and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ma, be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Gala No. 125, 1st floor, A-2, Shah & Nahar Industries Istate, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2566 on 10-6-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-2-85

(1) M/s. Jahangir Net Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s. Gujarat Foods (India).

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OE/1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-I/37FE/2964/84-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to income-tax Act 1964 (43 of 1964) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing Gala No. B/6, Minerva Indl. Estate situated at Sewice Fast (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. B/6, 1st floor, Minerva Industrial Estate, Bunder Road, Opp. Digvijay Cement Co. Sewree East, Bombay-400 015. The Agreement has been registered by the Compatent Authority, Bombay, under S. No. 2572 on 10-6-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Dated: 13-2-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 Ol 1961)

GOVI RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-FAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985 .

AR-I/37EE/2965/84 85 —Whereas, I,

A LAHIRI, being the Competent being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No Unit No 12 Elphinstone Estate situated at Baroda Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer and the consideration that the consideration that the consideration is transfer as a green to be the consideration that the consideration is transfer as a green to be the consideration that the consideration is transfer as a green to be the consideration that the consideration that the consideration is less than the fair market value of the property as a second to be a such as a consideration with the consideration which is less than the fair market value of the property as a forest consideration which is less than the fair market value of the property as a forest consideration that the consideration is less than the fair market value of the property as a forest consideration that the cons ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now therefore n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely -

(1) M/s Hansraj Piagji & Sons

(Ti ansferoi)

(2) M/s Central Transport Organisation

(Transferee)

Objections if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No 12, 4th floor, Bharat Chambers, Plot No 52-C, Flphinstone Estate, Baidoa Street, Bombay-9 The Statement has been registered by the Competent Authority, Acqn Rangel, Bombay under S No 2573 on 10-6-84

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date 16-2-1985 Scal

67---506 GI/84

- (1) Mr. Albert Francis John D'Souza.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Chandrakala Tukaiam Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2966/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHRI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 19, Peter Marcel Bldg. situated at New Prabhadevi Road,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19, 3rd floor, Peter Marcel Building, Final Plot No. 941-A.T.P.S. Bombay City IV Mahim, Opp. Prabhadevi Mandir, New Prabhadevi Road, Bombay-25. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2574 on 10-6-84.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 6-2-85.

(1) Messrs. R. B. Patel & Co.

(Transferor)

(2) Messrs M. D. Patel & Co.

(3) Partners of Transferor's firm.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196 1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2986/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 303, Gamdevi Deepak CHSL situated at Gamdevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the office of the Competent Authority at Bombay on 11-6-84

Bombay on 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said poperty may be made in writing to the undersigned:--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Gamdevi Deepak Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 44, Kashibai Navrange Marg. Gamdevi, Bombay-7. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2995 on 11-6-84.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 6-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay the 8th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2989/84-85.---Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Unit No. 222 Shah & Nahar Indutrial Estate,

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office Bombay on 15-6-1984

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s Pragna Metal Label Manutacturing Co. (Transferor)
- (2) Shri Anand B Parikh, HUF & Shii Ashok K Shah.
- (3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the porperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No 222, 2nd floor, Shah & Nahai Industrial Estate (A-2) Dhaniai Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2862 on 15-6-1984

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-2-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Kamlesh K Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Electromech Engineers, Mr. T. K. Sholapurwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-I/37FF/3004/84-85.--Whercas, I, LAHIRI.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Office No. 27, Taidco-Air Conditions situated at

Market Tardeo.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bombay on 15-6-1984

Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 27, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo, Bombay-34. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2703 on 15-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-2-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) M/s Shah Bros.

(Transferor)

(2) Mr. C. S. Shrikhande.

(3) Shri C. M. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3012/84-85,--Whereas, I. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 98, Nav Durya Mahal situated at

Napeansca Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (Pi of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 98, 17th floor, Nav Darya Mahal, 80, Napcan Sea Road, Bombay-6. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay under S. No. 2711 on 15-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-2-1985

- M/s. Jogani Tyres, Prop. B. L. Jogani Family Trust.
- (2) M/s Rakushka Exports Pvt. Ltd. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3017/84-85.—Whereas. I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1302, Iogani Apartments situated at

Doongersi Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

at Bombay on 15-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discuosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the safe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1302. Lower floor, Jogani Apartments, 29-B, Donngersi Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2699 on 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-2 1985

FORM ITNS-----

(1) M/8 Jogani Tyres, Prop B. L. Jogani Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rakushka Expors Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3017(A) /84-85.--Whereas, I,

LAHIRJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 1302, Jogani Apts. situated at

Doongersi Road,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 1(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1302, 13th floor, Togani Apartaments, 29-B, Dongersi Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2700 on 15.6 1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecing Assisanta Commissioner of Income-ax, Acquisition Range-I, Bombay

Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 15-2-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely:-

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3020/84-85.--Whereas, I,

A. I A HIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit No. D-27, Commerce Centre situated at

Tardeo Road, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compétent Authority at

Bombay on 15-6-1984

Bombay on 13-0-1864 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-68-506 GJ/84

(1) Mis. Unia Khanna.

(Transferor)

(2) Bharat Prit Warner (P) Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. D.27, Commerce Centre, Tardeo Road, Bombay-34. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I. Bombay, under S. No. 2725 on 15-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-2-1985

(1) M/s Malka Construction Company.

(Transferor)

(2) M/s Goodluck Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4 BOMBAY

Bombay, the 8th Tebruny 1985

Ref No AR-1/37EF '3028 84-85 --- Whereas, 1, A, I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 27. Dun Shopping Centre situated at Tardeo Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 200AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, on 19-6--984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27, Ground floor, Dun Shopping Centre, 225/227. Taideo Road, I allubhai Amichand Compound. Bombay-7. The Agreement has been registered by the Competent Authority Acqn Range-1, Bombay, under S. No 2758 on 19-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 8-2-1985

(1) Miss Eirene S Pocha alias Mrs Eirene Adi Wadia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kishoi R Shah & Mis Rekha K Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay the 11th February 1985

Ret No AR 1/37EI /3029/84-85 - Whereas, I

A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immore than the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immore than the immore than the control of the co

able property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing
No Hat No 101, Maishal Apts situated at August Kranti (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 1961984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than in teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trinsfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fix under the said Act un respect of my income arising from the trins er and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of ohet assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

New therefor in pursuance of Section 2690 of the seid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following per on namely

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons. whichever period expires lated,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I VPLYNTION -- The terms and expressions used become as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDUIL

Flit No. 101 1st floor, Marshal Apartments, Corner of Pin Galb August Kranti Marg Bombay-36. The Agree-ment has been registered by the Competent Authority, Acqu Range-1, Bombay, under 5. No. 2759 on 19/6/1984.

A LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fry Acquisition Range I, Bombay

11 2 1985 Dite

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3035/84-85.--Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immov-

to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair murket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 7, Bldg. No. 11, Navjivan Co-op. Hsg.
Society Ltd. situated at Lamington Road,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at
Bombay on 19-6-1984
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

'(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Shantilal Jamnadas Thakker,

(Transferor)

(2) M/s Bombay House.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Gr. floor of Building No. 11 of the Lamington Road Scheme of Navivan Coop. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under S. No. 2766 on 19-6-1984.

t ompetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1985 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref No. AR-L 37FF/3047784/85. -- Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here nafter refetred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. Gala No. 126, Shah & Nahai Indl. Ustate

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason number vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the toir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to thefollowing persons, namely :-

(1) Dhanrai Mills Private. Limited.

(Transferor)

(2) M/s Antia Electrical Private Limited.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 126, 1st floor, A-2, Shah & Nahai Industril Estate, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under S. No. 2779 on 19 6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecing Assisanta Commissioner of Income-ax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-2-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kwick Graphics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-I/37LE/3048/83 84.--Whereas, f. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Unit No. 442, Shah & Nahar Indl. Estate situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competenta Auahtoritay at

Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 442 on 4th floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhay Marg, Lower Parel, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2780 on 19-6-1984.

A. J.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Royal Exports.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3049/84-85.—Whereus, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 349, Shah & Nahar Indl. Estate situated at

Lower Parel,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Unit No. 349, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 building, Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2781 on 19-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-2-1985 Scal:

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

FORM ITNS-----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Reprographics.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 6th February 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-1/37EE/3050, 84-85,—Whereas J. A. LAHIRJ.

being the Competent Authrity under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 443, Shah & Nahar Indl. Fstt. situated at Lower

Parel

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compelent Authority at Bombay on 19/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in-strument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 443, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate, A-1, Sitaram Jadhav Murg, I ower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Acqn, Range-I, Bombay, vide S. No. 2782 on 19/6/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 6-2-1985 Seal :

==_ - _ - -_____- -

FORM ITNS ---(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Pinakin Patel,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1985

Ket. No. AR-I/37EE/3051/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 352, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair the value of the aforesaid property, and I have reason the selieve that the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--69 -- 506 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 352, 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay under S. No. 2283 on 19/6/1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-2-1985

FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Bharat P. Bewlani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3052/84-85.—Whereas I. A. LAHIRI.

A. LAHIRI, being the Competent Authrity under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 312, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 19/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 312, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parcl, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2784 on 19/6/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner oof Income-tax Acquisition Range-I Bombay'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1985

FORM ITNS----

(1) Shri T. N. Sivaramakrishnan...

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Babitadevi Mangilal Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3062/84-85.— Whereas, I. A LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. $25,000_{\rm J}$ and bearing

Flat No. 84, Pankaj Mansion situated at Dr. Annie Besant road, Worli

(and more fully described in the Scheduled annexed here75), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eloresand property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by ore than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 84. 1st floor, Pankaj Mansion, 8. Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay-18. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2992 on 23-6-1984.

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2 200 of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1985

Sent:

FORM I.T.N.S .-

(1) Harbir Kaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukund Harishankar Pandya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3064/84-85.—Wheresa, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 18, Creative Indl. Centre situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 18, Gr. floor, Creative Industrial Centre, N. M. Joshi Marg, Bombay-11. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-1, Bombay, under S. No. 2906 on 25-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 8-2-1985

Scal:

(1) Dhanrai Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Antia Electrical Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONLA OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3067/83-84.—Whereas, J,

A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Unit No. 127, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifmteen per cent of such apapient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Gala No. 127 on the 1st floor, A-2 building, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2908 on 25-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY

Bombay, the 5th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3072/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 5-B, Junction of Anant Canpat Pawar Lanc & Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27 situated at Byculla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

 Shri Ashok Balwantrai Kothari and Pradeep T. Kothari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5-B, at the junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-400 027. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, under S. No. 2917 on 25-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

Date :: 5-2-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Nirmala Pratap Rane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR $\Pi/37EE/3085/84-85$ —Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room No 45, Taideo Air-Conditioned Market situated at

Taidec

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mts. Leela Nagesh Rane and Mt Nagesh Raghunath Rane, (Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

Room No. 45, 1st floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo, Bombay-34. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2924 on 25-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3111/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No.
Part of the flat No. B-48fi Vallard View Building, situated at

Tardeo Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Haimukhlal A. Jogi.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Nagjibhai Pujata

(Transferce)

(3) Transferce. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Flat No B-48, 'Vallard View' Building, 14, Tardeo Road, Bomb ay-34. The Agreement tas been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No 2825 on 23-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 13-2-1985

(1) Dr. Sureshkumar Bhaichaud Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kiran Vadilal Parekh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Dr. Kiran V. Parekh. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3113/84-85.—Whereas, 1,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Garage No. 2, Akash Deep situated at Doongarshi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 260AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter X. A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Garage No. 2, Ground floor, Akash Deep. 175, Doongarshi Road. Malabar Hill, Bombay-400 006. The Agreement been registered by the Competent Authority Acquisit Range-I, Bombay, under S. No. 2876 on 25-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following 70--506GI/84

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3145/84-85.— Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinarter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Office Premises No. 808, Embassy Centre situated at Nari-

man Point

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the processed property, and I have reas n to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said A t in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the nursess of the Indian Income-tax Act. 19²2 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Prashant Fanks & Fabricators Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Efficiency Equipment Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 808. 8th floor, Embassy Centre, Nari man Point, Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2953 on 25-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 11-2-1985.

- ++

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR.I/37EE/3147|84-85.--Wineseas, I. A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, Chawia House situated at Wodehouse Road, Colaba

(and more fully described in the schedule annexed her to), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of t e Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Laxmi K. Moorjanl

(Transferor)

(2) M/s. Dhall Enterprises & Engineering Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Chowla House, Wodehouse Co-op. H^qg. Soc. I.td., 60, Woodhouse Road, Colaba, Bombay-5. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-1, Bombay, under S. No. 2626 on 25/6/1984.

A. LAHIRI
Competent A
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisi ion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1985

(1) Raja Builders & Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Kallaben Babulal Shab

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3153|84-85---Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinacter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 303 Anjali Bldg, situated at French Bridge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the burness of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A c saud have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Anjali Building, French Bridge, Opera House, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2873 on 28/6/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-I/3°EE/3168 84 85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No 54 55 Gy we No 51 Mount Unique situated at Peddar Road Bombay

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-6-1984

for an applient consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ravindra S. Choksi

(Transferor)

(2) Mr. Narinder Nath Sehgal, Mr. Pravinchand Sehgal Mrs. Veena Rani Sehgal

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54 & 55, Mount Unique, 7th floor, and Garage No. 51, 26 Peddar Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2971 on 30/6/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commistry of Inc. 12
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) M/s. Shrevas Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Laxmodas Gohil

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3181/84-85.--Wheras, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1, Militia, Apartments

situated at Mathar Paknadi Road, Mazgaon situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedu'ed annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 \B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reas represent to believe that the fair market value of the property responses the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said A t, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A t salt have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Militin Apartments, 84, Mathar Pakhadi Road, Mazgaon, Bombay 10. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2954 on 30/6/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-2-1985

(1) M.ss Aloo D Patel

(Transferor)

(2) Mr. Rakesh Jain, Mr. Suresh Jain & Mister Sandeep Jain

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/534/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3. Rishikesh Bldg. situated at Worli, Bombay (and more fully Jese to d in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under

as been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Author v at Bombay on 4/6/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there'or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 1st floor, 'Rishikesh Bldg' Plot No. 53, CS. No. 992 of Worli Division Bombay. The Agreement has been registered by the Compount Authority Acquisition Range-1, Bombay, under S. No. 2222 on 4,6/1984.

> A. I.AHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

(1) The Steel Rolling Mills of Bengal Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Kantilal Laxmichand Shah (Gangar) Mrs. Kalavati Kantilal Shah (Gangar)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONIER OF INCOMMISSION RANGE-I, BOMBAY

BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/1830|84-85,---Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Flat No. 801, Nivin Asha Premises Co-op. Society situated at Dadasaheb Phalke Road Didar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 · B of the Income day Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801. 8th floor. Navan-Asha Premises Co op. Soc. Dudasaheb Phalke Road, Dadar, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2516 on 14/6/1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) HSU HSEIN LIN

(Transferors) (2) 1. Mrs. Hajira Begum 2. Atiqa Bano 3. Mrs. Shafiqa Bano, 4. Mr. Mustaq Ahmed 5. Mr. Ishtaq Ahmed.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3181/84-85 -- Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. No. Shop at Lindon House'

situated at Apollo Bunder, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tix Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property and that the consideration for such transfer as agreed to be the property and that the consideration for such transfer as agreed to be the property and I have reason to be property and I have reason to be property and I have reason to be property and I have reason to believe that the fair market value of the property as between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferee for and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or she said Act, or the Wealth-ts Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on the ground floor, West side of of building, Lindon House', Mahakavi Bhushan Marg, Apollo Bunder, Bombay-400 039. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2300 on 1-6-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 71---506GI/84

Date: 13-2-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2029'84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. Flat No. 8, Evergreen Building

situated at Chowpatty

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4/6/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Rajnikant V. Madhvani

(Transferor)

(2) Mr. Moulin k. Mchta & Mrs. Shilpa M Mehta.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons the beauty and or the control of the co whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Evergreen Building, Bebulnath, Chowpatty, Bombay-400 007. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2548 on 4/6/1984.

A. LAHIRI Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1985

- (1) Mrs. Kamal Gul Jessani W/o Dr. Gul C. Jessani. (Transferor)
- (2) 1. Shri Bansidhar Sajnani.2. Smt. Pushpa Bansidhar Sajnani.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. Ak-2/37EE/2993|84-85.--Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 53, Venus CHSL situated at Worli Scaface

No. Flat No. 53, Venus CHSL situated at Worli Scaface (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 53, Block No. 48-E. 14th floor, Venus Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Worli Sea Face, Bombay-400 018. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. 2860 on 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) M/s S P. Builders

(Transferor)

(2) M/s S E. Zaveri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR-I/37EE/3003/84 85 - Whereas 1, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No Shop No 39, Heera Panna Shopping Centre,

Hajı Alı

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15 6 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciand property, and I have reason to believe that the fin muket value of the property as afores nd exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 39, Ground floor Heera Panna Shopping Centre, Haji All Bombay The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under S No 2702 on 15-6 1984

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s, Vardhan Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kiran Corporation.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-I/I/37EE/3013/84-85 — Whereaus, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Busement No. 5 Mahavir Apartments situated at Tardeo
Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5 on basement, 'Mahavir Apartment' Tardco Road, Bombay-7. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2712 on 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1985.

Shri Vinodchandra Gunvantiai Vyas.
 Smt. Dharmishta Vinodchandra Vyas.

(Transferor)

(2) Mis. Padma Undre.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3036/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, Ramesh Niwas situated at Warden Road

Bhulabhai Desai Roal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombbay on 19-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 7, Ground floor, Ramesh Niwas Building, Oil Warden Road, Bornbay-26. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S No. 2767 on 19-6-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date 13-2-85 Seal:

FORM JINS-

(1) M/9 Harpt Singh & Bros

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s N G Bhanushalı & Co

(In insferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref No AR I/37EF 3074|84 85 Whereas, I A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tix Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovbeing the Competent able property, having a fail market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No Unit No B-2 B situated at Spolaput St Basement floor Elphinstone Estate

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income tir Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

THE SCHEDULE

Unit No B-2, on basement floor, 15, Sholapur Street, Elphinstone Estate, Bombay-9 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S No 2998 on 23-6-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sad Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bomlay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date 13-2-1985 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3011/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 30, Sagarkunj Bldg. situated at Napean Sca Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jagdish Prasad B. Gupta & Nileshkumai Jagdishprasad Guptu. (Transferor)
- (2) Shii Amiitlal Sunderdas Malhotra.
- (Transferee)
 (3 Smt. Raj Anand (Occupied by Garage)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 5th floor & Garage, Sagarkunj, 78, Napeansea Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acqn. Range-I, Bombay, under S. No. 2910 on 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-2-1985

(1) Parasnath Ramnaresh Shukla.

(Transfer

(2) Shah Shamji Gover.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shah Shamji Gover, (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR-I/37G/5084184-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6, Girdhar Niwis situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parconsideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \ct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
72—506G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s Act, shall have the same meaning as gi in that Chapter,

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. Born 1717, 80 and registered on 16-6 1984 with the Sub registrar,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-2-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Naganlal Mavil, Deobai Maganlal, Bhikachand Maganlal.

(12) Rajendra Babusao Chilka Gangubai Gangaram Guntuk.

(Transferce)

(3) Gangubai G. Guntuk.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1985

Ref. No. AR-I/37G/5085/84-85,—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 25;000/-and bearing

No. Home No. 15, C.S. No. 863 of Byculla situated at

Kamathipura 4th St.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the setvice of unbition can the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Oced No. 694/84 and registered on 27-6-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1985

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37G/580/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
No. C.S. No. 654 of Mandvi Division situated at Narayan
Dhru Cross Lane, Bombav
(and more fully described in the Schedule annexed bereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority

12,6184

at Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Salma Enayet Lokhandwala.
- (Transferor) (2) Mrs. Tarabai Abdullabhai Topiwala.
- (Transferee) (3) Tenants.
- (Person in occupation of the property) (4) Other co-owners.
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

schedule as mentioned in the registered deed No. Bom. 2058/71 and registered on 2-6-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2963/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI.

Copetent Authority under Section 269B of the being the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-B, B.P.F. Plot, R. A. Kidwai Road, Sewn, Bombay

300 015 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the following property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Labham.

(Transferor)

1. (1) Mrs. Shobhana S. Pusalkar.

(Transferce)

(2) Mr Atul S. Pusalkar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

8-B B.P.T. Plot, R.A. Kidwai Road, Sweri, Bombay-400 015.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-1/37EF 2571|83-84 dt.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-2-1985

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) N. B. Mashkaria & V. N. Mashkaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10647, 84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No., 9, 1st floor, Building No. 14, Zalavad Jain Co-op.
Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E),

Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floot, Wing, Building No. 14, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10647/83-84 Dated 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nyalchand S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE, 10644/84-85,—Whereas, I. I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 15, A-Wing, 4th floor, Building No. 23, Zalavad Jain Co op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli

(E), Bombay-101.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) 'oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor. A Wing, Building No. 23, Zalavao Jain Coop Hsg. Society 1td., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay-101.

The pyreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10644/83-84 Dated 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1985

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Hareshbhai K. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE 10657/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. AR-IV/37EE 10657/84-85.—Whereas, I, IAXMAN DAS, being the Compelent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 8, 1st floor Building No. 14, Zalavad Jain Coop. Housing Society Ltd Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101, situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereio).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument fransfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 8, First floor, Wing, Building No. 14, at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10657/83-84 Dated 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Smitesh C. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/10649/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 17, 3rd floor Building No. 14 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd. Ashok Chakravarty oRad, Kandivli, Bombay-101 situated at Kandivli (E), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB/of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd floor, Wing, Building No. 14, Zalava.1 Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EF/10649/83-84 Dated 26th June. 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date : 12-2-1985.

FORM ITNS----

Sarai Enterprises.

(Transferor) (Transferee)

(2) Rajosh Panachand Shah.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10645/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat No. 13, 2nd floor, Building No. 14 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). situated at Kandivli, Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

73--506G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Wing. Building No. 14 at Zalavai Iain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Read, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10645/83-84 Dated 26th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date : 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Deepika and Dipak. C. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10672/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR-IV/37EE/10672/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, A-Wing, ground floor Building No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), situated at Kandivli, Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, A-Wing, Building No. 21 Zalavud Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10672/83-84 Dated 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM TINS

- (1) Saral Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Mahendra Kumat B. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person who the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR-IV/37EE/10691/84-85.—Whereas, I, \(\frac{1}{2}\)

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No., 12, second floor Building No. 14, Zalavad Jain Coop. Housing Society I td., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), situated at Bombay-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the conecalment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor wing, Bldg., No. 14, Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10691/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameah Chandra A. Bagadia & R. A. Bagadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10675/84-85.—Wheras, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 16, A-Wing, 3rd floor Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). Bombay-101.

divli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, A-Wing Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10675/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition 'Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985.

(1) Saml Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nitin Kumar B. Shah and Mrs. K. N. Shah,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10686/84-85.—Whereas. I.

Ref. No. ARIV/37EE/10686/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 11, Second floor, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ane defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given: in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Wing, Bldg No. 14, at Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10686/83-84 dt. 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
> Acquisition Range-IV
> Bombay

Date: 12-2-1985

KORM ITNS-

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayesh Popatlal Gandhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10687/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 7, A-Wing, 1st floor Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, A-Wing, Bldg. No. 21, Jalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Anthority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10687/83-84 df. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985.

9car

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sund Maneklal Turakhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10688/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 14, A-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 21 at Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 21 at Zalavad Jain Co-on, Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandıyli (E): Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombdy vide serial No. ARIV/37EE/10688/83-84 dt 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bharatkumar Ramniqlal Sbah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10674/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B' of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the limit movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 12, 2nd floor, A-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Randivli.

situated at Bombay

aituated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, A-Wing Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10674/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/10054/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12, A-Wing, 3rd floor, Bldg, No. 23 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay 101, situated at Kandivli (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—74—506GII84

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shailesh Kumar G. Shah and Jayshree S. Shah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic'al Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jam Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10054/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985,

Seal

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shashi Kant Jayantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISTTION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. ARIV/37EE/10679/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12. C-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandyli (1.), situated at Kardivli, Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bembay on 27th June, 1984

at Hembay on 27th June, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, C-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide strial No. ARIV/37EE/10679/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bharat Nanalal Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37LL/10791/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor B-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli. (and more fully described in the Schedule annexed bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, B-Wing, Bldg No. 19, Zalavad Jain Co-op, Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10791/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10680/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing Flat No. 6, A-Wing, 1st floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli E, situated at Kandivli, Bombay-101 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- i(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Bharat Kumar K. Shah and P. K. Shah and Smt. R. K. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, A-Wing, Bldg. 23 Zalavad Jam Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10680/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pankaj Nagindas Sanghvi and P. N. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10781/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 13, 3rd floor, A-Wing Bldg. No. 21 Zalavad Jain

Cop. Hsg. Society, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), situated at Kandivli (E), Bombay-101 (and more traffy described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10781/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985.

Soal:

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Virendra Balchand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10784/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No.

25,000/- and bearing No.

Flat No. 19 on fourth floor, A-Wing Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the start of the second of the Income to Act. 1961 in the office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, fourth floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op, Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10784/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10783/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flatt No. 5, 1st floor, B-Wing Bldg. No. 19, Zalavad Jain
Co-op. Housing Society, Ashok Chakravarthi Road, Kandivli

(E) Bombay 101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Bharat Kumar Mohanlal Gandhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 19 at Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrint No. AR-IV/37EE/10783/83-84 dt. 29th fune, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Ashwin G. Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10782/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor, B-Wing Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandiyli (F) Rombay 101

divli (E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd flox., E-Wing, Bldg. No. 21, Zalvad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10782/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Ashrok Vinod Chandra Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FE/10786/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1, ground floor, B-Wing Bldg. No. 21, at Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road. Kandivli (1), situated at Kandivli, Bombay 101

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. one, ground floor, B-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad

Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. it respect of any income arising from the transfer; and/or

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10786/83-84 dt. 29th June 1984.

Kandivli (E), Bombay-101.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent' Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons namely --75---506 GI|84

Date: 12-2-1985.

FORM ITMS

(1) Saral Enterprises.

(2) Sunil Bhailal Shah and H. S. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. Al LAXMAN DAS, AR-IV/37EE/10785/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 7, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 19 at Zalavad Jain
Co-op. Housing Society Ltd.. Ashok Chakravarty Road,
Kandivli (E), Bombay-101, situated at Kandivli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabic property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivlı (E), Bombay-101,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10785/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramesh Chandra, Amrutlal Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf No. ARIV/37EE/10787/84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 18, Third floor, Bldg No. 14 at Zalavad Jain Coop. Housing Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, third floor, Wing Bldg. No. 14. Zalavid Jain Co-op, Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandıvlı (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV 37FF 10787 83 84 dt 29th June 1984.

> I AYMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985. Scal:

(1) Saral Enterprises

(Transferoi)

(2) Bipin Chunilal Shah and Parul B. Shab.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ret. No ARIV/37EE/10788/84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have teason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Flat No 20, Fourth floor, Bldg No 19, A-Wing, Zalavad Jain Co-op Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Vendyly (L)

Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXILANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 20 fourth floor A Wing Bldg No 19 Zalavid Jam Co-op Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandıvlı (E), Bombay-101

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR IV/37FE/10788/83 84 dt 29th June 1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bomb IV

12 2-1985. Date Seal:

FORM ITNS----

- (1) M/s. Saral Enterprises
- (2) Chanchahben T. Shah

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10805/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, B-Wing, ground floor, Bldg. No. 19 at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has oven transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the effice of Competent Authority at Bombay on 29th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparenpt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 ground floor, B Wing, Bldg. No. 19 at Zalayad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-FF/10805/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регнова, важеву:---Negg/

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Bhaichand Manilal Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10703/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 1: A-Wing. 31d floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road,

Kandıvli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269¢ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10703/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla L. Kamdar

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10702/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, C-Wing, 1st floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair LAXMAN DAS,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 8, 1st floor, C Wing, Bldg. No. 21, Zulavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E). Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10702/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

Scaf:

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bakul Nandlal Shah

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. AR-IV/37EE/10701/84-85,---Whereas, I, No. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Flat No. 1, A-Wing, ground floor, Bldg No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, A-Wing, Bldg No. 21, Zalavad Jain Co-op Hag, Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/3/-EE/10701/83-84 dt. 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10794/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, C-Wing, ground floor, Bldg, No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombers on 20th June 24

Bombay on 29th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

76-506 GI|84

(2) Shah Privalkant Javantilal & V. P. Shah

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from her service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 ground floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravary, Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10794/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

Sea₁.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FE/10413/84-95.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 13, B-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 19 7alayad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarity Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay 22nd June,84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Saral Enterprises
- (2) Sh. Virendra Dhirajlal Shah & Hansha V. Shah

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the multiplication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, B-Wing, Bldg, No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty., Ltd. Ashol Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10413/83-84 dt 22nd June, 84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Uttamchand H. Sheth

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12 h February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10795/84-85,---Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 17, A-Wing, 4th floor, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hyg. Scty. 1td. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule anniexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property see aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; respect
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty., I td. Ashok Chaktavar'y Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-FF./10795/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Sarul Enterprises

(Transferor)

(2) Trambaklal D. Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10780/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6, 1st floor, Bldg No. 14 Zalavad
Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chaktavarty Road,
Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 1st floor, Wing, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10780/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shailesh Indulal Vora

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR-IV/37IIL/10779/84-85.—Whereas, I, Nc.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 10, 1st floor, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. 1td., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tox Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 29th June, 84

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Wing, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10779/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterptises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Napolean N. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR-IV/37LE/10778/84-85.--Whereas, I, No.

Ref. No. AR-IV/37EE/10778/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 16, A-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 29th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 19057 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 31d floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10778/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises

(2) Sh. Amit Chandrakant Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37I-F/10777/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, 2nd floor, Bldg. No. 14, Zalavad Jam Co-op. Hsg. Sctv. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid reacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPIANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Wing, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10777/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

(2) Sh. Uineshchandra P. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FE/10776/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 13, C-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 21 Zalavad
Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road,
Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli
(and more fully described in the schedule annexed hereio),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 29th June, 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty., Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli

(E), Bombay-101,
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10776/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 or two said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ashwin Kumar N. Shah & Pankaj M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10775/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 2, B-Wing, ground floor, Bldg. No. 21, -Zalavad Jain Co-op. Hsg. Socty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

· THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, B-Wing, Bldg. No 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE, 10755/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:— 77--506GI/84

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh B. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10774/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Fla No. 13, B-Wing, 31d floor, Bldg. No. 23
Zalavad Jain Co-op Hsg. Socty Ltd., Ashok Chakravarty
Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor B-Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10774/83-84 dt. 29th June 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra S. Doshi & Shantilal L. Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10773/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Fint No. 20, B-Wing, 4th floor, Bldg, No. 23
Zalavad Jain Co-op. Hsg. Socty Ltd., Ashok Chakravarty
Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 4th floor, B-Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scritl No. ARIV/37-EE/10773783-84 dt. 29th June, 84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dhirendra M. Kapasi & B. M. Kapasi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10770/84-85.---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and beating

and bearing
No. Flat No. 9, A-Wing, 2nd floor, Bldg, No. 19
Zalavad Jam Co-op. Hsg. Socty Ltd., Ashok Chakravarty
Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more ully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, A-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIV/37-EE/10770/83-84 dt. 29th June. 84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

· Seal :

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharat Kumar, Shri Shantilal Shah,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10771/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, A-Wing, 1st floor, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. H-g. Sety., Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (12), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bomoay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, A-Wing, Bld. No. 19. Zalavad Jain Co-op. Hsg. Socty Ltd., Ashok Road, Kandivli (E), Bombay 101. Chakravarty

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV, 37-EE/10771/83-84 dt. 29th June, 84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of, the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10772/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 10, C-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 21
Zalavad Jain Co-op. Hsg. Socty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the reconstruction. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

an apparent consideration which is less the gair market value of the aforesaid property, and I have person to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Saral Enterprises.
- (2) Shri Dinesh Dalichand Shah, & Anjula D. Shah.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor. C-Wing, Bldg. No. 21, Zalazad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/19772/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Mrudulabon C. Kafasi,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-JV/37EE/10768/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that ting consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (E7 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, B-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty, Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreemet has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10768/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Daate: 12-2-1985 Seal:

(1) M/s, Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sangeeta S. Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV вомвах

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/10759/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, C-Wing, 1st floor, Bldg. No. 21, Zalavad jain Co-on Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10759/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 12-2-1985

Seal ;

FORM ITNS-

(1) M/8. Saral Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kantaben R. Shah & Shri Jaswantkumar R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/10760/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 15, A.-Wing, 3rd floor, Bldg, No. 19, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—506GJ/84

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37FE/10760/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ruf. No ARIV 37FE/10761/84-85—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 19, B-Wing, 4th floor, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co op Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (12), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shrimati Shantaben Dhirajlal Shah.

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 4th floor, B-Wing, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. I td., Ashok Chakravarty Rd., Kandivii (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10761/83-84 Lt 29th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10758/84-85.—Whereus, 1, 1 AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

and bearing Flat No. 8, B-Wing, 1st floor, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakiavaity Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Section 2094B of the Income-tax Act, 1901 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Mehta Magan Kumar Himmatlal.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 8, 1st floor, B-Wing, Bldg. No., Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E). Bombay-101.

The agreemet has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIV/37EE/10758/83-84 dt. 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

Date: 12-2-1985.

Scal :

FORM ITNS----

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manilal Narotamdas Gandhi .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10734/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, C-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road. Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computent Authority at

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any movement or or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the supposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain · Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E). Bombay-101.

The agreemet has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10743/83-84 dt. 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay-

Date: 12-2-1985,

FORM ITNS----

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Neela Sudhii Talia.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No ARIV/37EF/10733/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 3, A-Wing, ground floor, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety Itd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (L), Bombay-101 situaled at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the faul market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the faul market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dags from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, A-wing, Bldg. No. 19, Zalavad lain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreemet has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No ARIV/37EF/10735/83-84 dt. 29th June, 1984.

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12 2-1985.

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kantaben Chandulal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10732/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1 lat No. 16, C-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandryli (E), Bombay-101 situated at Kandryli (and more fully described in Schedule annexed hereto).

(and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (1) Bombay-101.

The agreemet has been registered with the Commetent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10732/83-84 dt. 29th June, 1984.

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

19mc : 12-2-1985. Shal

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vipul Bhailal Shah & Prabhaben B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10797/84-85 -- Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a ran manage and bearing
and bearing
Flat No. 13, A-Wing, 4th floor, Building No. 23
Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Asho
Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
Bombay on 29th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 4th floor, A-Wing, Building No 23, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd. Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10797/83-84 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

Soul :

M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Manjulaben H. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, ВОМВЛУ

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10731/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 4, B-Wing, Ground floor, Building No. 23
Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Asho
Chakrayarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority
Bombay on 29th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, B-Wing, Building No. 23, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10731/83-84 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Minal Kantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/37EF/10798/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No 6, B-Wing, 1st floor, Building No. 21,
Zaladvad Iain Co operative Housing Society Ltd., Asho
Chakravarty Road, Kandivh (E), Bombay 101 situated at Ashok

Kandivli.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair maict value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in, ahe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HAPLANATION: -- The terms and expressions used herein . are defined in Chapter XXA of the san Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, B-Wing, Building No. 21, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandıvli (E). Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.IV/37EF/10798/83-84 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

Scal:

79-506GT84

FORM ITNS----

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kritikumar, Nandlal Mehta and Others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

Bombay, the 12th February 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Ref. No. AR.W/37EE/10796/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, B-Wing, 1st floor, Building No. 21, Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Asho Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Ashek Kandivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 29th June. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :--

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the 'mansfer' end/or

Flat No. 8, 1st floor, B-Wing, Building No. 21, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravartv Road, Kandivli (E), Bombay-101.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, IV/37EE/10796/83-84 dated 29th June, 1984.

Acquisition Range-IV.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

LAXMAN DAS Competent Authority

·Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Fnterprises.

(Transferor)

10579

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjay Navinebaudta Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10700/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAŞ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 14, 2nd floor, Building No. 14,
Zaladvad Jain Co-operative Housing Society 1.td., Asho
Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) inclutating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, B-Wing, Building No. 14, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement bas been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10700/83-84 dated 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Siddhath S. Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV, 37EE/10799/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. '11, B-Wing, 2nd floor, Building No. 19, Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay 101 situated at Kandivli.

Kandivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nexisons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, B-Wing, Building No. 19, Zalavad

Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10709/83-84 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep Chandulal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10412/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, B-Wing, 1st floor, Building No. 23 Zaladvad Jain Co-operative Housing Society 1.td., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectio n269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22nd June, 1984

ten an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, 1st floor, B-Wing, Building No. 23, Zalavad Jain C-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10412/83-84 dated 22nd June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harehs Vrajlal Vora & Sushila Vrajlal Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGI-IV, **BOMBAY**

Bombay ,the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10411/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. 12, B-Wing, 2nd Floor Bldg. No. 21, Zalavad Jam Co-operative Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22nd June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wai/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ?"; moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax 4ct 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned ...

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the service persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as that Chapter. given ma

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, B-Wing, Building No. 21, Zalavad Jain C-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Correctint Authority, Bombay vide social No. ARIV/37EE/1041/83-84 dated 22nd June, 1984.

'LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: '12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bharati Kirit Kumar Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay , the 12th F-bunry 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10801/84-85,-Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing Flat No. 2, B-Wing, Ground floor, Bldg. No. 19. Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Ashok Chakravartv Road, Kandivh (E), Bombay 101 situated at Kandivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, B-Wing, Bldg No. 19, Zalavad Iain Co-operative Housing Society, I'd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10801/84-85 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1985

FORM ITMS--

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Survakant V, Shah & Vilas S. Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11071/84-85.—Whereas. I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 1, ground floor Bldg No. 14,
Zaladvad Jain Co-operative Housing Society Ltd., Ashok

Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at

kandivii, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bumbay on 26th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the foir analytic of the aforestid around the analytic of the aforestid around the consideration.

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the review of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, 8-Wing, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-operative Housing Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Rombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.IV/37EE/11071/83-84 dated 26th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores, id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-85

FORM I.T.N.S.—

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Haresh C. Shah & Jayshice H. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FF/10414/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000 '- and bearing

Flat No. 9, B-Wing 2nd floor, Bldg. No. 21 Zalayad Jain Co-op, Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22nd June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla tNo. 9, 2nd floor, BrWing, Bldg. No. 21 Zalazad Jain Co-op. Housing Society, I.td. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37-EE/10414/83-84 dt 22nd June, 84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
50—506GI/84

Dt.: 12th Feb. 1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Mahesh Kumar Shantilal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th Lebituary 1985

Ret. No. ARIV/37EE/10698/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hat No. 14, C-Wing, 31d floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jam Co op. Housing Society Limited, Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act. 1961 in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 27th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the spin Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, C-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd. Ashok Chakravarty Roal Kandivli (F) Bombay-101

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37-EE/10698/83-84 Dt 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date : 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Saral Enterprises. (2) C. S. Vasani

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERMNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, . BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10668/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8, A-Wing, 2nd Boor, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletred and the agreement is Jegistered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income prising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by t ehtransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followand persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op, Housing Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10668/83-84 dt. 27th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-IV, Bombay

Dt: 12th Feb. 1985.

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manubhai A. Kuvadia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10659/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2, B-Wing, ground floor Bldg. No. 23, Zafavad Jain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli

Kundivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 26th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitaliting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, B-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10659/84-85 dt. 26th June, 84

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Dt.: 12th Feb. 1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Sailaben H. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10696/84-85,---Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

novable property having a fair market value exceeding ks. 25,000/- and bearing Flat No. 9 A-Wing, 2nd floor, Bldg No. 21 Zalavad lain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakinvarty Road, Kandivli (F), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed here; has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, vithin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of one liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDOLL

Flat No. 9, 2nd floor, A-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co op Housing Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandryli (1), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10696/83-84 dt. 27th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt : 12th Feb. 1985

Scal:

FORM TINS-

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Vijay Kumar Shantılal Ajmera

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

ARIV/37EE/10683/84 85 --- Wheras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing
Flat No.18, B-Wing, 4th floor, Bldg No. 23 at Zalabad Jain
Co-op. Housing Society Limited. Ashok Chakravarty Road,
kandivli (F), Bombay-101 saturated at Kandivli

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, B-Wing, Bldg No. 23 at Zalavad Jain Co-op. Housing Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. ARIV/37-EL:/10683/83-84 dt. 27th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dt. 12th Feb. 1985. Scal:

(1) Saral Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babulal Bhikhalal Kothaii

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No ARIV/37EE/10684/84 85 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No 14, B Wing 3rd floor, Bldg No 23, Zalavad Jain
kandivli (E), Bombay 101 situated at kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
Co-op Housing Society I imited Ashok Chakravarty Road,
the Competent Authority
at Bombay on 27th June, 84
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of menafor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor B Wing Bldg. No. 23 Zalayad lain o-op. Housing Society 1 td. Ashok. Chaki warty. Road,

Co-op Housing Society 1 td Ashok Chaki warty Road, Kandivli (1), Bombay 101

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No ARIV/37-EE/10684/83-84 dr 27th June, 84

1 AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated 12th Feb 1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii H. K. Dhruve & Smt. S. II. Dhruv

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONED OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10678/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 20, 3rd floor, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road. Kandivli (E), Bombay-101 marked at Kandivli (end more fully described in the Schedule annexed bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 27th June, 884

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sant A Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, third floor, Wing, Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Ambority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10678/83-84 di. 27th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 12th Feb. 1985. Sept -

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smita Kiran Kumar Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EFI10676/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
Flat No. 7, B-Wing. Ist floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain
Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road,
Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 27th June, 84
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

81---506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, B Wing, Bldg. No. 21 Zalivad Jain Co-op. Housing Society 1 td. Ashok Chakravnit, Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37-FE/10676/83-84 dt. 27th June, 84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 12th Feb. 1985.

FORM ITNS----

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Urvashi N. Zaveri

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10677/84-85.--Whereas, f, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 10, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 23, Zalavad Jain Co-op. Housing Scci.ty I imited, Ashok Chake varty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable

(3) by any of the aforesaid persons within a period

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income st any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westib-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, B-Wnig, Bldg. No. 23 at Zalavad lain Co-op, Housing Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10790/83-84 c. dt 27th June, 84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Dated: 12th Feb 1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pankaikumar Motilal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. ARIV/3/FE/10792/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat No 4, ground floor, A-Wing, Bldg. No 19 at Zalavad Jain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakiavarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 intuated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hosto)

has been transferred and the agreement is registred under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not leen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, gr. floor, A-Wing, Bldg No. 19, Zalavad Jain Co op Housing Society Ltd Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37-EL/10792/83-84 dt. 29th June 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the pforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. L. the following persons, namely:-

Dated: 12th Feb. 1985.

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dipak Kirchandbhai Parakh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37FE/10790/84-85.--Whoreas, J.

LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1. gr. floor, A-Wing, Bldg No. 19 Zalavad Jain Co-op. Housing Society Limited, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (Appl. move fully described in the Schedule appreced bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, ground fir, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Housing Society Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIVI37-EE/10790/83-884 dt. 29th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12th Fcb. 1985.

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Padma A. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10681/84-85.-Whereas. I. 1 AXMAN DAS

l AXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, B-Wing, 2nd floor, Bldg, No. 21 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Sctv. Itd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East). Bombay-101, situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, B-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jaint Co-op. H.g. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37FE/10681/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) SARAL ENTERPRISES.(2) Hiraben Jayantilal Shah.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10789/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅. 25,000/- and bearing

Flat No 2, ground floor, A-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (Fast). Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority

at itombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfere as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer, and '122
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period el 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, A-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10637/83-84. dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombav

Date: 12-2-1985

Scal:

(1) SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjanben Raniklal Sheth.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10793/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 18, 4th floor, A-Wing, Bldg. No. 19 at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement ise registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29th June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, A-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10793/83-84 dated 29th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bombay

Date: 12-2-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persony. namely :---

FORM ITNS ...

(1) SARAL ENTERPRISES,

(2) Anilkant H. Shah.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FE/10658/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4 A-Wing, 1st floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Coop, H., Szty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F). Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement isc registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26th June. 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax are 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV/37EE/10658/83-84 dated 26th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

Date 12-2-1985

FORM ITNS ---

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Mukesh Ramniklal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

kcf. No ARIV/37EE/10646/84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 4, Ground floor, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Itd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule unnexed beyond

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement isc registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Athan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

FlatN o.4, Ground floor, Wing, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101,

The agreement has been registered with the Congretant Authority Bombay vide serial No APIV/37FF/10646/83/84 dated 26th June 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-82-506GI/84

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No .ARIV/37EE/10643/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flut No. 10 A-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road Kandivli (L)
Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement isc registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Usha Ashok Vora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Har No. 10, 3rd floor, A-Wing, Bldg, No. 23 Zalavad Jain Copp. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10643/83-84 dated 26th June 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shashikant M. Karelia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10637/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing No. Flat No. 16, B-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (E). Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed here o), has been transfelled and the agreement is a registered under

has been transferred and the agreement isc registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961. in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 31d floor, B-Wing, Bldg, No. 23 Zalayad Jain Co-op Hsg. Scty., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide erral No. ARIV/37EE/10637/83-84, dated 26th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferer)

(2) Dhirajlal V. Mehta and Jaya D. Mehta.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10695/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4, C- Wing, ground floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co op. Hsg. Sety. 1.td., Ashok Chakravarty (Past) Bombay-101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement isc registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the resume of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 4, ground floor, C-Wing, Bldg. No. 21 at Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No.ARIV/37EE/10695/83-84 dated 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravin Kumar T Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th Jebruary 1985

stef. No. AR.IV/37EE/10636/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable to the said Act's the reason to be the said Act's property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing
Zalavad Jam Co-op. Hsg. Sety Ltd., Ashok Chakravarty Road,
11, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 23
Kandish (12), Bombay 101 situated at Kandish
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the auto-ment is registered under has been transferred and the agrament is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 11, 2ad fleor, B Wing, Bldg. No. 23 at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Sely, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandvli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10636/83-84 dt. 26th June, 85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjeevkumar Sukhlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th lebruary 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10806/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market with a section 269B of the section 269B of the Income tax and the immovable property having a fair market with a section 269B of the Income tax and t able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15, B-Wing, 3rd floor, Bldg No. 19,

Zalavad Jaain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chkravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, B-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Sl. No. AR.IV/37EE/10806/83-84, dated 29th June 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985.

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratilal L. Mehta & Mis. Mukta R Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10808/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, B-Wing, ground floor, Bldg. No. 19, Zalavad Jaain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chkravarty Road, Kandivh (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), here here twenty-rand and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at 29th June, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability. of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, B-Wing, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hyg. Scty. Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Sl. No. AR IV/37EE/10808/83-84, dated 29th June 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the sald Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 12-2-1985,

(1) M/s. Satal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

LUMB ALTER TO ME ON A SPEAKER

(2) Shu Himatlal Virajlal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANG-IV. BOMBAY.

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. AR.IV/37EE/1080/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable the competence of the property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 10, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 21,
Zalavad Jaain Co-op Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chkravarty Road,
Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
Bombay on 29th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, B-Wing, Bldg. No. 21 at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Sl. No AR.IV/37EE/10804/83-84, dated 29th June 1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV, Bombay. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 12-2-1985.

FORM ITNS----

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manharlal Manilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG IV, BOMBAY.

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10802/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Elat No. 4, B-Wing, Ground floor, Bldg. No. 21, Zalavad Jai nCo-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 29th June, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c⁴ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) .by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, B-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Sl. No AR IV/37FF/10802/83-84 dated 29th June 1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely: -

83---506GT/84

Date: 12-2-1985.

(1) M s. Saial Enterprises.

- --_ -(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Uttamchand H. Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY.

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37FF 10795/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17, -Wing. 4th floor, Bldg. No. 19, Zelavad Jai a Co-op. Hsg. Setv. Ltd., Ashok Chaktavarty Road, Kandivh (E), Bombay 101 situated at Kandivhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vait instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

toy racilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-transfer, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, A-wing, Bldg, No. 19, Zalavad Jain Coop, Hsg. Sety, 1 td. Ashok Chakravarty Ed Kandivli (E), Bombay-10!.

The agreement has been registered with the Competent Anthority. Bombay v de. Sl. No. AR IV/37EF/10795/83-84 dated 29th June 1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV. Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is no of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, of the following persons in mely

Date :12-2-1985. : 1ر ۱۰

- (1) M/s. Saral Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Rameshchandra V. Kothari,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANG-IV, вомвач.

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/10800/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Hat No. 13, A-Wing, 3rd floor Bldg, No. 19,
Alavad Jaam Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chkravarty Road,
Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 29th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
officen per cent of such apparent consideration and that the afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between-the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) tacilitating the concealment of any income or any taoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, A-Wing, Bldg No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd. Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10800/83-84 dated 29th June 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqu. Range-IV, Bombay.

Date .12-2-1985.

FORM ITNS

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Shah and Smt. Jyoti S. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ret. No. AR-IV/37EE/10689/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Flat No. 19, 3rd floor, Bldg No 14 Zalavad Jain Co-op Hsg Soyciety Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen per cent of such apparant consideration and that the consideration for each consideration is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 3rd floor, Wing, Building No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (1), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10689/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

- (1) M/s. SARAL ENTERPRISES.
- (2) Shri Arvind Pranlal Shah.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961\((43 OF 1961)\)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10055/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Hat No. 11, A-Wing, 2nd Boor, Bldg. No. 19 Zajavad Jain Co-op, Hsg Society Itd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 4th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent authority Bothbay on 4th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, A-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10055/83-84 dated 4th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Kumar Amitchand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-JV/37EE/10056/84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Hat No. 14, B-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 19, Zalavad Jain Co-op. Hsg Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 4th June, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, B-Wing, Bldg. No. 19 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37FE/10056/83-84 dated 4th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:

Date : 12-2-1985

FORM ITNS ----

(1) M.S. SARAL ENTERPRISES

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendia Ramniklal Shah.

(Traisferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10198/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 1, A-Wing, ground floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandiyl
(E), Bombay 101 situated at Kandiyli,
(and more rully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
action 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Computert Authority Rombay on 11th Line, 1984 the Competent Authority Bombay on 11th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfer. and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersous, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHI, DULE

Flat No. 1, ground floor A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kanduli (L), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EF/10198/83-84 dated 11th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

Seal .

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Amritlal Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/10197/84-85,---Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6, C-Wing. 1st floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 11th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 6, 1st floor, C-Wing, Bldg, No. 21, Zalavad Jam Co-op Hsg Society Ltd., Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10197/83-84 dated 11th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

Scal

A COLUMN TO THE RESIDENCE OF THE PARTY OF TH

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Shri Bhanuraj T. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/10730/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 3, ground floor, Bldg. No. 14 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(E) Rombay 101 situated at Kandivli

(E). Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atom-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—
84-506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a periou of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Bldg. No. 14, Zalavad Juin Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10730/84-85 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

Seal ;

FORM ITNS----

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

(2) Shii Pankaj Himatlal Bagadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th Fobiuary 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10656/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 23 Zalovad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd.. Ashok Chakravarty Road Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(E), Bombay 101 situated in Randivii, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imm. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, B-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd.. Ashok Chakravarty Road, Kandivlt (E), Bombay-101.

The agreement has been radi tend with the Competent Authority, Bon.bay vide serial No. AR-IV/37EE/10656/84-85 dated 20th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date + J2-2 1985

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Veenaben C. Kothari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37I-E/10673/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 10, A-Wing 2nd floor, Bldg. No. 21 Zelavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivh (E), Bombay 101 situated at Kandivh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pansfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, A-Wing Bldg, No. 21 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10673/84-85 dated 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 12-2-1985

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) (1) Shah Dhirajlel Raichand and (2) Sarla D. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10655/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 12, B-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 23, Zafavad Jain
Co-op. Hsg. Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road. Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority Bombay on 26th June, 1984
for an appropriate consideration which is less than the followed.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12, 2nd floor. B-Wing, Bldg No. 23, Zalayad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandiyli (E), Bombay-101,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10655/84-85 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sunil Bağalal Vora,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10729/84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

and bearing
Flut No. 2 ground floor, Bldg. No. 14 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road. Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said minion able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, ground floor, Bldg, No. 14, Zalavad Jain Co-op, Hsg, Society Ltd., Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10729/84-85 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12 2-1985

Seal

M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharatiben Ramesh Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10807/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1. B-Wing, ground floor, Bldg. No. 19 Zalavad Jam Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 ground floor, B-Wing, Bldg, No. 19 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-JV/37EE/10807/84-85 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Ramesh Mansukhlal Shah and (2) Mrs. K. R. Shah.

('Inansterce')
(Transferce')

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10685/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 1st floor, Bldg. No. 14 at Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road. Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli,

(E), Bombay 101 situated at Kandivi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 26th June, 1984 for an annual consideration which is less than the fair

the Competent Authority, Bombay on 26th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in he said insrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor. Wiing Bldg. No. 14, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chaktavarty Road, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EF/10685/84-85 dated 26th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Rohitkumar Manilal Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay the 12th February 1985

Ref No AR-IV/37Γ1/11069, 84 85 --- Whertas, I, LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

and bearing
Flat No. 11, A-Wing, 3rd floor, Bldg No 23, at Zalavad Lain
Co-op Hsg Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(1-), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the office of
the Competent Authority Bombay on 26th June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforestid property and I have represent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer signeed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 11, 3rd floor, A-Wing, Bldg, No. 23, Zalavad Jain Co-op Hsg. Socity, Ltd Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37FE/11069, 84-85 date 26th June, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:-

Date 12-2-1985 Seal :

(1) SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shah Popatlal, Shri Dungarshibhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11072/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Flat No. 5, A-Wing, 1st floor, Bldg. No. 23 Zadavad Jain Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument for transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nemons mamely:--85--506GI/84

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Socity, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11072/83-84 date 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

(2) Shri Jitendrakumar C. Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11070/84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding ks. 25,000/and bearing No.
Hat No. 7, A-Wing, 2nd floor, Bldg. No. 23 Zalavad Jain
Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravatty Road, Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Comparent Authority Rombay on 26th June, 1984 the Competent Authority Bombay on 26th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Ho. 7, 2nd floor, A-Wing, Bldg. 23 Zalayad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11070/83-84 date 26th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, is pursuance of Section 269°C of the said Act, I be veby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ramesh M. Shah and (2) Smt. Kundan R. Shah,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10827/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 7 1st 'floor, Bldg. No. 14 Zalavad Join
Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any, income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7 1st floor, Wing, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society, Ltd. Ashok Chakravarty Road. Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10827/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna P. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10828/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Flat No. 16, B-Wing, 3rd floor, Bldg No. 23 Zalavad Jain Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, B-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10828/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10803/84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, A-Wing, ground floor, Bldg. No. 23 7alavad Jain Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

(2) Shri Dipti Jitendra Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever perio dexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 ground floor, A-Wing, Bldg. No. 23 Zalavad Jain Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). Bombay 101 situated at Kandivli

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10803/83-84 dated 29th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM LT.N.S .---

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arvind Kumar Rasiklal Chokai,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ref .No. AR-IV/37EE/10682/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 3, A-Wing ground floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, A-Wing Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandiyli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10682/83-84 dated 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sunil Tejpal Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. AR-IV/37EE/10669/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 5, ground floor, Bldg. No. 14 Zalavad Jain
Co-op Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(E). Bombay 101 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

. Tanafer with the object of :-

(u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, ground floor, Wing, Bldg. No. 14 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10669/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) SARAL ENTERPRISES,

(Transferor)

(2) Shri Vipul Rasiklal Dhruv.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/10692/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Flat No. 16 Third floor, Bldg No. 14 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Socity, Ltd. Ashok Chakravarty Road, Kandivli

(E), Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Kandivli

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferes to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Third floor, Wing Bldg, No. 14 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serual No. AR-IV/37EE/10692/83-84 dated 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

Shri Kantilal R. K. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shah Girish Kumar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10690/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 5, B-Wing, 1st floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority Bombay on 29th June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excrees the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, affall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, B-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op, Hsg. Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Connectent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10690/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 86--506GI/84

Date: 12-2-1984

(1) M/s. SARAL ENTERPRISES.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Rajnikant Parsotamdas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10699/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 15, C-Wing, 3rd floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain
Co-op. Hsg. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli
(E), Bombay 101 situated at Kandivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority Bombay on 27th June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, C-Wing, Bldg. No. Zalavad Join Co-op. Hsg. Society, Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Comretent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10699/83-84 dated 27th June, 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1984

(1) M/s. Saral Enterprises.

(2) Smt. Chandraben, R. Shah.

- (Transferor)
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Ref. No. ARIV/37EE/10697/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. ARIV/37EE/10697/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, A-Wing, 1st floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kand.vli ((E), Bombay 101 situated at Kand.vli (and more fully described in the Schedule annexed hereto'), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27th June, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ist floor, A-Wing, Bldg No. 21, Zalavad Jain Co-op, Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravartv Rd., Kandivli (E) Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay serial No. ARIV/37-EE/10697/83-84 dt. 27th June, 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Manoi Jayantilal Shah.

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Ref. No. ARIV/37EE/10694/84-85.—Whereas. I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 4, A-Wing, ground floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27th June, 84 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore here said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4. ground floor, A-Wing, Bldg No. 21 at Zalavad Jain Co-op, Hsg. Sety, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10694/83-84 dt. 27th June, 84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions, namely :---

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rasila Avrind Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

WHICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 4 CMMISSIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Rcf. No. ARIV/37EE/10693/34-85.--Whereas, I,

I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 5, C-Wing, 1st floor, Bldg. No. 21 Zalavad Jain

Co op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been (ransferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority Bombay on 27th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tack Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, C-Wing, Bldg. No. 21, Zalavad Jain Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ashok Chakravarty Rd., Kandivli (E). Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. AR-IV/37-EE/10693/84-85 dt. 27th June, 84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 12-2-1985 Seal :

(1) M/s. Saral Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anil Keshavlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Ref. No. ARIV/37EE/10671/84-85.—Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, C-Wing, ground floor, Bldg. No. 21 Zalavad Iain Go-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandyli (E), Bombay-101 situated at Kandiyli

(E), Bombay-101 situated at Kandivli Co-op. Hsg. Sety Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kand vli (E), Bombay 101 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 27th June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, C-Wing, Bldg. No. 21 Zalavad Jain Co-op. Hsg, Scty, Ltd. Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10671/84-85 dt. 27th June, 84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Dated: 12-2-1985

(1) M/s, Rajlaxmi Construction Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. C. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984 .

Ref. No. ARIV/37-EE/10402/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 4, ground floor, Nelkanth, S. V. Road, Kandivili

(W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority Bombay on 20-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif'een percent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explination:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; RMG/Or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Neelkanth, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10402/83-84 dt. 20-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Chimandas H. Khilnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Swati Engineering Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Ref. No. ARIV/37-EE/10667/83-84.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Industrial Unit No. D-41, 1st floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (E), Bombay-101, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D-41, Ist floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EF/10667/83-84 dt. 27-6-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. D. N. Chouguie.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. A. Raje,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10769/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, Anand Apartments, 40-41, Ashok Nagar, X-Road, Ashok Anand Co. op. Hsg. Sety Ltd, Kandivli, Bombay-101. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 29-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by make than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, μ hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—87—506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Anand Apartments, 40-41, Ashok Nagar, X-Rd., Ashok Anand Co-op, Housing Setv. Ltd., Kandivli, Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authirity, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10769/83-84 dt. 29-6-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date : 12-2-1985

Soal

(1) M/s. Pradeep Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh. M. Kantharia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10350/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Ground floor, Vikas Nagar, Opp. Dhanukar

Wadi, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Vikas Nagar, opp. Dhanukar-Wadl, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/20308/83-84 dt. 16-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

Scal .

(1) M/s. Bonaza Industrial Estate P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Master Garments.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-77/10416/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 22, 2nd floor, C-Wing, Bonaza Indl. Estate Pvt. Ltd. plot No. 12-B, Ashok Chakravathi Rd, Kandivli (E),

Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 22-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, 2nd floor, C-Wing, Bonaza Indl. Estate Pvt. Ltd., plot No. 12, B, Ashok Chakravathi Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10414/83-84 dt. 22-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

Date: 12-2-1985

Seal ·

FORM ITNS----

1(1) M/s. Tillok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. G. Modi & Smt. B. G. Modi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10528/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6, ground floor, Satyam, S. V. Road, Kandivli (W) Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, ground floor, Satyam, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been regitered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10528/83-84 dt. 23-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 12-2-1985

(1) M/s, Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. J. Vasu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTRION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10517/83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have acason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, ground floor, Shivam Bidg, S. V. Road, Kandivli

(W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incorne-tax Act, 1961, in the office of the Competer. Authorities, 1984.

Bombay on June, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen our cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, ground floor, Shivam, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10517/83-84 dt. 6-84. 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1(2) ShnC. P. Shab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10507/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 27, 2nd floor, Shivam, S. V. Road, Kandivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 27, 2nd floor, Shivam, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10507/83-84 dt. 8-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Seal:

Date: 12-2-1985

Objections, if any, to the aquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) M/s. G. K. Develop, Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Padtare & S. N. Fadtare.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10280/33-84.-Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 6, ground floor, Mahavin Darshan, G. K. Nagar Bldg. No. 3, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Mahavir Darshan, G. K. Nagar Bldg. No. 3, Shankar Lane, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, vide serial No. ARIV/37EE/10280/83-84 dt. 15-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 12-2-1985

Form No. I.T.N.S.

(1) Shri Ahmedali I. Merchant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. A. Parwal, W/o Arun Perwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10013/33-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Flat No. 406, 4th floor, Sai Chhaya, Akurli Road, Kandivli

(E), Bombay-101. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat NoJ. 406, 4th floor, Sai Chhaya Akruli Road, Kandivli (W), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10013/83-84 dt. 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Aange-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) Usha V. Chandarana & K Chandarana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh B. Palan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10211/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. A-301, 3rd floor, Raj Kishore Bldg, situated at Kaan-divli village, Maurlin St., M. G. Rd., Kandivli (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that in consideration for such transfer as agreed to between the barnes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-301, 3rd floor, Rai Kishore Bidg. Kandivli village, Maurin St. M. G. Road, Kandivli (W), Bombay 67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10211/83-84 dt 11-6-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 88---506GT/84

Dated: 12-2-1985.

Seal ·

Shri Harkisnansas Laxmidas
 Shri V. Lakhmidas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ushaben Vijaysinh, Vinod Premji Tanna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THI: INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. ARIV/37-EE/10429/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair maket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Ramkripa, Devji Bhimji I ane, ISL X-Road, Mathurdas Rd, Kandivli, Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competen Authority at Bombay on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ramkripa, Devji Bhimji Lane, ISL X-Road, Mathurdas Rd, Kandivli, Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10429/83-84 dt. 20-6-1984

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV
Bombay.

LAXMAN DAS

Date: 12-2-1985

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Mr. Rajender P Rohra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Benedict L. Mathias.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10088/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Flat No. 23, 2nd floor, Dahanukar wadi, Mahalaxmi Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Plot No. 1, Chacbad Estate, Kandivi (W), Bombay-67.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 5-6-1984

Bombay on 5-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value ci the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fineen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 23, 3rd floor, Mahalaxmi Co. op. Hsg. S. Ltd. plot No. 2, Chachad Estate, Dahanukarwadi, Kandiyli (W). Bombay-67.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10088/83-84 dt. 5-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV.
> Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons namely :---

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Bonaza Industrial Estate P. Ltd.,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Master Garments

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 12th February 1985

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. ARIV/37-EE/10415/83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Gala No.20, 2nd floor C-Wing in Bonaza Indl. Fstate, Pvt. Ltd. Plot No. 12-B, Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E),

Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereign has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; OT DATE
- (b) facilitating the concealment of any income or apmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 20, 2nd floor, C-Wing, Bonaza Indl. Estate Pvt. Ltd., plot No. 12-B, Ashok Chakravarti Rd., Kandivli (E). Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10415/83-84 dt. 22-6-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fe lowing persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Bharat, R. Shukla.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10105/83-84.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 5, ground floor, Satyam, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, ground floor, Satyam, S. V. Road, Kandivli (W)

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EF/10105/83-84 dt. 6-6-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. United Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sati K. Bhatia & Mr. K. K. Bhatia.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10617/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor, Shrijee Darshan, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Shrijee Darshan, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10617/83-48 dt. 26-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income trany Acquisition Range-iV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Yashodhan Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Hanskumar V. Ashar & Shii J. H. Ashar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/10641/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Shop No. 1, ground floor, Chintamani Sardar Vallabhbhai
Patel Road, Off Shenkar Lane, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1. ground floor. Chintamani at Sardar Ballabhbhai Patel Road, Off Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10641/83-84 dated 26-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-2-1985

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Pragi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Kanpur, the 12th January 1985

Ref. No. AR. IV/37-FE/10579/83-84.-Whereas, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1319, Hemu Kalani Cross Road, No. 3, Kandivli (W),

Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Dattani Gram, Bldg. No. 2, Hemu Kalani Cross Road, No. 3, Kandivli (W), Bombay-67

The agreement has been regstered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10579/ 83-84 dated 25-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Rajaram B. Kanere.

(Transferor)

(2) K. G. Punjabi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay(hte 12th February 1985

Ref. No. AR. 1V/37-EE/10535/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 16, ground floor, Neelambhuj Bldg. Kamal Harmozal C.H.I. Sty. Shaukar Lane, Kandivli, (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sivet in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-89-506G1/85

THE SCHEDULE

Shop No. 16, ground floor, Neelambhuj Bldg., Kamal Apartments, Harmozal C.H. Scty. 1.td. Shankar Lane, Kandivli, Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, IV/37-EE/10535/83-84 dated 23-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri K. S. Doshi. (2) Shii D. S. Doshi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1V. BOMBAY

Kanpur, the 12th January 1985

Ref. No. AR. IV/37-EE/10184/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 104, 1st floor, Kajuria Nagar, Bldg. No. A-2, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-6-1984 been transferred under the Registration Act 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the . publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Kajuria Nagar, Bldg. No Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10184/83-84 dt. 11-6-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri D. S. Sheth. 2. Shri K. R. Soni.

3. Shri Anilkumar Bhatt.

(Transferor)

(2) 1. Shii R. K. Jain. 2 Smt. P. K. Jain,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay(hie 12th February 1985

Ref. No. AR IV/37-FE/30313/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 1, ground floor, Kumkum Apartment, Tribhuyan

snop No. 1, ground neof, Kumkum Apailment, Tribhilvan Teriace Compound, Fundivil (W), Bernbay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the egucament is registered union section 269AT of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 16 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fur market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indua Income and Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a poried of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 ground floor, Kumkum Apartment, Tribhuvan Terrace Compound, Kandivh (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Fornbry vide send No. AR. 1V/37-FF/10313/85-84 dt. 16-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namly: -

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Manku Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. A. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay (htc 12th February 1985

Ref. No. AR. IV/37-LE/10267/83-84.—Whereas 1, L.XMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101, 1st floor, Gyan Kutir, S.V.P. Road, Kandivki

(W). Bombay-67.

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferered and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Gyan Kutir, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10267/83-84 dt. 15-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Manku Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri R. B. Sanghvi & 2. Shri N. B. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay(htc 12th February 1985

No. AR IV/37-FF/10266/83-84.—Whereas

Ref. No. AR IV/37-FF/10266/83-84.—Whereas J, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 104. 1st floor, Gyan Kutn, S.V.P. Road, Kandivli (W). Bombay-67

(W), Bombay-€7,

(W), Bombay-t/.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tron ferenced and the agreement is registered under section 269 AE of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sant execution of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any meome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Gyan Kuir, 1st floor, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10266/83-84 dt. 15 6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shii D. S. Paimar.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay(hte 12th February 1985

Ref No AR. 1\(\frac{1}{37}\)-EE/10046/83-84.—Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 16. 1st floor, Shivam Bldg. S.V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererred and the agreement is registered under action 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority office of the Competent Authority, Bombay on ? (-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the cloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Rombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10046/83-84 Dt. 2-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ths, namely :--

Date: 12-2-1985

S • 4 :

FORM I.T.N.S. ----

(1) M/s. Radaxmi Construction Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu M. J. Muni & Smt. M. M. Muni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. IV/37-1-E/10063/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No 26, 2nd floor, Shiyam Bldg., S.V. Road,
Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67,
and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transference and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 26, 2nd floor, Shivam Bldg., S.V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10063/83-84 dt. 4-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Uemilaben J. Khetani, & Shri H. J. Khetani,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

AR. IV/37-EE/10354/83-84.—Whereas I, No.

Ref. No. AK. 1V/3/-EE/10334/03-04.—whereas 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 14, 1st floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been rannsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 1st floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10354/83-84 dt 18-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

namely :-

Date: 12-2-1985

FORM TINS-

(1) M/s. Rajlazmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. A. Madhyani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

Ref. No. AR. IV/37-FF/10458/83-84.—Wherens I, 1 AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. Haat No. 15, Shivm, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

Plant No. 15, Shivm, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferered and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 23-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-haid exceeds the apparent consideration therefor by more rean fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
90—506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 1st floor, Shivam, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-FI²/10458/83-84 dt. 23-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Date 12-2-1985

(1) M/s. Dattani Construction.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Bagelu Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1984

AR. 1V/37 FF/10502/83-84.—Whereas I, No.

I XMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable in the immovable immovable is a second of the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

shop No. 5, ground floor, Dattani Park, C.T S. No. 794 at Western Express Highway, Kandivli (F), Bombny-101.

situated at Kandivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under thou 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any frame's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth fact. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Dattani Park, Plot bearing C.T.S. No. 794 at Western Express Highway, Kandivli (F), Bombay-101.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR. IV/37-FF/10502/83-84 dt. 9-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE

(1) Tribhuvandas H. Kotecha.

(Transferor)

(2) V. N. Shah & N. M. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, IV/27-LE/10141/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-1, ground floot, Raj Kishore Bldg, C.T.S. No. 1065, Maurin St., M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. Bombay on 8 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YPLANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Á-I, ground floor, Rajkishore Bldg, C.T.S. No. 1065, Maurin St., M.C. Road, Kundiyli (W), Bombay-67

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10141/83-84 dt. 8-6-1984.

TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

12 2-1985 $D_{\ell'}\alpha$ Seal :

(1) M/s. Bhavana Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Manoi G. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, вомвлу

Bombay, the 12th February 1985

No. AR. IV/3/-LE/10809/83-84.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have rea on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

shop No. 17, Dattatraya Apartment, M.G. Road, Dhanukar Wadi, Kandivli (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 17, ground floor S. No. 80, Hissa No. 7 & 4 (pt) Dattatraya Apartment, M.G. Road, Dhanukar Wadi, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10809/83-84 dt. 29-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

AR. IV/37-EE/10234/83-84.—Whereas I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. D 16, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Behind Miranda Tools Ltd. Kandivli (E), Bombay situated at kandivli (L)

situated at Kandivli (L)

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Bharti R. Jethani.

(Transferor)

(2) 1. Mr. D. S. Malkar, 2. Mr. D. D. Malkar, 3. Master R. D. Malkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-16. Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Behind Miranda Tools 1td Kandivli (F), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrint No. AR. IV/37-11/10234/83-84 dt. 15-6 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date : 12-2-1985

Scal .

(1) Mrs. Manjula B. Sanghavi .

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Champion Die Works.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, IV/37-FE/10248/83 34—Wi ereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gaie No. 205, 2nd floor, S No 74, H No. 7 & 8, M G Ro.d, Kandivli (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gale No. 205, 2nd floor, S. No. 74, H. No. 7 & E. M.G. Road, Kandivli (W), Fombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR IV/37-1-1/102-x/83-84 dt 15 6-1984.

I AXM NO DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Rance-IV & ml.)

Date 12-2-1935

Scal

FORM ITNS-----

(1) Smt. Prophavati N. Sanghavi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J. V. Shukla,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ΔR . 1V/37- $\Gamma \Gamma/10533/83$ -84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Uday Apartment Bldg, plot bearing No. 37 of Sanghavi Pvt. Scheme S. No. 85 (pt) and Survey No. 86, Hissa No. 1, & 2, (pt)) poisar, Kamla Nehru Cross Road, No. 2, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealmont of any income or any of the transferor to pay tax under the said Action respect of any income arising from the transfer, and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Uday Apartment Bldg, plot bearing No. 37 of Sanghavi Pvt. Scheme S. No. 85 (pt) and Survey No. 86, Hissa No. 1, & 2, (pt)) poisar, Kamla Nehru Cross Road, No. 2, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10533/83-84 dt. 23-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombav

Date: 12-2-1985

FORM 11NS----

(1) Hiran Kolya Mahalio

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/37-G/57|83 84.--Whereas, J, IAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersible property beginning for the competence of the compet movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S No 71, Hissa No 12, Fksar, situated at Village

Borivle

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the induction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Borivli Linking View Coop. Hsg. Sety Ltd. (Transferce)

(3) Shared B. Phadke & Others (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date f publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1636/ 81 and registered with the sub-registrar Bombay on 30-6-84

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Western India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nizaralı Noorji Raje Dooka

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Rombay, the 12th February 1985

Ref. No. $\Delta R IV/37$ -EF 10124|33-84 - Wheeras, J. LAYMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 11, 2nd door, 'E' Wing, Gulistan Apartment, S. V. Rond, Dahisai (Fig.), Bombay situated at Dahisai (F) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the wasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the crouse of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, "E" Wing, Gulistan Apartment S. V. Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Auhority, Bombay vide serial No. AR.IV 37-EF/10124/83-84 dt 8-6 1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons namely

91 -506GI/84

Date : 12-2 1960

(1) M/s Western India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Karim Gulamhusain Charania & Ani. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR 1V/37-EE/10149/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under sec 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1
No. Flat No. 1, Ground floor, "D" Wing, Gulistan Apartment No. 1, Ground floor, "D" Wing, Gulistan Apartment No. 1, Brosh No. 1, Bossbay, signated at

No. Flat No. 1, Ground fl.o., "D" Wing, Gulistan Apartment, S. V. Road, Dahisai (Fast), Bombay situated at Dahisai (Γ)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-6 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground flotior, "D" Wing, Gulistan Apartment, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.IV/37-EE/10149|83-84 dt. 8-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Western India Builders

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sultanali Mohamed Maredia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARF.IV/37-EE/10311/83 84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabl property having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing No.
No. Flat No. 15, 3rd Floor, 'D' Wing, Gulistan Apartment,
S. V. Road, Dahisar (East), Bombay situated at Dahisar(E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. Flat No. 15, 3rd floor, 'D' Wing, Gulistan Apartment, S. V. Road, Dahisai (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR IV/37-EE/II0311|83-84 dt 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Western India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sakmabar Abdul Maredia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/37-EE/10308|83-84 — Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 12 'D' Wing, Gulistan Apartment, Plot Boaring CTS No 1053/1 to 7, SV. Road, Dahisar (E1st), Bombay situated at Dahisar (E1st), and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regifted under

has been transferred and the agreement is regite ed under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

APLANATION: - The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No Flat No 12 'D' Wing, Gulistan Apartment, Plot Boaring CTS No 1053/1 to 7. S V Bombay situated at Dahisai (E) SV Road Dahisar (East),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARTV 37-EE 10308 83-84 dt. 16-6-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s Western India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jenaben Habib Maredia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. $\Delta R.1V/37$ -FE/10309[83-84.—-Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 9, 2nd floor, 'D' Wing, Gulistan Apartment, Plot bearing CTS No. 1053, 1 to 7, S. V. Road, Dahisar(E), Romboy (ignored at Dahison (E))

Bombay situated at Dahisar (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 196I in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, 'D' Wing, Gulistan Apartment, Plot bearing CTS No. 1053/1 to 7, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARAV/37-FE/10309/83-84 dt. 16-6-1984.

l.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Western India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaukatalı Mohamed Marcdia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY.

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR IV/37-EE/10310₁83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 14. 3rd floor, Gulistan Apartment Plot bearing CTS No. 1053, 1 to 7, 8. V. Road, Dahisai (L), Bombay situated at Dahisai (E) cand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferented and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

office of the Competent Authority,

Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Gulistan Apartment, Plot bearing CTS No. 1053/1 to 7, S. V. Road, Dasisar (East), Bombaay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. AR IV/37-EE/10310/83-84 dt. 16-6-1984.

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-lV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 12-2-1985.

(1) Mukund Govind Mhatre

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amit Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor & Ors. (Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. AR.IV/37-EE, 10663|83-84| -- Whereas, f, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No. Land situated at Dahisar (West), Eksar Village, Bearing Survey No. 128(P) Hissa No. 12 & Survey No. 127(P), (CTS No. 551(P) & 545(P) situated at Dahisar (West)

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

C.T.S. No. 551(P) & 535(P) situated at Dahisai (West),

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land situated at Dahisar (West) Eksar Village, bearing survey No. 12 8(P), Hissa No. 12 & Survey No. 127(P), C.T.S. No. 551(P) and 535(P) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10663/83-84 dt. 27-6-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-IV,
BOMBAY.

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/10395¹83-84.---Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Shop No. 16, Modi Apartments, L.T. Road, Dahlsar
(West), Bombay-68, siguated at Dahlsar (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Mina Mahendia Kapadia & Mis. Kiri, Bhimji Kapadia.

(Transferor)

(2) Mr. Samiullah Taluk Chodhari Mr. Hakikullah Taluk Chowdhari & Mr. Abdullah, T. Chowdhari,

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, Modi Apartments, L.T. Road, Dahisar (West), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37-EF/10395|83-84 dt 20-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Shi i Kuldipsingh S. Ghabdia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Kumir Tulsidas Gohel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.IV/37-EE/10372|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

(b) by any other person interested in the said immov-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. Shop No. 10, Ground floor, Building 'B', 'Misquitta Nagar', Chatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68, situate dat Dahisar (East)

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. ra respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No 10, Ground floor, Building No. 'B', 'Misquitta Nagar', Chatrapati Shiyaji Rond, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10372/83-84 dt. 18-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-92-506 GI/84

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.IV/37-EE/11064|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 5, Ground floor, Save Nagar Co-operative Housing Society Ltd., C. S. Road, Dahisar (Fast), Bombay-68 cituated at Dahisar (Fast)

68 situated at Dahisar (East)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramkotayya Laxmaya Moro

(Transferor)

(2) Shrı Rathod Shantilal Narsihbhai

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Save Nagar Co-operative Housing Society Ltd., C. S. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37-EE/11064|83-84 dt, 29-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1985

Seal.

(1) Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Bhadrik Himmatlal Shah,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10364/83-84,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. A1-A2/1, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar (East), Bombay situated at Dahisar (E)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said proporty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. A-1-A-2/1, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with Competent Authority, Bombay vide Scriel No. ARIV/37EE/10364/83-84 dt. 18-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 12-2-1985.

Seai :

(1) Space Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nanalal Kishanlalji Joshi & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10363/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. A3-A4/11, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar

(East). Bombay situated at Dahisar (E)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A3-A4/11, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10363/83-84 dt. 18-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985.

(1) Shri Dinanath Ganapat Sawant.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2- Mrs. Saraswati H. Dandia & Shri Harkishan H. Dandia.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. 11o. ARIV/37EE/10027/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 1, Ground floor, "Samir Apartment". Dahisar (East), Bombay68 situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, "Samir Apartment". Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10027/83-84 dt. 2-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10068/83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Shop No. 4, Ground floor, Bldg. Nirmala Niketan, Maratha Colony Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s. Kamal Builders.

(Transferor)

(2) Dr. Chintamani Vishnu Lele.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Bldg. Nirmala Niketan. Maratha Colony Road, Dahlsar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. AR. IV/37EE/10068/83dt, 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date . 12-2-1985. Scal

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamal Builders.

(Transferor)

(2) Shri Vrejlal Bhagwan Ghudasama,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10529/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 0000 (4 and bearing No.

Rs. 25,0000/- and bearing No. Flat No. 12, 4th floor, Bldg. Nirmala Niketan, Maratha Colony Road, Dahrar (East), Bombay-400 068, situated at Dahlsar (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-hald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 4th floor, Bldg. Nirmala Niketan. Maratha Colony Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Rombay vide Serial No. AR IV/37EE/10529/83-84 dt. 23-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri A. F. Munim,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10024/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 10, 3rd floor, Silverine, Plot No. 14, S. No. 110(P), C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W). Bombay-103 situated at Borivli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Silverine, Plot No. 14, S. No. 110(P). C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivali (West). Bombay-103. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10024/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiation Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985.

Scal ;

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s, B, R, Enterprises,

(Transferor)

(2) Mrs. Juliana Alphonsus Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/3711./10025/83-84.—Whereas, I, XMAN DAS.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Hat No. 8, 2nd floor, Silverine, S. No. 110, Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivali (W), Bombay-103 situated at Borivii (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been manufectured and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the molessal property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresand exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parta. The with the object of the said instrument of transfer.

- (a) facili failing the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to of any income arising from the transfer; and/or the transfer;
- (b) facilitation; the concentration of any income or any moneys (or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 194.7 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely (2009) 100 persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Silverine, S. No. 110, Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivali (West), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR IV/37EE/10025/83-84 dt. 1-6-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-2-1985

Sea

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. V. S. Saldhana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10023/83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4, 1st floor, Silverine, Plot No. 14, S. No. 110(P), Village Eksat, Borivalt (W), Bombay-103,

situated at Bouvli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Silverine, Plot No. 14, S. No. 110 (P), C.T.S. No 1128, Village Eksar, Borivali (West), Bombay-103,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIV/37EE/10023/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 12-2-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No ARIV/37EF/10539/83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing Flat No 301, 3rd floor 'C' Bldg Gagangiri Nagar, Eksar Road, Bonvli (West) Bombay-92 situated at Bonvli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any measure arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

- (1) Gagangiri Development Corporation.
- (2) Shii Madhukar Sadashiv Temgiie

(Transferor)

. . . .

(Transferce)

(3) Fransleiors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 3rd floor, 'C' Bldg, Gagangiii Nagar, Eksar Road Borryli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No ARIV/37EE/10539/83 84 dt 1-6-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
Bombas

Date 12 2-1985

Sea .

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EF/10623/83-84.--Whereas, I.

I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 10. 2nd floor, Bldg. No. 1, Proposed Bldg, at Survey No. 32, Hissa No. 1, "Sunita Park", Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bmbay 92, situated at Borvli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferenced and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection -(1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s. New India Builders.

(Fransferor)

(2) Shri Charles Dantis.

(Transfered)

(3) Transferors and their tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 1, Proposed Bldg. at Survey No. 32, Hissa No. 1, "Sunita Park" Chandwarkar Lane, Houvii (West), Pombay-92

The agreement has been registered with the Common Archonity Bombay vide Serial No. ARIV 37FF (10623/83-84) in 144-1984 dt 1-t-1984.

> LAXMAN DY Competent Anthor to Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV Bombay

Date : 12-2-1985

(1) M/s. Mankoo Builders and Contractors.

(2) Mrs. Nita Ashok Dighe.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferois,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

©FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10136/83-84,--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-301, 3rd floor. Bldg. Under Construction, C.T.S. No. 471 & 473, Village Khaneri, Final Plot No. 79A & 79B, 79B, T.P.S. II. Borivli (E). Bombay situated at Borivli (Fast) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here bear transferred and the necessary in accordance to the construction. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /er

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

t xP(ANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-301, 3rd floor, Bldg. Under Construction, C.T.S. No. 471 & 473 Village Khaneri, Final Plot No. 79A & 79B, I.P.S. II. Borivli (Fast), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10136/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10341/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shop No. 7, Ground floor, Jai Santoshimaa Co-op. Hsg. Society Ltd., L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate Proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :---

- (1) 1. Shri Shiyaram Shankar Gupta &
 - 2. Shri Lalbachan Baldev Gupta &
 - 3. Shri Ram Shankar Banwari Gupta.

(Transfero,)

(2) Shri Palan Jagshi Bauva & Smt. Hastiben L. Dedhia.

(Transferce)

(3) Jai Santoshi Man Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor Jai Santoshi maa Co-op. H3g. Society Itd., L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Scrial No. ARIV/37EE/10341/83-84 di. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985

Seal 4

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Homi Rustom Irani,

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BOMBAY Bombay, the 12th February 1985

Ret. No. ARIV/37EE/10661/83-84,-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosphere property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and beating Flat No. 95. 4th floor, Bldg. No. 8/9/10, Rattan Nagar Scheme at S. V. Road, Near Premji Nagar & Danlat Nina Bouvil (E) Bombay-66 situated at Borivil (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomeay on 1-6-1984 Bomoay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /ar

THE SCHEDULE

Flat No 95, 4th floor, Bldg. No. 8/9/10 of the Rattan Nagar Scheine at S. V. Road, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/10661/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985.

FORM ITNE

(1) Ganesh Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Gopal Pednekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/27FE/11299/83-84.--Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Flat No. 104, A-Wing, 1st floor, 'Neelgiri' Bldg, C.F.S. No. 2230, S. No. 209, Hissa No. 4, Eksar Village, Borivli (W),

Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE,

Flat No. 104, A-Wing, 1st floor, 'Neelgiri' Bldg., C.T.S. No. 2230, S. No. 209, Hissa No. 4, Eksar Village Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/11299/83-84 dt. 1-6-1984,

LAMA NDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
Bombay

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1935

Ref. No. AR.IV/37EE/10726/83-84.--Whereas. 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Shop No. 9 Star Galaxy Apartment, L. F. Rond, Borivh (W), Bombay 92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-94---506 GI/94

(1) Star Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant M. Ajmera & Mrs. Varsha Mahendra Ved.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give? in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9. Star Galaxy Apartment, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Rombay vide Serial No. ARIV/37EE/10726/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

. Seal:

(1) Shri Thakur Prasad Singh.

(Transferor)

(2) J. K. Jain & Sons.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10464/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 48, Mangal Kuni, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1962 in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 48, Mangal Kunj, S. V. Road. Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10464/83-84 dt. 1 6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985.

(1) Roshan Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Prafulla Bharat Shah & Shri Bharat A. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10735/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
1 lat No. 301, 3rd floor, Roshan Apartment, 'E', Wing, 4th
Kasturba Road, Borrvli, Bombay-66 situated at Borivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 3rd floor, Roshan Apartment, 'E' Wing, 4th Kasturba Road, Borivli, Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10735/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

follow- Date : 12-2-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10727/83-84.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7, Star Galaxy Apartments, L. T. Road Borivli

(West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Star Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Rayshi Bhachu Chheda.

(Transferee)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Star Galaxy Apartments, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37FF/10727/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1985.

FORM I.T.N.S.----

TORM 1,1,14.5.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rel. No. ARIV/37-EE/10102/83-84.—Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No

Ail that pieces of parcels of Agricultural at Western Process Highway Poisar, Borivli, S. No. 22, H. No. 32, S. No. 59, H. No. 2, S. No. 63, H. No. 16, S. No. 58, H. No. 2, Village Poisar, Borivli, Bombay,

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Leslie Fonseca & Ors.

(Transferor)

(2) Satish Jamnadas Dattani.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcels of Agricultural land at Western Express Highway Poisar, Borivli, S. No. 22, H. No. 32, S. No. 59, H. No. 2, S. No. 63, H. No. 16, S. No. 58, H. No. 2, Village Poisar, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/10102/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BUMBAY

Bombay, the 12th February 1985

AR IV/37-LE/10023/83-84.--Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. G-1, Ground floor Anand Apartment, bearing C. T. S. No. 302, Dattapada Road, Borivli (East), Bombay-92.

situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-84

Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Anand Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Triveniben Pushkarray Javi.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Ground floor, Anand Apartment, bearing C.T.S. No. 302, Dattapada Road, Borivli (East), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Hombay vide serial No. AR IV/37-FE/10023/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No ARIV/37-EE/10153/83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 / and bearing Plot No. 17, Shop Plots Nos. 44 and 45, 'Usha Chawl', C.

T.S. No. 2708 Daulat Nagar, 118, G. B. Road, (S. V. Road) Road No. J. Bowli (!) Bomb y-66 situated at Bowli (E)

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent 'athority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Hazarilal Mangaldin Gupta.

(Transferor)

(2) Rasiklal Karamsi Gangar.

(Transferee)

(3) 9 Tenants.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Shop Plots No. 44 and 45, 'Usha Chawl', C.T.S. No. 2708, Daulat Nagar, 118, G. B. Road, (S. V. Road), Road No. 3, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, vide serial No. AR IV/37-EE/10153/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Anand Builders.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pannalal Jawantraj Sharma and 2. Sh. Dineshkumar Danrai Jani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10022/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 5, Ground floor, Anand Apartment, bearing CTS No. 302, Dattapada Road, Borivli (East) Bombay-92.

situated at Borivli (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Anand Apartment, bearing CTS No. 302, Dattapada Road, Borivli (East) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37-EE/10022/83-84 dt. 1-6-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Rajnikant Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Swati Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. ARIV/37-EE/10852/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land at Mauje Eksar Village, Plot No. 281 of T.P.S.-III C.T.S. No. III/I to III/II, Borivli (W), Bombay situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

and or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land at Mauje Ekser Village, Plot No. 281 of T.P.S. III C.T.S. No. III/I to III/II, Borivil (W), Bambay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10852/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons namely: 95-506GI|84

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Roshan Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Premji Muji, Premji Rathod, Rothod & Shri Arvind.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10741/83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 304, 3rd floor, Roshan Apartment, 'E' wing, 4th Kusturba Road, Borivli, Bombay situated at Borivli, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Acz, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo estill property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No. 304, 3rd floor, Roshan Apar-tment, 'E' wing, 4th_Kasturba Road, Borivli, Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10741/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range-IV, Bombay.

Oate: 12-2-1985

(1) M/s. Roshan Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santokben, Kalyanji Sawla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10384/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/and bearing No.

No. Shop No. 1 & Room No. 1, Roshan Apartment, 'E' wing, 4th Kasturba Road, Borivili, Bombay-66

situated at Borivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & Room No. 1, Roshan Apartment, 'E' wing, 4th Kasturba Road, Borivli, Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide setial No. ARIV/37-EE/10384/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 12-2-1985

(1) Nikeeta Unique.

(Transfror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Robert. S. Gonsalve.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bomay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11176/83-84.—Whereas, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.
Flat No. 16, 31d floor, "Stella Maris Apartments", S.
No. 154/1, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-92 situated

at Botivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;.
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, 'Stella Maris Apartments', S. No. 154/I, I.C. Colony, Borivli (West) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Hombay vide scrial No. AR IV/37-EE/11176/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Messrs Aluminous.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)Shri Navratanmal Mutha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10765/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 502, 5th floor, Seeta Mahal, wing-A, Kasturba Cross, Read No. 5, Borivli (East), wing-A, Kasturba Cross Road No. 5, Posivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has buin transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the office or the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which each to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Seeta Mahal, wing-A, Kasturba Cross Road No. 5, Borivli (East), Bombay -56.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10765/83-84 dt. 1-6-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) Shri Khairuddin R. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Anjana Builders.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10638/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3, Ground floor, Church way Bldg., Survey No. 155, Hissa No. 6, S. No. 156, Hissa No. 3, CTS No. 1084, Village Eksar Rd., Taluka Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Churchway Bidg., Survey No. 155, Hissa No. 6, S No. 156, Hissa No. 3, CTS No. 1084, Village Eksar Road, Taluka Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10638/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Parag Construction

(Transferor)

 Shri Natavarlal, Ochhavlal Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10933/83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10, C/o M/s Superior Sanitation, M.G. Road, Char Coal Compound, Near Elora Guest House Borivali (East), Bombay-66 situated at Borivali (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gran in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 10, C/o. M/s. Superior Sanitation, M. G. Road, Char Coal Compound, Near Elora Guest House, Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10933|83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Seal

FORM ITNS----

(1) M/s. K. T. Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod P. Apte.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10276[83-84.—Whereas, I, · LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flat No. 10, Meghalay, L.T. Road, Vazira Naka, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such ar parent consideration and that the consideration for such transfer as optical to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which rught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Meghalay, L.T. Road, Vazira Naka, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR IV/37-EE/10276/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10493|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

Rs 25,000/- and bearing No. Flat No 23, 5th floor, Meghalay, Behind Karmayog Society, Vazua Naka, L. T. Road, Botivli (W), B'bay-92 situated at Borivli (W)

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer wi

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
96—506GI[84]

(1) M/s. K.T. Constructions.

(Transferor)

(2) Savita Ganesh Jog

(Transferee)

(4) United Commercial Bank (Kandiyli Br.)
(Person whom the undersigned know to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 5th floor, Meghalay, Behind Karmayog Society, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37-EE/10493/83-84 dt 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) M/s K, T. Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Archana Suhas, Nene.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/10817|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. Flat No. 9, 2nd floor, Mehgalay, Behind Karmayog, Society, Vagara Naka, L.T. Road, Borryli (West), Bombay-92, situated at Borryli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1, have reason to believe that the fair market value of the property, as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Mehgalay, Behind Karmayog Society, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10817|83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV; Bombay.

Date: 12-2-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10822|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Unit No. B-213, 2nd floor, Mandpeshwar Industrial Premises Co-op. Soc. 1 td., Off. S. V. Patel Road, Borivlt (W) Bombay-92, situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sax. Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Chandu U. Badlani.
- (Transferor)

(2) M/s Patel Gems.

(Transferee)
(3) Transferees & Partnes (1) Shri M. B. Patel (2)
Shri V. A. Patel, (3) R. D. Patel & (4 M. F.
Patel.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No B-213, 2nd floor, Mandpeshwai Industrial Premises Co-op Soc. Ltd., QfI, S. V. Patel Road, Borivali (West). B $\rm mb\,dy\mbox{-}92$

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No. ARIV/37-EE/10822[83-84 dt. 1-6-1984,

I AXMAN DAS Conspetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Dat : 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/o. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Parab.

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

(2) Mr. Suryakant Raghunath Parab & Mrs, Swarupa

ACQUISITION RANGE-1V **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

Ref. No. ARIP/37-EE/10250|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 002, Ground floor, Gokarn Building, T.P. S. III, F. P. No. 631-C, Shimpoli Road, Borivli, Bombay-92. situated at Borivli

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or , which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plat No. 002, Ground floor, Gokarn Building, T. P. S.-HJ, F. P. No. 631-C, Shimpoli Road Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37-EF/10250|83-84 dt. 1-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) M/s, Arun International.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishnakumar Haridas Udeshi & Shri Pradip Haridas Udeshi (Transferee)

(3) Developers,

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/10072|83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. F/3, Ground floor, Sai Baba Dham, Off. S. V. Road, Rorivali (West), Bombay-92, situated at Borivali (W) (and more fuly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor 5v more than fifteen per cent of such apparent consideratios, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No E/3, Ground floor, sai Baba Dham, Off. S.V. Road, Borivali (West), Bombuy-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-FE/10072/83-84 dt. 1-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Param Anand, Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) N. S. Padmanabhan,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10446/83-84-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing

No. Flat No. 54 on the 3rd floor in the Bldg. 8,9,10, in the 'Rattan Nagar' Scheme, at Borivah (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 54, 3rd. floor, in the Bldg. 8,9,10, in the "Rattan Nagar" Scheme, Borili (East), Bombay-66.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10446/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following usons, namely:--

(1) J. M. C. & Meghani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Navendrakumar Prabhudas Munhyasars.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-FE/10327/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 2, Ground floor, Jamuna Darshan, Plot bearing O.T. P.S No. 752. Natakwala Lane, Off Swami Vivekanand Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o I such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2. Ground floor, Jamuna Darshan, Plot bearing O.T.P.S. No. 752, Natakwala Lane, Borivli (West), Bombay-92.

Off. Swami Vivekanand Road.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37-EE/10327/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

(1) Mi. Mohammed Jainuddin Paiker & Mi. Abdulla Jainuddin Paiker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shabbii Mohsmohai Pardiwalla & Mi. Yusuf Mohsinbhai Pardiwalla

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Rcf. No. ARIV/37-EE/10394/83-84.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. 10, Ktupali Bldg., Shiramnagar, S. V. Road,

No. Shop No. 10, Ktupali Bldg., Shiiramnagar, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92, situated at Boiivli (W) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 10, Krupali Bldg, Shritamnagar, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10394/83-The agreement has been registered with the Competent 84 dt. 1-6-1984,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS Competent Authority
*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1) Param Anand Builders (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind J. Sarvaiya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10078/83-84.--Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5. Ground floor, Bldg. A-13, Rattan Nagar,

Borivli (East), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

97-506GI/84

Objections, if eny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable propert within 45 days from the plate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Bldg. A-13, bearing Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Survey No. 228, Hissa No. 3. Survey No. 229, Hissa No. 3 & 5 & C.T.S. Nos. 1860, 1862, 1863, 1865, 1866, 1869 & 1870, Rattan Nagar, Borivli (East) Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR IV/37-FE/10078/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

Soal:

(1) M/s Shah Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Hemabhai Parmar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10522/83-84.--Whereas. L.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. Shop No. 2, Ground floor, Bldg, 'B', Plot No. 'A' Devki

Nagar, Eksar Road, Borivii (West), Bombay-92 Under Construction situated at Borivii (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE · SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Bldg. 'B', Plot No. 'A', Devki Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92. (Under Construction)

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10522/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following porary for a period upto 26-3-85 or till such time regular persons, namely :--

Date: 12-2-1985

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Edward Castelino.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10379/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 321, 2nd floor, 'Govind Apartment,' Jay Pali Hill,

Borivli (West), Bombay-400 092 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, m4/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 321, 2nd floor, 'Govind Apartments,' Jay-Pali Hill Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR IV/37-EE/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anthony D. Pinto, Jt. Shri Joseph M. Pinto.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR IV/37-FE/10381/83-84,—Whereas. I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to he the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Flat No. 224, 4th floor, 'Atmaram' Apartments, Jay-Pali
ttill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92,
Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92, situated

at Borish (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 224 4th floor, "Atmaram" Apartments, Jay-Pal₁ Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide scrial No. ARIV/37-EE/10381/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/9EEE/10576/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Flat No. E/7, 1st floor, Sai Baba Dham, Off S. V. Road,
Borivali (West), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Arun International.

(Transferor)

- (2) Shri Mansukhlal, Keshavlal Soni and Smt. Bharatiben M. Soni, (Transferee)
- (3) Developers.

(Person in occupation of property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E/7, 1st floor, Sai Baba Dham, Off S. V. Road, Borrvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent ombay vide serial No. AR-IV/37EE/1057/83-84 dated 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10076/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, 2nd floor, Proposed Bldg., on F.P. 359, T.P.S. III, Vazira Naka, Borivali (West), Bombay-92 situated at Borivali

(West)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s K. Thaker.

(Transferor)

(2) Smt. Alka Yeshwant, Prabhu Uerurkar.

(Transferee)

3) M/s K. Thakar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7. 2nd floor, Proposed Bldg. on F.P. 359. T.P.S. III, Vazira Naka, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIY/37EE/10076/83-84 dated 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV, Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No ARIV/37EE/10162/83-84.--Whereas I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. D-15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West).
Bombay 92 situated at Borivli (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect be any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Umarani B. Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash, Chirangilal Didwania and Smt, Geetadevi Omprakash Didwania,

(Transferce)

(3) 1. Shri Deep Sharma, 2. Mr. Ajit Sharma and 3. Mr. Pradeep Sharma

(Person in occupation of property).

(4) Transferees. (Person whom the undersigned knows to be interested in property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivii (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vidt serial No. ARIV/37EE/10162/83-84 dated 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Hemantkumar M. Desai and Hirmkumar M. Desai.

(Transferor)

(2) Vinodkumar Prahladrai Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10665/83-84.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 304, Bldg. No. B/40, Yogi Nagar, Eksar Road.
Borivali (West), Bombay-92 situated at Borivali (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 304, Bldg. No. B/40, Yogi Nagar, Eksa, Road. Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10665/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

Soal:

(1) Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mrs. Latika Sadanand Thakur.

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. ARIV '37FE/10537/83-84.—Whereas, I,

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax New, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the hand her), have reason to believe that the

terred to as the 'aid 'ct'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 105, Is floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar. Eksar Road, Borryli (West), Bombay-400 092 situated at Borryli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the accument is registered under Carling 260 AB of the (proposallay Ast 1961, in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa.d exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for a sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the followmy persons namely: -98-506G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the se Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivit (West). Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10537/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Gunwantiben Hiralal Parekh.

(Transferor)

(2) Sunita Shankarlal Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. ARIV/3EE7/10299/83-84.—Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. C-102, 1st floor, Building No. C. "Star Galaxy Apartments". L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Pombay on 1-6-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fl.: No. C-102, 1st floor, Building No. C. "Star Galaxy Apartments" L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10229/83-84 dated 1-6 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Date : 12-2-1985

FORM ITNS----

- (1) Koshan Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Shri Vinodrai Muljibhai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37E/10736/83-84 --- Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, Roshan Apartment, 'E' Wing. 4th Kasturba Poad, Borivli, Bombay-66 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADD / UT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957- (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Roshan Apartment, 'E' Wing, 4th

Kasturba Road, Borivli, Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37FE/10736/83-84 dated 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10375/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar. Road, Barivli (West, Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising, from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Gagangiri Development Corpn.
- (2) Mrs. Pravara Murlidhar Joshi.

(Transferor)

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the solvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

nFlat No. 102, 1st floor, 'C' Bldg., Gangangiti Nagar, Pksat Road, Bosivh (West), Bombay-460 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide seril No. AR-IV|37EEH0375₁83-84. dated 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ret. No. ARIV/37EF/10130,783-84.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-as Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have a reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,030/- and bearing

No. B. 39, Bidg. of Rajayog Co-op. Hsg. Society. Vazita Naka, Borivli (W), Bombay-92 situated at Korivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dashiath Punjaji Kharche,
- (2) Smt. Sushila Gajanan Patankar,

(Transferor)

(3) Transferee.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B/39, Bldg. of Rajayog Co-op. Hag. Society, Vazua Naka, Borivit (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authorus, Pombay vide serial No. ARIV/37FF/10130/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting-Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Noshir Phirojshah Daji.

(2) H. Gopal Krishnan,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY -

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37FE/10299/83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

First No. 11, Siddharth Apartment, Kastur Park, Sumpoli Road, Bornili (West), Bombay situated at Borivili (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: "The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaningss given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 11, Siddhar Apartment, Kastur Park, Shimpoli Poad. Borivili (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10299/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Shah Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dharji Bhogilal Maganlal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10524/83-84---Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Shop No 2, Ground floor of Bldg, on Plot No 'B' of 'D' Wing, Devli Nagar, Eksar Road, Borivli (West). Bombay-92

(Under Construction situated at Borvli (W) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated in the said instrument of -transfer with the object of :---

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by thy other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used berein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 2, Ground floor, Bldg, on Plot 'B' of 'D' Wing, Devki Nagai, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92 (Under Construction).

The agreement has been registered with the Competent Authorny, Bombay vide serial No. ARIV/37EP/10524/83-84 dated 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date · 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombav, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37BE/10575/83-84.—Whereas, i. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Hat No 3 D/1, Gr. floor, Bldg No. 3. Bai Apartment, Saibaba Nagar, Off. S. V. Road, Borivali (West). Bombay-400 092 stituated at Botivali (W) (and more fully described in the Scheduled approach hereto).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984 at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sniee Shanker Narayan Patkar.

(Transferor)

(1) Shri Murlidhar Bhawanishankar Sharina and Smt. Kesarben M. Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3/D/1, Gr. Floor, Bldg. No. 3, Baj Apartments, Saibaba Nagar, Off S. V. Road, Borivali (Wsei), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE \$10575/83-84 dated 1-5-1984.

> LAXMAN DAS
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Smt Lela P. Bedi.

(Transferor)

(2) Shri Gopaldas Bhagwandas Shah and Shr. Damodar Bhagwandas Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10065/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shor No 8, Ground floor, Dattani Apartment No. 1 Co-op. Hsg. Society Ltd., L. T. Road, Bdorivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that -the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor, Dattani Apartment No .1 Co-op. Hsg Society Ltd., L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide seiral No. AR-IV]37FE[10065]83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

99----506 GI/84

Date: 12-2-1985

(1) Roshan Enterprises.

(Transferor)

(2)Shri Pankaj Jayantilal Jobalia and Smt. Mayuri Pankaj Jobalia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10737/83-84.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing.

Flat No. 403, 4th floor, (Roshan Apartment, Wing-E, 4th Kasturba Road, Borivli, Bombay-66 situated at Eorivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

on Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Roshan Apartment, Wing-E, 4th Kasturba Road, Borivli, Bombay-400 066.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10737/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombav

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

Scal;

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

kef. No ARIV/37EE/10532/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Flar No. 566. Siddhi Apartment, Saibaba Nagar, S. V. Road,
Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

at Bombay on 1-0-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following risons namely:—

(1) Shri Dattatraya Yashwant Mestry.

(Transferor)

(2) Shri Bharatbhai, Vallabhdas Thakker.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaffette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I lat No. 506, Siddhi Apartment, Saibaba Nagar, S. V. Road, Bouvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10532/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

eel .

(1) K. Narayan Rai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

• TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aruna Prakash Sunki.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10445/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

Flat No. 14, Bldg. No. 1, A-Wing, Gee Bee Geejay Co-op. Hsg. Soc. i.d., Saibaba Nagar, Borivali (W), Bombay-92 situated at Korivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Bldg No. 1, A-Wing, Gee Bee Geejav Co-op. Hsg. Soc. 7.td., Saibaba Nagar, Borivali (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/10415/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-2-1985

(1) Shree Elesh Amratlal Shah.

----(Transferor)

10741

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badriprasad Balkrishna Mishra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/10036/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No 003, Ground floor, Plot No. D-9, Yogi-Laxmi Narayan Co op. Hsg. Socy. (P.) Ltd., Yogi Nagar, Eksar Road, Borivh (W), Bombay-92 situated at Borivh (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same roraning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Ground floor, Plot No. D-9, Yogi Laxmi-Narayan Hsg. Society Pvt, Ltd., Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide social No. ARIV/37EF/10036/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcersons namely: persons, namely :-

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV37EE/10026/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 14 & 19, bearing C.T.S. No. 13/15 & 13/21 in Desai & Sheth Nagar, (Bldg. Under Construction), Car Park-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ing Space Uo. 6, Gr. Fl., Borivli (W), Bombay situated at Bonvli (West)

at Bombay on 1-6-1984

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Arihant Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Ashadevi M. Jain.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14 & 19, bearing C.T.S. No. 13/15 & 13/21 in Desai & Sheth Nagar, (Bldg. under construction), Car Parking Space No. 6, Ground floor, A-Wing, Borivli (W). Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bobay vide serial No. ARIV/37EE/10026/83-84 dated 1-6-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the in ue of this notice under subsection (1) of Section (A94) to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Nikeeta Unique.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Adrian D'Souza
- (3) Transftree.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11175/83-84.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 9, 2nd floor, 'Stella Maris Apartment', S. No. 154/!, I. C. Colony, Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 9, 2nd floor, 'Stella Maris Apartments, S. No. 154/I, 1. C. Colony, Sorivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/11175/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

(1) M/s Nikeeta Unique.

(Transferor)

(2) Shri Lawarance M. Rosarie.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11174/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat on 3rd floor, Stella Maris Apartment, S. No. 154/J. I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor, Stella Maris Apartment S. No. 154/I. I. C. Colony Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/11174/83-84 dated 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pravinbhai & Mr. Bavchandbhai B. Nakrani, Bhagwanbhai Nakrani. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-ΕΓ./10410/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and No. Shop No. 11, Ground floor, "Samarpan", 'B' Bldg., Daulat Nagar. Road No. 3, Borivli (East), Bombay situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). Has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 17-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, "Samarpan", 'B', Bldg., Daulat Nagar, Road No. 3, Borivali (East), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10410/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

100 -- 506 GI /84

Date: 12-2-1985

eal :

(1) M/s. Names Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Keith Placid D'Souza, Chief Promoter, R.B.I. Staff Co-op. Hig. Soc. Lad

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10728/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 38 Flats in Laxman Apartments at Survey No. 104.
His a No. 1 & 2 in Eksar in the Taluka of Borivli, Bombay situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; . sid/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-try. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38 Plats in Laxman Apailments at Survey No. 104, Hissa No. 1 & 2 in Eksar in the Taluka of Borivli, Bombay

LAXMAN DAC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, B. raba-

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

(1) Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vasant L. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Let. No ARIV/37-EE/10237/83 84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fau market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. All that piece of parcel of land or ground at Village Ek at Survey No. 41 (Part), Taluka Bortyli, Bombay

situated at Borivli (and more taily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the efformet in Authority of Bombay on 1-6-1984 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground at Village Eksar, Survey No 41 (Part), Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10237/83-84, dt 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 12-2-1985

(1) 1. Shri Dhanjibhai Mithubhai Chheda & 2. Shri Prabhadray G. Upadhyay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10762/83-84.--Whereas. 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 1 (N.E.), 1st floor,
No. Shop No. 13, Sahyadri, L. T. Road, Borivli (West),
Bombay situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Competent Authority at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Manubhai H. Shah & 2. Shri Ramesh B. Vanzara. (Transferee)

Objections, A any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official guzette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13. Sahyadri L. F. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARVI/37-EE/10762/83-84, dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10447/34-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 5, Ground floor, in Bldg, A-7, Rattan Napar Scheme, Near Premij Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E). Bombay-66 situated at Borivali (E) and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-taxl Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the first

for an apparent consideration which is less than the fallmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afe said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Narayan Nadhavlal Limbuchiya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Bldg. A-7, Rattan Nagar Scheme, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivali (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vie scrial No. ARIV/37-EE/10447/33-84 dt. 1-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 12-2-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. K. Patel & Co. (Pvt.) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shi Jagmohandas & Smt. Vilasben J. Sanghavi Valjibhai Sanghvi M/s. Zaveri & Sons.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/1030/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 32, 31d floor, "Panch Ratna", Sardar Vallabhai Patel Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Hombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, 'Panch Ratna', Sadrar Vallabhai Patel Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10300/83-84, dt. 1-6-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay,

Date: 12-2-1985

(1) M/s, K. Patel & Co.

(2) Jayesh Kumar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-1V137-EE[10396]83 84 --- Whereas, I,

Ref. No. AR-1V'37-EE[10396]83 84—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. E-403, Dwarkesh, 4th floor, L. T. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Box Vii (West), dand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Punamchand Doshi & Rameshkumar Punamchand (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. E-403, Dwarkesh. 4th floor, L. T. Road, Botivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authoritly, Bombay vide serial No. ARIV/37-BE/10396/83-84, dt. 1-6-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomectax Acquisition Range-IV, Hombay,

Date: 12-2-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Kunjbala Uttarichand Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M19. Dinaben Kanubhai Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No AR-IV[37-FE] 19083[83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No Flat No. 26, New Tashkent Terrace Co op Hsg Scc Ltd., Borvili (West), Bombay-92 situated at Borrvli (W) (and more fully described in the Schedule somexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26. New Tashkent Terrace Co-op. Hsg. Society Ltd., Borvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10083/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Dhirajhhai Gulabdas Vashi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hansa Rajeshkumar Jotangia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10302/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11, 2nd floor, Bldg. A. Mandar Co-op. Hsg. Society, Gokuldham, Borvli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair marker value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--101—506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd sloor, Bldg. A, Mandar Co-op. Hsg. Society, Gokuldham, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10302/83-84, dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-2-1985

Scal .

PORM ITNS-

(1) M/s. Sumer Developments.

(Transferor)

(2) Smi. Taraben D. Pátel & Shri Dhanrai M. Patel. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37·EE/10205/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 18, Ground floor, 'Sumer Nagar', S. V. Road. Opp. Kora Kendra & Gokul Dham. Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, if respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, Ground floor, 'Sumer Nagar', S. V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borvli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10205/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10640/83-84.--Whereas, I,

LAYMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. Shop No. 1(a) & 1, Ground floor, Charch-Way Bldg., Survey No. 155, Hissa No. 6, Survey No. 156, Hissa No. 3/CTS No. 1084, Village Borivli Taluka Eksar, Holy Road situated at Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the autrement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the It is the Competent Authority at

Bombay on 1 6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Joaquim Massasenhas & Mis. Aramita
- (2) M/s. Anjana Builders.

(Transferor)

(3) Transferors

(Transferce)

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1(a) & 1, Ground floor, Charch-Way Building Survey No. 155, Hissa No. 6 Survey No. 156, Hissa No. 3/CTS No. 1084 at Village Eksar, Holy Road, Taluka Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10640/83-84, dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAF Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 12-2-1985

(1) M/s. Sumer Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10451/83-84.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-.

No. Shop No. 1, Ground floor, 'A' Wing, Sumer Nagar, S, V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Jagat Singh Mayadas Gandi &
 2. Joginderkumar Jagatsingh, Gandhi and
 3. Rajendrasingh Jagatsingh Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, 'A', Wing, Sumer Nagar, S.V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (West) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10451/83-84, dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1985

(3) Taunsferors

FORM ITNS-

(1) Gaganqusi Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Kadar Ismail Merchant,

(Transferee)

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10377/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 208, 2nd floor, 'C' Bldg., Gangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this tastice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10377/83-84, dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Jay Pali Budders.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Satyawan Chitte.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, 'he 12th February 1985

Ref. No. ARLV/37-EE/16477/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that are immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, 'C' Wing. 1st floor, "Ramchandra Apartment", 'A' Bldg., lay Pah Hill, Near Shanti Ashram, Borivit (West), Bombay-92 situated at Borivit (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the Habitaty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Agr or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizette

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 'C' Wing, 1st floor, "Ramchandta Apartment", 'A' Bldg., Jay Pali Ilill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No ARIV/37-FE/10477/83-84, dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1985

FORM ATN 3----

(1) Jay Palı Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna S. Poojary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10478/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Shop No. 3, "Susheela Apartments", Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Borivli (West) (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inspectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, "Susheela Apartments", Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/10478/83-84 dt. 1-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

(1) Shri Rumjibhai Revushankar Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratanben H. Bheda & Prashant H. Bheda. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tarnsferors

(Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37-EE/10630/83-84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and hearing Flat No. 303, 3rd floor, 'C' Wing, Star Galaxy, L. T. Road, Borivali (West), Bombay-92 situated at Borivali (W), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

the Competent Authority at

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Bombay on 16-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, 'C' Wing, Star Galaxy, L. T. Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10630/83-84 dt. 1-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Khaklubai M. Keni & 40 others.

(2) Om Shri Alkapuri Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11075/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinalter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-/- and bearing No. No. All that piece or parcel of land lying and being at Village Borivli, vide D.P. Road, bearing S. No. 37(P), C. S. No. 270(P), situated at Borivli (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land lying and being at village Borivli, Wide D.P. Road, bearing S. No. 37(P), C.S. No. 270(P), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11075/83-84 dt. 1-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1985